अगाथा क्रिस्टी

मर्डर ऑन ओरियन्ट एक्सप्रेस

विषय-सूची

पहला भाग
तथ्य

दूसरा भाग
गवाही

तीसरा भाग
मोसिए पॉयरो बैठ कर विचार करते हैं

पहला भाग

तथ्य

अध्याय 1

टॉरस एक्सप्रेस का महत्वपूर्ण मुसाफ़िर

सीरिया में सर्दियों की एक सुबह के पाँच बजे का वक़्त था। अलेप्पो नगर के प्लेटफ़ार्म पर वह रेलगाड़ी खड़ी थी जिसे रेल निर्देशिकाओं में टॉरस एक्सप्रेस का आलीशान नाम दिया गया था। उसमें एक रसोई और खाने का डिब्बा, एक स्लीपर और दो स्थानीय डिब्बे थे।

स्लीपर कार में दाख़िल होने वाली सीढ़ी के पास एक युवा फ्रान्सीसी लेफ़्टिनेंट खड़ा था; वर्दी में लक़-दक़ नज़र आता हुआ, वह छोटे क़द के एक छरहरे आदमी से बात कर रहा था, जिसने कानों तक गुलूबन्द लपेट रखा था और जिसकी नाक की गुलाबी नोक और ऊपर को ऐंठी हुई मूँछों के दो नुकीले छोरों के सिवा और कुछ नज़र नहीं आ रहा था।

हड्डियाँ जमा देने वाली ठण्ड थी और एक प्रतिष्ठित मेहमान को विदा करने का यह काम ईर्ष्या-योग्य नहीं था, लेकिन लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क अपनी भूमिका दिलेरी से निभा रहा था। नफ़ीस फ्रान्सीसी में मन मोह लेने वाले जुमले उसके होंटों से झर रहे थे। ऐसा नहीं था कि उसे कुछ सान-गुमान हो कि माजरा क्या था। बेशक, अफ़वाहें उड़ती रही थीं, जैसे कि इस क़िस्म के मामलों में हमेशा रहती थीं। जनरल साहब—उसके जनरल साहब—का मिज़ाज ख़राब-से-ख़राब होता चला गया था। और फिर यह बेल्जियाई अजनबी आ टपका था—लगता था सुदूर इंग्लैण्ड से, यह लम्बा फ़ासला तय करता हुआ। फिर

एक हफ़्ता गुज़रा था—अजीबो-ग़रीब तनाव-भरा हफ़्ता। और तब कुछ चीज़ें घटित हुई थीं। एक नामी अफ़सर ने ख़ुदकुशी कर ली थी, दूसरे ने इस्तीफा दे दिया था—चिन्ता में डूबे चेहरों से चिन्ता ग़ायब हो गयी थी, कुछ फ़ौजी सावधानियाँ ढीली कर दी गयी थीं। और जनरल—लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क के अपने ख़ास जनरल साहब—की उम्र अचानक दस साल कम नज़र आने लगी थी।

ड्यूबॉस्क के कानों में उस बातचीत का एक टुकड़ा पड़ा था जो जनरल साहब और उस अजनबी के बीच हुई थी। 'तुमने हमें बचा लिया है, प्यारे,' जनरल ने भाव-भीने स्वर में कहा था। बोलते समय उनकी शानदार सफ़ेद मूँछें काँप रही थीं। 'तुमने फ्रान्सीसी फौज की आबरू बचा ली है—बहुत सारा ख़ून-खराबा टाल दिया है तुमने। कैसे तुम्हारा शुक्रिया अदा करूँ कि तुमने मेरी बिनती मान ली? इतनी दूर आना—'

इस पर अजनबी ने (हरक्यूल पॉयरो नाम था उसका) मुनासिब जवाब दिया था, जिसमें यह जुमला भी था, 'लेकिन सचमुच, क्या आपके ख़याल में मुझे याद नहीं है कि एक बार आपने मेरी ज़िन्दगी बचायी थी?' और फिर जनरल ने इस पर अपनी तरफ़ से एक और मुनासिब जवाब दिया था—उस पुरानी सेवा के लिए कोई श्रेय न लेने की ख़ातिर, और इसके बाद फ्रान्स, बेल्जियम, शान और इज़्ज़त और ऐसी ही दूसरी बातों के ज़िक्र के साथ दोनों गर्मजोशी से गले मिले थे और बातचीत ख़त्म हो गयी थी।

इस सबका ताल्लुक किन बातों से था, इस बारे में लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क अब भी नावाक़िफ़ था, लेकिन उसी के ज़िम्मे मोसिए पॉयरो को टॉरस एक्सप्रेस पर विदा करने का काम सौंप दिया गया था और वह इस ज़िम्मेदारी को उसी जोश और लगन के साथ निभा रहा था जो सुनहरे भविष्य वाले किसी युवा अफ़सर के अनुकूल हो।

'आज इतवार है,' लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने कहा। 'कल, सोमवार की शाम, आप इस्तम्बूल पहुँच जायेंगे।'

यह पहली बार नहीं था कि उसने यह टिप्पणी की थी। ट्रेन की रवानगी से पहले, प्लेटफ़ार्म पर होने वाली बातचीत की फ़ितरत आम तौर पर दोहराव-भरी होती है।

'वह तो है,' मोसिए पॉयरो ने सहमति व्यक्त की।

'और मेरे ख़याल में आप कुछ दिन वहाँ टिके रहना चाहते हैं?'

'आह, ज़रूर, ज़रूर। इस्तम्बूल, यह ऐसा शहर है जहाँ मैं कभी नहीं गया हूँ। उसे छूते हुए गुज़र जाना तो अफ़सोस की बात होगी—बस, ऐसा ही है।' उसने समझाने के अन्दाज़ में चुटकी बजायी। 'कोई हड़बड़ नहीं है—मैं वहाँ कुछ दिन सैलानियों की तरह रहूँगा।'

'ला सेंट सोफ़ी, बहुत सुन्दर है वह,' लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने कहा, जिसने कभी वह इमारत नहीं देखी थी।

सर्द हवा का एक झोंका सीटियाँ बजाता प्लेटफ़ार्म से गुज़र गया। दोनों आदमियों को झुरझुरी आयी। लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने घड़ी पर उड़ती हुई नज़र डाली। पाँच बजने में पाँच—सिर्फ़ पाँच मिनट और!

इस ख़याल से कि दूसरे आदमी ने उसकी छिपी हुई निगाह पकड़ ली होगी, उसने एक बार फिर जल्दी से बात शुरू की।

'साल के इन महीनों में बहुत कम लोग सफ़र कर रहे होते हैं,' उसने स्लीपर की खिड़कियों पर ऊपर को नज़र डालते हुए कहा।

'हाँ, यह तो है,' मोसिए पॉयरो ने रज़ामन्दी ज़ाहिर की।

'यही उम्मीद करें कि टॉरस एक्सप्रेस बर्फ़ में न फँस जाये कहीं!'

'ऐसा होता है?'

'हाँ, हुआ तो है। पर इस साल नहीं, कम-से-कम अब तक।'

'तब तो उम्मीद ही करनी चाहिए,' मोसिए पॉयरो ने कहा। 'यूरोप से मौसम की ख़बरें तो बुरी हैं।'

'बहुत बुरी हैं। बॉल्कन के इलाक़े में काफ़ी बर्फ़ गिरी है।'

'जर्मनी में भी, मैंने सुना है।'

'ख़ैर,' जैसे ही बातचीत में एक और रुकावट आती जान पड़ी, लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने जल्दी से कहा। 'कल शाम सात बज कर चालीस पर आप कुस्तुन्तुनिया में होंगे।'

'हाँ,' मोसिए पॉयरो बोले और बातों के टूटते सिरे को आगे बढ़ाने के प्रयास में उन्होंने कहा, 'ला सेंट सोफ़ी, मैंने सुना है वह बहुत सुन्दर है।'

'शानदार, मुझे यक़ीन है।'

उनके सिरों के ऊपर, स्लीपर के एक कक्ष का पर्दा बग़ल को खिसका कर एक युवती ने बाहर की तरफ़ झाँका।

पिछले बृहस्पतिवार को बग़दाद से चलने के बाद से मेरी डेबनहैम बहुत कम सो पायी थी। न तो किरकुक जाने वाली रेलगाड़ी में, न मोसुल के रेस्ट हाउस में और न पिछली रात इस रेलगाड़ी में ही उसे ठीक से नींद आयी थी। अब अपने ज़रूरत से ज़्यादा गर्म डिब्बे की घुटन-भरी फ़िज़ा में जागे हुए लेटे रहने से तंग आ कर वह उठी और उसने बाहर को नज़र दौड़ायी।

यह ज़रूर अलेप्पो होगा, यक़ीनन, देखने लायक़ कुछ भी नहीं। महज़ एक लम्बा, नीम-अँधेरा प्लेटफॉर्म और कहीं अरबी में ऊँची आवाज़ में चल रही तकरार की गरमा-गरमी। उसकी खिड़की के नीचे दो आदमी फ्रान्सीसी में बातें कर रहे थे। एक तो फ्रान्सीसी अफ़सर था और दूसरा, बड़ी-बड़ी मूँछों वाला, छोटे क़द का आदमी। वह हल्के से मुस्करायी। उसने कभी किसी को गुलूबन्द से इस क़दर

लिपटे हुए नहीं देखा था। बाहर ज़रूर काफ़ी ठण्ड होगी। यही कारण था कि उन्होंने रेलगाड़ी के डिब्बों को इतनी बुरी तरह गर्म कर रखा था। उसने ज़ोर लगा कर खिड़की को और नीचे ठेलने की कोशिश की, लेकिन वह टस-से-मस न हुई।

गाड़ी का कण्डक्टर बाहर खड़े दोनों आदमियों के नज़दीक आ गया था। रेलगाड़ी चलने वाली थी, उसने कहा। बेहतर होगा अगर मोसिए अब सवार हो जायें। छोटे क़द वाले आदमी ने अपना हैट उतारा। कैसा अण्डे जैसा सिर था उसका! अपनी उधेड़-बुन के बावजूद मेरी डेबनहैम मुस्करायी। कितना हास्यास्पद दिखने वाला छोटा-सा आदमी। उस क़िस्म का नन्हा-सा आदमी जिसे कभी गम्भीरता से नहीं लिया जा सकता था।

लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क अपना विदाई का भाषण दे रहा था। उसने पहले ही से इसके बारे में सोचा हुआ था और आख़िरी मिनट तक उसे बचा रखा था। वह एक बेहद नफ़ीस सलीक़ेदार भाषण था।

मोसिए पॉयरो शिकस्त खाने को तैयार न थे, उन्होंने भी उसी अन्दाज़ में जवाब दिया।

'सवार हो जाइए, साहब,' कण्डक्टर ने कहा।

असीम अनिच्छा के भाव से मोसिए पॉयरो सीढ़ी चढ़ कर रेलगाड़ी में सवार हो गये। कण्डक्टर उनके पीछे-पीछे चढ़ आया। मोसिए पॉयरो ने हाथ हिलाया। लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने सलाम ठोंका। जबर्दस्त झटके से रेलगाड़ी धीरे-धीरे आगे को खिसक चली।

'आख़िरकार!' मोसिए हरक्यूल पॉयरो बड़बड़ाये।

'ससस्सस्सस्स!' पूरी तरह महसूस करके कि वह कितना ठण्डा गया था, लेफ़्टिनेंट ड्यूबॉस्क ने सिसकारी भरी।

II

'इसे देख लें, मोसिए।' कण्डक्टर ने एक नाटकीय मुद्रा से पॉयरो को उसके शयन-कक्ष की ख़ूबसूरती और सलीक़े से रखा गया उनका सामान दिखाया। 'मोसिए का वह चमड़े का छोटा सफ़री थैला मैंने यहाँ रख दिया है।'

उसके फैले हुए हाथ का इशारा साफ़ था। हरक्यूल पॉयरो ने उसमें एक तह किया हुआ नोट रख दिया।

'शुक्रिया, मोसिए।' कण्डक्टर के हाव-भाव में चुस्ती और पेशेवराना अन्दाज़ झलकने लगा। 'मोसिए के टिकट मेरे पास हैं। पासपोर्ट भी मैं ले लूँ, हुज़ूर। मेरा ख़याल है, मोसिए इस्तम्बूल में रुक रहे हैं।'

मोसिए मॉयरो ने हामी भरी।

'मेरे हिसाब से बहुत-से लोग सफ़र नहीं कर रहे हैं, क्यों?' उन्होंने कहा।

'नहीं, मोसिए। मेरे पास सिर्फ़ दो और सवारियाँ हैं—दोनों अंग्रेज़। हिन्दुस्तान से एक कर्नल और बग़दाद से एक अंग्रेज़ युवती। क्या मोसिए को कुछ चाहिए?'

मोसिए ने एक छोटी मिनरल वॉटर की बोतल की फ़रमाइश की।

सुबह के पाँच बजे रेलगाड़ी में सवार होने के लिए एक अटपटा समय है। भोर होने में अभी दो घण्टे बाकी थे। रात की नाकाफ़ी नींद और एक नाज़ुक मुहिम को कामयाबी से अंजाम तक पहुँचाने की तसल्ली, दोनों से आगाह, मोसिए पॉयरो एक कोने में गुड़ी-मुड़ी लेट कर सो गये।

जब वे उठे साढ़े नौ बज चुके थे और वे गरम कॉफ़ी की

तलाश में रेस्तराँ-कार की तरफ़ चल दिये।

उस समय वहाँ एक ही मुसाफ़िर मौजूद था, ज़ाहिर तौर पर वह अंग्रेज़ युवती जिसका हवाला कण्डक्टर ने दिया था। वह लम्बी, छरहरी और साँवली थी—उमर उसकी अट्ठाईस के आस-पास होगी। जिस तरह वह अपना नाश्ता खा रही थी और जिस तरह उसने वेटर को अपने लिए और कॉफ़ी लाने के लिए कहा उसमें एक क़िस्म की इत्मीनान-भरी कुशलता थी जो दुनिया की और इस बात की जानकारी देती थी कि उसने काफ़ी यात्राएँ कर रखी थीं। उसने रेलगाड़ी के गरम वातावरण के लिए पूरी तरह उपयुक्त किसी पतले कपड़े का एक गहरे रंग का सफ़री लिबास पहन रखा था।

कोई बेहतर काम हाथ में न होने के कारण मोसिए हरक्यूल पॉयरो उसका जायज़ा लेते हुए अपना मनोरंजन करते रहे।

वह, जैसा कि उन्होंने उसे आँका, उस क़िस्म की युवती थी जो चाहे जहाँ जाती, बड़ी आसानी से अपनी देख-भाल कर सकती थी। उसमें एक सलीक़ा और कुशलता थी। पॉयरो को उसके नाक-नक़्शे का सुता हुआ खड़ापन और त्वचा का नाज़ुक पीलापन कुछ अच्छा-सा लग रहा था। उन्हें युवती का सुथरे लहरदार बालों वाला चमकीला काला सिर और उसकी आँखें, शान्त, बेलाग और सलेटी, भा रही थीं। लेकिन वह, उन्होंने मन-ही-मन जोड़ा कुछ इतनी होशियार लग रही थी कि वे उसे उन युवतियों में शुमार नहीं कर सकते थे, जिन्हें वे 'ख़ुशशक्ल औरतें' कहते थे।

तभी एक और व्यक्ति रेस्तराँ-कार में दाख़िल हुआ। वह चालीस से पचास के बीच का लम्बा आदमी था, छरहरी काठी और तपी हुई त्वचा वाला, जिसके बाल कनपटियों के पास खिचड़ी-से हो चले थे।

'हिन्दुस्तान से आया कर्नल' पॉयरो ने ख़ुद से कहा।

नवागन्तुक ने थोड़ा-सा झुक कर लड़की का अभिवादन किया।

'नमस्ते, मिस डेबनहैम।'

'नमस्कार, कर्नल आरबथनॉट।'

कर्नल युवती के सामने वाली कुर्सी पर हाथ रखे खड़ा था।

'कोई एतराज़?' उसने पूछा।

'नहीं, नहीं। बैठिए।'

'ख़ैर, आप जानती हैं कि नाश्ता हमेशा ही गप-शप वाला भोजन नहीं होता।'

'उम्मीद तो ऐसी ही है। लेकिन मैं कटखनी नहीं हूँ।'

कर्नल बैठ गया।

'बॉए,' उसने हुक्म देने के अन्दाज़ में ठसके से आवाज़ दी।

उसने अण्डे और कॉफ़ी लाने का आदेश दिया।

उसकी आँखें एक पल के लिए हरक्यूल पॉयरो पर टिकीं, लेकिन वे उदासीनता से आगे को बढ़ गयीं। अंग्रेज़ दिमाग़ का सही अन्दाज़ा लगाते हुए पॉयरो को मालूम था कि कर्नल ने ख़ुद से कहा होगा, 'महज़ एक निगोड़ा विदेशी।'

अपनी कौम की फ़ितरत के प्रति सच्चे, दोनों अंग्रेज़ बतियाने वाले नहीं निकले। उन्होंने एक-दो संक्षिप्त-से जुमले एक-दूसरे की तरफ़ फेंके, फिर जल्दी ही युवती उठी और अपने डिब्बे में लौट गयी।

दोपहर के वक़्त दोनों फिर एक ही मेज़ पर बैठे और फिर उन्होंने तीसरे मुसाफ़िर को नज़रन्दाज़ किये रखा। इस बार बातचीत नाश्ते के समय की बातचीत की बनिस्बत ज़्यादा ज़िन्दादिल थी। कर्नल आरबथनॉट पंजाब की बातें करता रहा और बीच-बीच में युवती से बग़दाद के बारे में कुछ सवाल पूछता रहा जिससे यह साफ़ हुआ कि वह वहाँ गवर्नेस की नौकरी में थी। बातचीत के दौरान

उन्होंने पाया कि उनके कुछ आपसी मित्र भी थे जिसका फ़ौरन असर यह हुआ कि बातचीत थोड़ी और दोस्ताना हो गयी और उसकी औपचारिकता कम। उन्होंने किसी पुराने टॉमी अमुक और जेरी तमुक की चर्चा की। कर्नल ने जानना चाहा कि वह सीधे इंग्लैण्ड जा रही थी या बीच में इस्तम्बूल में रुकने वाली थी।

'नहीं, मैं सीधे जा रही हूँ।'

'कुछ अफ़सोस की बात नहीं है?'

'मैं दो साल पहले इस तरफ़ आयी थी और तब मैंने तीन दिन इस्तम्बूल में बिताये थे।'

'अच्छा, अच्छा। ख़ैर, मुझे कहना होगा कि मुझे ख़ुशी है तुम सीधे जा रही हो, क्योंकि मैं भी सीधे जा रहा हूँ।'

वह भौंडेपन से हल्का-सा झुका और ऐसा करते हुए उसके चेहरे पर थोड़ी-सी लाली दौड़ गयी।

'अनुरागी बन्दा है, हमारा कर्नल,' कुछ दिलचस्पी के साथ हरक्यूल पॉयरो ने मन-ही-मन कहा। 'यह रेलगाड़ी, यह किसी समुद्री सफ़र जितनी ही ख़तरनाक है।'

मिस डेबनहैम ने सहज भाव से कहा कि यह तो बहुत अच्छा होगा। उसका लहजा थोड़ा संयत करने वाला था।

हरक्यूल पॉयरो का ध्यान गया कि कर्नल ने मिस डेबनहैम के कम्पार्टमेंट तक उसका साथ दिया। बाद में वे टॉरस की शानदार दृश्यावली से हो कर गुज़रे। गलियारे में अगल-बग़ल खड़े हो कर जब वे दूर से सिलिसियन फाटकों को देख रहे थे, तब अचानक लड़की ने एक लम्बी साँस छोड़ी। पॉयरो उनके नज़दीक खड़े थे और उन्होंने लड़की को बुदबुदाते सुना :

'कितना ख़ूबसूरत है! काश, मैं—काश, मैं—'

'क्या?'

'काश, मैं इसका आनन्द उठा पाती!'

आरबथनॉट ने जवाब नहीं दिया। उसके जबड़े की चौकोर रेखाएँ और कस गयी जान पड़ीं, थोड़ी और कठोर और सख़्त।

'काश, तुम इस सबसे निकल पातीं,' उसने कहा।

'श-श-श, प्लीज़, चुप करो!'

'अरे, ठीक है,' उसने हल्की-सी खीझ-भरी निगाह का तीर पॉयरो की तरफ़ फेंका। फिर उसने बात जारी रखी : 'लेकिन मुझे तुम्हारे गवर्नेस बनने का ख़याल बिलकुल पसन्द नहीं है—तानाशाह क़िस्म की माँओं और उनके थकाऊ लौंडों की हाज़िरी बजाते हुए।'

वह ऐसी हँसी हँसी जिसकी खनक में बेक़ाबू होने का हल्का-सा संकेत था।

'अरे, तुम्हें ऐसा नहीं सोचना चाहिए। दबी-कुचली गवर्नेस की कल्पना अब एक पिटा हुआ ख़याल है। मैं तुम्हें यक़ीन दिला सकती हूँ कि अब माता-पिता ही डरते रहते हैं कि मैं उन पर कहीं धौंस न जमाने लगूँ।'

उन्होंने और कुछ नहीं कहा। आरबथनॉट शायद यों अपने आपे से बाहर होने पर शर्मिन्दा था।

'कुछ अजीब-सी नौटंकी है जो मुझे यहाँ नज़र आ रही है,' पॉयरो ने ख़ुद से ख़यालों में डूबे हुए कहा।

उन्हें बाद में अपने इस ख़याल की याद आने वाली थी।

वे उसी रात लगभग साढ़े ग्यारह बजे कोन्या पहुँचे। दोनों अंग्रेज़ मुसाफ़िर बर्फ़-ढँके प्लैटफार्म पर आगे-पीछे चहलक़दमी करते हुए, टाँगें सीधी करने के लिए उतरे।

मोसिए पॉयरो रेलवे स्टेशन की भरपूर हलचल को खिड़की के शीशे के पीछे से देखने पर सन्तुष्ट थे। लेकिन लगभग दसेक मिनट के बाद, उन्होंने तय किया कि थोड़ी-देर खुली हवा में साँस लेना

आख़िरकार कोई बुरा ख़याल नहीं था। उन्होंने सावधानी से तैयारी की, अपने गिर्द कई गुलूबन्द और कोट लपेटते और अपने साफ़-सुथरे जूतों पर रबर के बाहरी जूते चढ़ाते हुए; इस तरह पहन-ओढ़ कर वे हिचकिचाते हुए प्लैटफॉर्म पर उतरे और उसकी लम्बाई नापने में जुट गये। टहलते हुए वे इंजन के आगे तक निकल गये।

ये आवाज़ें ही थीं जिन्होंने एक यातायात वाहन की छाया में खड़े हो अस्पष्ट-से आकारों की शिनाख़्त का सुराग दिया। आरबथनॉट बोल रहा था।

'मेरी—'

युवती ने उसे टोक दिया।

'अभी नहीं। अभी नहीं। जब यह सब निपट जाय। जब यह हमारे पीछे रह जाय—तब—'

मौक़े का ख़याल करते हुए होशियारी से मोसिए पॉयरो दूसरी तरफ़ मुड़ गये।

वे मिस डेबनहैम की शान्त, तत्पर आवाज़ को मुश्किल ही से पहचान पाये होते—

'अजीबो-ग़रीब,' उन्होंने ख़ुद से कहा।

अगले दिन उन्होंने गुन्ताड़ा भिड़ाया कि शायद कहीं वे आपस में लड़ तो नहीं पड़े थे। वे एक-दूसरे से ज़्यादा बात नहीं कर रहे थे। युवती, पॉयरो ने सोचा, बेताब जान पड़ती थी। चिन्तित थी। उसकी आँखों के नीचे काले दायरे थे।

दोपहर बाद के लगभग ढाई बजे का वक़्त होगा जब ट्रेन रुक गयी। खिड़कियों से सिर बाहर निकले। पटरियों के किनारे आदमियों का एक छोटा-सा झुण्ड डाइनिंग कार के नीचे किसी चीज़ को देखते और उसकी तरफ़ इशारा करते हुए इकट्ठा था।

पॉयरो ने बाहर को झुक कर कण्डक्टर से बात की जो तेज़-

तेज़ चलता हुआ बग़ल से गुज़र रहा था। उसने जवाब दिया और पॉयरो ने अपना सिर अन्दर कर लिया और मुड़ते हुए मेरी डेबनहैम से लगभग टकरा ही गये, जो उनके ठीक पीछे खड़ी थी।

'क्या मामला है?' उसने फ्रान्सीसी में थोड़ा हाँफते हुए पूछा। 'हम रुक क्यों गये हैं?'

'कोई ख़ास बात नहीं है, मैडमोज़ेल। डाइनिंग कार के नीचे किसी चीज़ में आग लग गयी है। कोई गम्भीर मामला नहीं है। उसे बुझा दिया गया है। अब वे नुकसान की मरम्मत कर रहे हैं। ख़तरे की कोई बात नहीं है, मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ।'

'हाँ, हाँ, सो तो मैं समझती हूँ। लेकिन समय!'

'समय?'

'हाँ, इससे हमें देर हो जायेगी।'

'ऐसा मुमकिन है—जी,' पॉयरो ने सहमति ज़ाहिर की।

'लेकिन हम देर का होना गवारा नहीं कर सकते। गाड़ी के पहुँचने का समय 6.55 है और फिर हमें बॉस्फोरस को पार करके दूसरी तरफ़ नौ बजे ओरिएण्ट एक्सप्रेस पकड़नी है। अगर घण्टे या दो घण्टे की देर हुई तो हम आगे वाली गाड़ी नहीं पकड़ पायेंगे।'

'ऐसा मुमकिन है—जी,' पॉयरो ने स्वीकार किया।

उन्होंने उत्सुकता से युवती को देखा। जिस हाथ ने खिड़की की सलाख़ थाम रखी थी, वह किसी कदर थिर नहीं था, उसके होंट भी काँप रहे थे।

'क्या इससे आपको बहुत फ़र्क़ पड़ेगा, मैडमोज़ेल?' उन्होंने पूछा।

'हाँ, हाँ, पड़ता है। मुझे—मुझे वह ट्रेन पकड़नी ही है।'

वह उनकी तरफ़ से मुड़ कर गलियारे में और आगे कर्नल आरबथनॉट से जा मिलने के लिए बढ़ गयी।

उसकी बेताबी, बहरहाल, ग़ैर ज़रूरी थी। दस मिनट बाद गाड़ी फिर चल दी। रास्ते में खोये हुए वक़्त को पूरा करते हुए वह सिर्फ़ पाँच मिनट की देरी से हेदापासार पहुँची।

बॉसफ़ोरस में लहरें उठ रही थीं और मोसिए पॉयरो को उस हलचल-भरी पार-उतराई में मज़ा नहीं आया। नाव पर वे अपने साथी मुसाफ़िरों से बिछड़ गये थे और उन्होंने दोबारा उन्हें नहीं देखा।

गलाटा पुल पर पहुँच कर उन्होंने टैक्सी ली और सीधे टोकाटलियन होटल का रास्ता पकड़ा।

अध्याय 2

टोकाटलियन होटल

टोकाटलियन पहुँच कर हरक्यूल पॉयरो ने ग़ुसलख़ाने वाले कमरे की फ़रमाइश की। फिर उन्होंने क़दम बढ़ा कर होटल सहायक के डेस्क पर चिट्ठियों के बारे में पूछ-पड़ताल की।

उनके लिए तीन पत्र इन्तज़ार कर रहे थे और एक तार। तार देखकर उनकी भवें हल्की-सी चढ़ीं। इसकी उन्हें उम्मीद नहीं थी।

उन्होंने उसे अपने परिचित, सुथरे, बग़ैर हड़बड़ी वाले अन्दाज़ में खोला।

'कासनर मामले में जिस परिणाम की भविष्यवाणी आपने की थी वह अचानक घटित हुआ है। कृपया फ़ौरन लौटिये।'

'अब यही है सिर में दर्द पैदा करने वाली बात,' पॉयरो खीझे स्वर में बुदबुदाये। उन्होंने ऊपर घड़ी पर निगाह डाली।

'मुझे आज की रात ही आगे जाना होगा,' उन्होंने होटल सहायक से कहा। 'सिम्पलॉन ओरिएण्ट एक्सप्रेस कितने बजे छूटती

है?'

'नौ बजे, मोसिए।'

'क्या आप मुझे एक स्लीपर दिला सकते हैं।'

'निश्चय ही, मोसिए। साल के इस हिस्से में कोई मुश्किल नहीं है। गाड़ियाँ लगभग ख़ाली होती हैं। पहला दर्जा या दूसरा?'

'पहला।'

'ठीक है, मोसिए। कहाँ तक जा रहे हैं आप?'

'लन्दन तक।'

'ठीक, मोसिए। मैं आपके लिए लन्दन का टिकट ला दूँगा और आपके सोने की व्यवस्था इस्तम्बूल-कैले डिब्बे में आरक्षित करवा दूँगा।'

पॉयरो ने फिर एक बार घड़ी पर निगाह डाली। आठ बजने में दस मिनट बाक़ी थे।

'क्या मेरे पास खाने का वक़्त है?'

'यक़ीनन, मोसिए।'

छोटे क़द के बेल्जियमवासी मोसिए पॉयरो ने सिर हिलाया। उन्होंने जाकर अपने कमरे का आरक्षण रद्द करने के लिए कहा और हॉल को पार करके रेस्तराँ की तरफ़ बढ़े।

जब पॉयरो वेटर को अपना आदेश दे रहे थे तभी एक हाथ उनके कन्धे पर आ टिका।

'आह! मेरे दोस्त, लेकिन यह तो एक अनपेक्षित आनन्द है,' उनके पीछे से आवाज़ आयी।

बोलने वाला छोटे क़द का एक तगड़ा अधेड़ आदमी था जिसके बाल छोटे-छोटे कटे हुए थे। उसकी मुस्कान ख़ुशी से फैली हुई थी।

पॉयरो उछल कर उठे।

'मोसिए बोक!'

'मोसिए पॉयरो!'

मोसिए बोक भी बेल्जियमवासी थे, अन्तर्राष्ट्रीय वैगन लिट रेलवे कम्पनी के एक डायरेक्टर और जिस दोस्त से वे मुख़ातिब थे, वे बेल्जियाई पुलिस के एक पुराने सितारे थे और उनसे मोसिए बोक की दोस्ती वर्षों पुरानी थी।

'तुम घर से काफ़ी दूर नज़र आ रहे हो, मित्र,' मोसिए बोक ने कहा।

'सीरिया में एक छोटा-सा मामला।'

'आह! और तुम घर लौट रहे हो—कब?'

'आज रात।'

'वाह! मैं भी। कहने का मतलब मैं लॉसान तक जा रहा हूँ, जहाँ मुझे काम है। तुम सिम्पलॉन-ओरिएण्ट से सफ़र कर रहे हो, मेरे ख़याल से?'

'हाँ। मैंने अभी-अभी उनसे कहा है कि वे मेरे लिए एक स्लीपर का इन्तज़ाम कर दें। वैसे तो मेरा इरादा यहाँ कुछ दिन रहने का था, लेकिन मुझे ज़रूरी काम से लन्दन लौटने की फ़रमाइश करने वाला तार मिला है।'

'आह!' मोसिए बोक ने लम्बी साँस छोड़ी। 'ब्रिजनेस—काम! लेकिन तुम—तुम तो आजकल सातवें आसमान पर हो, मेरे दोस्त!'

'कुछ छोटी-मोटी कामयाबी मुझे मिली है, शायद।' हरक्यूल पॉयरो ने विनम्र दिखने की कोशिश की, मगर बुरी तरह नाकाम रहे।

बोक हँसे।

'हम बाद में मिलेंगे,' उन्होंने कहा।

हरक्यूल पॉयरो अपनी मूँछों को सूप में गोता लगाने से बचाने

के काम की तरफ़ मुख़ातिब हो गये।

यह मुश्किल काम पूरा कर लेने के बाद खाने के अगले दौर का इन्तज़ार करते हुए उन्होंने चारों तरफ़ नज़रें दौड़ायी। रेस्तराँ में लगभग आधा दर्जन लोग ही थे और इस आधे दर्जन में से भी सिर्फ़ दो थे जिनमें मोसिए पॉयरो की दिलचस्पी जागी।

ये दोनों एक मेज़ पर बैठे थे जो बहुत दूर नहीं थी। उनमें से निस्बतन कम उमर का आदमी तीस बरस का और ख़ुशशक्ल था, साफ़ तौर पर अमरीकी। लेकिन दरअसल वह नहीं, बल्कि उसका साथी था जिसने उस ठिगने जासूस का ध्यान अपनी तरफ़ खींचा था।

वह साठ से सत्तर के बीच रहा होगा। थोड़ी दूर से उसकी मुद्रा एक परोपकारी समाज-सेवी जैसी सौम्य दिखायी देती थी। उसका हल्का-सा गंजा सिर, गुम्बद-सरीखा ऊँचा माथा, बेहद सफ़ेद नक़ली दाँतों की नुमाइश करता मुस्कराता चेहरा—सब एक भलमनसाहत और दया-भरी शख़्सियत की चुगली खा रहे थे। सिर्फ़ आँखें ही थीं जो इस अनुमान को ग़लत ठहराती थीं। वे छोटी-छोटी, धँसी हुई और चतुराई से भरी थीं। सिर्फ़ इतना ही नहीं। जैसे ही उस आदमी ने, अपने युवा साथी से कोई टिप्पणी करते हुए कमरे की दूसरी तरफ़ नज़र दौड़ायी, उसकी निगाह पल भर के लिए पॉयरो पर टिकी और उस क्षणांश के लिए उस निगाह में एक अजीब-सा दुष्ट-भाव और अस्वाभाविक तनाव था।

फिर वह उठा।

'बिल चुका देना, हेक्टर,' उसने कहा।

उसकी आवाज़ हल्की-सी भर्रायी हुई थी। उसमें एक अजीब, मुलायम-सी, ख़तरनाक ख़ासियत थी।

जब पॉयरो होटल के प्रतीक्षा-कक्ष में फिर अपने मित्र से जा मिले तो दूसरे दोनों आदमी उसी समय होटल से विदा हो रहे थे।

उनका सामान नीचे लाया जा रहा था। कम उमर वाला आदमी अपनी देख-रेख में इस काम को करवा रहा था। जल्द ही उसने शीशे का दरवाज़ा खोला और कहा :

'बिलकुल तैयार हैं, मिस्टर रैचेट।'

अधेड़ आदमी ने गले की घुरघुराहट से हामी भरी और बाहर निकल गया।

'हाँ, तो,' पॉयरो ने कहा। 'क्या ख़याल है आपका इन दोनों के बारे में?'

'अमरीकी हैं,' मोसिए बोक ने कहा।

'यक़ीनन वे अमरीकी हैं। मेरा मतलब था आपने बतौर आदमी उनके बारे में क्या सोचा?'

'नौजवान तो काफ़ी भला-सा लग रहा था।'

'और वह दूसरा ?'

'सच्ची बात कहूँ तो, मेरे दोस्त, मुझे वह नहीं जँचा। उसने मुझ पर एक नागवार-सा असर छोड़ा। और तुम?'

हरक्यूल पॉयरो को उत्तर देने में एक पल लगा।

'जब वह रेस्तराँ में मेरे पास से गुज़रा,' आख़िरकार उन्होंने कहा, 'मुझ पर एक अनोखा असर हुआ। ऐसा लगा जैसे एक जंगली जानवर—बनैला, वहशी, लेकिन वहशी! आप समझे—मेरे पास से गुज़रा हो।'

'और इस पर भी वह कुल मिलाकर इज़्ज़तदार लग रहा था।'

'बिलकुल! शरीर—पिंजरा—तो एकदम इज़्ज़तदार आदमी का है—लेकिन सलाख़ों के बीच से जंगली जानवर बाहर झाँकता है।'

'तुम कल्पनाशील हो, मेरे दोस्त,' मोसिए बोक ने कहा।

'हो सकता है। लेकिन मैं अपने मन पर पड़ी इस छाप से पीछा

नहीं छुड़ा पाया कि बुराई मेरे बहुत नज़दीक से गुज़री।'

'वह इज़्ज़तदार अमरीकी सज्जन?'

'जी, वह इज़्ज़तदार अमरीकी सज्जन।'

'ख़ैर,' मोसिए बोक ने ज़िन्दादिली से कहा। 'हो सकता है। दुनिया में काफ़ी बुराई है।'

उसी समय दरवाज़ा खुला और होटल सहायक उनकी तरफ़ आया। वह चिन्तित और शर्मिन्दा-सा दिखायी दे रहा था।

'बड़ी अनोखी बात है, मोसिए,' उसने पॉयरो से कहा। 'रेलगाड़ी पर पहले दर्जे में एक भी स्लीपिंग बर्थ नहीं है।'

'कैसे?' मोसिए बोक चिल्लाये। 'साल के इन दिनों में? आह बिना शक पत्रकारों की कोई—नेताओं का कोई जत्था—?'

'मैं नहीं जानता, जनाब,' होटल सहायक ने अदब के साथ कहा। 'लेकिन हालत कुछ ऐसी ही है।'

'ख़ैर—बहरहाल,' मोसिए बोक पॉयरो की तरफ़ मुड़े। 'फ़िकर मत करो, मेरे दोस्त। हम कोई-न-कोई बन्दोबस्त कर लेंगे। गाड़ी में हमेशा एक कूपे होता है—नम्बर 16—जो भरा नहीं होता। कण्डक्टर इसका ख़याल रखता है!' वे मुस्कराये, फिर उन्होंने निगाह ऊपर घड़ी की तरफ़ उठायी। 'आओ,' वे बोले, 'चलने का समय आ गया है।'

स्टेशन पर भूरी वर्दी वाले कण्डक्टर ने आदर-भरी आतुरता से मोसिए बोक का स्वागत किया।

'नमस्कार, मोसिए! आपका कूपे नम्बर 1 है।'

उसने कुलियों को आवाज़ दी और वे रेढ़ी पर लदे अपने बोझ को डिब्बे के अधबीच तक ले गये जिस पर लगी टीन की तख़्ती अपनी मंजिल की घोषणा कर रही थी :

'इस्तानबुल से कैले''

'आज रात, मैं सुनता हूँ, गाड़ी भरी हुई है?'

'यक़ीन नहीं होता, मोसिए। सारी दुनिया ने आज यात्रा पर जाने का फ़ैसला किया लगता है!'

'जो भी हो, तुम्हें इन सज्जन के लिए जगह निकालनी होगी। ये मेरे दोस्त हैं। इन्हें नम्बर 16 दे दो।'

'वह भर गया है, मोसिए।'

'क्या? नम्बर 16?'

समझदारी से भरी एक निगाह दोनों के बीच आयी गयी, फिर कण्डक्टर मुस्कराया। वह एक लम्बा, पीले चेहरे वाला अधेड़ था।

'जी हाँ, मोसिए, जैसा मैंने आपको बताया, गाड़ी भरी हुई है—हर जगह—भरी हुई है।'

'लेकिन माजरा क्या है?' मोसिए बोक ने ग़ुस्से से जवाब तलब किया। 'कहीं कोई सम्मेलन है? क्या कोई जत्था है?'

'नहीं, मोसिए। यह सिर्फ़ इत्तफ़ाक़ है। हुआ बस यही है कि बहुत-से लोगों ने आज रात सफ़र का इरादा बाँधा है।'

मोसिए बोक ने खीझ की किटकिटाती आवाज़ निकाली।

'बेलग्रेड में,' वे बोले, 'एथेन्स से आने वाला डिब्बा जुड़ जायेगा। बुखारेस्ट से पैरिस जाने वाला डिब्बा भी होगा—लेकिन हम कल शाम से पहले बेलग्रेड नहीं पहुँचेंगे। मसला तो आज रात का है। कोई दूसरे दर्जे का भी ख़ाली नहीं है?'

'दूसरे दर्जे की एक बर्थ ख़ाली है, मोसिए—'

'तब फिर—'

'लेकिन वह महिलाओं वाली बर्थ है। कूपे में पहले ही एक जर्मन औरत है—किसी महिला की नौकरानी।'

'च्च-च्च! यह तो बहुत अटपटा है,' मोसिए बोक ने कहा।

'परेशान न हों, मित्र,' पॉयरो ने कहा, 'मैं आम डिब्बे में सफ़र कर लूँगा।'

'बिलकुल नहीं। बिलकुल नहीं।' मोसिए बोक एक बार फिर कण्डक्टर की तरफ़ मुड़े। 'सब लोग आ गये हैं?'

'सच यह है,' कण्डक्टर ने कहा, 'कि एक सवारी है जो अभी तक नहीं आयी है।'

वह धीरे-धीरे हिचकिचाते हुए बोल रहा था।

'अरे, तो बताओ न?'

'सात नम्बर की बर्थ—दूसरे दर्जे में। ये महाशय अभी नहीं आये हैं और नौ बजने में चार मिनट बाक़ी हैं।'

'कौन हैं?'

'अंग्रेज हैं,' कण्डक्टर ने अपनी सूची पर नज़र दौड़ायी। 'कोई एम. हैरिस।'

'मंगलसूचक नाम है,' पॉयरो ने कहा। 'मैंने डिकेन्स को पढ़ा है। एम. हैरिस, वे नहीं आयेंगे।'

'मोसिए के सामान को नम्बर सात में रख दो,' मोसिए बोक ने कहा। 'अगर ये एम. हैरिस आते हैं तो हम उन्हें कह देंगे कि उन्होंने बहुत देर कर दी है—कि स्लीपर इतनी देर तक ख़ाली नहीं रखी जा सकता—हम मामले को किसी-न-किसी तरीक़े से निपटा लेंगे। मुझे किसी एम. हैरिस की क्या परवाह है?'

'जैसी मोसिए की मर्ज़ी,' कण्डक्टर ने कहा।

पॉयरो के कुली से मुख़ातिब होते हुए उसने उसे बताया कि सामान कहाँ जायेगा।

फिर वह सीढ़ियों की बग़ल में खिसक गया ताकि पॉयरो गाड़ी में सवार हो सकें। 'एकदम आख़िर में, मोसिए,' उसने आवाज़ दी। 'आख़िरी कूपे से पहले वाला।'

पॉयरो गलियारे में चलते हुए आगे बढ़े। रफ़्तार धीमी थी, क्योंकि ज़्यादातर मुसाफ़िर अपने-अपने कूपे के आगे खड़े हुए थे।

अदब से माँगी गयी उनकी 'माफ़ियाँ' घड़ी की बाक़ायदगी से कही जा रही थीं। आख़िर वे बताये गये कूपे तक पहुँच गये। कूपे के अन्दर, ऊपर रखे एक सूटकेस की तरफ़ हाथ बढ़ाता हुआ टोकाटलियन होटल का वही लम्बा अमरीकी नौजवान था।

पॉयरो के दाख़िल होते देख उसकी त्योरियाँ चढ़ गयीं।

'माफ़ कीजिए,' उसने कहा। 'मेरा ख़याल है, आप से भूल हुई है। फिर उसने कष्ट के साथ फ्रान्सीसी में यही फ़िकरा दोहराया।

पॉयरो ने अंग्रेज़ी में जवाब दिया।

'आप मिस्टर हैरिस हैं?'

'नहीं, मेरा नाम मैक्वीन है। मैं—'

लेकिन ठीक उसी समय कण्डक्टर की आवाज पॉयरो के कन्धे के पीछे से आयी। माफ़ी माँगती हुई, कुछ-कुछ हाँफती आवाज़।

'गाड़ी में और कोई बर्थ नहीं है, मोसिए। इन्हें यहीं आना है।'

बोलने के साथ-साथ वह गलियारे की खिड़की भी ऊपर चढ़ा रहा था और फिर पॉयरो के सामान को उड़ा कर अन्दर ले आया।

पॉयरो ने दिलचस्पी के साथ कण्डक्टर के माफ़ी-सी माँगने वाले लहजे पर ध्यान दिया। बिला शक कण्डक्टर को अच्छे ख़ासे टिप का वादा किया गया था, अगर वह कूपे को सिर्फ़ दूसरे मुसाफ़िर के इस्तेमाल के लिए रखे रहे। लेकिन, अगर कम्पनी का एक डायरेक्टर भी गाड़ी में सफ़र कर रहा हो ओर आदेश भी दे दे तो बड़े-से-बड़ा टिप भी अपना असर खो देता है।

सूटकेसों को समान रखने की जगह पर सजाकर कण्डक्टर कूपे से बाहर आया।

'लीजिए, मोसिए,' वह बोला। 'सब बन्दोबस्त हो गया है। आपकी बर्थ ऊपर वाली है, नम्बर 7। हम एक मिनट में रवाना होंगे।'

वह तेज़-तेज़ गलियारे को नापता हुआ निकल गया। पॉयरो

फिर से कूपे में दाख़िल हुए।

'ऐसी घटना तो मैंने कभी-कभार ही देखी है,' उन्होंने ज़िन्दादिली से कहा। 'वैगन लिट कम्पनी का कण्टक्टर ख़ुद सामान सजाये! कभी सुना नहीं गया।'

उनका साथी मुसाफ़िर मुस्कराया। वह अपनी खीझ से छुटकारा पा चुका था—शायद उसने तय किया था कि इस मामले को दार्शनिकों जैसी समझदारी से लेने के अलावा और कोई चारा नहीं था।

'रेलगाड़ी बहुत भरी हुई है,' वह बोला।

एक सीटी बजी, इंजन से एक लम्बी, उदास-सी चीख सुनायी दी। दोनों आदमी बाहर गलियारे में चले आये।

बाहर एक आवाज़ ने चिल्ला कर कहा—

'सवार हो जाइए।'

'लीजिए, चल दिये,' मैक्वीन ने कहा।

लेकिन अभी वे चले नहीं। सीटी फिर बजी।

'सुनिए, जनाब,' नौजवान ने अचानक कहा, 'अगर आप नीचे वाली बर्थ लेना चाहें—आसानी होगी, वैसे भी—ख़ैर, मुझे कोई एतराज़ नहीं।'

'नहीं, नहीं,' पॉयरो ने विरोध किया। 'मैं आपको तकलीफ़ नहीं—'

'नहीं, कोई तकलीफ़ नहीं—'

'आप बहुत मेहरबान हैं—'

दोनों ओर से शिष्ट विरोध व्यक्त किया गया।

'एक रात ही की तो बात है,' पॉयरो ने सफ़ाई दी। 'बेलग्रेड में—'

'अच्छा। तो आप बेलग्रेड में उतर रहे हैं—'

'नहीं, वहाँ नहीं, बात यह है—'

अचानक एक झटका लगा। दोनों आदमी खिड़की की तरफ़ मुड़े—लम्बे, रोशन प्लेटफार्म को धीरे-धीरे पीछे छूटते देखते हुए।

ओरिएण्ट एक्सप्रेस यूरोप को पार करने वाले अपने तीन दिन के सफ़र पर रवाना हो चुकी थी।

अध्याय 3

पॉयरो की 'ना'

अगले दिन मोसिए हरक्यूल पॉयरो डाइनिंग-कार में थोड़ी देर से दाख़िल हुए। वे सुबह जल्दी उठ गये थे, नाश्ता उन्होंने लगभग अकेले किया था और सुबह का समय उन्होंने उस मामले के लिखित ब्योरों पर दोबारा नज़र डालते हए गुज़ारा था जो उन्हें वापस लन्दन बुला रहा था। उन्हें अपने साथी मुसाफ़िर की ज़्यादा झलक नहीं मिली थी।

मोसिए बोक ने, जो पहले से ही आ कर बैठे हुए थे, इशारे से साहब-सलामत की और अपने मित्र को अपने सामने की ख़ाली जगह पर आ बैठने का न्योता दिया। पॉयरो आ कर बैठ गये और जल्दी ही उन्होंने ख़ुद को मेज़ के उस सुविधा-प्राप्त स्थान पर पाया जहाँ सबसे पहले और सबसे उम्दा पकवान परोसे जाते थे। खाने का सामान ग़ैर मामूली तौर पर अच्छा था।

जब वे खाने के आख़िरी दौर में पहुँच कर एक स्वादिष्ट मलाईदार पनीर खा रहे थे, तभी जा कर मोसिए बोक ने अपने ध्यान को खाने-पीने से अलग किसी मामले की तरफ़ जाने की छूट दी। वे खाना खाने के उस मुक़ाम पर थे जब आदमी दार्शनिक बन जाता है।

'आह!' उन्होंने साँस ली। 'काश, मेरे पास बालज़ाक जैसा

क़लम होता। मैं इस दृश्य को चित्रित कर देता।'

उन्होंने अपना हाथ लहराया।

'यह एक विचार है, हाँ,' पॉयरो ने कहा।

'तो तुम सहमत हो? ऐसा किया नहीं गया है, मेरा ख़याल है? फिर भी—यह कल्पना को प्रेरित करता है, मेरे दोस्त। हमारे चारों तरफ़ लोग हैं, हर तबक़े के, हर मुल्क के, हर उमर के। तीन दिनों के लिए ये लोग, ये एक-दूसरे के लिए अजनबी लोग, इकट्ठा होते हैं। एक ही छत के नीचे सोते और खाते हैं, एक-दूसरे से भाग कर कहीं दूर नहीं जा सकते। तीन दिन के बाद वे जुदा हो जाते हैं, अपना-अपना रास्ता लेते हैं, एक-दूसरे को शायद फिर कभी न देखने के लिए।'

'और इस पर भी,' पॉयरो ने कहा, 'फ़र्ज़ कीजिए कोई दुर्घटना—'

'अरे नहीं, मेरे दोस्त—'

'आपके दृष्टिकोण से यह अफ़सोसनाक होगा, मैं मानता हूँ। लेकिन इस पर भी एक पल के लिए फ़र्ज़ करें ऐसा हो। फिर, शायद, ये सब जो यहाँ है एक-दूसरे से जुड़ जाते हैं—मौत से।'

'कुछ और वाइन,' मोसिए बोक ने कहा, जल्दी से उसे गिलास में ढालते हुए। 'तुम बहुत निराशा-भरी बातें कर रहे हो, मेरे दोस्त। ऐसा शायद हाज़मे की वजह से है।'

'यह सही है,' पॉयरो ने रज़ामन्दी ज़ाहिर की, 'कि सीरिया में खाना मेरे पेट के बहुत माफ़िक नहीं था।'

उन्होंने वाइन की चुस्की ली। फिर पीछे को झुक कर उन्होंने अपनी आँखें सोचने की मुद्रा में डाइनिंग-कार के चारों तरफ़ घुमायीं। वहाँ तेरह लोग बैठे हुए थे और जैसा मोसिए बोक ने कहा था, सभी तबक़ों और क़ौमों के। उन्होंने उनका जायज़ा लेना शुरू किया।

उनके सामने वाली मेज़ पर तीन आदमी थे। उन्होंने क़यास

लगाया कि वे अलग-अलग सफ़र कर रहे लोग थे जिन्हें रेस्तराँ के ख़िदमतगारों ने अपनी सटीक बुद्धि से उनका दर्जा तय करके वहाँ ला बैठाया था। एक लम्बा-तड़ंगा इतालवी जोश-खरोश के साथ सींक से अपने दाँत साफ़ कर रहा था। उसके सामने बैठे एक दुबले-पतले, साफ़-सुथरे अंग्रेज़ के चेहरे पर अच्छी तरह सिखाये गये नौकर का-सा नापसन्दी ज़ाहिर करता सपाट भाव था। अंग्रेज़ के बग़ल में एक अमरीकी भड़कीला सूट पहने बैठा था—शायद कोई व्यावसायिक मुसाफ़िर।

'इसे बड़ी ज़ोरदारी से पेश करना चाहिए,' वह एक ऊँची नकनकाती आवाज़ में कह रहा था।

इतालवी ने दाँत खोदने वाली तीली से खुले तौर पर हाव-भाव प्रकट करने के लिए उसे दाँतों से निकाल कर हाथ में लिया।

'बेशक,' उसने कहा, 'वही तो मैं हर बखत बोलता हूँ।'

अंग्रेज़ ने खिड़की से बाहर देखा और खाँसा।

पॉयरो की आँखें आगे को बढ़ गयीं।

एक छोटी मेज़ पर बिलकुल सीधी तन कर जो बूढ़ी महिला बैठी थी, उस जैसी बदसूरत महिला पॉयरो ने अब तक कभी नहीं देखी थी। मगर वह हैसियत की बदसूरती थी—पीछे धकेलने की बजाय नज़रों को बाँध लेती थी। महिला के गले में बहुत बड़े-बड़े मोतियों का एक पट्टा था जो असम्भव चाहे जान पड़ता था, मगर असली मोतियों का था। उसकी उँगलियाँ अँगूठियों से भरी थीं। खाल का बना उसका क़ीमती कोट कन्धों पर पीछे को सरकाया हुआ था। एक छोटी-सी, महँगी काली टोपी नीचे उसके पीले, मेंढक जैसे चेहरे के ऊपर बिलकुल बेमेल लग रही थी।

वह अब रेस्तराँ के ख़िदमतगार से साफ़, शिष्ट मगर पूरी तरह तानाशाही-भरे लहजे में बात कर रही थी।

'उम्मीद है कि आप मेरे कूपे में मिनरल वॉटर की एक बोतल और सन्तरे के रस का एक बड़ा गिलास रखने की कृपा करेंगे। आप इस बात का बन्दोबस्त करेंगे कि आज शाम डिनर में मुझे बिना मसाले वाले शोरबे का मुर्गा मिले—और थोड़ी-सी उबली मछली।'

खिदमतगार ने अदब से जवाब दिया कि ऐसा हो जायेगा।

महिला ने कृपापूर्वक हल्के से सिर हिलाया और उठी। उसकी नज़रें पॉयरो की नज़रों से मिलीं और फिर अनुत्सुक रईसों की-सी उदासीनता से उन पर बिछलती चली गयीं।

'ये रानी ड्रैगोमिरॉफ़ हैं,' मोसिए बोक धीमी आवाज़ में बोले। 'वे रूसी हैं। उनके पति ने क्रान्ति से पहले ही अपना सारा पैसा निकाल कर विदेश में निवेश कर दिया था। वे बहुत अमीर हैं। विश्व नागरिक हैं।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। उन्होंने रानी ड्रैगोमिरॉफ़ के बारे में सुना था। 'अपनी तरह की शख़्सियत हैं ये,' मोसिए बोक ने कहा। शैतान जैसी बदसूरत, मगर अपनी छाप छोड़ जाती हैं। मानते हो न?' पॉयरो ने सहमति प्रकट की।

एक और बड़ी मेज़ पर मेरी डेबेनहेम दो दूसरी औरतों के साथ बैठी हुई थी। उनमें से एक पट्टू का ब्लाउज और ऊनी लहँगा पहने लम्बी, अधेड़ औरत थी। उसके घने मगर फीके सुनहरे बाल बेढंगेपन से एक बड़े-से जूड़े में बँधे हुए थे। उसने चश्मा पहना हुआ था और उसका लम्बोतरा, मुलायम, मिलनसार चेहरा किसी भेड़ का-सा लगता था। वह तीसरी औरत को सुन रही थी जो एक मोटी-सी, ख़ुशगवार चेहरे वाली उम्रदराज़ औरत थी और एक धीमी साफ़ एकरस आवाज़ में बात कर रही थी, जिसके साँस लेने के लिए रुकने या ख़ामोश होने का कोई संकेत नहीं मिल रहा था।

'—और इस तरह मेरी बेटी ने कहा, ''अरे,'' वह बोली,

''तुम अमरीकन रंग-ढंग को बस यों ही इस देश में लागू नहीं कर सकते। यहाँ के लोगों के लिए आलसी होना कुदरती बात है,'' वह बोली। ''उनमें हल्ला बोलने की कोई इच्छा तो है ही नहीं।'' मगर जो भी हो, आपको यह जान कर अचरज होगा कि हमारा कॉलेज वहाँ क्या कर रहा है। उन्होंने टीचरों का अच्छा-ख़ासा जत्था जुटा लिया है। मेरा ख़याल है शिक्षा जैसी कोई दूसरी चीज़ नहीं है। हमें अपने पश्चिमी आदर्श लागू करने चाहिए और पूरब को सिखाना चाहिए कि वह उन्हें पहचाने। मेरी बेटी कहती है—'

रेलगाड़ी एक सुरंग में जा घुसी। वह शान्त, एकरस आवाज़ डूब गयी।

अगली छोटी-सी मेज़ पर कर्नल आरबथनॉट बैठे थे, अकेले। उनकी निगाह मेरी डेबेनहेम के सिर की पिछली तरफ़ जमी हुई थी। वे साथ-साथ नहीं बैठे थे, हालाँकि इसका बन्दोबस्त बड़ी आसानी से हो सकता था। क्यों?

शायद, पॉयरो ने सोचा, मेरी डेबेनहेम ने मना कर दिया हो। एक गवर्नेस सावधान रहना सीख़ जाती है। रख-रखाव ज़रूरी है। अपनी आजीविका अर्जित करने वाली लड़की को सूझ-बूझ से काम लेना ही होता है।

उनकी निगाह सरकती हुई डिब्बे की दूसरी तरफ़ गयी। परले छोर पर, दीवार के सहारे, काले लिबास में चौड़े, भावहीन चेहरे वाली एक अधेड़ औरत थी। जर्मन है या स्कैण्डिनेविया की, पॉयरो ने सोचा। शायद एक जर्मन महिला की नौकरानी।

उसके बाद एक जोड़ा था—आगे को झुका, आपस में ज़िन्दादिली से बात करता हुआ। आदमी ने ढीले ऊनी कपड़े का अंग्रेज़ी लिबास पहना हुआ था, लेकिन वह अंग्रेज़ नहीं था। हालाँकि सिर्फ़ उसके सिर का पिछला हिस्सा पॉयरो को नज़र आ रहा था,

मगर उसका आकार और कन्धों की बनावट उसकी चुग़ली खा रही थी। बड़ा-सा आदमी, सुडौल, सुगठित। अचानक उसने अपना सिर घुमाया और पॉयरो ने उसे ठीक से देखा। तीसेक साल का बहुत ख़ुशशक्ल आदमी जिसके चेहरे पर बड़ी-बड़ी सुनहरी मूँछें थीं।

उसके सामने बैठी औरत महज़ लड़की-सी ही थी—अन्दाज़े से बीस साल की। कसा हुआ छोटा-सा काला कोट और लहँगा, सफ़ेद साटिन का बलाउज़, छोटी-सी सुन्दर टोपी सिर पर फबने वाले बाँके अन्दाज़ में टिकायी हुई। उसका एक सुन्दर विदेशियों-जैसा चेहरा, बेहद सफ़ेद चमड़ी, बड़ी-बड़ी भूरी आँखें और कज्जल काले बाल थे। वह लम्बे होल्डर में खुँसा सिगरेट पी रही थी। प्रसाधन सामग्री की मदद से तैयार किये गये उसके हाथों की उँगलियों के नाख़ून गहरे लाल रंग के थे। उसने प्लैटिनम की अँगूठी में जड़ा एक बड़ा-सा पन्ना पहन रखा था। उसकी निगाहों और आवाज़ में नख़रा और चुलबुलापन था।

'सुन्दर है, सुरुचि सम्पन्न भी,' पॉयरो ने बुदबुदा कर कहा। 'पति और पत्नी—क्यों?'

मोसिए बोक ने सिर हिलाया।

'हंगरी दूतावास, मेरा ख़याल है,' उन्होंने कहा। 'सुन्दर जोड़ा है।'

अब सिर्फ़ दो और खाने वाले बचे थे—पॉयरो का साथी मुसाफ़िर मैक्वीन और उसका मालिक रैचेट। यह आख़िरी शख़्स पॉयरो की तरफ़ मुँह किये बैठा था और पॉयरो ने दूसरी बार उस बेकशिश चेहरे का जायज़ा लिया, भवों और माथे की नकली भलमनसाहत और छोटी-छोटी बेरहम आँखों पर ग़ौर करते हुए।

स्पष्ट ही मोसिए बोक ने अपने मित्र की भाव-भंगिमा में एक तब्दीली देखी।

'जिसे तुम देख रहे हो क्या तुम्हारा वही जंगली जानवर है?' उन्होंने पूछा।

पॉयरो ने सिर हिलाकर हामी भरी।

जैसे ही पॉयरो की कॉफ़ी ला कर उनके सामने रखी गयी, मोसिए बोक उठ खड़े हुए। पॉयरो के पहले शुरू करने की वजह से वे कुछ देर पहले ही खाना ख़त्म कर चुके थे।

'मैं अपने कूपे में जा रहा हूँ,' उन्होंने कहा। 'यहाँ से उठ कर उधर ही आ जाओ, कुछ गप-शप करें।'

'ख़ुशी से।'

पॉयरो अपनी कॉफ़ी की चुस्की लेते रहे और फिर उन्होंने एक लिक्योर का आदेश दिया। ख़िदमतगार अपने पैसों वाले डिब्बे के साथ मेज़-मेज़ जाकर बिलों के पैसे वसूल रहा था। बुज़ुर्गवार अमरीकी महिला की आवाज़ ऊँची हो गयी—तीखी और शिकायत भरी।

'मेरी बेटी ने कहा, ''खाने के कूपनों की एक गड्डी ले लो और तुम्हें तकलीफ़ नहीं होगी—कोई तकलीफ़ नहीं।'' लेकिन ऐसा होता नहीं। लगता है उन्हें दस फ़ीसदी टिप में ज़रूर चाहिए और फिर वह मिनरल वॉटर की बोतल भी है—और अजीब-सा पानी है वह। उनके पास एवियन या विची नहीं था, जो बात मुझे अजीब-सी लगती है।'

'असल में—उन्हें—कैसे कहोगे—इस देश का पानी ही पेश करना होता है,' भेड़-सरीखे चेहरे वाली महिला ने समझा कर कहा।

'ख़ैर, मुझे तो अजीब लगता है,' उसने भद्दा-सा मुँह बना कर मेज़ पर अपने सामने रखी रेज़गारी के ढेर को देखा। 'देखो ज़रा, इन अजीब सिक्कों को जो उसने मुझे दिये हैं। दीनार या जाने क्या कुछ। बस ढेर सारा कचरा दिखता है यह। मेरी बेटी ने कहा—'

मेरी डेबेनहेम ने अपनी कुर्सी पीछे को सरकायी और बाक़ी दोनों महिलाओं की तरफ़ हल्का-सा झुकते हुए चल दी। कर्नल आरबथनॉट उठे और उसके पीछे-पीछे चले गये। अपनी घिनौनी रेज़गारी उठाकर अमरीकी महिला ने भी वही रास्ता अपनाया और भेड़ जैसी दिखने वाली महिला भी उसी के पीछे-पीछे चली गयी। पॉयरो और रैचेट और मैक्वीन के सिवा डाइनिंग-कार ख़ाली थी।

रैचेट ने अपने साथी से कुछ कहा, जिस पर वह उठकर डाइनिंग-कार के बाहर चला गया। फिर वह ख़ुद भी उठा, लेकिन मैक्वीन के पीछे-पीछे जाने की बजाय वह अचानक अनपेक्षित ढंग से पॉयरो के सामने वाली कुर्सी पर धम से आ बैठा।

'क्या आप मुझे माचिस देने की मेहरबानी करेंगे?' उसने कहा। उसकी आवाज़ मुलायम थी—थोड़ी सी नकियाती हुई। 'मेरा नाम रैचेट है।'

पॉयरो ने हल्के से सिर झुकाया। उन्होंने अपना हाथ अपनी जेब में सरकाया और माचिस की एक डिबिया निकाली जिसे उन्होंने सामने बैठे आदमी को थमा दिया जिसने डिबिया तो ले ली, पर तीली नहीं जलायी।

'मेरा ख़याल है,' उसने बात जारी रखी, 'कि मैं ख़ुशिकस्मती से मोसिए हरक्यूल पॉयरो से बात कर रहा हूँ। क्या ऐसा ही है?'

पॉयरो फिर हल्का-सा झुके।

'आपको सही जानकारी दी गयी है, मोसिए।'

दूसरे आदमी के फिर से कुछ कहने से पहले पॉयरो को एहसास था कि उसकी उन अजीब-सी चालाक आँखों ने उनका जायज़ा ले डाला था।

'मेरे देश में,' उसने कहा, 'हम असली बात पर फ़ौरन आ जाते हैं। मिस्टर पॉयरो, मैं चाहता हूँ आप मेरे लिए एक काम करने

का ज़िम्मा ले लें।'

'मेरे ग्राहक आज कल सीमित हैं, मोसिए। मैं अब बहुत कम मामले हाथ में लेता हूँ।'

'अरे, यह तो स्वाभाविक है, मैं समझता हूँ। लेकिन, मिस्टर पॉयरो, इसका ताल्लुक बहुत पैसे से है।' उसने अपनी मुलायम आग्रह करने वाली आवाज़ में कहा, 'बहुत पैसे से।'

हरक्यूल पॉयरो एकाध मिनट के लिए ख़ामोश रहे, फिर बोले:

'मुझसे आप क्या काम कराना चाहते हैं, मोसिए—अ—रैचेट?'

'मिस्टर पॉयरो, मैं एक अमीर आदमी हूँ—बहुत अमीर आदमी। जो लोग ऐसी हालत में होते हैं, उनके दुश्मन होते ही हैं। मेरा भी एक दुश्मन है।'

'सिर्फ़ एक दुश्मन?'

'इस सवाल से आपका मतलब क्या है भला?' रैचेट ने तीखे स्वर में पूछा।

'मोसिए, मेरे अनुभव में जब कोई आदमी इस हालत में हो कि, जैसा आपने कहा, उसके दुश्मन हों तब यह आम तौर पर अपने आप में सिर्फ़ एक दुश्मन तक ही सीमित होने की बात नहीं रहती।'

ऐसा लगा कि रैचेट को पॉयरो के जवाब से राहत का एहसास हुआ। उसने जल्दी से कहा :

'ठीक है, मैं यह बात समझता हूँ। एक या कई दुश्मन—फ़र्क़ नहीं पड़ता। असली बात तो मेरी सुरक्षा है।'

'सुरक्षा?'

'मुझे जान की धमकी दी गयी है, मोसिए पॉयरो। वैसे, मैं ऐसा आदमी हूँ जो अपना बहुत अच्छी तरह ख़याल रख सकता है।' अपने कोट की जेब से उसका हाथ पल भर के लिए बाहर आया

और एक छोटी-सी पिस्तौल की झलक दिखा गया। उसने कठोरता से बात जारी रखी।

'मेरा ख़याल है, मैं ऐसा आदमी नहीं हूँ जो ऊँघता हुआ पकड़ा जाये। लेकिन जैसा कि मैं इसे देखता हूँ, मैं अपनी हिफ़ाजत दुगनी पक्की क्यों न कर लूँ। मेरे हिसाब से आप ही मेरे पैसे के लायक़ आदमी हैं, मिस्टर पॉयरो। और याद रखिए—बहुत पैसा।'

पॉयरो कुछ देर तक सोचते हुए उसे देखते रहे। उनका चेहरा पूरी तरह भावरहित था। दूसरे को रत्ती भर अन्दाज़ा नहीं हो सकता था कि उनके दिमाग़ में कैसे ख़याल घुमड़ रहे थे।

'मुझे अफ़सोस है, मोसिए,' आख़िरकार उन्होंने कहा। 'मैं आपकी सेवा नहीं कर सकता।'

दूसरे व्यक्ति ने घाघपने से पॉयरो को देखा।

'तब अपनी रक़म बताइए,' उसने कहा।

पॉयरो ने इनकार में सिर हिलाया।

'आप समझ नहीं रहे, मोसिए। मैं अपने पेशे में बहुत ख़ुशकिस्मत रहा हूँ। मैंने इतना पैसा बना लिया है कि मैं अपनी ज़रूरतें और अपनी सनकें—दोनों पूरी कर सकता हूँ। मैं अब सिर्फ़ ऐसे मामले लेता हूँ जो मुझे दिलचस्प लगते हैं।'

'काफ़ी हिम्मत है आप में,' रैचेट ने कहा, 'क्या बीस हज़ार डॉलर आपको लुभा सकते हैं?'

'जी नहीं।'

'अगर आप और पाने की उम्मीद में मना कर रहे हैं, तो आपको मिलने से रहे। मैं पैसे की क़ीमत जानता हूँ।'

'मैं भी—मोसिए रैचेट।'

'मेरे प्रस्ताव में ग़लत क्या है?'

पॉयरो उठे।

'अगर आप काम-धन्धे में निजी बातों को लाने के लिए मुझे माफ़ करें, मिस्टर रैचेट तो मसला यह है कि मुझे आपका चेहरा पसन्द नहीं।' और यह कह कर पॉयरो डाइनिंग कार से चल दिये।

अध्याय 4

चीख

सिम्पलॉन ओरिएण्ट एक्सप्रेस उस शाम पौने नौ बजे बेलग्रेड पहुँची। उसकी रवानगी सवा नौ बजे से पहले तय नहीं थी, इसलिए पॉयरो प्लेटफार्म पर उतर गये। लेकिन वे देर तक वहाँ नहीं रहे। हड्डियाँ जमा देने वाली ठण्ड थी और हालाँकि जहाँ तक प्लेटफार्म का सवाल था, वहाँ आड़ थी, मगर बाहर भारी बर्फ़बारी हो रही थी। वे अपने कूपे में लौट आये। कण्डक्टर, जो प्लेटफार्म पर खड़ा हुआ गर्म रहने के लिए अपने पैर पटकने के साथ-साथ बाँहें भी लहरा रहा था, उनसे बोला :

'मोसिए, आपका सामान हटा कर कूपे नम्बर एक में पहुँचा दिया गया है, मोसिए बोक के कूपे में।'

'लेकिन मोसिए बोक कहाँ हैं तब?'

'वे एथेन्स से आये डिब्बे में चले गये हैं, जो अभी-अभी जोड़ा गया है।'

पॉयरो अपने मित्र की तलाश करते हुए वहाँ पहुँचे। मोसिए बोक ने उनके एतराज़ किनारे कर दिये।

'कोई परेशानी नहीं, कोई परेशानी नहीं। इस तरह ज़्यादा सुविधाजनक है। तुम इंग्लैण्ड तक जा रहे हो, इसलिए यह बेहतर है कि तुम सीधे कैले तक जाने वाले डिब्बे में रहो। मैं, मैं यहाँ बिलकुल ठीक-ठाक हूँ। काफ़ी शान्ति है यहाँ। मुझे और एक यूनानी डॉक्टर

को छोड़ कर यह डिब्बा खाली है। आह, दोस्त, कैसी रात है यह! वे कहते हैं, इतनी बर्फ़ बरसों से नहीं गिरी। बस, यही मनायें कि बीच रास्ते रुकना न पड़े। मैं इस सब के बारे में बहुत ख़ुश नहीं हूँ, यह मैं बता दूँ तुम्हें।'

समय पर, ठीक सवा नौ बजे रेलगाड़ी स्टेशन से रवाना हो गयी और उसके थोड़ी देर बाद पॉयरो उठे, उन्होंने अपने मित्र से विदा ली और गलियारे से होते हुए वापस अपने डिब्बे में आ गये जो आगे की तरफ़ डाइनिंग-कार की बग़ल में था।

सफ़र के इस दूसरे दिन अवरोध टूट रहे थे। कर्नल आरबथनॉट अपने कूपे के दरवाज़े पर खड़े मैक्वीन से बात कर रहे थे।

जब मैक्वीन ने पॉयरो को देखा तो जो वह कह रहा था, उसे बीच ही में रोक दिया। वह बहुत चकित लग रहा था।

'अरे,' वह ऊँचे स्वर में बोला, 'मैंने तो सोचा था आप हमें छोड़ गये हैं। आपने कहा था आप बेलग्रेड पर उतरने वाले हैं।'

'आपने मुझे ग़लत समझा,' पॉयरो ने मुस्कराते हुए कहा। 'अब मुझे याद आ गया, जब हम उसके बारे में बात कर रहे थे, ठीक उसी समय रेलगाड़ी इस्तम्बूल से चल पड़ी थी।'

'लेकिन जनाब, आपका सामान—वह तो चला गया है।'

'वह दूसरे कूपे में ले जाकर रख दिया गया है—बस।'

'ओह, अच्छा, अच्छा।'

उसने आरबथनॉट के साथ बातचीत का सिरा फिर थाम लिया और पॉयरो गलियारे में आगे को बढ़ गये।

उनके अपने कूपे से दो दरवाज़े पहले, बुज़ुर्ग अमरीकी महिला श्रीमती हबर्ड खड़ी, उस भेड़-जैसी महिला से बात कर रही थी जो स्वीडन की थी।

श्रीमती हबर्ड दूसरी औरत पर ज़ोर डाल कर उसे एक पत्रिका

देने की कोशिश कर रही थी।

'नहीं, नहीं, ले लो इसे,' उसने कहा। 'मेरे पास पढ़ने को और भी बहुत कुछ है। उफ़, यह सर्दी कितनी जानलेवा है, है न?' उसने भलमनसाहत से पॉयरो की तरफ़ सिर हिलाया।

'आप बड़ी मेहरबान हैं,' स्वीडी महिला बोली।

'अरे, बिलकुल नहीं। उम्मीद है तुम ठीक से सोओगी और सुबह तुम्हारा सिर बेहतर होगा।'

'वजह सिर्फ़ सर्दी है। अब मैं अपने लिए एक प्याला चाय बनाती हूँ।'

'क्या तुम्हारे पास कुछ ऐस्पिरिन है? पक्का है न, अब? मेरे पास काफ़ी है। ख़ैर, गुड नाइट।'

दूसरी औरत के जाते ही वह बातचीत के अन्दाज़ में पॉयरो की तरफ़ मुड़ी।

'बेचारी। वह स्वीड है। जहाँ तक मैं समझ पायी वह एक क़िस्म की धर्मप्रचारक है—पढ़ाने वाली। अच्छी औरत है, लेकिन ज़्यादा अंग्रेज़ी नहीं बोलती। मैंने उसे अपनी बेटी के बारे में जो बताया, उसमें उसकी बहुत दिलचस्पी थी।'

अब तक पॉयरो श्रीमती हबर्ड की बेटी के बारे में सब कुछ जान चुके थे। रेलगाड़ी पर जो भी अंग्रेज़ी समझ सकता था, वह भी। कैसे वे और उनके पति स्मर्ना के एक बड़े अमरीकी कॉलेज के कर्मचारियों में थे और कैसे पूर्वी देशों की तरफ़ यह श्रीमती हबर्ड की पहली यात्रा थी और वे तुर्कों और उनके ढीले-ढाले तौर-तरीक़ों और उनकी सड़कों की हालत के बारे में क्या सोचती थीं।

उनके बग़ल का दरवाज़ा खुला और उस पतले, पीले-से नौकर ने बाहर क़दम रखा। अन्दर पॉयरो को पलँग पर अधलेटे मिस्टर रैचेट की झलक मिली। उन्होंने पॉयरो को देखा तो उनके चेहरे पर तब्दीली

आ गयी, वह ग़ुस्से से सँवला गया। फिर दरवाज़ा बन्द हो गया।

श्रीमती हबर्ड पॉयरो को थोड़ा किनारे की तरफ़ ले गयीं।

'बताऊँ आपको, मैं उस आदमी से बहुत डरती हूँ। नहीं, नहीं, नौकर से नहीं—उस दूसरे से—उसके मालिक से। अरे, कहाँ का मालिक! उस आदमी के साथ ज़रूर कुछ ग़लत है। मेरी बेटी हमेशा कहती है कि मेरे अन्दर भाँपने की अद्भुत ताक़त है। ''जब ममी को कुछ खुटका होता है, तो वह बिलकुल सही होती है,'' यही कहती है मेरी बेटी। और उस आदमी को ले कर मेरे मन में खुटका है। वह ठीक मेरे बग़ल वाले कूपे में है और मुझे यह पसन्द नहीं है। मैंने कल रात बीच के दरवाज़े के आगे अपना सामान अड़ा दिया था। मेरा ख़याल था कि मैंने उसे हत्था घुमाते सुना था। पता है, अगर यह आदमी कोई हत्यारा निकल आये तो मुझे हैरत नहीं होगी—अरे, वैसा ही कोई रेलगाड़ी में डाका डालने वाला जिनके बारे में हम पढ़ते हैं। कोई कहेगा, मैं बेवकूफ़ हूँ, लेकिन ऐसा ही है। मैं उस आदमी से ख़ौफ़ खाती हूँ। मेरी बेटी ने कहा था कि मेरा सफ़र आसान होगा, लेकिन जाने क्यों मैं इसे ले कर ख़ुश नहीं महसूस कर रही हूँ। चाहे बेवकूफ़ी हो, पर मुझे लगता है कुछ भी हो सकता है। कुछ भी। और वह अच्छा-सा नौजवान कैसे उसका सेक्रेटरी होना बरदाश्त कर सकता है, मैं समझ नहीं पाती।''

कर्नल आरबथनॉट और मैक्वीन गलियारे में उनकी तरफ़ आ रहे थे।

'मेरे कूपे में आ जाइये,' मैक्वीन कह रहा था। 'अभी वह रात के लिए तैयार नहीं किया गया है। अब जो बात मैं हिन्दुस्तान से सम्बन्धित आपकी नीति के बारे में सही-सही समझना चाहता हूँ, वह यह है कि—'

दोनों आदमी बग़ल से गुज़र कर गलियारे में और आगे

मैक्वीन के कूपे में चले गये।

श्रीमती हबर्ड ने पॉयरो से विदा ली।

'मेरा ख़याल है मैं सीधे बिस्तर पर जा कर कुछ पढ़ूँगी,' उन्होंने कहा। 'गुड नाइट।'

'गुड नाइट, मदाम।'

पॉयरो अपने कूपे की तरफ़ बढ़ गये जो रैचेट के कूपे के आगे वाला था। उन्होंने कपड़े उतारे, बिस्तर मैं जा घुसे, लगभग आधे घण्टे तक पढ़ते रहे और फिर उन्होंने बत्ती बुझा दी।

वे कुछ घण्टे बाद जगे और एक झटके से उठे। उन्हें मालूम था कि क्या था जिसने उन्हें जगा दिया था—ऊँची आवाज़ में किसी की कराह, लगभग एक चीख, कहीं नज़दीक ही। ठीक उसी पल किसी घण्टी की तीखी खनक सुनाई दी।

पॉयरो उठ बैठे और उन्होंने बत्ती जला दी। उन्होंने ग़ौर किया कि रेलगाड़ी रुकी खड़ी थी—शायद किसी स्टेशन पर।

उस चीख ने उन्हें चौंका दिया था। उन्हें याद आया कि उनके बग़ल वाला अगला कूपे रैचेट का था। वे बिस्तर से बाहर निकले और जैसे ही उन्होंने अपना दरवाज़ा खोला, कण्डक्टर गलियारे में तेज़-तेज़ चलता हुआ आया और उसने रैचेट के दरवाज़े पर दस्तक दी। पॉयरो ने अपने दरवाज़े को साँस भर खुला रखा और ताक लगाये रखी। कण्डक्टर ने दूसरी बार दस्तक दी। एक घण्टी बजी और गलियारे में और आगे एक और दरवाज़े के ऊपर एक बत्ती जली। कण्डक्टर ने अपने कन्धे के पीछे को झाँका।

ठीक उसी समय बगल के कूपे से एक आवाज़ ने फ्रान्सीसी में पुकार कर कहा : 'कोई बात नहीं, फ़िक्र मत करो; मुझसे ग़लती हुई।'

''बहुत अच्छा, मोसिए।' कण्डक्टर उस दरवाज़े को खटखटाने के लिए तेज़ी से लपका जिस के ऊपर बत्ती जल रही थी।

पॉयरो वापस अपने बिस्तर में चले आये, तनाव से मुक्त मन के साथ और उन्होंने बत्ती बुझा दी। उन्होंने अपनी घड़ी पर नज़र डाली। एक बजने में महज़ तेईस मिनट बाकी थे।

अध्याय 5

जुर्म

पॉयरो ने पाया कि उन्हें फिर से सोने में दिक्कत महसूस हो रही थी। एक तो यह था कि उन्हें गाड़ी की रफ़्तार का बन्द हो जाना खटक रहा था। अगर सचमुच बाहर कोई स्टेशन था तो वह अजीबो-ग़रीब ढंग से ख़ामोश था। इसके बरक्स, रेलगाड़ी पर जो आवाज़ें हो रही थीं, वे ग़ैरमामूली तौर पर ऊँची लग रही थीं। वे रैचेट को बगल में दरवाज़ों की दूसरी तरफ़ चलते-फिरते सुन सकते थे—एक क्लिक जैसे ही उसने वॉश बेसिन नीचे किया, फिर एक और क्लिक जब वॉश बेसिन वापस बन्द किया गया। बाहर गलियारे में क़दमों की आहट दूर जाती हुई सुनायी दी, शयन-कक्ष की चप्पलें पहने पैर घसीट कर चलते किसी आदमी के क़दमों की आहट।

हरक्यूल पॉयरो छत को घूरते हुए जगे रहे। बाहर स्टेशन इतना ख़ामोश क्यों था? उन्हें गला सूखता हुआ लगा। वे हस्बमामूल मिनरल वॉटर की अपनी बोतल माँगना भूल गये थे। उन्होंने फिर अपनी घड़ी पर नज़र डाली। सवा बजे से कुछ ऊपर का वक़्त था। वे घण्टी बजाकर कण्डक्टर को बुलायेंगे और उससे थोडा-सा मिनरल वॉटर लाने को कहेंगे। उनकी उँगली घण्टी का बटन दबाने को बढ़ी, लेकिन जैसे ही ख़ामोशी के उस आलम में उन्होंने टन की आवाज़ सुनी, वे रुक गये।

वह आदमी फ़ौरन हर घण्टी की तामील तो नहीं ही कर सकता था।

टन्—टन्—टन्—

घण्टी बार-बार सुनायी देती रही। वह आदमी था कहाँ? कोई अधीर हो रहा था।

टन्—

जो भी था उसने अपनी उँगली मजबूती से बटन पर दबाये रखी थी।

अचानक, गलियारे में हड़बड़ाहट के साथ अपने क़दमों की आहट को गुँजाता हुआ वह आदमी आया। उसने किसी दरवाज़े पर दस्तक दी जो पॉयरो के कमरे से बहुत दूर नहीं था।

फिर आवाज़ें आयीं—कण्डक्टर की, आदर सूचक, माफ़ी माँगती हुई और एक औरत की—हठी और तेज़-तेज़।

श्रीमती हबर्ड।

पॉयरो मन-ही-मन मुस्कराये।

झगड़ा—अगर वह झगड़ा था—कुछ देर जारी रहा। उसका अनुपात कण्डक्टर के दस फ़ीसदी ढाढ़स बँधाने वाले रवैये के मुकाबले नब्बे फीसदी श्रीमती हबर्ड का था। आख़िरकार ऐसा लगा कि मामला निपट गया है। पॉयरो ने साफ़-साफ़ सुना :

'गुड नाइट, मैडम,' और एक दरवाज़े के बन्द होने की आवाज़ आयी। उन्होंने अपनी उँगली से घण्टी का बटन दबाया।

कण्डक्टर फ़ौरन आ पहुँचा। वह उत्तेजित और परेशान दिख रहा था।

'एक बोतल मिनरल वॉटर।'

'अभी लाया, मोसिए।' शायद पॉयरो की आँख में कौंधी चमक ने उसे अपने दिल का बोझ उतारने के लिए उकसाया।

'यह अमरीकी महिला—'

'हाँ'?

कण्डक्टर ने अपना माथा पोंछा।

'कल्पना कीजिए, कैसा वक़्त गुज़रा है उसके साथ! वह हठ कर रही है—जी हाँ, हठ—कि उसके कूपे में एक आदमी! ज़रा ख़ुद ही सोचिए, मोसिए! इस तरह के कूपे में।' उसने अपना हाथ चारों तरफ़ घुमाया। 'कहाँ छिपायेगा वह ख़ुद को? मैंने उससे बहस की। मैंने उसे बताया कि यह असम्भव है। वह जिद पर कायम है। वह उठी तो एक आदमी वहाँ था। तो फिर कैसे, मैंने पूछा, वह बाहर निकला और अपने पीछे दरवाज़े को अन्दर से बन्द छोड़ गया? मगर वह अकल की कोई बात सुनने को तैयार नहीं। मानो हमें परेशान करने के लिए पहले ही काफ़ी कुछ नहीं है। यह बर्फ़—'

'बर्फ़?'

'जी हाँ, मोसिए। क्या मोसिए ने ग़ौर नहीं किया? गाड़ी रुक गयी है। हम बर्फ़बारी में फँस गये हैं। भगवान जाने कितनी देर हम यहाँ रहेंगे। मुझे एक बार सात दिन तक बर्फ़ में फँसे रहना याद है।'

'कहाँ हैं हम?'

'विनकोवी और ब्रोड के बीच।'

'अरे, अरे,' पॉयरो ने खीझ-भरे स्वर में कहा।

कण्डक्टर चला गया और पानी के साथ लौटा।

'गुड नाइट, मोसिए।'

पॉयरो ने एक गिलास पानी पिया और सोने के लिए ख़ुद को शान्त और स्थिर किया।

उनकी आँख लगने ही वाली थी जब फिर उन्हें किसी चीज़ ने जगा दिया। इस बार ऐसा लगा जैसे कोई भारी चीज़ धम-से दरवाज़े पर आ गिरी थी।

वे उछल कर उठे, दरवाज़ा खोला और बाहर झाँका। कुछ भी नहीं। लेकिन उनके दायें को, गलियारे में कुछ आगे लाल किमोनो में लिपटी एक औरत उनकी तरफ़ पीठ किये वापस जा रही थी। दूसरे छोर पर, अपनी छोटी-सी सीट पर बैठा कण्डक्टर काग़ज़ के बड़े-बड़े सफ़ों पर आँकड़े दर्ज कर रहा था। हर तरफ़ मौत का-सा सन्नाटा था।

'यक़ीनन मेरी नसें खेल कर रही हैं,' पॉयरो ने ख़ुद से कहा और फिर बिस्तर में जा लेटे। इस बार वे दिन चढ़ने तक सोते रहे।

'जब वे उठे तब भी रेलगाड़ी रुकी हुई थी। उन्होंने एक पर्दा उठाया और बाहर झाँका। बर्फ़ के बड़े-बड़े अम्बारों ने रेलगाड़ी को घेर रखा था।

उन्होंने घड़ी पर नज़र डाली और देखा कि नौ बजे से ऊपर का वक़्त था।

पौने दस बजे हमेशा की तरह तैयार हो कर, लक़-दक़ और सजे-सँवरे, वे डाइनिंग-कार पहुँचे जहाँ, दुख-तकलीफ़ का हो-हल्ला मचा हुआ था।

सवारियों के बीच जो भी दीवारें रहीं हों, वे अब लगभग पूरी तरह ढह चुकी थीं। सभी एक-सी मुसीबत का शिकार हो कर एक हो गये थे। श्रीमती हबर्ड सबसे ऊँची आवाज़ में हाय-तौबा मचाये हुए थीं।

'मेरी बेटी ने कहा था कि यह दुनिया भर में सबसे आसान तरीका होगा। बस, रेलगाड़ी में बैठी रहूँ जब तक कि पारुस न पहुँच जाऊँ। और अब हम यहाँ कई दिनों तक फँसे रह सकते हैं,' उन्होंने विलाप किया। 'और मेरा जहाज परसों रवाना होने वाला है। अब मैं कैसे उसे पकड़ूँगी? अरे, मैं तो अपना सफ़र रद्द करने के लिए तार भी नहीं भेज सकती। मैं इतनी पगला गयी हूँ कि इस बारे में बात करना भी मेरे लिए मुहाल है।'

इतालवी शख़्स ने कहा कि उसे ख़ुद मिलान में ज़रूरी काम था। लम्बे-तगड़े अमरीकी ने कहा कि यह तो 'बहुत बुरा था, मै'म,' और सान्त्वना-भरे अन्दाज़ में उम्मीद ज़ाहिर की कि रेलगाड़ी शायद वक़्त पूरा कर ले।

'मेरी बहन—उसके बच्चे मेरा इन्तज़ार कर रहे हैं,' स्वीडी महिला ने कहा और रोने लगी। 'मैं उनको कोई ख़बर नहीं दे पाऊँ। क्या सोचेंगे वे? बोलेंगे मेरे साथ कोई बुरी बात हो गयी।'

'हम लोग यहाँ कितनी देर रहेंगे?' मेरी डेबेनहेम ने दरियाफ़्त किया। 'क्या किसी को नहीं मालूम?'

उसकी आवाज़ में अधीरता थी, लेकिन पॉयरो ने ग़ौर किया कि उस लगभग हरारत-ज़दा फ़िक्र की कोई निशानी नहीं थी, जो उसने टॉरस एक्सप्रेस में चढ़ते वक़्त दर्शायी थी।

श्रीमती हबर्ड ने फिर अपना चर्खा शुरू कर दिया था।

'इस रेलगाड़ी पर कोई नहीं है जिसे कुछ भी पता हो। और कोई कुछ करने की कोशिश भी नहीं कर रहा है। बस, बेकार विदेशियों का झुण्ड हैं सब। अरे, अगर यह अपना घर होता तो कोई कुछ करने की कम-से-कम कोशिश तो कर रहा होता।'

आरबथनॉट पॉयरो की तरफ़ मुड़ा और उसने सावधानी से अंग्रेज़ी लहजे वाली फ्रान्सीसी में बात की।

'आप तो इस रेल कम्पनी के डायरेक्टर हैं न, मोसिए। आप इस मुसीबत—'

मुस्कराते हुए पॉयरो ने उसे दुरूस्त किया।

'नहीं, नहीं,' वे अंग्रेज़ी में बोले। 'मैं नहीं हूँ। आप मुझे भूल से मेरे दोस्त मोसिए बोक से मिला बैठे हैं।'

'अरे माफ़ी चाहता हूँ।'

'कोई बात नहीं। यह बिलकुल स्वाभाविक है अब मैं उस कूपे

में हूँ जहाँ पहले वे थे।'

मोसिए बोक डाइनिंग-कार में मौजूद नहीं थे। पॉयरो ने यह देखने के लिए नज़र दौड़ायी कि और कौन-कौन ग़ैरहाज़िर था।

रानी ड्रैगोमिरॉफ़ भी गायब थीं और हंगेरियाई जोड़ा भी। साथ ही रैचेट, उसका निजी सेवक और जर्मन नौकरानी। स्वीडी महिला ने अपनी आँखें पोंछीं।

'मैं बुद्धू हूँ,' वह बोली। 'बच्ची की तरह रो दी। जो भी हो, ठीक होगा।'

इस जज्बे में, लेकिन, हिस्सा बँटाने वाला कोई नहीं था।

'यह सब तो ठीक है,' मैक्वीन ने बेचैन अन्दाज़ में कहा। 'हम यहाँ कई दिन फँसे रह सकते हैं।'

'यह है कौन-सा देश, बहरहाल?' श्रीमती हबर्ड ने रुआँसी आवाज़ में पूछा।

यह बताये जाने पर कि यूगोस्लाविया है वह बोली :

'ओह! उन बाल्कन देशों में से कोई। कोई क्या उम्मीद कर सकता है इनसे?'

'सिर्फ़ आप ही हैं जो धीरता से बैठी हैं, मैडमोज़ेल,' पॉयरो ने मिस डेबनहैम से कहा।

उसने हल्के से अपने कन्धे उचकाये।

'कोई कर भी क्या सकता है?'

'आप तो दार्शनिक हैं, मैडमोज़ेल।'

'इससे तो निरपेक्ष रवैये की ध्वनि आती है। मेरे ख़याल में मेरा रवैया अधिक स्वार्थी है। मैंने बेकार की भावनाओं में बहने से ख़ुद को रोकना सीख लिया है।'

वह उनकी तरफ़ देख भी नहीं रही थी। उसकी निगाह उनकी बगल से होती हुई खिड़की के बाहर वहाँ टिकी हुई थी जहाँ बर्फ़ के

बड़े-बड़े अम्बार लगे थे।

'आप बहुत मज़बूत हैं, मैडमोज़ेल,' पॉयरो ने नरमी से कहा। 'मेरे ख़याल में आप हम लोगों में सबसे मजबूत हैं।'

'अरे नहीं। सच, नहीं। मैं किसी को जानती हूँ जो मुझसे कहीं-कहीं ज़्यादा मजबूत है।'

'और वह है—?'

ऐसा लगा कि अचानक वह अपने आपे में आयी, यह महसूस करती हुई कि वह एक अजनबी और विदेशी से बात कर रही थी, जिसके साथ, इस सुबह तक उसने गिनी-चुनी बातें ही की थीं।

वह एक शिष्ट लेकिन अजनबियत पैदा करने वाली हँसी हँस दी।

'अरे—मिसाल के लिए वह बूढ़ी महिला। आपने शायद उस पर ध्यान दिया हो। बड़ी ही बदसूरत औरत है, लेकिन किसी कदर जादूई। उसे बस एक उँगली उठा कर विनम्र आवाज़ में किसी चीज़ की फ़रमाइश करनी होती है और पूरी रेलगाड़ी दौड़ पड़ती है।'

'वह तो मेरे मित्र मोसिए बोक के लिए भी दौड़ पड़ती है,' पॉयरो ने कहा। 'लेकिन इसलिए कि वे रेल कम्पनी के निदेशक हैं, इसलिए नहीं कि वे रोबीले शख़्स हैं।'

मेरी डेबेनहेम मुस्करायी।

सुबह धीरे-धीरे बीतती रही। पॉयरो समेत कई लोग डाइनिंग-कार ही में बने रहे। उस घड़ी में मिल-जुल कर रहना ही समय को बेहतर तौर पर बिताने के लिए कारगर लग रहा था। पॉयरो ने श्रीमती हबर्ड की बेटी के बारे में और बहुत कुछ सुना और दिवंगत श्री हबर्ड की ज़िन्दगी भर की आदतों की भी जानकारी हासिल की—उनके सुबह उठने और नाश्ते को दलिये के साथ शुरू करने से लेकर रात को सोने के लिए जाते समय श्रीमती हबर्ड के ख़ुद अपने हाथों से बुन

कर दिये गये मोज़े पहनने की आदत तक।

जब वे स्वीडी महिला के धर्म-प्रचार के लक्ष्यों का एक उलझा हुआ ब्योरा सुन रहे थे, तभी रेलगाड़ी के कण्डक्टरों में से एक डाइनिंग-कार में आ कर उनकी बग़ल में खड़ा हो गया।

'माफ़ कीजिए, मोसिए।'

'कहो?'

'मोसिए बोक ने सलाम भेजा है और कहा है कि अगर आप मेहरबानी करके कुछ मिनट के लिए उनके पास आ जायेंगे तो उन्हें ख़ुशी होगी।'

पॉयरो उठे, उन्होंने स्वीडी महिला से क्षमा चाही और उस आदमी के पीछे डाइनिंग-कार के बाहर चल दिये।

यह उनका अपना कण्डक्टर नहीं, बल्कि एक लम्बा-तगड़ा गोरा आदमी था।

वे उस आदमी के पीछे-पीछे अपने डिब्बे के गलियारे से हो कर अगले डिब्बे के गलियारे में दाख़िल होकर बढ़े। उस आदमी ने एक दरवाज़े पर दस्तक दी, फिर एक तरफ़ हट कर खड़ा हो गया ताकि पॉयरो अन्दर जा सकें।

यह मोसिए बोक का अपना डिब्बा नहीं था। यह दूसरे दर्ज़े का डिब्बा था जिसे शायद उसके थोड़े-से बड़े आकार की वजह से चुना गया होगा। वह यक़ीनन भरा-भरा होने का एहसास करा रहा था।

मोसिए बोक ख़ुद सामने के कोने में छोटी-सी सीट पर बैठे थे। खिड़की के बगल वाले कोने में, मोसिए बोक की तरफ़ मुँह किये, ठिगने कद का एक साँवला-सा आदमी बैठा बाहर बर्फ़ को देख रहा था। बड़े डील-डौल का एक आदमी नीली वर्दी पहने (रेलगाड़ी का गार्ड) इस तरह खड़ा था कि पॉयरो के लिए आगे बढ़ना मुश्किल था। उसके अलावा ख़ुद पॉयरो का अपना कण्डक्टर वहाँ मौजूद था।

'आओ, आओ, मित्र,' मोसिए बोक ने ऊँचे स्वर में कहा। 'अन्दर आओ। हमें तुम्हारी ज़रूरत है।'

खिड़की पर बैठा आदमी सीट के साथ-साथ आगे को खिसक गया, पॉयरो बाकी दोनों लोगों के पास से भिंच कर आगे को बढ़े और अपने मित्र की तरफ़ मुँह किये बैठ गये।

मोसिए बोक के चेहरे पर जो भाव था उसे देखकर उनका दिमाग़, जैसा कि वे कहते, पगलाई रफ़्तार से सोचने लगा। साफ़ था कि कोई ग़ैरमामूली घटना हो गयी थी।

'क्या हुआ है?' उन्होंने पूछा।

'ठीक ही पूछा। पहले यह बर्फ़—यह रुकावट। और अब—'

वे रुके—और तभी कण्डक्टर के गले से एक घुटी हुई साँस झटके से निकली।

'और अब क्या?'

'और अब एक मुसाफ़िर अपने बिस्तर पर मरा पड़ा है—छुरा भोंकने से।'

मोसिए बोक मानो एक शान्त हताशा से बोल रहे थे।

'मुसाफ़िर? कौन-सा मुसाफ़िर?'

'एक अमरीकी। वह आदमी जिसका नाम—नाम—' उन्होंने अपने सामने रखे काग़ज़ पर नज़र डाली। 'रैचेट—हाँ, यही है—रैचेट?'

'जी साहब,' कण्डक्टर ने सूखा घूँट निगला।

पॉयरो ने उसकी तरफ़ निगाह डाली। उसका चेहरा खड़िया की तरह सफ़ेद था।

'बेहतर होगा अगर आप इस आदमी को बैठ जाने दें,' उन्होंने कहा। 'वरना हो सकता है वह बेहोश हो जाये।'

रेलगाड़ी का गार्ड थोड़ा-सा हिला और कण्डक्टर कोने में ढह

गया और उसने अपने चेहरे को हाथों से ढँक लिया।

'हूँ—' पॉयरो बोले। 'मामला गम्भीर है।'

'बेशक, गम्भीर है। शुरू करें तो पहले यह हत्या—यह तो अपने आप में अव्वल दर्ज़े की मुसीबत है। लेकिन इतना ही नहीं है, हालात भी बड़े ग़ैर मामूली हैं। हम यहाँ हैं, रुके हुए और घण्टों तक रुके रह सकते हैं; कुछ घण्टों तक ही नहीं—कुछ दिनों तक। एक और बात। ज़्यादातर देशों से हो कर गुजरते समय उस देश की पुलिस हमारी रेलगाड़ी पर साथ चलती है। लेकिन यूगोस्लाविया में—नहीं। आप समझे?'

'खासी मुश्किल स्थिति है,' पॉयरो ने कहा।

'अभी और भी बुरा बाकी है। डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन—मैं भूल गया कि मैंने आपका परिचय नहीं कराया—डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन, मोसिए पॉयरो।'

ठिगने साँवले आदमी ने ज़रा-सा झुक कर अभिवादन किया, मोसिए पॉयरो भी उत्तर में झुके।

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन की राय में मौत रात के एक बजे के करीब हुई।'

'ऐसे मामलों में कहना मुश्किल होता है,' डॉक्टर ने कहा, 'लेकिन मेरे ख़याल में मैं पक्के तौर पर कह सकता हूँ कि मौत बारह बजे से दो बजे के बीच हुई।'

'इन रैचेट महाशय को आख़िरी बार ज़िन्दा कब देखा गया था?' पॉयरो ने पूछा।

'जानकारी के मुताबिक एक बजने में बीस मिनट बाकी थे जब उन्होंने कण्डक्टर से बात की थी। तब तक वे जिन्दा थे,' मोसिए बोक ने कहा।

'यह बिलकुल सही है,' पॉयरो ने कहा। 'मैंने ख़ुद सुना था

क्या बात हुई थी। बस, वही आख़िरी बात है जो मालूम है?'

'हाँ।'

पॉयरो डॉक्टर की तरफ़ मुड़े जिन्होंने बात आगे बढ़ायी।

मि॰ रैचेट के कूपे की खिड़की चौपट खुली पायी गयी, जिससे कोई यह फ़र्ज़ कर सकता है कि हत्यारा उस रास्ते से निकल भागा। लेकिन मेरी राय में वह खुली खिड़की एक धोखा है। जो भी उस रास्ते से बाहर जाता, वह बर्फ़ में साफ़ निशान छोड़ जाता। वहाँ कोई निशान नहीं था।'

'कब चला—अपराध का पता?' पॉयरो ने पूछा।

'मिशेल!'

कण्डक्टर उठ बैठा। उसका चेहरा अब भी फीका और डरा हुआ दिख रहा था।

'इन्हें बताओ ठीक-ठीक क्या घटा था,' मोसिए बोक ने आदेश दिया।

कण्डक्टर झटके ले लेकर बोलने लगा।

'इन मोसिए रैचेट के निजी सेवक, उसने आज सुबह कई बार दरवाज़ा खटखटाया। कोई जवाब नहीं आया। फिर आधा घण्टा पहले डाइनिंग-कार का बन्दा आया। वह जानना चाहता था कि क्या मोसिए खाना खायेंगे। ग्यारह बजे का समय था। आप समझे। मैंने दरवाज़ा अपनी चाबी से खोला। लेकिन अन्दर ज़न्जीर भी होती है और वह लगी हुई थी। कोई जवाब नहीं आ रहा था और वहाँ अन्दर बहुत ख़ामोशी थी और सर्दी—सर्दी जनाब। खिड़की खुली और बर्फ़ भीतर आ रही थी। मैंने सोचा शायद महाशय को दौरा पड़ गया। मैं रेलगाड़ी के ड्राइवर को बुला लाया। हमने ज़ंजीरें तोड़ीं और अन्दर गये। वे वहाँ—आह, भयानक था!'

उसने फिर चेहरा हाथों में छिपा लिया।

'दरवाज़ा बन्द था और अन्दर से ज़ंजीर लगी थी,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। 'आत्महत्या तो नहीं थी—ऐं?'

यूनानी डॉक्टर ने एक तिक्त व्यंग्य-भरी हँसी के साथ पूछा, 'आत्महत्या करने वाला आदमी क्या ख़ुद को दस-बारह-पन्द्रह जगह भोंकता है?'

पॉयरो की आँखें खुल गयीं।

'यह तो बहुत बर्बर है,' उन्होंने कहा।

'कोई औरत है,' गाड़ी के ड्राइवर ने पहली बार मुँह खोला। 'इस पर भरोसा कीजिए, वह कोई औरत थी। सिर्फ़ एक औरत इस तरह चाकू भोंक सकती है।'

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने सोचने के अन्दाज़ में अपना चेहरा सिकोड़ा।

'वह बहुत ताक़तवर औरत रही होगी,' वे बोले। 'मेरा इरादा तकनीकी ब्योरों में जाने का नहीं है—वे उलझन ही पैदा करेंगे—लेकिन मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ कि एक या दो वार तो इतने ज़ोर से किये गये थे कि हड्डी और माँस की सख़्त परतों को चीर कर अन्दर जा पहुँचे।'

'साफ़ है कि यह कोई सूझ-बूझ वाला जुर्म नहीं था,' पॉयरो ने कहा।

'बेहद ताबड़-तोड़ किया गया था,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'वार अन्धा-धुन्ध किये गये थे और जहाँ-तहाँ। कुछ तो बिछलते हुए निकल गये, मुश्किल से कोई नुकसान पहुँचाकर। ऐसा लगता है कि किसी ने आँखें बन्द कर ली थीं और फिर पगलाकर अन्धेपन से बार-बार चोट की थी।'

'औरत ही है,' गाड़ी के गार्ड ने कहा। 'औरतें ऐसी ही होती हैं। जब ग़ुस्सा जाती हैं तो उनमें बहुत ताक़त आ जाती है।' उसने

इतनी अक्लमन्दी से सिर हिलाया कि सभी को लगा वह अपने निजी अनुभव से बोल रहा था।

'मेरे पास शायद आपकी जानकारी के भण्डार में कुछ जोड़ने के लिए है,' पॉयरो ने कहा। 'मोसिए रैचेट ने कल मुझसे बात की थी। उन्होंने मुझे बताया था, जितना मैं उन्हें समझ पाया, कि उनकी ज़िन्दगी ख़तरे में थी।'

'ठिकाने लगा दिया—यही अमरीकी फिकरा है न?' मोसिए बोक ने कहा। 'तब तो यह कोई औरत नहीं है। यह कोई गैंगस्टर या बन्दूकची है।'

गाड़ी का गार्ड अपनी तजवीज़ को खाली जाते देख कर दुखी लगा।

'अगर ऐसा है,' पॉयरो ने कहा, 'तो फिर लगता है यह बड़े अनाड़ीपने से किया गया है।'

उनके स्वर में व्यावसायिक नापसन्दी का पुट था।

'गाड़ी पर एक हट्टा-कट्टा अमरीकी है,' मोसिए बोक ने अपने ख़याल का पीछा करते हुए कहा—'एक मामूली-सा आदमी, बड़े ख़राब कपड़े पहने। वह हमेशा चुइंगगम चबाता रहता है जो मेरे ख़याल में अच्छे लोगों में नहीं किया जाता। तुम जानते हो न, मेरा मतलब किससे है?'

कण्डक्टर ने, जिससे उन्होंने पूछा था, अपना सिर हिलाया।

'जी साहब, नम्बर 16। लेकिन वह नहीं हो सकता। मैं उसे डिब्बे में आते या जाते देख लेता।'

'हो सकता है तुम न देख पाते, न देख पाते। लेकिन इसकी बात हम अभी करेंगे। सवाल यह है कि किया क्या जाय?' उन्होंने पॉयरो की तरफ़ देखा।

पॉयरो ने पलट कर नज़रें उन पर टिका दीं।

'आओ मेरे दोस्त,' मोसिए बोक ने कहा। 'तुम्हें पता है मैं तुमसे क्या कहने वाला हूँ। मैं तुम्हारी कूवत जानता हूँ। इस जाँच का जिम्मा सँभालो। न, न, मना मत करो। देखो, हमारे लिए यह गम्भीर है—मैं अन्तर्राष्ट्रीय स्लीपिंग-कार रेल कम्पनी की तरफ़ से बोल रहा हूँ। जब तक यूगोस्लाविया की पुलिस आये, कितना अच्छा हो अगर हम उन्हें हल पेश कर दें! वरना देरी, परेशानी, निर्दोष लोगों के लिए बेकार की मुसीबत। इसकी बजाय—तुम रहस्य सुलझा दो! हम कहेंगे—एक हत्या हुई है—यह रहा अपराधी!'

'और फ़र्ज़ कीजिए, मैं हल न कर पाया?'

'आह, मेरे प्यारे दोस्त,' मोसिए बोक की आवाज़ में नरमी और लाड़ आ गया। 'मैं तुम्हारी शोहरत से वाकिफ़ हूँ। मुझे तुम्हारे तरीकों का भी कुछ अन्दाज़ा है। यह तुम्हारे लिए आदर्श मामला है। इन सभी लोगों का अगला-पिछला पता करना, उनकी सच्चाई मालूम करना—इस सब में समय लगता है और जाने कितनी असुविधा होती है। लेकिन क्या मैंने तुम्हें अक्सर यह कहते नहीं सुना है कि किसी मामले को सुलझाने के लिए आदमी को बस कुर्सी में पीछे पीठ टिका कर बैठने और सोचने की ज़रूरत है? यही करो। गाड़ी के मुसाफ़िरों से पूछ-ताछ करो, लाश को देखो, जो भी सुराग हों उन्हें जाँचो और फिर—ख़ैर, मुझे तुममें विश्वास है। मुझे पक्का यक़ीन है वह तुम्हारी तरफ़ से कोई बेमतलब की शेखी नहीं है। पीछे टिक कर सोचो—दिमाग़ के अन्दर जो है (जैसा मैंने इतनी बार तुम्हें कहते सुना है) उसे इस्तेमाल करो—और तुम्हें पता चल जायेगा।'

वे अपने मित्र को स्नेह-भरी नज़रों से देखते हुए आगे को झुक आये।

'आपके विश्वास ने मेरे दिल को छू लिया है, मेरे दोस्त,' पॉयरो ने भाव भीने स्वर में कहा। 'जैसा आप कहते हैं, यह मुश्किल

मामला नहीं होना चाहिए। मैं ख़ुद, पिछली रात—लेकिन अभी हम उसकी चर्चा नहीं करेंगे। सच तो यह है कि यह गुत्थी मेरी दिलचस्पी जगा रही है। आधा घण्टा भी नहीं हुआ, मैं सोच रहा था कि कई घण्टों की ऊब आगे खड़ी है जितनी देर हम यहाँ फँसे रहते हैं। और अब—एक मसला मेरे हाथों में मौजूद है।'

'तो तुम मंज़ूर करते हो?' मोसिए बोक ने आतुरता से कहा।

'बेशक। आप मामले को मेरे हाथ में छोड़ दीजिए।'

'ठीक—हम सब तुम्हारी सेवा के लिए तैयार हैं।'

'शुरू करें तो मुझे इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे का नक्शा चाहिए और एक फेहरिस्त भी उन लोगों की जो उसके अलग-अलग कक्षों में टिके हुए थे और मैं उनके पासपोर्ट और उनके टिकट देखना चाहूँगा।'

'मिशेल तुम्हारे लिए यह सब ला देगा।'

कण्डक्टर डिब्बे के बाहर चला गया।

'रेलगाड़ी में और कौन-कौन से मुसाफ़िर हैं? पॉयरो ने पूछा।'

'इस डिब्बे में डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन और मैं ही सफ़र कर रहे हैं। बुखारेस्ट से आये डिब्बे में लँगड़ी टाँग वाले एक बूढ़े सज्जन हैं। कण्डक्टर उन्हें अच्छी तरह जानता है। उसके परे आम डिब्बे हैं, लेकिन उनसे हमारा कोई सरोकार नहीं, क्योंकि वे कल रात भोजन के परोसे जाने के बाद बन्द कर दिये गये थे। इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे के आगे बस डाइनिंग कार ही है।'

'फिर तो लगता है,' पॉयरो ने धीरे-धीरे कहा, 'कि हमें हत्यारे को इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे में ही खोजना पड़ेगा' वे डॉक्टर की तरफ़ मुड़े। 'मेरा ख़याल है, आपका इशारा इसी तरफ़ था न?'

डॉक्टर ने सिर हिलाया।

'बारह बजने के आधे घण्टे बाद हम बर्फ़बारी में जा फँसे थे। उसके बाद से कोई रेलगाड़ी छोड़ कर जा नहीं सका होगा।'

मोसिए बोक ने गम्भीर अन्दाज़ में कहा।

'हत्यारा हमारे साथ है—इस समय रेलगाड़ी पर सवार—'

अध्याय 6

एक औरत

'सबसे पहले,' पॉयरो ने कहा, 'मैं दो-चार बातें युवा मोसिए मैक्वीन से करना चाहूँगा। हो सकता है, वे मुझे महत्वपूर्ण जानकारी दे सकें।'

'यक़ीनन,' मोसिए बोक ने कहा।

वे रेलगाड़ी के गार्ड की तरफ़ मुड़े।

'मोसिए मैक्वीन को यहाँ आने के लिए कहो।'

रेलगाड़ी का गार्ड डिब्बे के बाहर चला गया।

कण्डक्टर पासपोर्टों और टिकटों की एक गड्डी लिये वापस आया। मोसिए बोक ने वह सब उससे ले लिया।

'शुक्रिया मिशेल। मेरे ख़याल से अब सबसे अच्छा यही होगा कि तुम जाकर अपना काम करो। तुम्हारी गवाही औपचारिक रूप से हम बाद में ले लेंगे।'

'बहुत अच्छा, मोसिए।'

मिशेल भी डिब्बे के बाहर चला गया।

'जब हम युवा मैक्वीन से मिल चुके,' पॉयरो ने कहा, 'तब शायद डॉक्टर साहब मेरे साथ उस डिब्बे में चलना पसन्द करेंगे जहाँ वह मारा गया आदमी है।'

'बेशक।'

'वहाँ काम खत्म कर लेने के बाद हम—'

लेकिन ठीक इसी क्षण रेलगाड़ी का गार्ड हेक्टर मैक्वीन के साथ लौट आया।

मोसिए बोक उठ खड़े हुए।

'यहाँ जगह कुछ तंग हैं,' उन्होंने शाइस्तगी से कहा। 'आप मेरी सीट ले लीजिए मोसिए मैक्वीन। मोसिए पॉयरो आपके सामने बैठेंगे—ऐसे।'

वे रेलगाड़ी के गार्ड की तरफ़ मुड़े।

'डाइनिंग कार से सभी लोगों को हटा दो,' वे बोले, 'और उसे मोसिए पॉयरो के लिए ख़ाली कर दो। तुम अपनी पूछ-ताछ वहीं करोगे न, मित्र?'

'हाँ, यह बहुत सुविधाजनक रहेगा, पॉयरो ने सहमति जाहिर की।

फ्रान्सीसी भाषा के तेज़ प्रवाह को बूझ न पाने की वजह से, मैक्वीन खड़ा उनमें से कभी एक के चेहरे को देखता, कभी दूसरे के चेहरे को।

'कुछ हो गया है क्या?' उसने कष्ट से फ्रान्सीसी में बोलना शुरू किया। ट्रेन में—'

एक ज़ोरदार इशारे से पॉयरो ने उसे कोने की सीट की तरफ़ धकेल दिया। वह बैठ गया और उसने फिर एक बार शुरू किया।

'पोरकोई—?' फिर ख़ुद को रोक कर उसने वापस अपनी भाषा का पल्ला थाम लिया, 'रेलगाड़ी में क्या चल रहा है? कुछ हो गया है क्या?' उसने एक आदमी से दूसरे आदमी की तरफ़ नज़र फिरायी। पॉयरो ने सिर हिलाया।

'बिलकुल। कुछ हो गया है। ख़ुद को धक्के के लिए तैयार कर लीजिए आपको नौकरी पर रखने वाले मोसिए रैचेट की मौत

हो गयी है।'

मैक्वीन के होंट सीटी बजाने की मुद्रा में सिकुड़ गये। सिवा इसके कि उसकी आँखों में थोड़ी और चमक आ गयी, उसने सदमे या परेशानी की कोई निशानी जाहिर नहीं की।

'तो वे आख़िरकार उसे पा ही गये,' उसने कहा।

'इस वाक्य से आपका क्या मतलब है, मोसिए मैक्वीन?'

मैक्वीन हिचकिचाया।

'आप यह मान कर चल रहे हैं,' पॉयरो ने कहा, 'कि मोसिए रैचेट की हत्या की गयी है।'

'नहीं की गयी क्या?' इस बार मैक्वीन ने आश्चर्य प्रकट किया। 'सच पूछिए तो,' उसने धीरे-धीरे कहा। 'मैंने ठीक यही सोचा था। आपका मतलब है वह बस सोते में चला गया? अरे, वह बुड्ढा इतना दमदार था—इतना दमदार था—'

वह उपमा खोज पाने में नाकाम हो कर रुका।

'नहीं, नहीं,' पॉयरो ने कहा। 'आपका अन्दाज़ा काफ़ी सही था। मिस्टर रैचेट की हत्या की गयी थी। चाकू भोंक कर। लेकिन मैं जानना चाहूँगा कि आपने इतने पक्के तौर पर क्यों कहा कि वह हत्या थी, महज़—मौत नहीं।'

मैक्वीन हिचकिचाया।

'मुझे यह साफ़-साफ़ जानना है,' उसने कहा, 'आप कौन हैं दरअसल? और इस मामले से आपका क्या वास्ता है?'

'मैं अन्तर्राष्ट्रीय स्लीपिंग कार रेल कम्पनी का प्रतिनिधि हूँ।' वे रुके और फिर उन्होंने जोड़ा, 'मैं एक जासूस हूँ। मेरा नाम हरक्यूल पॉयरो है।'

अगर वे इसका कोई असर देखने के इच्छुक थे तो वह उन्हें नहीं दिखा। मैक्वीन ने बस 'अच्छा, अच्छा?' कहा, और उन्हें बात

को आगे बढ़ाने का मौका देने के लिए रुक गया।

'आप शायद इस नाम से परिचित हैं।'

'हाँ, कुछ-कुछ सुना हुआ-सा लगता है—फ़र्क़ बस यही है कि मैं हमेशा सोचता था कि यह नाम औरतों के किसी दर्ज़ी का है।'

हरक्यूल पॉयरो ने उसे नापसन्दी से देखा।

'विश्वास नहीं होता,' उन्होंने कहा।

'क्या विश्वास नहीं होता?'

'कुछ नहीं। आइए हाथ के इस मामले को आगे बढ़ायें। मैं चाहता हूँ, मोसिए मैक्वीन, कि आप मरे हुए आदमी के बारे में जो कुछ जानते हों, मुझे बता दें। आप उनके रिश्तेदार तो नहीं थे।''

'नहीं, मैं उसका सेक्रेटरी हूँ—था।'

'इस नौकरी पर आप कितने समय से हैं?'

'साल भर से कुछ अधिक।'

'कृपया मुझे जो भी जानकारी आप दे सकते हैं, दे दीजिए।'

'ख़ैर, मैं मिस्टर रैचेट से कोई साल भर पहले मिला था, जब मैं फ़ारस में था—'

पॉयरो ने टोका।

'आप वहाँ क्या कर रहे थे?'

'मैं वहाँ न्यू यॉर्क से तेल के एक सौदे को परखने आया था। मेरे ख़याल में आप उस सबके बारे में नहीं सुनना चाहेंगे। मुझे और मेरे मित्रों के साथ उसमें ख़ासा धोखा हुआ था। मिस्टर रैचेट उसी होटल में थे। उसी समय अपने सेक्रेटरी से उनका झगड़ा हुआ था। उन्होंने मुझे नौकरी पेश की और मैंने ले ली। मैं उस समय ख़ाली था और कहें कि अच्छी तनख़्वाह वाली बनी-बनायी नौकरी पाने पर ख़ुश था।'

'और उसके बाद से?'

'हम घूमते-फिरते रहे। मिस्टर रैचेट दुनिया देखना चाहते थे।

रुकावट थी उनका भाषाएँ न जानना। मैं सेक्रेटरी से ज़्यादा हरकारे का काम करता था। आसान, सुखी ज़िन्दगी थी।'

'अब मुझे अपने मालिक के बारे में जितना बता सकते हैं, बताइये।'

नौजवान ने कन्धे उचकाये। उसके चेहरे पर चकराये होने का भाव आया और गुज़र गया।

'यह इतना आसान नहीं है।'

'उनका पूरा नाम क्या था?'

'सैम्युएल एडवर्ड रैचेट।'

'वे अमरीकी नागरिक थे?'

'हाँ।'

'अमरीका के किस हिस्से से आये थे?'

'मुझे नहीं मालूम।'

'ख़ैर जो मालूम है, वह मुझे बताइए।'

'सच्ची बात यह है मिस्टर पॉयरो कि मैं कुछ भी नहीं जानता। मिस्टर रैचेट कभी अपने बारे में या अमरीका में अपनी ज़िन्दगी के बारे में बात नहीं करते थे।'

'आपके ख़याल में ऐसा क्यों था?'

'पता नहीं। मेरा अन्दाज़ा था कि हो सकता है, उन्होंने जहाँ से शुरू किया, उस पर उन्हें शर्म रही हो। कुछ लोगों को होती है।'

'क्या आपको लगता है कि यह तसल्लीबख़्श जवाब है?'

'सच पूछिए तो नहीं।'

'क्या उनके कोई रिश्तेदार हैं?'

'उन्होंने कभी किसी का ज़िक्र नहीं किया।'

पॉयरो ने बात पर ज़ोर दिया।

'आपने कोई तो अटकल लगायी होगी, मोसिए मैक्वीन।'

रुकावट थी उनका भाषाएँ न जानना। मैं सेक्रेटरी से ज़्यादा हरकारे का काम करता था। आसान, सुखी ज़िन्दगी थी।'

'अब मुझे अपने मालिक के बारे में जितना बता सकते हैं, बताइये।'

नौजवान ने कन्धे उचकाये। उसके चेहरे पर चकराये होने का भाव आया और गुज़र गया।

'यह इतना आसान नहीं है।'

'उनका पूरा नाम क्या था?'

'सैम्युएल एडवर्ड रैचेट।'

'वे अमरीकी नागरिक थे?'

'हाँ।'

'अमरीका के किस हिस्से से आये थे?'

'मुझे नहीं मालूम।'

'ख़ैर जो मालूम है, वह मुझे बताइए।'

'सच्ची बात यह है मिस्टर पॉयरो कि मैं कुछ भी नहीं जानता। मिस्टर रैचेट कभी अपने बारे में या अमरीका में अपनी ज़िन्दगी के बारे में बात नहीं करते थे।'

'आपके ख़याल में ऐसा क्यों था?'

'पता नहीं। मेरा अन्दाज़ा था कि हो सकता है, उन्होंने जहाँ से शुरू किया, उस पर उन्हें शर्म रही हो। कुछ लोगों को होती है।'

'क्या आपको लगता है कि यह तसल्लीबख़्श जवाब है?'

'सच पूछिए तो नहीं।'

'क्या उनके कोई रिश्तेदार हैं?'

'उन्होंने कभी किसी का ज़िक्र नहीं किया।'

पॉयरो ने बात पर ज़ोर दिया।

'आपने कोई तो अटकल लगायी होगी, मोसिए मैक्वीन।'

'हाँ, लगायी तो थी। एक बात तो यह थी कि मुझे इस बात का यक़ीन नहीं है कि रैचेट उनका असली नाम था। मेरे ख़याल में उन्होंने यक़ीनन किसी चीज़ या किसी आदमी से भाग निकलने के लिए अमरीका को छोड़ा था। मेरा ख़याल है वे सफल भी हुए थे—कुछ हफ़्ते पहले तक।'

'और फिर?'

'उन्हें चिट्ठियाँ मिलने लगीं—धमकाने वाले चिट्ठियाँ।'

'आपने उन्हें देखा था?'

'हाँ, मेरा तो काम ही था उनकी चिट्ठी-पत्री देखना। पहली चिट्ठी दो हफ़्ते पहले आयी थी।'

'क्या ये चिट्ठियाँ नष्ट कर दी गयीं?'

'नहीं, मेरे ख़याल में मेरे पास दो-एक अब भी मेरी फाइलों में हैं—एक मुझे मालूम है रैचेट ने ग़ुस्से में फाड़ दी थी। क्या मैं उन्हें आपके लिए ले आऊँ?'

'अगर आप इतनी कृपा करें तो।'

मैक्वीन डिब्बे से चला गया। कुछ मिनट बाद वह लौटा और उसने कुछ-कुछ गन्दे अख़बारी काग़ज़ के दो पन्ने पॉयरो के सामने रख दिये।

पहला पत्र कुछ इस तरह था :

'तुम्हारा ख़याल था तुम हमें झाँसा दे कर निकल जाओगे, क्यों? ऐसा बिल्कुल मत सोचना, जान की क़ीमत पर भी नहीं। हम तुम्हें पकड़ने निकले हैं, रैचेट, और हम तुम्हें पकड़ कर ही रहेंगे।'

चिट्ठी पर कोई हस्ताक्षर नहीं था।

भवें चढ़ाने के सिवा कोई टिप्पणी किये बगैर, पॉयरो ने दूसरा पत्र उठाया।

'हम तुम्हें मज़ा चखायेंगे, रैचेट। जल्दी ही किसी समय। हम तुम्हें पकड़ कर रहेंगे, समझे?'

पॉयरो ने चिट्ठी रख दी।

'तरीका एकरस है,' उन्होंने कहा। 'लिखावट से ज़्यादा ही।'

मैक्वीन उन्हें एकटक देखता रहा।

'आप देख नहीं पायेंगे,' पॉयरो ने ख़ुशदिली से कहा। 'इसमें उस आदमी की आँखों की ज़रूरत पड़ती है जो ऐसे मामलों का आदी हो, मोसिए मैक्वीन। दो या इससे ज़्यादा लोगों ने इसे लिखा है—हर आदमी ने बारी-बारी शब्दों के अक्षर लिखे हैं। इसके अलावा अक्षर छपाई की तरह लिखे गये हैं। इससे लिखावट को पहचानना और भी मुश्किल हो जाता है।'

वे रुके, फिर बोले :

'क्या आपको पता है कि मोसिए रैचेट ने मुझसे मदद माँगी थी?'

'आप से?'

मैक्वीन के हैरान लहजे से पॉयरो को पक्के तौर पर पता चल गया कि नौजवान को इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने सिर हिलाया।

'हाँ। उन्हें डर था। अब बताइए, जब उन्हें पहली चिट्ठी मिली थी तो उन्होंने क्या किया था?'

मैक्वीन हिचका।

'कहना मुश्किल है। उन्होंने-उन्होंने अपने उसी ख़ामोश तरीके से उसे किनारे कर दिया था। लेकिन जाने कैसे—' उसे हल्की-सी झुरझुरी आयी—'मुझे महसूस हुआ कि ख़ामोशी के नीचे-नीचे कुछ चल रहा था।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। फिर उन्होंने एक ऐसा सवाल पूछा जिसकी उम्मीद नहीं हो सकती थी।

'मिस्टर मैक्वीन, क्या आप मुझे बतायेंगे, ईमानदारी से, कि अपने मालिक के बारे में आपके अपने मन में ठीक-ठीक क्या ख़याल थे? क्या आप उन्हें पसन्द करते थे?'

जवाब देने से पहले हेक्टर मैक्वीन ने पल दो पल का समय लिया।

'नहीं,' उसने आख़िरकार कहा। 'मैं नहीं करता था।'

'क्यों?'

'मैं सही-सही बता नहीं सकता। अपने तौर-तरीकों में वे काफ़ी ख़ुशमिज़ाज थे।' वह रुका, फिर बोला, 'मै आपसे सच कहूँगा, मिस्टर पॉयरो। मैं उन्हें नापसन्द करता था और उन पर मुझे विश्वास नहीं था। मुझे पक्का यक़ीन है वे एक बेरहम और ख़तरनाक आदमी थे। हालाँकि मुझे यह मानना होगा कि अपनी इस राय की कोई वजह मेरे पास बताने को नहीं है।'

'धन्यवाद, मोसिए मैक्वीन। एक और सवाल—आपने मोसिए रैचेट को आख़िरी बार ज़िन्दा कब देखा?'

'पिछली रात लगभग'—उसने मिनट भर सोचा—'दस बजे। मैं उनके कूपे में गया था, क्योंकि वे मुझे कुछ लिखाना चाहते थे।'

'किस मामले में?'

'कुछ टाइलों और चीनी मिट्टी के कुछ दुर्लभ बर्तनों के बारे में जो उन्होंने फारस में ख़रीदे थे। जो सामान भेजा गया था वह उन्होंने नहीं खरीदा था। इस मामले में एक लम्बी, परेशान करने वाली चिट्ठी-पत्री होती रही है।'

'और वही आख़िरी बार था जब मोसिए रैचेट ज़िन्दा देखे गये?'

'हाँ मेरा तो यही ख़याल है।'

'क्या आपको पता है कि मोसिए रैचेट को आख़िरी धमकी-

भरा पत्र कब मिला?'

'जिस दिन हम कुस्तुन्तुनिया से चले, उसी सुबह।'

'एक और सवाल बाकी है जो मुझे आपसे पूछना है, मिस्टर मैक्वीन : क्या अपने मालिक से आपके अच्छे सम्बन्ध थे?'

अचानक नौजवान की आँखें चमकने लगीं।

'यही वह जगह है जब मुझे झुरझुरी आ जानी चाहिए। एक लोकप्रिय किताब के शब्दों में ''मेरे ख़िलाफ़ आपके पास कुछ नहीं है।'' रैचेट और मेरे बीच एकदम अच्छा सम्बन्ध था।'

'मिस्टर मैक्वीन, आप शायद मुझे अपना पूरा नाम और अमरीका में अपना पता बतायेंगे।'

मैक्वीन ने अपना नाम बताया—हेक्टर विलर्ड मैक्वीन—और न्यू यॉर्क का एक पता।

पॉयरो तकिए पर पीछे को टिक गये।

'फ़िलहाल तो इतना ही है, मोसिए मैक्वीन,' उन्होंने कहा 'मुझ पर मेहरबानी होगी अगर आप मोसिए रैचेट की मौत का मामला कुछ देर के लिए अपने तक ही रखें।'

'उनके निजी सेवक, मास्टरमैन को तो बताना पड़ेगा।'

'वह शायद अब तक जान गया होगा। पॉयरो ने सूखेपन से कहा। 'अगर ऐसा हो तो उसे भी अपनी जबान पर काबू रखने को कह दें।'

'यह तो मुश्किल नहीं होना चाहिए। वह अंग्रेज़ है और वही करता है जिसे वह 'अपने को अपने तक रखना' कहता है। अमरीकियों के बारे में उसकी नीची राय है और किसी और क़ौम के बारे में क़तई कोई राय नहीं।'

'शुक्रिया, मोसिए मैक्वीन।'

अमरीकी नौजवान डिब्बे से चला गया।

'तो?' मोसिए बोक ने पूछा। 'तुम यक़ीन करते हो जो यह नौजवान कहता है?'

'वह ईमानदार और सीधा-साफ़ लगता है। उसने अपने मालिक के लिए किसी लगाव का दिखावा नहीं किया जैसा कि उसने शायद किया होता अगर वह किसी सूरत में जुड़ा होता। यह सच है कि मोसिए रैचेट ने इसे यह नहीं बताया कि उन्होंने मेरी सेवाएँ लेने की कोशिश की थी और नाकाम रहे थे, लेकिन मेरे ख़याल में यह कोई सन्दिग्ध परिस्थिति नहीं है। मेरा ख़याल है मिस्टर रैचेट ऐसे सज्जन थे जो हर मुमकिन मौक़े पर ख़ुद अपनी सलाह ही मानते थे।'

'तो तुम इस जुर्म में कम-से-कम एक आदमी को बेगुनाह घोषित करते हो,' मोसिए बोक ने ख़ुशमिज़ाजी से कहा।

पॉयरो ने उन पर एक शिकायत-भरी निगाह डाली।

'मैं, मैं तो आख़िरी मिनट तक हरेक पर सन्देह करता हूँ,' वे बोले। 'तो भी मुझे मानना पड़ेगा कि मैं इस धीर-गम्भीर नौजवान मैक्वीन को होश खोकर अपने शिकार को बारह या चौदह बार चाकू भोंकते नहीं देख पाता। यह उसके मनोविज्ञान से मेल नहीं खाता—रत्ती भर नहीं।'

'नहीं,' मिस्टर बोक ने सोचते हुए अन्दाज़ में कहा। 'ऐसा क़दम तो वही आदमी उठा सकता है जो पगलायी नफ़रत के हाथों होश-हवास खो बैठा हो—यह तो लातीनी मिज़ाज की तरफ़ इशारा करता है। या फिर, जैसा कि हमारे मित्र रेलगाड़ी के गार्ड की ज़िद थी, यह किसी औरत का काम है।'

अध्याय 7

लाश

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन को अपने साथ लिये पॉयरो अगले डिब्बे के उस कूपे में पहुँचे जिसमें कत्ल किया गया आदमी सफ़र कर रहा था। कण्डक्टर ने आकर अपनी चाभी से उनके लिए दरवाज़ा खोल दिया।

दोनों आदमी अन्दर दाख़िल हुए। पॉयरो पूछने की मुद्रा में अपने साथी की तरफ़ मुड़े।

'इस कूपे में कितना कुछ हटाया खिसकाया गया है?''

'कुछ भी नहीं छुआ गया। मैंने अपनी जाँच करते समय लाश को न खिसकाने की सावधानी बरती थी।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। उन्होंने चारों तरफ़ नज़र दौड़ायी।

जिस पहली चीज़ ने उनके एहसास पर चोट की वह थी कूपे के अन्दर सख़्त सर्दी। खिड़की जिस हद तक नीचे सरका कर खोली जा सकती थी, खुली हुई थी और पर्दा उठा हुआ था।

'ओह-ह!' पॉयरो ने कहा।

दूसरा आदमी महसूस करते हुए मुस्कराया।

'मुझे इसे बन्द करना ठीक नहीं लगा,' उसने कहा।

पॉयरो ने ध्यान से खिड़की की जाँच की।

'आप सही है,' उन्होंने ऐलान किया। कोई भी इस रास्ते से डिब्बे के बाहर नहीं गया। सम्भव है, खिड़की खुली छोड़ने के पीछे इरादा यही रहा हो, लेकिन अगर ऐसा था भी, तो बर्फ़ ने हत्यारे का मकसद नाकाम कर दिया।'

उन्होंने खिड़की चौखट को भी सावधानी से जाँचा। अपनी जेब से एक छोटी-सी डिबिया निकाल कर उन्होंने चौखट पर थोड़ा-सा पाउडर छिड़का।

'उँगलियों का कोई निशान नहीं,' उन्होंने कहा। 'इसका मतलब है कि उसे पोंछ दिया गया है। ख़ैर, अगर उँगलियों के निशान होते भी उनसे हमें बहुत कम पता चल पाता। वे या तो मोसिए रैचेट या उनके निजी सेवक या कण्डक्टर के होते। आजकल के अपराधी उस तरह की गलतियाँ नहीं करते और ऐसी दशा में,' उन्होंने चहक कर आगे कहा, 'हम खिड़की बन्द ही कर दें तो अच्छा हो। यक़ीनन यहाँ तो कोल्ड स्टोरेज का-सा हाल है।'

उन्होंने कथनी पर अमल किया और तब अपने ध्यान को पहली बार बर्थ पर बेहरकत लेटे आकार की तरफ़ मोड़ा।

रैचेट पीठ के बल पड़ा था। उसके नाइट सूट की जैकेट पर ज़ंग-सरीखे धब्बे पड़े थे, उसके बटन खुले थे और वह पीछे को सरका दी गयी थी।

'मुझे घावों की हालत देखनी थी, आप तो जानते हैं,' डॉक्टर ने सफ़ाई दी।

पॉयरो ने सिर हिलाया। वे लाश पर झुक गये। आख़िरकार, उन्होंने हल्का-सा मुँह बनाते हुए ख़ुद को सीधा किया।

'अच्छा दृश्य नहीं है,' वे बोले। 'कोई यहाँ खड़ा होकर उन्हें बार-बार भोंकता रहा होगा। ठीक-ठीक कितने घाव हैं?'

'मैंने तो बारह गिने हैं। एक-दो इतने हल्के हैं कि लगभग खरोंचों जैसे हैं। दूसरी तरफ़ कम-से-कम तीन ऐसे हैं जिनसे मौत हो सकती है।'

डॉक्टर के लहजे में कुछ ऐसा था जिसने पॉयरो का ध्यान खींचा। उन्होंने ग़ौर से उसकी तरफ़ देखा। छोटे-से कद का वह यूनानी खड़े होकर नीचे लाश को चकराये भाव से मुँह सिकोड़ कर घूर रहा था।

'आपको कोई बात अजीब-सी लग रही है न, क्यों?' उन्होंने

नरमी से पूछा। 'बोलिए, बोलिए, यहाँ कुछ ऐसा है जो आपको परेशान कर रहा है, है न?'

'आप ठीक कह रहे हैं,' दूसरे आदमी ने स्वीकार किया।

'क्या है?'

'देखिए इन दो घावों को—यहाँ और यहाँ,' उसने इशारा किया। 'वे गहरे हैं। हर चोट से अन्दर ख़ून की नसें कट गयी होंगी—और इस पर भी उनके किनारे फैले हुए नहीं हैं। उनसे उस तरह ख़ून नहीं बहा है जैसा कि उम्मीद की जा सकती थी।'

'जिससे पता चलता है?'

'कि आदमी पहले ही मर चुका था—कुछ समय पहले मर चुका था—उन घावों के पहले। मगर यह तो यक़ीनन बेतुकी बात है।'

'लगता तो ऐसा ही है,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। 'अगर हत्यारे ने मन में यह न सोचा हो कि उसने अपना काम सही ढंग से पूरा नहीं किया और पूरी तरह पक्का कर लेने के लिए वापस आया हो; लेकिन यह तो प्रकट रूप से असंगत है! और कुछ?'

'बस, एक और बात।'

'और वह है?'

'आप यहाँ इस घाव को देख रहे हैं—दायीं बाँह के नीचे—दायें कन्धे के पास। लीजिए मेरी पेन्सिल। क्या आप ऐसी चोट कर सकते हैं?'

पॉयरो ने अपना हाथ उठाया।

'एक्जैक्टली,' वे बोले। 'समझ गया। दायें हाथ से यह बेहद मुश्किल है—लगभग असम्भव। देखा जाय तो हाथ को पलटकर वार करना होगा। लेकिन अगर चोट बायें हाथ से की जाय तो—'

'बिलकुल मिस्टर पॉयरो। वह वार लगभग पक्के तौर पर बायें हाथ से किया गया होगा।'

'तो हत्यारा बँयहत्था है? नहीं, बात इससे ज़्यादा मुश्किल है, है न?'

'जैसा आप कहें, मोसिए पॉयरो। इनमें से कुछ और वार तो साफ़-साफ़ दायें हाथ से किये गये हैं।'

'दो लोग। हम पलट कर फिर दो लोगों पर आ गये हैं,' जासूस बुदबुदाये। उन्होंने अचानक पूछा :

'क्या बत्ती जली हुई थी?'

'कहना मुश्किल है। बात यह है कि उसे हर सुबह दस बजे कण्डक्टर बन्द कर देता है।'

'स्विच हमें बता देंगे,' पॉयरो ने कहा।

उन्होंने ऊपर की बत्ती का स्विच जाँचा और बिस्तर के ऊपर की पल्लेदार छोटी बत्ती का भी। ऊपर की बत्ती का स्विच ऑफ़ था और बिस्तर के ऊपर की बत्ती का पल्ला बन्द था।

'ठीक,' उन्होंने सोचते हुए कहा। 'हमारे पास यहाँ पहले और दूसरे हत्यारे के बारे में एक कल्पना है, जैसा कि शेक्सपियर महान कहते। पहले हत्यारे ने अपने शिकार को चाकू भोंका और बत्ती बन्द करके डिब्बे के बाहर चला गया दूसरा हत्यारा अँधेरे में अन्दर आया, उसने यह नहीं देखा कि उसका काम किया जा चुका था और उसने कम-से-कम दो बार एक मुर्दा शरीर को भोंक दिया। कहिए, कैसी रही?'

'शानदार,' ठिगने डॉक्टर ने उत्साह के साथ कहा।

पॉयरो की आँखों में चमक आयी।

'आप ऐसा सोचते हैं?' मुझे ख़ुशी है। मुझे तो कुछ-कुछ बकवास जैसा लगा।'

उसके अलावा और क्या जवाब हो सकता है?'

'यही मैं अपने आप से भी पूछ रहा हूँ। क्या यहाँ हमारे सामने

कोई इत्तफ़ाक है या क्या है? क्या और कोई असंगतियाँ भी हैं, जो दो लोगों के सम्बन्धित होने की तरफ़ इशारा करती हों?'

'मेरा ख़याल है मैं हाँ कह सकता हूँ। इनमें से कुछ वार जैसा कि मैंने पहले कहा, एक कमज़ोरी की तरफ़ इशारा करते हैं—ताक़त की कमी या इरादे की कमी। ये कम ताक़त वाले तिरछेवार हैं। लेकिन यह जो यहाँ है—और यह वाला—' फिर से उसने इशारा किया। 'उन वारों के लिए जबर्दस्त ताक़त की ज़रूरत थी। उन्होंने माँसपेशियाँ छेद दी हैं।'

'आपकी राय में वे किसी आदमी ने किये थे?'

'बिलकुल, यक़ीनन।'

'कोई औरत ऐसे वार नहीं कर सकती थी?'

'हो सकता है कोई जवान, ताक़तवर, तनदुरुस्त औरत ऐसे वार कर पाती, ख़ास तौर पर अगर वह किसी शक्तिशाली भावना की गिरफ़्त में होती, लेकिन मेरी राय में यह बहुत हद तक नामुमकिन है।'

पॉयरो एक-दो पल ख़ामोश रहे।

दूसरे आदमी ने व्यग्रता से कहा।

'आप मेरी बात समझे हैं न?'

'पूरी तरह,' पॉयरो ने कहा। 'मामला ख़ुद-ब-ख़ुद अद्भुत ढंग से साफ़ होता चल रहा है। हत्यारा बहुत ताक़त वाला आदमी था, वह कमजोर था, वह औरत थी, वह बँयहत्था व्यक्ति था, वह दायें हाथ से काम करने वाला शख़्स था—अच्छा मज़ाक़ है!'

वो सहसा भड़के ग़ुस्से में बोले।

'और यह शिकार—इस सब में वह क्या करता है? क्या वह चीख मारता है? क्या वह हाथापाई करता है? क्या वह ख़ुद को बचाता है?'

उन्होंने अपना हाथ तकिये के नीचे सरकाया और वह

ऑटोमैटिक पिस्तौल बाहर निकाली जो रैचेट ने पिछले दिन उन्हें दिखायी थी।

'पूरी भरी हुई है, देखा,' वे बोले।

दोनों ने चारों तरफ़ निगाह डाली। रैचेट के दिन वाले कपड़े दीवार पर लगी खूँटियों से लटक रहे थे। हाथ-मुँह धोने की चिलमची के ढक्कन से बनी छोटी-सी मेज पर कई चीज़ें रखी हुई थीं—पानी के गिलास में नकली दाँत, एक और गिलास, खाली; मिनरल वॉटर की एक बोतल, एक बड़ी-सी फ़्लास्क और एक राखदानी जिसमें सिगार का एक टोटा और काग़ज़ के कुछ जले हुए टुकड़े पड़े थे; साथ ही माचिस की दो जली हुई तीलियाँ।

डॉक्टर ने ख़ाली गिलास उठाया और उसे सूँघा।

'मारे गये आदमी की सुस्ती का जवाब तो यह रहा,' उसने आहिस्ता से कहा।

'नशे की दवा?'

'हाँ।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। उसने माचिस की दोनों तीलियाँ उठायीं और ध्यान से उन्हें परखा।

'आपको कोई सुराग मिला है फिर?' ठिगने डॉक्टर ने उत्सुकता से तलब किया।

'ये दो तीलियाँ दो अलग-अलग क़िस्म की हैं,' पॉयरो ने कहा। 'एक तीली दूसरी की बनिस्बत चपटी है। आप समझे?'

'वह उस क़िस्म की है जो आपको रेलगाड़ियों में मिलती है,' डॉक्टर ने कहा, 'काग़ज़ के पत्ते में।'

पॉयरो रैचेट के कपड़ों को टटोल रहे थे। जल्दी ही उन्होंने माचिस का एक डिब्बा खींच निकाला। उन्होंने दोनों को सावधानी से मिला कर देखा।

'गोल वाली तीली तो वह है जो मिस्टर रैचेट ने जलायी थी,' उन्होंने कहा।

'आइए देखें कि उनके पास चपटी वाली भी थीं?'

लेकिन और खोज-बीन से किसी और माचिस का कुछ पता नहीं चला।

पॉयरो की आँखें कूपे में चारों तरफ़ नाच रही थीं। वे चिड़िया की आँखों की तरह तेज़ और चमकदार थीं। ऐसा लगता था कि उनकी जाँच-परख से कुछ बच नहीं पायेगा।

हल्की सी आवाज़ के साथ वे झुके और उन्होंने फ़र्श से कुछ उठाया।

वह सूती कपड़े का छोटा-सा चौकोर टुकड़ा था, बेहद नफ़ीस।

'हमारा साथी, रेलगाड़ी का गार्ड सही था। इस सब से एक औरत ज़रूर जुड़ी हुई हैं।'

'और बड़े इत्मीनान से वह अपना रूमाल पीछे छोड़ जाती है!' पॉयरो ने कहा। 'ठीक वैसे ही जैसे किताबों में और फिल्मों में होता है—और हमारे लिए काम को आसान करने के लिए रूमाल पर नाम के पहले अक्षर भी दर्ज हैं।'

'किस्मत की कैसी मेहरबानी हैं हम पर!' डॉक्टर ने चिल्ला कर कहा।

'है न?' पॉयरो बोले।

उनके लहजे में कुछ था जिसने डॉक्टर को चकित किया।

लेकिन इससे पहले कि वह स़फाई माँगता, पॉयरो ने फ़र्श की तरफ़ एक और डुबकी लगा दी थी।

इस बार उन्होंने आगे को बढ़ी अपनी हथेली पर एक पाइप साफ़ करने वाला रखा हुआ था।

'शायद यह मिस्टर रैचेट का है?' डॉक्टर ने सुझाया।

'उनकी जेबों से कोई पाइप नहीं निकली और न तम्बाकू या तम्बाकू की थैली ही है।'

'फिर तो यह भी एक सुराग है।'

'यक़ीनन। और फिर एक बार बड़े सुविधाजनक ढंग से गिराया गया। इस बार ध्यान दीजिए एक मर्दाना सुराग है। इस मामले में सुरागों की कमी की शिकायत कोई नहीं कर सकता। सुराग तो यहाँ भरपूर हैं। अच्छा, लगे हाथ यह तो बताइए कि आपने हथियार का क्या किया?'

'हथियार का तो कोई नाम-निशान नहीं था। हत्यारा उसे अपने साथ ले गया होगा।'

'यही सोच रहा हूँ, क्यों?' पॉयरो ने ख़यालों में डूबे हुए कहा।

'अहा!' डॉक्टर मरे हुए आदमी को नाइट सूट की जेबें आराम से टटोलता रहा था।

'इसे देखने से मैं रह गया था,' वह बोला। 'मैंने जैकेट के बटन खोल कर उसे पीछे को पलट दिया था।'

सामने सीने की जेब से उसने एक सुनहरी जेब घड़ी निकाली। उसका ढक्कन बुरी तरह पिचका हुआ था और सुइयाँ सवा-एक बजा रही थीं।

'देखा आपने?' कॉन्स्टैन्टाइन ने आतुरता से कहा। 'इससे हमें जुर्म के समय का पता चल जाता है। यह मेरी गिनती से मेल खाता है। रात के बारह बजे से दो बजे के बीच मैंने कहा था और शायद एक बजे, हालाँकि ऐसे मामलों में बिल्कुल सही होना मुश्किल होता है। सवा-एक। यही था जुर्म का समय।'

'सम्भव है, हाँ, निश्चय ही यह सम्भव है।'

डॉक्टर ने अजीब निगाहों से पॉयरो की तरफ़ देखा।

'आप मुझे माफ़ करें, मोसिए पॉयरो, लेकिन मैं आपको पूरी

तरह समझ नहीं पा रहा।'

मैं ख़ुद अपने को समझ नहीं पा रहा,' पॉयरो ने कहा। 'मैं कुछ भी नहीं समझ रहा हूँ और जैसा कि आप देख सकते हैं इससे मुझे चिन्ता हो रही है।'

उन्होंने साँस छोड़ी और काग़ज़ के जले हुए टुकड़ों को परखने के लिए उस छोटी-सी मेज़ पर झुक गये। वे ख़ुद से बुदबुदाये।

'इस समय जिस चीज़ की मुझे ज़रूरत है वह पुराने क़िस्म का औरतों के हैट रखने का डिब्बा है।'

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन को कुछ समझ नहीं आया कि वे इस अनोखे वाक्य का क्या मतलब निकालें। बहरहाल, पॉयरो ने उन्हें सवाल पूछने का रत्ती भर समय नहीं दिया। गलियारे में खुलने वाला दरवाज़ा खोल कर उन्होंने कण्डक्टर को आवाज़ दी।

वह आदमी दौड़ता हुआ आया।

'इस डिब्बे में कितनी औरतें हैं?'

कण्डक्टर ने उँगलियों पर गिनती की।

'एक, दो, तीन—छह, मोसिए। बूढ़ी अमरीकी महिला, एक स्वीडी महिला, युवा अंग्रेज़ महिला, काउण्टेस आन्द्रेन्यी और रानी ड्रैगोमिरॉफ़ और उनकी नौकरानी।'

पॉयरो ने कुछ पल सोचा।

'उन सबके पास हैट रखने वाले डिब्बे हैं, क्यों?'

'जी मोसिए।'

'तो ऐसा करो मुझे—ज़रा देखने दो—स्वीडी महिला और नौकरानी के हैट रखने वाले डिब्बे ला दो। उन्हीं दो से कुछ उम्मीद है। तुम उन्हें बताना कि यह चुंगी के नियम की वजह से है—कुछ भी—जो भी तुम्हें ठीक लगे।'

'कोई फ़िक्र नहीं मोसिए। उनमें से कोई भी अपने कूपे में नहीं

हैं।'

'तब जल्दी करो।'

कण्डक्टर चला गया। वह दोनों डिब्बे लेकर लौट आया। पॉयरो ने नौकरानी वाला डिब्बा खोला और उसे परे फेंक दिया। फिर उसने स्वीडी महिला का डिब्बा खोला और सन्तोष की एक आवाज़ की। टोपियों को उसने सावधानी से निकाला तो तार की बनी जाली के गोल कूबड़ नज़र आये।

'आह, यह रहा वह जिसकी हमें ज़रूरत है। लगभग पन्द्रह साल पहले हैट रखने के डिब्बे ऐसे ही बनते थे। हैट को तार की जाली के इस कूबड़ पर रख कर हैट पिन को उसके आर-पार खोंस दिया जाता था।

बोलते-बोलते वे बड़ी होशियारी से डिब्बे के अन्दर के दो कूबड़ निकाल रहे थे। फिर उन्होंने हैट के डिब्बे का सामान फिर से उसमें रख दिया और कण्डक्टर से कहा कि दोनों डिब्बे वापस वहीं रख दे जहाँ से वह उन्हें लाया था।

जब एक बार फिर दरवाज़ा बन्द हो गया तो वे अपने साथी की तरफ़ मुड़े।

'आप मुझे देखिए डॉक्टर, मैं विशेषज्ञों की तरकीबों पर भरोसा करने वाला आदमी नहीं हूँ। मैं उँगलियों के निशान या सिगरेट की राख नहीं, मनोविज्ञान खोजता हूँ। लेकिन इस मामले में मैं थोड़ी-सी वैज्ञानिक सहायता का स्वागत करूँगा। यह डिब्बा सुरागों से भरा हुआ है, लेकिन क्या मैं पक्के तौर पर कह सकता हूँ कि वे सुराग सचमुच वही हैं जो वे लगते हैं?'

'मैं पूरी तरह आपको समझ नहीं पा रहा, मोसिए पॉयरो।'

'ख़ैर, आपको एक मिसाल दूँ—हमें एक औरत का रूमाल मिलता है। क्या किसी औरत ने उसे गिरा दिया था? या किसी आदमी

ने, जुर्म करते समय, ख़ुद से कहा ''मैं कोशिश करूँगा कि यह किसी औरत का किया गया जुर्म लगे। मैं अपने दुश्मन को बिना ज़रूरत कई बार भोंकूगा, कुछ वार कमज़ोर और बेअसर ढंग से करते हुए और मैं यह रूमाल वहाँ गिरा दूँगा जहाँ कोई इसे देखे बिना नहीं रह सकेगा।'' यह एक सम्भावना है। फिर एक और सम्भावना है। क्या किसी औरत ने जुर्म किया और जान-बूझ कर पाइप साफ़ करने वाला गिरा दिया जिससे यह आदमी का किया जुर्म जान पड़े? या क्या हमें गम्भीरता से यह मानना होगा कि इससे दो लोगों—एक मर्द और एक औरत—का अलग-अलग सरोकार था और इनमें से हरेक इतना लापरवाह था कि अपनी पहचान की एक निशानी यहाँ गिरा दें? कुछ ज़्यादा ही संयोग जान पड़ता है मुझे, नहीं?'

'लेकिन इस सब से हैट के डिब्बे का क्या ताल्लुक है?' डॉक्टर ने पूछा; वह अब भी चकराया हुआ था।

'आह, मैं उसी पर आ रहा हूँ। जैसा कि मैंने कहा, ये सुराग, सवा एक बजे रुकी हुई घड़ी, रूमाल, पाइप साफ़ करने वाला, ये सब असली हो सकते हैं या ये सब नकली हो सकते हैं। इसके बारे में अभी मैं नहीं बता सकता। लेकिन यहाँ एक सुराग है जिसके बारे में मुझे विश्वास है कि नकली नहीं है—हलाँकि यहाँ फिर मैं ग़लत हो सकता हूँ। मेरा इशारा माचिस की इस चपटी तीली की तरफ़ है, डॉक्टर। मुझे यक़ीन है कि माचिस की यह तीली मिस्टर रैचेट ने नहीं, बल्कि हत्यारे ने इस्तेमाल की थी। इसे किसी ऐसे काग़ज़ को जलाने के लिए इस्तेमाल किया गया था जो किसी को अपराधी ठहरा दे। शायद कोई रुक़्का। अगर ऐसा था, तो उस रुक़्के में कुछ ऐसा था, कोई भूल, कोई गलती, जो हमला करने वाले की तरफ़ इशारा करने वाला कोई सुराग दे सकता। मैं कोशिश करूँगा कि जो भी वह था उसे दोबारा ज़िन्दा करूँ।'

वे डिब्बे से बाहर गये और कुछ पल बाद एक छोटे से स्पिरिट स्टोव और बालों में घूँघर डालने वाली चिमटी लेकर लौटे।

''मैं इसे मूँछों के लिए इस्तेमाल करता हूँ,' उन्होंने चिमटी की तरफ़ इशारा करते हुए कहा।

डॉक्टर बड़ी उत्सुकता से उन्हें देखते रहे। उन्होंने तार से बने दोनों कूबड़ों को चपटा किया और बड़ी सावधानी से काग़ज़ के झुलसे हुए टुकड़े को उनमें से एक पर सरका कर चढ़ाया। उन्होंने दूसरी चपटी की हुई जाली उसके ऊपर रख कर दोनों जालियों को चिमटी से पकड़ लिया और काग़ज़ समेत दोनों जालियों को स्पिरिट लैम्प की लौ के ऊपर ले गये।

'बड़ा कामचलाऊ मामला है, यह,' उन्होंने कन्धे की तरफ़ से पीछे को मुँह फिरा कर कहा। 'यही उम्मीद करें कि यह काम पर खरा उतरेगा।'

डॉक्टर इस सारी कारगुज़ारी को ध्यान से देखता रहा। धातु की बनी जाली दमकने लगी। अचानक उसने काग़ज़ के टुकड़े पर अक्षरों के हल्के-हल्के चिह्न देखे। धीरे-धीरे शब्द बनने लगे—आग के शब्द।

टुकड़ा बहुत छोटा था। सिर्फ़ तीन शब्द पूरे और चौथे का थोड़ा-सा हिस्सा दिखायी दिया।

'....द करो नन्हीं डेजी आर्मस्ट्रॉन्ग।'

'आह!' पॉयरो ने तीखे विस्मय से कहा।

'यह कुछ बताता है आपको?' डॉक्टर ने पूछा।

पॉयरो की आँखें चमक रही थीं। उन्होंने चिमटी को सावधानी से रख दिया।

'हाँ,' वे बोले। 'मैं मरे हुए आदमी का असली नाम जानता हूँ। मैं जानता हूँ उसे अमरीका क्यों छोड़ना पड़ा।'

'क्या नाम था उसका?'

'कसेटी।'

'कसेटी।' कॉन्स्टैन्टाइन ने अपनी भँवे सिकोड़ी। 'हाँ, कुछ-कुछ याद तो आ रहा है। कुछ साल पहले की बात है। याद नहीं कर पा रहा—अमरीका में कोई मामला था, है न?'

'हाँ।' पॉयरो ने कहा। 'अमरीका में एक मामला।'

इसके आगे पॉयरो ने कुछ कहने में दिलचस्पी नहीं दिखायी। आगे बोलते हुए वे अपने इर्द-गिर्द देखते रहे।

'इस सब की चर्चा हम जल्दी ही करेंगे। पहले यह पक्का कर लें कि जो कुछ यहाँ देखने को है, वह हमने देख लिया है।'

तेज़ी से और माहिर हाथों से उन्होंने एक बार मरे हुए आदमी के कपड़ों की जेबें खँगाली, मगर वहाँ दिलचस्पी की कोई चीज़ उन्हें नहीं मिली। उन्होंने उस दरवाज़े का हत्था घुमाया तो अगले कूपे में ले जाता था, लेकिन उसकी चिटखनी दूसरी तरफ़ से लगी हुई थी।

'एक बात है जो मैं समझ नहीं पा रहा,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'अगर हत्यारा खिड़की से निकल कर नहीं भागा और अगर यह बीच के दरवाज़े की चिटखनी दूसरी तरफ़ से लगी हुई थी और अगर गलियारे में खुलने वाला दरवाज़ा भी अन्दर से न सिर्फ़ बन्द था, बल्कि उसमें ज़ंजीर भी लगी थी तो फिर हत्यारा कूपे से निकला कैसे?'

'यही बात दर्शक कहते हैं जब किसी आदमी के हाथ-पैर बाँधकर उसे अलमारी में बन्द कर दिया जाता है और वह गायब हो जाता है।'

'आपका मतलब है—'

'मेरा मतलब है,' पॉयरो ने समझाया, 'कि अगर हत्यारे का इरादा हमें यह विश्वास दिलाने का था कि वह खिड़की से निकल भागा है तो वह कुदरती तौर पर ऐसा प्रकट करेगा कि बाकी दोनों

निकास असम्भव थे। अलमारी के 'गायब होने वाले आदमी' की तरह—यह एक करतब है, बाज़ीगरी है। यह हमारा काम है पता लगाना कि यह करतब कैसे किया जाता है।'

पॉयरो ने बीच वाले दरवाज़े की चिटखनी इस तरफ़ से भी लगा दी।

'कहीं शानदार श्रीमती हबर्ड के दिमाग़ में,' उन्होंने कहा, 'अपनी बेटी को लिख भेजने के लिए जुर्म के आँखों देखे ब्यौरे हासिल करने का ख़याल न आ जाये।'

उन्होंने एक बार फिर चारों तरफ़ देखा।

'यहाँ अब मेरे ख़याल से और कुछ करना बाकी नहीं है। चलिए फिर मिस्टर बोक के पास चलें।'

अध्याय 8

आर्मस्ट्रॉन्ग अपहरण काण्ड

उन्होंने मोसिए बोक को एक आमलेट ख़त्म करते पाया। 'मैंने सोचा कि डाइनिंग-कार में फ़ौरन दोपहर का भोजन लगवा दिया जाय,' वे बोले। 'बाद में वह सब साफ़ कर दिया जायेगा और मोसिए पॉयरो मुसाफ़िरों से अपनी जाँच-पड़ताल वहाँ कर सकेंगे। इस बीच मैंने उन्हें आदेश दिया है कि वे हम तीनों के लिए कुछ खाने को यहाँ ले आयें।'

'बहुत बढ़िया विचार है,' पॉयरो ने कहा।

बाकी दोनों आदमियों में से किसी को भी भूख नहीं थी और भोजन जल्दी ही खा लिया गया, लेकिन खाने के बाद जब तक वे कॉफ़ी की चुस्कियाँ नहीं लेने लगे तब तक मोसिए बोक ने वह बात नहीं छेड़ी जो उन सभी के दिमाग़ों पर हावी थी।

'तो फिर?' उन्होंने पूछा।

'तो फिर मैंने मारे गये आदमी की शिनाख़्त कर ली है। मुझे मालूम हैं कि उसके लिए अमरीका छोड़ना अनिवार्य क्यों था।'

'कौन था वह?'

'क्या आपको आर्मस्ट्रॉन्ग बच्ची के बारे में छपी ख़बर याद है? यही वह आदमी है जिसने नन्हीं डेजी आर्मस्ट्रॉन्ग की हत्या की थी—कसैटी।'

'हाँ अब मुझे याद आया। दिल दहलाने वाला मामला था—हालाँकि मैं उसके ब्योरे नहीं याद कर पा रहा।'

'कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग अंग्रेज़ थे—विक्टोरिया क्रॉस से सम्मानित। वे आधे अमरीकी थे, क्योंकि उनकी माँ वॉल स्ट्रीट के करोड़पति डब्ल्यू॰ के॰ वैन डर हॉल्ट की बेटी थीं। कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग ने दुख-भरी भूमिकाओं में उतरने वाली अपने ज़माने की सबसे मशहूर अभिनेत्री, लिण्डा आर्डेन की बेटी से शादी की थी। वे अमरीका में रहते थे और उनकी एक बच्ची थी जिस पर वे जान छिड़कते थे। जब वह तीन साल की हुई उसका अपहरण कर लिया गया और वापसी की कीमत के तौर पर एक असम्भव-सी ऊँची रकम माँगी गयी। उसके बाद जो कुछ हुआ उसके बारीक ब्योरों से मैं आपको थकाऊँगा नहीं। मैं वहाँ तब पहुँचा जब दो लाख डॉलर की भारी रकम अदा करने के बाद बच्ची की लाश बरामद हुई जो कम-से-कम दो हफ़्ते पहले ही मर चुकी थी। लोगों का ग़ुस्सा आग की तरह भड़क उठा। और अभी और भी बुरा आने को था। श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग एक और बच्चे को जन्म देने वाली थीं। बरामदी के सदमे के बाद उन्होंने समय से पहले एक मुर्दा बच्चे को जन्म दिया और ख़ुद भी चल बसीं। उनके टूटे दिल वाले पति ने ख़ुद को गोली मार ली।'

'हे भगवान, कैसी ट्रैजेडी है। मुझे अब याद आ रहा है,'

मोसिए बोक ने कहा। 'एक और भी मौत हुई थी, अगर मैं सही-सही याद कर पा रहा हूँ तो?'

'हाँ—एक बदनसीब फ्रान्सीसी या स्विस धाय। पुलिस को यक़ीन था कि उसे अपराध की कोई जानकारी थी। उन्होंने उसके चीख-चीख कर किये गये इनकारों पर विश्वास करने से इनकार कर दिया था। आख़िरकार हताशा के दौरे के असर म, बेचारी लड़की ने एक खिड़की से छलाँग लगा दी और मारी गयी। बाद में यह साबित हुआ कि वह उस अपराध से किसी भी तरह जुड़ी होने से पूरी तरह निर्दोष थी।'

'इसके बारे में सोचकर भी बुरा लगता है,' मोसिए बोक बोले।

'लगभग छह महीने बाद यह आदमी कसेटी उस गिरोह के सरगना के तौर पर गिरफ़्तार किया गया जिसने बच्ची का अपहरण किया था। उन्होंने पहले भी इसी तरह के तरीके अपनाये थे। अगर उन्हें लगता कि पुलिस उनका सुराग खोज लेने के क़रीब है तो वे क़ैदी को मार देते, लाश छिपा देते और अपराध के पता लगने से पहले जितना पैसा ऐंठ सकते, ऐंठ लेते। अब मैं आपके सामने यह साफ़ कर दूँगा, मेरे दोस्त, कि कसेटी ही असली आदमी था। लेकिन उस दौलत के सहारे जो उसने जमा कर रखी थी और उस छिपे हुए शिकंजे की बदौलत जिसमें उसने बहुत-से लोगों को जकड़ रखा था, वह किसी तकनीकी गड़बड़ी के बल पर बरी को गया। इसके बावजूद, लोगों ने उसे ख़ुद मिलकर फाँसी दे दी होती अगर वह चालाकी से उन्हें चकमा दे कर भाग न निकला होता। अब मेरे सामने साफ़ है कि क्या हुआ था। उसने अपना नाम बदला और अमरीका से रफूचक्कर हो गया। तब से वह एक आराम तलब रईस के भेस में विदेश यात्राएँ करता हुआ अपने लगाये हुए पैसे के ब्याज पर जी रहा था।

'आह! कैसा जानवर!' मोसिए बोक के लहजे में उनकी दिली

नफ़रत झलक रही थी। 'मुझे अफ़सोस नहीं है कि वह मर चुका है—ज़रा भी नहीं!'

'मैं आपसे सहमत हूँ।'

'तो भी, यह ज़रूरी नहीं है कि वह ओरिएण्ट एक्सप्रेस पर ही मारा जाये। दूसरी जगहें भी हैं।'

पॉयरो हल्के से मुस्कराये। उन्हें एहसास था कि मोसिए बोक के मन में इस मामले को लेकर पक्षपात था।

'जो सवाल हमें अब ख़ुद से पूछना चाहिए, वह यह है,' उन्होंने कहा, 'कि क्या यह हत्या किसी दुश्मन गिरोह का काम है जिसे कसेटी ने अतीत में धोखा दिया था या यह निजी बदले की कार्रवाई है?'

पॉयरो ने जले हुए काग़ज़ के टुकड़े पर खोजे गये थोड़े-से शब्दों के बारे में बताया।

'अगर मैं अपने अन्दाज़े में सही हूँ तो चिट्ठी को हत्यारे ने जलाया। क्यों? क्योंकि उसमें ''आर्मस्ट्रॉन्ग'' शब्द लिखा हुआ था जो रहस्य का सुराग है।'

'क्या आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार का कोई सदस्य जीवित है?'

'यह दुर्भाग्य से मैं नहीं जानता। मेरा ख़याल है मुझे श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की एक छोटी बहन के बारे में पढ़ना याद है।'

पॉयरो ने आगे अपने और डॉ॰ कैन्स्टैन्टाइन के संयुक्त निष्कर्षों के बारे में बताया। टूटी हुई घड़ी के ज़िक्र पर मोसिए बोक खिल उठे।

'यह तो लगता है हमें अपराध के समय का काफ़ी सही पता दे रही है।'

'हाँ,' पॉयरो ने कहा, 'यह बहुत सुविधाजनक है।'

उनके लहजे में न बताया जा सकने वाला कुछ था जिसने बाकी दोनों को उत्सुकता से उनके चेहरे की तरफ़ देखने के लिए

मजबूर कर दिया।

'आप कहते हैं कि आपने ख़ुद रैचेट को कण्डक्टर से एक बजने में बीस मिनट पर बात करते सुना था।'

पॉयरो ने उन्हें बताया कि उस समय ठीक-ठीक हुआ क्या था।

'ख़ैर,' मोसिए बोक बोले, 'यह कम-से-कम साबित करता है कि कसेटी—या रैचेट जिस नाम से मैं उसे बुलाना जारी रखूँगा—यक़ीनन एक बजने में बीस मिनट पर जिन्दा था।'

'सही-सही कहें तो एक बजने में तेईस मिनट पर।'

तब बारह सैंतीस पर, औपचारिक रूप से कहें तो, मोसिए रैचेट जिन्दा थे। एक तथ्य तो है यह, कम-से-कम।'

पॉयरो ने जवाब नहीं दिया। वे सोच में डूबे हुए सामने नज़रें गड़ाये देखते रहे। दरवाज़े पर एक दस्तक हुई और डाइनिंग-कार का परिचायक अन्दर आया।

'डाइनिंग-कार अब खाली है, मोसिए,' उसने कहा।

'हम वहाँ चलते हैं,' मोसिए बोक ने उठते हुए कहा।

'क्या मैं आपके साथ चल सकता हूँ,' कॉन्स्टैन्टाइन ने पूछा।

'यक़ीनन, डॉक्टर। अगर मोसिए पॉयरो को कोई एतराज़ न हो?'

'बिलकुल नहीं, बिलकुल नहीं,' पॉयरो ने कहा।

कायदे के मामले में थोड़ी-सी शिष्टता के बाद, 'पहले आप, आप के बाद,' कहते हुए वे डिब्बे से बाहर आ गये।

दूसरा भाग

गवाही

अध्याय 1

कण्डक्टर की गवाही

डाइनिंग-कार में सब कुछ तैयार था।

पॉयरो और मोसिए बोक एक मेज़ की तरफ़ बैठे। डॉक्टर बीच के गलियारे की दूसरी तरफ़ बैठा।

मेज़ पर पॉयरो के सामने इस्तम्बूल-कैले डिब्बे का नक्शा था जिसमें सवारियों के नाम लाल रोशनाई से दर्ज थे।

पासपोर्ट और टिकट एक तरफ़ ढेरी बनाकर रखे गये थे। लिखने के लिए काग़ज़, स्याही, कलम और पेन्सिलें भी थीं।

'बढ़िया,' पॉयरो ने कहा। 'हम अपनी जाँच अदालत बिना और किसी ताम-झाम के शुरू कर सकते हैं। सबसे पहले, मेरा ख़याल है, हमें कण्डक्टर की गवाही ले लेनी चाहिए। आप शायद इस आदमी के बारे में कुछ जानते होंगे। कैसा आदमी है? उसका चरित्र कैसा है? क्या वह ऐसा आदमी है जिसके शब्दों पर आप भरोसा कर सकें?'

'मैं तो कहूँगा बिलकुल पक्के तौर पर। पिएर मिशेल को इस कम्पनी में मुलाज़िम हुए पन्द्रह साल से ऊपर हो चुके हैं। वह फ्रान्सीसी है—कैले के पास रहने वाला। बेहद इज़्ज़त वाला और ईमानदार। बस, शायद, दिमाग़ी तौर पर उतना तेज़ नहीं।'

पॉयरो ने समझते हुए सिर हिलाया।

'ठीक,' वे बोले, 'तो आइए उससे मिलते हैं।'

पिएर मिशेल ने अपना आत्मविश्वास किसी कदर दोबारा

हासिल कर लिया था, लेकिन अब भी वह बेहद घबराया हुआ था।

'मुझ उम्मीद है मोसिए यह नहीं सोचेंगे कि मेरी तरफ़ से कोई लापरवाही हुई है,' उसने चिन्ता से अपनी आँखें पॉयरो से मोसिए बोक की तरफ़ फेरते हुए कहा। 'जो हुआ है, वह बहुत भयानक है। उम्मीद है, मोसिए ऐसा नहीं सोच रहे होंगे कि इससे मुझ पर किसी किसिम का दाग-धब्बा लगता है।'

उस आदमी के डर को शान्त करते हुए, पॉयरो ने अपने सवाल पूछने शुरू किये। पहले उन्होंने मिशेल का नाम, पता, नौकरी की मियाद और उस अर्से के बारे में जानकारी हासिल की जब से वह इस रूट पर तैनात था। ये सारे ब्योरे वे पहले से जानते थे लेकिन कायदे से पूछे जाने वाले इन सवालों ने उस आदमी को थोड़ा ढीला कर दिया।

'और अब,' पॉयरो ने आगे कहा, 'हम कल रात की घटनाओं पर आते हैं। मोसिए सोने गये थे—कब?'

'खाने के बाद लगभग फ़ौरन ही। दरअसल बेलग्रेड से हमारे चलने से पहले। ऐसा ही उन्होंने इससे पिछली रात किया था। उन्होंने मुझसे कहा था कि जब तक वे खाना खा रहे हों, मैं बिस्तर वगैरा ठीक कर दूँ और मैंने ऐसा ही किया।'

'क्या बाद में कोई उस कूपे में गया था?'

'उनका सेवक मोसिए और वह जवान अमरीकी सज्जन, उनका सेक्रेटरी।'

'और कोई?'

'नहीं, मोसिए, मेरी जानकारी में तो नहीं।'

'ठीक। और बस तुमने आख़िरी बार तभी उन्हें देखा या सुना?'

'नहीं, मोसिए। आप भूल रहे हैं, उन्होंने अपनी घण्टी लगभग
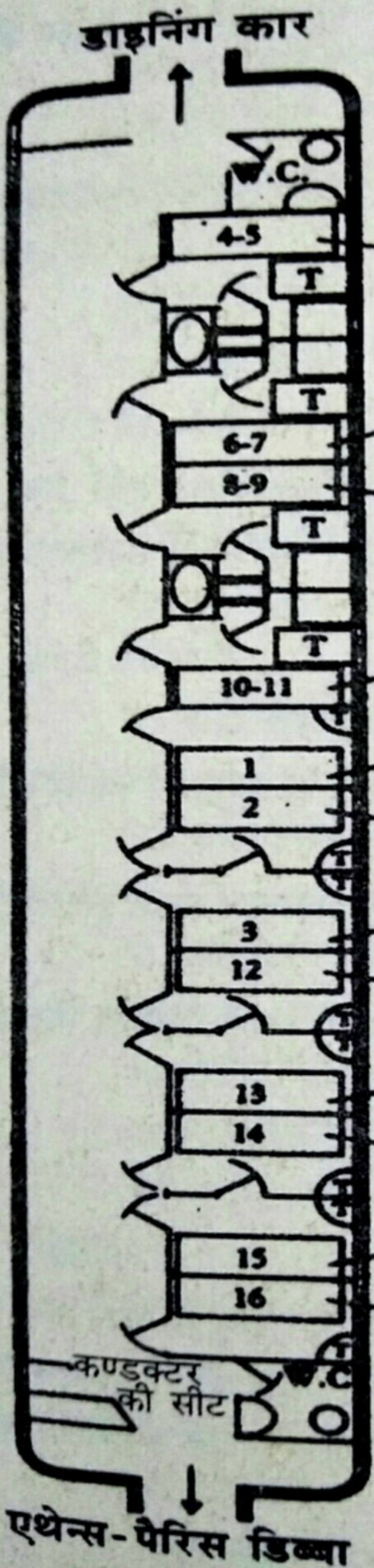
डाइनिंग कार
W.C.
4-5
T
T
6-7
8-9
T
T
10-11
1
2
3
12
13
14
15
16
W.C.
कण्डक्टर की सीट
एडवर्ड मास्टरमैन
ऐंटोनियो फॉस्कारेली
हेक्टर मैक्वीन
हिल्डेगार्ड शिमड्ट
ग्रेटा ओह्लसन
मेरी डेबेनहैम
हरक्यूल पॉयरो
सैम्युअल रैचेट
कैरोलाइन हबर्ड
रानी आन्द्रेन्यी
काउन्ट आन्द्रेन्यी
राजकुमारी ड्रैगोमिरॉक
कर्नल आरबथनॉट
साइरस हार्डमैन
एथेन्स-पैरिस डिब्बा

एक बजने में बीस मिनट पर बजायी भी—हमारे रुकने के कुछ ही देर बाद।''

'सही-सही क्या हुआ था?'

'मैंने दरवाज़ा खटखटाया था, लेकिन उन्होंने पुकार कर कहा कि उनसे गलती हुई थी।'

'अंग्रेज़ी में या फ्रान्सीसी में?'

'फ्रान्सीसी में।'

'उनके सही शब्द क्या थे?'

'कोई बात नहीं; फ़िक्र मत करो; मुझसे ग़लती हुई।'

'बिलकुल ठीक,' पॉयरो ने कहा। 'यही मैंने भी सुना था। और फिर तुम चले गये।'

'जी, मोसिए।'

'क्या तुम वापस अपनी सीट पर गये?'

'नहीं, मोसिए। मैं एक और घण्टी का जवाब देने गया जो उसी समय बजी थी।'

'अब सुनो मिशेल, मैं तुम्हें एक महत्वपूर्ण सवाल पूछ रहा हूँ। तुम सवा बजे कहाँ थे?'

'मैं, मोसिए? मैं वहाँ आख़िर में अपनी छोटी-सी सीट पर था—गलियारे की तरफ़ मुँह किये हुए।'

'पक्का है न?'

'जी हाँ—कम-से-कम—'

'हाँ, हाँ?'

'मैं बगल के डिब्बे में, एथेन्स वाले डिब्बे में, अपने साथी से बात करने गया था। हमने बर्फ़ के बारे में बात की थी। यह एक बजे के बाद जल्दी ही किसी समय हुआ था। ठीक-ठीक कब, यह मैं नहीं बता सकता।'

'और तुम वापस आ गये—कब?'

'मेरी एक घण्टी बजी थी, मोसिए—मुझे याद है—मैंने आपको बताया था। वह अमरीकी महिला थी। उसने कई बार घण्टी बजायी थी।'

'मुझे याद है,' पॉयरो ने कहा। 'और उसके बाद?'

'उसके बाद मोसिए? मैंने आपकी घण्टी का जवाब दिया और आपके लिए थोड़ा-सा मिनरल वॉटर लाया। फिर लगभग आधे घण्टे बाद, मैंने एक और कूपे में बिस्तर ठीक किया—उस युवा अमरीकी सज्जन, मोसिए रैचेट के सेक्रेटरी का।'

'जब तुम बिस्तर बिछाने गये तो क्या मिस्टर मैक्वीन अपने कूपे में अकेले थे?'

'15 नम्बर वाले अंग्रेज़ कर्नल उनके साथ थे। वे बैठे बातें करते रहे थे।'

'जब कर्नल मिस्टर मैक्सीन को छोड़ कर गये तो उन्होंने क्या किया?'

'वे वापस अपने कूपे में चले गये।'

'नम्बर 15—वह तो तुम्हारी सीट के काफ़ी पास है, नहीं?'

'जी मोसिए, वह गलियारे के उस छोर से दूसरा कूपे है।'

'उनका बिस्तर पहले ही से बना हुआ था?'

'जी मोसिए। जब वे खाना खा रहे थे, तभी मैंने उसे बना दिया था।'

'यह सब किस समय की बात है?'

'मैं ठीक-ठीक नहीं बता सकता। निश्चय ही, दो बजे के बाद तो नहीं ही था।'

'और उसके बाद?'

'उसके बाद मोसिए, मैं सुबह तक अपनी सीट पर बैठा रहा।'

'तुम दोबारा एथेन्स वाले डिब्बे में नहीं गये?'

'नहीं, मोसिए।'

'शायद तुम सो गये थे?'

'मेरा तो ऐसा ख़याल नहीं है, मोसिए। गाड़ी के खड़े रहने की वजह से मुझे झपकी नहीं आयी, जैसा कि आम तौर पर होता है।'

'क्या तुमने सवारियों में से किसी को गलियारे में आगे या पीछे की तरफ़ आते-जाते देखा?'

कण्डक्टर सोचने लगा।

'महिलाओं में से एक परले सिरे पर टॉयलेट में गयी थीं, मेरे ख़याल में।'

'कौन-सी महिला?'

'मैं नहीं जानता, मोसिए। वे गलियारे में दूर उस सिरे पर थीं, और उनकी पीठ मेरी तरफ़ थी। उन्होंने लाल किमोनो पहना हुआ था जिस पर ड्रैगन बने थे।'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'और उसके बाद?'

'कुछ नहीं, मोसिए, सुबह तक।'

'तुम्हें पक्का यक़ीन है?'

'आह, माफ़ी चाहता हूँ, आपने ख़ुद अपना दरवाज़ा खोला था, मोसिए, और पल भर को बाहर देखा था।'

'बहुत अच्छे मेरे दोस्त,' पॉयरो ने कहा। 'मैं सोच रहा था कि तुम्हें वह याद होगा या नहीं। ख़ैर, याद आया, मेरी नींद ऐसी आवाज़ से टूटी थी, मानो मेरे दरवाज़े पर कोई भारी चीज़ आ गिरी हो। क्या तुम्हें कोई अन्दाज़ा है कि वह क्या रही होगी।'

कण्डक्टर एकटक उन्हें देखता रहा।

'कुछ भी नहीं था, मोसिए। कुछ भी नहीं। मुझे पक्का यक़ीन

है।'

'फिर मुझे कोई बुरा सपना आया होगा,' पॉयरो ने फलसफाना अन्दाज़ में कहा।

'हाँ, अगर वह कोई ऐसी चीज़ नहीं थी,' मोसिए बोक बोले, 'जो तुम्हारे बगल के कूपे में रही हो जिसे तुमने सुना।'

पॉयरो ने इस सुझाव पर कोई ध्यान नहीं दिया। शायद वे कण्डक्टर के सामने ऐसा नहीं करना चाहते थे।

'चलो, एक और बात पर ग़ौर करते हैं,' उन्होंने कहा। 'फ़र्ज़ करो, कल रात हत्यारा गाड़ी पर सवार हुआ। यह पक्का है कि जुर्म करने के बाद वह गाड़ी से जा नहीं पाया होगा?'

पिएर मिशेल ने सिर हिलाया।

'न वह गाड़ी पर ही कहीं छिपा रह सकता है?'

'गाड़ी की तलाशी अच्छी तरह ली गयी है,' मोसिए बोक ने कहा। 'इस अटकल को छोड़ दो, मेरे दोस्त।'

'इसके अलावा,' कण्डक्टर ने कहा, 'कोई स्लीपर वाले डिब्बे में बिना मेरे देखे नहीं आ सकता।'

'आख़िर स्टेशन कौन-सा था?'

'विनकोव्की।'

'कितने बजे की बात है?'

'हमें वहाँ से 11.58 पर रवाना हो जाना चाहिए था, लेकिन मौसम की वजह से हम बीस मिनट की देरी से चल रहे थे।'

'हो सकता है कोई रेलगाड़ी के आम हिस्से से चला आया हो?'

'नहीं मोसिए। रात के खाने के बाद आम डिब्बों और स्लीपरों के बीच का दरवाज़ा बन्द कर दिया जाता है।'

'क्या तुम ख़ुद विनकोव्की स्टेशन पर गाड़ी से नीचे उतरे थे?'

'हाँ, मोसिए। मैं हमेशा की तरह प्लेटफार्म पर उतर कर डिब्बे पर चढ़ने वाली सीढ़ी की बगल में खड़ा हो गया था। दूसरे कण्डक्टरों ने भी ऐसा ही किया था।'

'आगे वाले दरवाज़े के सिलसिले में क्या किया गया था? वह जो डाइनिंग-कार के पास है?'

'वह हमेशा अन्दर से बन्द रहता है।'

'अभी तो वह बन्द नहीं है।'

कण्डक्टर चकित नज़र आया, फिर उसका चेहरा खिल गया।

'बेशक सवारियों में से किसी ने बर्फ़ को देखने के लिए उसे खोला होगा।'

'शायद,' पॉयरो ने कहा।

एक-दो मिनट तक वे सोचते हुए मेज़ को उँगलियों से खटखटाते रहे।

'मोसिए मुझे तो दोषी नहीं समझ रहे?' डरे हुए अन्दाज़ में कण्डक्टर ने कहा।

पॉयरो ने दया-भरी नज़र उस पर डाली और मुस्कराये।

'तुम एक बुरे इत्तफ़ाक़ का शिकार हो गये हो, भाई,' वे बोले। 'ओह, एक और बात याद आयी। तुमने कहा कि जब तुम मिस्टर रैचेट के दरवाज़े को खटखटा रहे थे तो एक और घण्टी बजी थी। दरअसल, मैंने भी उसे सुना था। वह किसकी थी?'

'वह राजकुमारी ड्रैगोमिरॉफ़ की थी। वे चाहती थीं मैं उनकी सेविका को बुला लाऊँ।'

'और तुमने ऐसा किया?'

'जी, मोसिए।'

पॉयरो अपने सामने रखे नक्शे को परखते हुए सोचते रहे। फिर अपना सिर झुकाया।

'फिलहाल, इतना ही है,' वे बोले।

'शुक्रिया, मोसिए।'

कण्डक्टर उठा। उसने मोसिए बोक की तरफ़ देखा।

'परेशान मत होना,' मोसिए बोक ने दया-भरे अन्दाज़ में कहा। 'मेरी नज़र में तुम्हारी तरफ़ से फ़र्ज में कोई कोताही नहीं हुई है।'

सन्तुष्ट होकर, पिएर मिशेल डिब्बे से चला गया।

अध्याय 2

सेक्रेटरी की गवाही

दो-एक मिनट के लिए पॉयरो ख़यालों में खोये रहे।

'मेरे ख़याल में,' आख़िरकार वे बोले, 'जो कुछ अब हमें मालूम हैं, उसे देखते हुए मिस्टर मैक्वीन से थोड़ी और बातचीत कर लेना अच्छा ही होगा।'

अमरीकी नौजवान फ़ौरन ही हाज़िर हो गया।

'तो,' उसने कहा, 'कैसा चल रहा है सब कुछ?'

'कोई ख़ास बुरा नहीं। हमारी आख़िरी बातचीत के बाद मुझे कुछ पता चला है—मिस्टर रैचेट का असली परिचय।'

हेक्टर मैक्वीन दिलचस्पी से आगे को झुका।

'अच्छा?' उसने कहा।

'जैसा कि आपको शक था, रैचेट तो महज़ नकली नाथ था। रैचेट दरअसल कसेटी था—वह आदमी जो अपहरण का खेल खेलता था—इसमें नन्ही डेज़ी आर्मस्ट्रॉन्ग का वह मशहूर मामला भी शामिल था।'

मैक्वीन के चेहरे पर पूरी तरह चकित होने का भाव प्रकट

हुआ; फिर उस पर बादल-सा छा गया।

'वह कमीना कुत्ता!' उसने उत्तेजित स्वर में कहा।

'आपको इसका कोई अन्दाज़ा नहीं था, मिस्टर मैक्वीन?'

'नहीं जनाब,' अमरीकी नौजवान ने निश्चय के साथ कहा। 'अगर मुझे पता होता तो उसके सेक्रेटरी का काम करने से पहले मैंने अपना दायाँ हाथ काट कर फेंक दिया होता।'

'आप इस मामले को बहुत गहराई से महसूस करते हैं, मिस्टर मैक्वीन?'

ऐसा करने की मेरे पास ख़ास वजह भी है। मेरे पिता इस मामले में सरकारी वकील थे, मिस्टर पॉयरो। मैंने श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग को एक से अधिक बार देखा था—वे बहुत प्यारी महिला थीं। इतनी सज्जन और टूटे दिल वाली।' उसका चेहरा सँवला गया। 'रैचेट या कसेटी यक़ीनन इस तरह की सजा के क़ाबिल था। उसके अन्त पर मुझे ख़ुशी है। ऐसा आदमी ज़िन्दा रहने के योग्य नहीं था।'

'आप तो लगभग ऐसा महसूस कर रहे हैं मानो आप ख़ुद यह काम करने को तैयार हो गये होते?'

'हाँ, मैं ऐसा ही महसूस करता हूँ। मैं'—वह रुका, फिर वैसे गुनाह के एहसास से उसका चेहरा लाल हो गया। 'लगता है, मैं अपने को ही अपराधी ठहरा रहा हूँ।'

'मिस्टर मैक्वीन, अगर आपने अपने मालिक के मरने पर ज़रूरत से ज़्यादा दुख जाहिर किया होता तो ज़रूर मेरे मन में आप पर शक करने की बात उठती।

'मैं नहीं सोचता कि मैं वैसा कर पाता, ख़ुद को फाँसी के तख़्ते से बचाने के लिए भी,' मैक्वीन ने सख़्त और संजीदा लहजे में कहा।

फिर उसने जोड़ा :

'अगर मैं बेवजह उत्सुक नहीं हो रहा तो यह बताइए कि

आपने इसे भाँपा कैसे? मेरा मतलब है, कसेटी की असलियत को?'

'उसके कूपे में पाये गये एक पत्र के टुकड़े से।'

'लेकिन निश्चय ही—यह तो—उस बन्दे की लापरवाही थी?'

'यह निर्भर करता है,' पॉयरो ने कहा, 'कि आप देख किस तरफ़ से रहे हैं।'

नौजवान को यह टिप्पणी किसी क़दर चकरा देने वाली लगी। वह इस तरह पॉयरो को एकटक देखने लगा मानो उनके दिल की थाह ले रहा हो।

'मेरे सामने जो काम है,' पॉयरो ने कहा, 'वह यह कि रेलगाड़ी पर सवार हर मुसाफ़िर की हरकतों का पक्का पता लगाऊँ। इससे बुरा मानने की कोई ज़रूरत नहीं हैं, आप समझे? यह सिर्फ़ नियम-कायदे का मामला है।'

'ठीक है। तो फिर चलिए, अपना काम कीजिए और मुझे भी अपने चरित्र को निर्दोष साबित करने का मौका दीजिए।'

'मुझे आपके कूपे के नम्बर पूछने की तो कोई ज़रूरत ही नहीं है, क्योंकि मैं एक रात आप ही के साथ उसमें रहा था,' पॉयरो ने मुस्कराते हुए कहा, 'वह सेकेण्ड क्लास का कूपे नम्बर 6 और 7 हैं और मेरे चले आने के बाद आप ही उसमें रहे।'

'सही है।'

'अब, मिस्टर मैक्वीन, मैं चाहता हूँ कि आप यह बतायें कि कल रात डाइनिंग-कार छोड़ने के बाद आप कहाँ-कहाँ गये?'

'यह तो आसान है। मैं वापस अपने कूपे में गया, कुछ देर पढ़ता रहा, ब्रेलग्रेड में प्लेटफार्म पर उतरा, फिर तय किया कि सर्दी बहुत है, और डिब्बे के अन्दर चला आया। कुछ देर उस अंग्रेज़ युवती से बात की जो मेरे बग़ल के कूपे में है। फिर उस अंग्रेज़, कर्नल आरबथनॉट से मेरी गप-शप शुरू हो गयी—सच तो यह है कि जब

हम बातें कर रहे थे तो मेरे ख़याल में आप हमारे पास गुजरे भी थे। फिर मैं अन्दर मिस्टर रैचेट के पास चला गया और कुछ पत्रों के बारे में, जो वे लिखवाना चाहते थे, उनके बताये ब्योरे लिखने लगा। इसके बाद मैंने उन्हें गुड नाइट कहा और चला आया। कर्नल आरबथनॉट तब भी गलियारे में खड़े हुए थे। उनका कूपे रात के लिए तैयार किया जा चुका था, इसलिए मैंने उन्हें सुझाया कि वे मेरे कूपे में चले आयें। मैंने पीने के लिए कुछ मँगवाया और हम जम कर बैठ गये। दुनिया की राजनीति की चर्चा और हिन्दुस्तान की सरकार की और हमारी आर्थिक परिस्थितियों की परेशानियों को और वॉल स्ट्रीट के संकट की। आमतौर पर मैं भी अंग्रेज़ों से बहुत घुलता-मिलता नहीं हूँ—वे थोड़े अकड़ू होते हैं—लेकिन मुझे ये पसन्द आये।'

'क्या आपको पता है कि जब वे आपको छोड़कर गये क्या समय हुआ था?'

'काफ़ी देर हो गयी थी। दो बजने वाले थे, मेरे ख़याल में।'

'आपने ग़ौर किया था कि गाड़ी रुक गयी थी!'

'बिलकुल। हमें इस पर कुछ हैरत भी हुई थी। बाहर देखा तो बर्फ़ का बड़ा-सा अम्बार नज़र आया, लेकिन हमें नहीं लगा कि वह गम्भीर था।'

'जब कर्नल आरबथनॉट ने रात को आख़िरकार विदा ली तो क्या हुआ?'

'वे अपने कूपे की तरफ़ चले गये और मैंने कण्डक्टर को अपना बिस्तर बनाने के लिए बुलाया।'

'जब वह बिस्तर तैयार कर रहा था, उस दौरान आप कहाँ थे?'

'गलियारे में दरवाज़े के ठीक बाहर खड़े होकर सिगरेट पी रहा था।'

'और फिर?'

'और फिर मैं सोने चला गया और सुबह तक सोता रहा।'

'शाम के समय क्या आप किसी समय गाड़ी के बाहर भी आये थे?'

'आरबथनॉट और मैंने सोचा था कि हम—क्या नाम था उस जगह का?—हाँ, विनकोव्की पर टाँगें सीधी करने के लिए थोड़ी देर बाहर आयेंगे। लेकिन सर्दी बहुत भयानक थी—बर्फ़ का तूफान चल रहा था। हम जल्दी ही लपक कर वापस चले आये।'

'किस दरवाज़े से आप गाड़ी के बाहर गये थे?'

'हमारे कूपे के सबसे नज़दीक वाले से।'

'वह जो डाइनिंग-कार के बगल वाला है?'

'हाँ।'

'क्या आपको कुछ याद है कि उसकी चिटखनी लगी थी या नहीं?'

मैक्वीन सोचने लगा।

'अरे हाँ, अब मुझे याद-सा पड़ता है कि लगी थी। कम-से-कम एक क़िस्म का फट्टा जो हत्थे के ऊपर से लग जाता था। क्या आपका मतलब इसी से है?'

'हाँ गाड़ी में वापस आते समय क्या आपने उस फट्टे को फिर से लगाया था?'

'मेरे ख़याल में नहीं लगाया था। मैं सबसे आख़िर में अन्दर आया था। नहीं, मुझे याद नहीं पड़ता कि मैंने उसे लगाया था।'

अचानक उसने आगे कहा :

'क्या यह बात महत्वपूर्ण है?'

'हो सकती है। अब, मेरे ख़याल से, जब आप और कर्नल आरबथनॉट बैठे बात कर रहे थे तो गलियारे में खुलने वाला आपके

कूपे का दरवाज़ा खुला था?'

हेक्टर मैक्वीन ने 'हाँ' में सिर हिलाया।

'मैं चाहता हूँ कि अगर आप बता सकें तो मुझे यह बतायें कि रेलगाड़ी के विनकोव्की से चलने के बाद और रात में आप दोनों के अलग होने तक इस गलियारे से कोई गुज़रा था?'

मैक्वीन ने अपने भँवे जोड़ कर सोचा।

'मेरा ख़याल है, कण्डक्टर एक बार गुज़रा था,' वह बोला, 'डाइनिंग-कार की ओर से आते हुए। और एक औरत दूसरी तरफ़ से गुजरी थी, डाइनिंग-कार की ओर जाती हुई।

'कौन-सी औरत?'

'बता नहीं सकता। मैंने दरअसल ग़ौर नहीं किया। बात यह है कि मैं कर्नल आरबथनॉट के साथ बहस में उलझा हुआ था। मुझे बस दरवाज़े के आगे से गुजरते हुए कुछ लाल रोशनी की झलक याद है। मैंने देखा नहीं, और वैसे भी मैं उसका चेहरा तो देख न पाता। जैसा कि आप जानते हैं मेरा कूपे का मुँह गाड़ी के डाइनिंग-कार वाले सिरे की तरफ़ है, इसलिए उस दिशा में जा रही किसी औरत की पीठ मेरी तरफ़ होती जब वह मेरे दरवाज़े के आगे से गुजरती।'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'वह शायद टॉयलेट की तरफ़ जा रही थी, मेरे ख़याल में?'

'हाँ, मेरा ख़याल तो यही है।'

'और आपने उसे लौटते देखा?'

'नहीं, अब आप ने ज़िक्र किया तो मुझे याद आ रहा है कि मैंने उसे लौटते नहीं देखा, लेकिन मेरे ख़याल में वह वापस तो आयी ही होगी।'

'एक और सवाल। क्या आप पाइप पीते हैं, मोसिए मैक्वीन?'

'नहीं जनाब।'

पॉयरो पल भर रुके।

'मेरा ख़याल है, फ़िलहाल तो यही है। अब मैं मिस्टर रैचेट के सेवक से बात करना चाहता हूँ। अच्छा, यह बताइए, क्या आप और वह, दोनों हमेशा दूसरे दर्जे में सफ़र करते थे?'

'वह तो करता था। मैं आम तौर पर पहले दर्जे में जाता था—अगर सम्भव हो तो मिस्टर रैचेट के बगल वाले कूपे में। तब वे ज़्यादातर सामान मेरे कूपे में रखवा दिया करते थे और जब चाहते सामान और मुझ तक बराबर की आसानी से पहुँच सकते थे। मगर इस बार पहले दर्जे के सभी कूपे पहले से लिये गये थे सिवा उसके जो मिस्टर रैचेट ने लिया।'

'समझ गया। ठीक है, मिस्टर मैक्वीन, शुक्रिया।'

अध्याय 3

सेवक की गवाही

अमरीकी के जाने के बाद फीके भावहीन चेहरे वाला वह अंग्रेज़ आया जिस पर पिछले रोज पॉयरो का ध्यान जा चुका था। वह आकर अदब से इन्तज़ार करने लगा। पॉयरो ने उसे इशारे से बैठने के लिए कहा।

'तुम जहाँ तक मैं समझता हूँ, मिस्टर रैचेट के निजी सेवक हो?'

'जी हाँ।'

'तुम्हारा नाम?'

'एडवर्ड हेनरी मास्टरमैन।''

'उम्र?'

'उन्तालीस।'

'और तुम्हारे घर का पता?'

'21, फ्रायर स्ट्रीट, क्लार्केनवेल।'

'तुमने यह सुन लिया होगा कि तुम्हारे मालिक की हत्या हो गयी है?'

'जी हाँ, बहुत चौंकाने वाली घटना है।'

'क्या अब तुम मुझे बताओगे कि आख़िरी बार तुमने मिस्टर रैचेट को कब देखा?'

सेवक ने सोचा।

'कल रात नौ बजे के करीब, जनाब। या हो सकता है इससे कुछ समय बाद।'

'अपने शब्दों में बताओ कि ठीक-ठीक क्या हुआ?'

'हमेशा की तरह मैं मिस्टर रैचेट के पास गया और जो वे चाहते थे, उसे किया?'

'तुम्हारा काम ठीक-ठीक क्या था?'

'उनके कपड़ों की तह लगाना या उन्हें टाँग देना। उनके नकली दाँतों को पानी में भिगोकर रख देना और देखना कि रात में उन्हें जिस चीज़ की ज़रूरत हो, वह मौजूद रहे।'

'क्या कल रात उनका रंग-ढग कुल-मिला कर हमेशा जैसा था?'

सेवक कुछ देर सोच कर बोला।

'मेरे ख़याल में जनाब वे कुछ परेशान से थे।'

'किस तरह से—परेशान?'

'किसी चिट्ठी पर जो वे पढ़ रहे थे। उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या उस चिट्ठी को मैंने उनके कूपे में रखा था। मैंने उनसे कहा कि यक़ीनन मैंने ऐसा नहीं किया था, लेकिन वे मुझ पर बिगड़ गये और मेरे हर

काम में गलतियाँ निकालने लगे।'

'क्या यह अनोखी बात थी?'

'अरे नहीं, साहब, वे बड़ी आसानी से आपा खो बैठते थे—जैसा कि मैं कहता हूँ, यह बस इस बात से तय होता था कि वे किस चीज़ से परेशान थे।'

'क्या तुम्हारे मालिक ने कभी नींद की कोई दवा ली थी?'

डॉक्टर कॉन्स्टैन्टाइन थोड़ा आगे को झुक आये।

'रेलगाड़ी पर सफ़र करते हुए हमेशा; वे कहते थे कि न लेने पर वे सो नहीं पाते थे।'

'क्या तुम्हें मालूम है कौन-सी दवा लेने के वे आदी थे?'

'मैं बता नहीं सकता, साहब, यह पक्का है। बोतल पर कोई नाम नहीं था। बस यही लिखा था सोते वक़्त लेने वाली नींद की दवाई।'

'क्या कल रात उन्होंने ली थी?'

'जी जनाब, मैंने उसे गिलास में डाल कर मेज़ पर तैयार करके रख दिया था।'

'तुमने उन्हें उसे पीते हुए नहीं देखा था?'

'जी नहीं।'

'फिर क्या हुआ?'

'मैने पूछा कि और कुछ तो नहीं चाहिए था उन्हें और सुबह कितने बजे उनके पास आऊँ। उन्होंने कहा कि जब तक वे ख़ुद न बुलवायें, कोई ख़लल न डाला जाये।'

'क्या यह भी आम बात थी।'

'बिलकुल, जनाब जब वे जाग कर उठने को तैयार होते तो कण्डक्टर की घण्टी बजा कर उससे मुझे बुलवाते।'

'क्या वे जल्दी उठने के आदी थे या देर से?'

'यह उनके मिज़ाज पर निर्भर था, साहब। कभी-कभी वे नाश्ते के समय उठ जाते और कभी-कभी दोपहर के खाने के वक़्त तक न उठते।'

'इसलिए जब सुबह बीत चली और कोई बुलावा नहीं आया तो तुम्हें फिकर नहीं हुई?'

'जी नहीं।'

'क्या तुम्हें पता है कि तुम्हारे मालिक के दुश्मन भी थे?'

'जी हाँ।'

सेवक ने भावहीन ढंग से जवाब दिया।

'तुम्हें कैसे मालूम?'

'मैंने उन्हें कुछ चिट्ठियों के बारे में मिस्टर मैक्वीन से बात करते सुना था।'

'क्या तुम्हें अपने मालिक से कोई लगाव था, मास्टरमैन?'

मास्टरमैन का चेहरा, शायद पहले से भी कहीं अधिक भावहीन हो गया।

'यह कहना तो ज़रा मुश्किल है, जनाब। वे एक उदार मालिक थे।'

'मगर तुम उन्हें पसन्द नहीं करते थे?'

'क्या हम इसे यों कहें जनाब कि मुझे अमरीकियों से बहुत लगाव नहीं है।'

'क्या तुम कभी अमरीका में रहे हो?'

'जी नहीं।'

'क्या तुम्हें अख़बारों में आर्मस्ट्रॉन्ग अपहरण मामले के बारे में पढ़ना याद है?'

सेवक के चेहरे पर हल्की सी लाली आ गयी।

'जी हाँ, पढ़ा था। छोटी-सी बच्ची थी न, जनाब? बड़ा

भयानक मामला था।'

'क्या तुम्हें पता था कि उस मामले में तुम्हारे मालिक मिस्टर रैचेट का सबसे बड़ा हाथ था?'

'नहीं, जनाब, बिलकुल नहीं।' सेवक की आवाज़ में पहली बार थोड़ी-सी गरमी और भावना थी। 'मेरे लिए इस पर विश्वास करना मुश्किल है।'

'बहरहाल, यह सच है। अब, कल रात तुम्हारी हरकतों पर चलें तो—महज़ खाना-पूरी है, समझे। अपने मालिक से छुट्टी लेकर आने के बाद तुमने क्या किया?'

'मैंने मिस्टर मैक्वीन से कहाँ कि मालिक उन्हें बुला रहे थे। फिर मैं अपने कूपे में चला गया और पढ़ता रहा।'

'तुम्हारा कूपे—'

'आख़िरी वाला, दूसरे दर्जे का था। डाइनिंग-कार के बगल वाला।'

पॉयरो अपने नक्शे को देख रहे थे।

'अच्छा, और तुम्हारे पास कौन-सी बर्थ थी?'

'नीचे वाली, जनाब।'

'यानी नम्बर 4।'

'जी हाँ।'

'क्या वहाँ और भी कोई है तुम्हारे साथ?'

'जी हाँ। एक बड़ा-सा इतालवी आदमी है।'

'क्या वह अंग्रेज़ी बोलता है?'

'बस, कह सकते हैं एक किस्म की अंग्रेज़ी बोलता है,' सेवक के लहजे में नीचे देखने का भाव था। 'वह अमरीका में रहा है—शिकागो में—मेरा ख़याल है।'

'क्या उसके और तुम्हारे बीच काफ़ी बातचीत होती है?'

'जी नहीं। मुझे पढ़ना ज़्यादा पसन्द है।'

पॉयरो मुस्कराये। वे उस दृश्य की कल्पना कर सकते थे—वह लम्बा-तगड़ा, बातूनी इतालवी और वह उपेक्षा जो एक भद्र पुरुष का सेवक प्रदर्शित कर रहा था।'

'अच्छा यह बताओ कि तुम पढ़ क्या रहे थे?'

'फिलहाल तो मैं *प्रेम का बन्दी* पढ़ रहा हूँ जिसे श्रीमती ऐराबेला रिचर्डसन ने लिखा है।'

'अच्छी कहानी है?'

'मुझे तो बहुत दिलचस्प लग रही है।'

'ख़ैर, आगे बढ़ें। तुम अपने कूपे में लौट आये और *प्रेम का बन्दी* पढ़ते रहे—कब तक?'

'लगभग साढ़े दस बजे तक, यह इतालवी सोना चाहता था, सो कण्डक्टर आया और उसने बिस्तर बिछा दिये।'

'और फिर तुम बिस्तर पर लेट कर सो गये।'

'मैं बिस्तर पर तो लेटा, जनाब, पर मैं सोया नहीं।'

'क्यों? सोये क्यों नहीं?'

मेरे दाँत में दर्द था, जनाब।'

'अरे, अरे, वह तो तकलीफ़देह होता है।'

'काफ़ी तकलीफ़देह, जनाब।'

'क्या उसके लिए तुमने कुछ किया?'

मैंने थोड़ा-सा लॉन्ग का तेल लगाया, जिससे दर्द में कुछ राहत मिली, तो भी मैं सो नहीं पा रहा था। मैंने सिर के ऊपर लगी बत्ती जला दी और पढ़ना जारी रखा—ताकि मेरा ध्यान उधर से हट जाये।'

'और तुम बिलकुल नहीं सोये, क्यों?'

'जी साहब, सुबह के लगभग चार बजे होंगे जब मेरी आँख लगी।'

'और तुम्हारा साथी?'

'वह इतालवी बन्दा? वह तो बस खर्राटे लेता रहा।'

'रात के दौरान वह कूपे से बाहर नहीं निकला?'

'नहीं, जनाब।'

'और तुम निकले?'

'जी नहीं।'

'रात के दौरान तुम्हें कुछ सुनायी दिया?'

'मेरे ख़याल में तो नहीं, जनाब। मेरा मतलब है, कोई गैर मामूली आवाज़ नहीं। रेलगाड़ी एकदम रुकी खड़ी थी, हर तरफ़ ख़ामोशी थी।'

पॉयरो दो-एक पल चुप रहे, फिर बोले :

'ख़ैर, मेरे ख़याल में अब कहने को और बहुत कुछ बाकी नहीं है। तुम इस दुखद घटना पर और कोई रोशनी डाल सकते हो?'

'नहीं, मुझे अफ़सोस है। माफ कीजिएगा, जनाब।'

'जहाँ तक तुम्हें पता है, क्या तुम्हारे मालिक और मिस्टर मैक्वीन में कोई मन-मुटाव या झगड़ा था?'

'अरे नहीं, साहब। मिस्टर मैक्वीन तो बड़े अच्छे सज्जन आदमी हैं।'

'मिस्टर रैचेट के यहाँ नौकरी करने से पहले तुम कहाँ काम करते थे?'

'सर हेनरी टॉमलिन्सन के यहाँ लन्दन के ग्रोवनर स्क्वेयर में।'

'उनके यहाँ क्यों छोड़ा तुमने?'

'वे पूर्वी अफ्रीका जा रहे थे और उन्हें मेरी सेवाओं की कोई दरकार नहीं थी। लेकिन मुझे यक़ीन है वे मेरे बारे में अच्छा ही कहेंगे। मैं उनके साथ कई साल था।'

'और तुम मिस्टर रैचेट के साथ कितने दिनों से हो?'

'नौ महीने से कुछ ऊपर हुए जनाब।'

'शुक्रिया मास्टरमैन। अरे, एक बात बताओ, क्या तुम पाइप पीते हो?'

'नहीं, सर। में सिर्फ़ सिगरेट पीता हूँ।'

'शुक्रिया, इतना काफ़ी है।'

सेवक एक पल हिचका।

'माफ कीजिएगा साहब, लेकिन वह बुज़ुर्ग अमरीकी महिला बहुत बेचैन और उत्तेजित है। वह कह रही है कि वह हत्यारे के बारे में सब कुछ जानती है। वह आपे से बाहर हो रही है।'

'ऐसी हालत में,' पॉयरो ने कहा, 'अब उसी को देखना हमारे लिए ठीक होगा।'

'क्या मैं उसे बता दूँ जनाब? वह काफ़ी देर से यह माँग कर रही है कि किसी अधिकारी से उसकी बात करायी जाये। कण्डक्टर उसे किसी तरह शान्त करने की कोशिश करता रहा है।'

'उसे हमारे पास भेज दो, भाई,' पॉयरो बोले। 'हम उसी की कहानी सुनेंगे अब।'

अध्याय 4

अमरीकी महिला की गवाही

श्रीमती हबर्ड डाइनिंग-कार में ऐसी उत्तेजित अवस्था में हाँफते हुए पहुँचीं, कि उनके मुँह से शब्द मुश्किल से निकल पा रहे थे।

'अब मुझे बस इतना बताओ कि यहाँ अधिकारी कौन है? मेरे पास कुछ बहुत महत्वपूर्ण जानकारी है, बहुत महत्वपूर्ण, सचमुच, और मैं जल्दी से किसी अधिकारी को वह बता देना चाहती हूँ। अगर

आप सभी सज्जन—'

उनकी अस्थिर निगाह तीनों आदमियों के चेहरों पर एक-एक करक बिछलती रही। पॉयरो आगे को झुके।

'मुझे बताइए, मैडम,' उन्होंने कहा। 'लेकिन पहले, मेहरबानी करके बैठ तो जाइए।'

श्रीमती हबर्ड उनके सामने वाली सीट पर धम से बैठ गयी।

'मुझे आपको जो बताना है वह यह कि कल रात गाड़ी में एक हत्या हुई भी और हत्यारा ठीक वहीं था—मेरे कूपे में।'

वे अपने शब्दों पर नाटकीय ज़ोर देने के लिए रुकीं।

'यह आप पक्के तौर पर कह सकती हैं, मैडम?'

'निश्चय ही, पक्का यक़ीन है मुझे। ज़रा सोचो तो! मुझे पता है मैं किस बारे में बात कर रही हूँ, हाँ। मैं आपको वह सब बता दूँगी जो बताना है। मैं बिस्तर पर लेट कर सो गयी थी और अचानक मेरी नींद खुल गयी—सब कुछ अँधेरे में था—और मुझे मालूम था कि मेरे कूपे में एक आदमी था। मैं इतना डर गयी थी कि चीख भी नहीं पा रही थी—अगर आप समझें कि मेरा मतलब क्या है। मैं वहीं लेटे-लेटे सोचती रही, ''हे भगवान, मैं तो मारी जाऊँगी।'' मैं आपको बता नहीं सकती, मैंने कैसा महसूस किया। ये निगोड़ी रेलगाड़ियाँ, मैंने सोचा, और वे सारे उपद्रव जिनके बारे में मैंने पढ़ा था। और मैंने सोचा, ''ख़ैर, किसी भी हालत में, उसे मेरे गहने नहीं मिलेंगे।'' क्योंकि मैं आपको बताऊँ, मैंने उन्हें जुराब में रखकर अपने तकिये के नीचे छिपा दिया था जो इतना आरामदेह नहीं है—ऊबड़-खाबड़ था, अगर आप समझें कि मेरा मतलब क्या है। लेकिन यह तो न चित हुई न पट। हाँ, तो क्या कह रही थी मैं?''

'आपको पता चला कि आपके कूपे में एक आदमी है।'

'हाँ, हाँ ख़ैर। मैं वहाँ बस आँखें बन्द किये लेटी रही और

सोचती रही कि मुझे क्या करना चाहिए और मैंने सोचा, ''ख़ैर मैं शुक्रगुजार हूँ कि मेरी बेटी नहीं जानती कि मैं किसी मुसीबत में फँसी हूँ।'' और फिर जाने कैसे मुझे होश-सा आया और मैंने अपने हाथों से टटोला और कण्डक्टर के लिए घण्टी बजा दी। मैं उसे दबाती रही, दबाती रही और कुछ नहीं हुआ और मैं आपको बता दूँ कि मैंने सोचा कि मेरा दिल धड़कना बन्द कर देगा। ''हे भगवान,'' मैंने ख़ुद से कहा, ''शायद उन्होंने रेलगाड़ी पर हरेक का क़त्ल कर दिया है।'' हर हाल में, वह बेहरकत खड़ी थी और हवा में कैसी खराब-सी ख़ामोशी का एहसास था। लेकिन मैं उस घण्टी को दबाती रही और आह! कैसी राहत मिली जब मैंने गलियारे में क़दमों की आहट सुनी और दरवाज़े पर दस्तक। ''अन्दर आ जाओ,'' मैं चिल्लायी और मैंने उसी समय बत्ती जलायी। और क्या आप विश्वास करेंगे, वहाँ कोई भी नहीं था।'

श्रीमती हबर्ड को यह खोदा पहाड़ निकला चूहा की बजाय उस नाटक का चरम जान पड़ा था।

'और इसके बाद क्या हुआ, मैडम?'

'अरे होना क्या था, मैंने उस आदमी को बताया क्या हुआ था और वह मेरी बात पर विश्वास करता नहीं लगा। वह ऐसी कल्पना करता जान पड़ा मानो मैंने सपने में वह सब देखा था। मैंने उससे सीट के नीचे झाँक कर दिखवाया, हालाँकि वह कह रहा था कि वहाँ इतनी भी जगह नहीं थी कि कोई आदमी दब-दबा कर घुस सके। साफ़ था कि वह आदमी निकल भागा था, लेकिन वहाँ कोई आदमी था ज़रूर और जिस तरह कण्डक्टर ने मुझे पुचकारने और शान्त करने की कोशिश की, उससे तो मेरा पारा और भी चढ़ गया। मैं उन लोगों में से नहीं हूँ जो मन-ही-मन बातें गढ़ लेते हैं, समझे मिस्टर—मुझे शायद आपका नाम नहीं मालूम है?'

'पॉयरो, मैडम, और ये मोसिए बोक हैं, रेल कम्पनी के एक निदेशक और डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन।'

श्रीमती हबर्ड ने उन सभी को बुडबुडा कर कहा, 'आपसे मिल कर ख़ुशी हुई,' और एक बार फिर उन्होंने अपनी रामकहानी की डोर थाम ली :

'अब मैं यह दिखावा नहीं करूँगी कि मैं उतनी होशियार थी, जितनी मैं हो सकती थी। जाने कैसे मेरे दिमाग़ में यह बात आयी कि यह बगल के कूपे वाला आदमी था—वह बेचारा जो मारा गया है। मैंने कण्डक्टर को उस दरवाज़े की जाँच करने को कहा जो दोनों कूपों को जोड़ता है और मेरे ख़याल के मुताबिक उसकी चिटखनी नहीं लगी थी। ख़ैर, इसका बन्दोबस्त तो मैंने हाथ-के-हाथ किया, मैंने उसको वह दरवाज़ा फ़ौरन बन्द करके चिटखनी लगाने को कहा और उसके जाने के बाद मैंने और भी पक्का इन्तजाम करने के लिए उठ कर उसके सामने एक सूटकेस अड़ा दिया।

'कितने बजे का वाकया है यह, श्रीमती हबर्ड?'

'यह तो ख़ैर मैं आपको नहीं बता सकती। मैं इतनी परेशान थी कि मैंने घड़ी पर निगाह ही नहीं डाली।'

'और अब आपकी नज़र में मामला क्या है?'

'अरे, सीधी-सी बात है मेरे हिसाब से। मेरे कूपे में जो आदमी था, वह हत्यारा ही था। और कौन हो सकता था वह?'

'और आपका ख़याल है वह वापस बगल वाले कूपे में चला गया?'

'मुझे क्या पता वह कहाँ गया। मैंने तो आँखें कस कर बन्द की हुई थीं।'

'वह दरवाज़े से बाहर गलियारे में खिसक गया होगा?'

'यह मैं कैसे बताऊँ। मैंने कहा न, मेरी आँखें कस कर बन्द

थीं।'

श्रीमती हबर्ड ने झटके ले ले कर साँसें भरीं।

'हे भगवान, मैं तो डरी हुई थी! अगर मेरी बेटी को बस पता—होता—'

'कहीं ऐसा तो नहीं है मैडम कि आपने जो आवाज़ सुनी, वह बगल में—मारे गये आदमी के कूपे में—किसी के चलने फिरने की आवाज़ थी?'

'नहीं ऐसा नहीं था मिस्टर—क्या बताया था?' हाँ, पॉयरो। वह आदमी ठीक वहीं था—मेरे कूपे में मेरे साथ। और मेरे पास इसका सबूत भी है।'

विजयी मुद्रा में उन्होंने एक बड़ा-सा झोला सामने खींचा और हाथ डालकर उसके भीतर टटोलना शुरू किया।

एक-एक करके उन्होंने दो बड़े साफ़ रूमाल, सींग के फ्रेम वाला चश्मा, ऐस्पिरिन की शीशी, ग्लाउबर के चूर्ण का पैकेट, चटक हरी मीठी गोलियों की प्लास्टिक की नली, चाभियों का छल्ला, एक कैंची, अमेरिकन एक्सप्रेस की चेक बुक, बेहद मामूली नज़र आने वाले एक बच्चे का चित्र, कुछ चिट्ठियाँ, नकली रुद्राक्ष की पाँच लड़ियों वाली माला और एक छोटी-सी धातु की चीज़—एक बटन—निकाला।

'देखते हैं आप—इस बटन को?' यह मेरा बटन नहीं है। मेरे किसी कपड़े से नहीं निकला है। मुझे यह सुबह उठने पर मिला।'

जैसे ही उन्होंने यह बटन मेज़ पर रखा, मोसिए बोक आगे को झुके और उन्होंने एक हैरत-भरी आवाज़ की।

'लेकिन यह बटन तो कण्डक्टर की वर्दी का है!'

'इसकी एक बिलकुल कुदरती वजह हो सकती है,' पॉयरो ने कहा।

वे इतमीनान से महिला की ओर मुड़े।

'हो सकता है, मैडम, कि यह बटन कण्डक्टर की वर्दी से उस वक़्त गिर गया हो जब वह आपके कूपे की तलाशी ले रहा था या कल रात आपका बिस्तर ठीक कर रहा था।'

'मुझे समझ नहीं आता कि आप सब लोगों को हुआ क्या है। लगता है आप ऐतराज़ करने के सिवा कुछ करते ही नहीं। अब सुनिए ज़रा। कल रात सोने से पहले में एक पत्रिका पढ़ रही थी। बत्ती बुझाने से पहले मैंने उस पत्रिका को एक छोटी-सी सन्दूकची पर रखा जो खिड़की के पास फर्श पर रखी थी। यह सब समझ में आ गया?'

उन्होंने श्रीमती हबर्ड को आश्वस्त किया कि वे समझ गये थे।

'ठीक है, तब। कण्डक्टर ने दरवाज़े के पास की सीट के नीचे झाँका और फिर उसने अन्दर आकर मेरे और बगल के कूपे के बीच का दरवाज़ा चिटखनी लगा कर बन्द किया, लेकिन वह खिड़की के पास नहीं गया। ख़ैर, आज सुबह यह बटन पत्रिका के ठीक ऊपर रखा हुआ था। अब इस पर आप क्या कहेंगे, मैं जानना चाहूँगी?'

'इसे, मैडम, मैं सबूत कहूँगा,' पॉयरो बोले।

'मुझ पर अगर कोई विश्वास न करे तो मैं मधुमक्खी की तरह पगला जाती हूँ,' उन्होंने सफ़ाई दी।

'आपने हमें बहुत दिलचस्प और बड़ा कीमती सबूत दिया है,' पॉयरो ने सहलाने वाले स्वर में कहा। 'अब क्या मैं आपसे कुछ सवाल पूछ सकता हूँ?'

'हाँ, हाँ, शौक से!'

'यह कैसे हुआ कि जब आप इस आदमी, मिस्टर रैचेट, से इतना घबरायी हुई थीं तो आपने अपने और उनके कूपे के बीच का दरवाज़ा अपनी तरफ़ चिटखनी लगाकर बन्द नहीं किया था?'

'किया था,' श्रीमती हबर्ड ने चट जवाब दिया।

'अच्छा, आपने किया था?'

'दरअसल, हुआ यों कि मैंने उस स्वीडी बन्दी को—भली लड़की है वह—पूछा था कि क्या दरवाज़े में चिटखनी लगी है और उसने कहा था कि लगी है।'

'यह कैसे हुआ कि आप ख़ुद यह बात नहीं देख सकीं?'

'क्योंकि मैं बिस्तर में थी और मेरा झोला दरवाज़े के हैण्डल से लटका हुआ था।'

'जब आपने यह बात उससे कही थी तो क्या बजा था?'

'जरा मुझे सोचने दीजिए। हाँ, यह बात साढ़े दस या पौने ग्यारह बजे के आसपास हुई होगी। वह मुझसे यह पूछने आयी थी कि मेरे पास ऐस्पिरिन तो नहीं थी। मैंने उसे बताया था कि वह उसे कहाँ मिलेगी और उसने मेरे बैग से ले ली थी।'

'आप ख़ुद बिस्तर में लेटी हुई थीं?'

'हाँ।'

'अचानक वे हँसीं।'

'बेचारी—काफ़ी हिली हुई थी। हुआ यह कि उसने गलती से बगल वाले कूपे का दरवाज़ा खोल दिया था।'

'मिस्टर रैचेट के कूपे का?'

'हाँ आपको तो पता ही है कि जब आप गलियारे से आयें और सारे दरवाज़े बन्द हों तो कैसी मुश्किल होती है। उसने गलती से मिस्टर रैचेट का दरवाज़ा खोल दिया था। वह इस बात से काफ़ी परेशान थी। वे हँसे थे, ऐसा लगता है, और मेरे ख़याल में हो सकता है उन्होंने कोई बहुत अच्छी बात न कही हो। बेचारी, एकदम घबरायी हुई थी। 'आह, मैं गलती की,' वह बोली थी, 'मैं शर्मिन्दा, गलती की। अच्छा आदमी नहीं,' वह बोली थी, 'बोलता है तुमारा उमर बहुत ज़्यादा है।'

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन दबी-दबी हँसी हँसे और श्रीमती हबर्ड ने फ़ौरन उन्हें अपनी निगाह से बर्फ़ सरीखा जमा दिया।

'ऐसी बात किसी महिला से कहने वाला,' वे बोलीं, 'कोई अच्छा आदमी नहीं था। ऐसी बातों पर हँसना ठीक नहीं है।'

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने जल्दी से माफ़ी माँगी।

'इसके बाद आपने मिस्टर रैचेट के कूपे से कोई आवाज़ सुनी?' पॉयरो ने पूछा।

'ख़ैर, सही तौर पर नहीं।'

'सही तौर पर नहीं से आपका क्या मतलब है, मैडम?'

'क्या नाम है—' वे रुकीं। 'वे खर्राटे लेते थे।'

'ओह, वे खर्राटे लेते थे?'

'भयंकर। इससे पहले वाली रात उन्होंने मुझे काफ़ी जगाये भी रखा था।'

'अपने कूपे में किसी आदमी के होने की घटना के बाद आपने उन्हें खर्राटे लेते नहीं सुना था?'

'अरे, मिस्टर पॉयरो, कैसे सुन पाती मैं? वे मर जो चुके थे।'

'ओह, हाँ। सचमुच,' पॉयरो ने कहा। वे कुछ चकराये से लगे।

'क्या आपको वह आर्मस्ट्रॉन्ग अपहरण वाला मामला याद है, श्रीमती हबर्ड?' उन्होंने पूछा।

'हाँ, हाँ, बिलकुल याद है। और यह भी याद है कि कैसे वह बदमाश जिसका उसमें हाथ था, साफ़ निकल भागा था! काश, वह मेरे हाथ आ जाता!'

'वह निकल नहीं भागा था। वह मर चुका है। वही कल रात मारा गया।'

'आपका मतलब है—?' उत्तेजना में श्रीमती हबर्ड कुर्सी से लगभग उठ खड़ी हुईं।

रैचेट ही वह आदमी था।'

'हाँ, हाँ, बिलकुल। रैचेट ही वह आदमी था।'

'सोचिए तो, सोचिए तो ज़रा! मुझे यह बात अपनी बेटी को लिख भेजनी चाहिए। मैंने कल रात आपको बताया नहीं था कि उस आदमी का कैसा शैतान जैसा चेहरा था? मैं सही थी, देखा आपने। मेरी बेटी हमेशा कहती है : 'जब माँ को कोई खुटका हो तो आप शर्त बद सकते हैं कि वह सही होगा।'

'क्या आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार में से किसी से आपका परिचय था, श्रीमती हबर्ड?'

'नहीं। वे एक छोटे-से ऊँचे दायरे में ही मेल-जोल रखते थे, लेकिन मैंने हमेशा सुना था कि श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग बहुत प्यारी औरत थीं और उनके पति उनकी पूजा करते थे।'

'ख़ैर, श्रीमती हबर्ड, आपने हमारी बहुत मदद की है—सचमुच बहुत। क्या मैं आपका पूरा नाम जान सकता हूँ?'

'हाँ, हाँ, ज़रूर। कैरोलाइन मार्था हबर्ड।

'क्या आप यहाँ अपना पता भी लिख देंगी।'

श्रीमती हबर्ड ने बिना रुके बोलते हुए यह भी कर दिया।

'मुझे तो विश्वास नहीं हो रहा। सोचिए ज़रा—कसेटी—इस गाड़ी में। मुझे उस आदमी के बारे में खुटका था, था न, मिस्टर पॉयरो?'

'हाँ, बिलकुल मैडम। अच्छा यह बताइए ज़रा, क्या आपके पास कोई लाल ड्रेसिंग गाउन है?'

'हे भगवान, कैसा अजीब सवाल है! नहीं, मेरे पास दो ड्रेसिंग गाउन हैं—एक गुलाबी, फलालैन का, जो जहाज़ पर आरामदेह रहता है और दूसरा जो मेरी बेटी ने मुझे भेंट में दिया था—बैंगनी सिल्क का देसी बना हुआ। लेकिन ईश्वर के लिए यह बताइए कि आप मेरे ड्रेसिंग गाउनों के बारे में क्यों जानना चाहते हैं?'

'बात यह है मैडम, कि कल रात लाल किमोनो पहने कोई आपके या मिस्टर रैचेट के कूपे में घुसा था। जैसा आपने अभी कहा, जब दरवाज़े बन्द हों तो बताना मुश्किल होता है कि कौन-सा कूपे किसका है।'

'ख़ैर, लाल ड्रेसिंग गाउन पहने कोई मेरे कूपे में नहीं आया।'

'तब वह मिस्टर रैचेट के कूपे में गयी होगी।'

श्रीमती हबर्ड ने अपने होंट भींचे और गम्भीर स्वर में कहा : 'इससे मुझे कोई हैरत नहीं होने वाली थी।'

पॉयरो आगे को झुके। 'तो आपने बगल के कूपे में किसी औरत की आवाज़ सुनी थी?'

'मुझे नहीं मालूम आपने यह अन्दाज़ा कैसे लगाया, मिस्टर पॉयरो। मैं सचमुच नहीं जानती। लेकिन—ख़ैर—सच यह है कि मैंने सुनी थी।'

'लेकिन जब मैंने अभी-अभी आपसे पूछा कि आपको बगल के कूपे में कुछ सुनायी दिया था तो आपने सिर्फ़ यही कहा था कि आपने मिस्टर रैचेट के खर्राटों की आवाज़ सुनी थी।'

'ख़ैर, वह भी सच ही था। वे कुछ समय खर्राटे तो लेते ही रहे थे। जहाँ तक उस दूसरे मामले की बात है—' श्रीमती हबर्ड कुछ गुलाबी-सी हो गयीं। 'उसका ज़िक्र करना अच्छी बात नहीं है।'

'जिस समय आपने औरत की आवाज़ सुनी, उस समय क्या बजा था?'

'बता नहीं सकती। मैं मिनट भर को जगी थी और एक औरत को बात करते सुना और यह साफ़ था कि वह कहाँ भी। इसलिए मैंने बस यही सोचा, ''अच्छा तो यह इस किस्म का आदमी है। ख़ैर, मुझे हैरत नहीं है।'' और फिर मैं दोबारा सो गयी और मुझे यक़ीन है कि मैं इस तरह की बात तीन अजनबी सज्जनों के सामने न करती अगर

आपने इसे मेरे अन्दर से खींच न निकाला होता।'

'क्या यह आपके कूपे में आदमी के होने की उस सनसनी से पहले की बात है या बाद की?'

'अरे, यह तो वैसा ही है जैसा आपने अभी कहा। अगर वह मर गया था तो फिर कोई औरत कैसे उससे बात कर सकती थी, नहीं?'

'माफ कीजिए, मैडम, आप मुझे काफ़ी बुद्धू समझ रही होंगी।'

'मेरे ख़याल में आप भी जब-तब थोड़ा-बहुत चकरा जाते होंगे। मुझे तो अब भी विश्वास नहीं हो रहा कि वह आदमी वही राक्षस कसेटी था। मेरी बेटी क्या कहेगी जब—'

पॉयरो ने दृढ़ता से उस भली महिला को अपने हैण्ड-बैग की सभी चीज़ें वापस उसमें रखने में मदद दी और फिर उन्हें दरवाज़े की तरफ़ ले गये।

आख़िरी क्षण उन्होंने कहा :

'आपने अपना रूमाल गिरा दिया है, मैडम।'

श्रीमती हबर्ड ने उस नन्हें सूती रूमाल को देखा जो पॉयरो ने आगे बढ़ा रखा था।

'यह मेरा नहीं है, मिस्टर पॉयरो। मेरा रूमाल तो यहाँ मेरे पास है।'

'माफ कीजिए। मैंने सोचा कि चूँकि उस पर 'एच' कढ़ा है, इसलिए—'

'यह बहुत दिलचस्प है, लेकिन यह पक्के तौर पर मेरा नहीं है। मेरे रूमालों पर 'सी० एम० एच०' लिखा होता है और वे कायदे के रूमाल होते हैं—ऐसी नक्शेबाज़ी वाली पैरिस की महँगी चीज़ें नहीं। ऐसा रूमाल भला नाक पोंछने के काम कैसे आयेगा?'

तीनों पुरुषों में से किसी के पास इस सवाल का जवाब नहीं था

और श्रीमती हबर्ड विजयी भाव से चलती बनीं।

अध्याय 5

स्वीडी महिला की गवाही

मोसिए बोक उस बटन को उलट-पलटकर देख रहे थे जो श्रीमती हबर्ड अपने पीछे छोड़ गयी थीं।

'यह बटन। मैं इसे समझ नहीं पा रहा। क्या इसका मतलब है कि आख़िरकार पिएर मिशेल का भी किसी-न-किसी रूप में इस मामले से कुछ जुड़ाव है?' उन्होंने कहा, फिर जब पॉयरो ने जवाब नहीं दिया तो उन्होंने बात जारी। 'तुम्हारा क्या ख़याल है मेरे दोस्त?'

'वह बटन कई सम्भावनाएँ खोलता है,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। 'हमने जो गवाही सुनी है, उस पर चर्चा करने से पहले आइए अब स्वीडी महिला से बातचीत कर ली जाये।'

उन्होंने अपने सामने रखे पासपोर्टों के अम्बार में छँटाई की।

'आह! ये रहा। ग्रेटा ओह्लसन, उमर उनचास बरस।'

मोसिए बोक ने रेस्तराँ के सेवक को हिदायत दी और थोड़ी देर बाद बालों के पीले-सलेटी जूड़े और लम्बे, भले, भेड़-सरीखे चेहरे वाली महिला को अन्दर लगाया गया। उसने अपने चश्मे से आँखें गड़ा कर पॉयरो की तरफ़ देखा, लेकिन काफ़ी शान्त-सी बनी रही।

पता चला कि वह फ्रान्सीसी समझ और बोल सकती थी, लिहाजा बातचीत उसी भाषा में हुई। पॉयरो ने पहले-पहल उससे वही सवाल पूछे जिनके जवाब वे जानते थे—उसका नाम, उमर और पता। फिर उन्होंने उससे उसके पेशे की बाबत पूछा।

वह इस्तम्बूल के पास एक मिशनरी स्कूल में मेट्रन थी, उसने

बताया। वह एक प्रशिक्षित नर्स थी।

'निश्चय ही आपको पता है मैडेमोज़ेल, कल रात क्या कुछ हुआ?'

'जाहिर है। बहुत भयानक था वह। और अमरीकी महिला ने मुझे बताया कि हत्यारा दरअसल उनके कूपे में था।'

'मैंने सुना, मैडेमोज़ेल, कि कत्ल किये गये आदमी को जिन्दा देखने वालों में आप आख़िरी थीं?'

'मालूम नहीं। हो सकता है। मैंने गलती से उसके कूपे का दरवाज़ा खोल दिया था। मुझे बहुत शर्मिन्दगी हुई। वह बहुत ही अटपटी भूल थी।'

'आपने दरअसल उसे देखा था?'

'हाँ। वह एक किताब पढ़ रहा था। मैंने जल्दी से माफ़ी माँगी और पीछे हट आयी।'

'क्या उसने आपसे कुछ कहा भी था?'

उस भली महिला के गालों पर हल्की-सी लाली दौड़ गयी।

'उसने हँस कर कुछ शब्द कहे थे। मैं—मैं उन्हें पूरी तरह पकड़ नहीं पायी।'

'और उसके बाद आपने क्या किया, मैडमोज़ेल?' पॉयरो ने होशियारी से उस विषय को छोड़कर आगे बढ़ते हुए कहा।

'मैं अमरीकी महिला, श्रीमती हबर्ड के पास अन्दर चली गयी। मैंने उनसे कुछ ऐस्पिरिन माँगी और उन्होंने मुझे दे दी।'

'क्या उन्होंने आपसे पूछा था कि क्या उनके और मिस्टर रैचेट के कमरे के बीच आने-जाने वाला दरवाज़ा बन्द था?'

'हाँ।'

'और क्या वह बन्द था?'

'हाँ।'

'और उसके बाद?'

'उसके बाद मैं अपने कूपे में जाती हूँ, ऐस्पिरिन खाती हूँ और लेट जाती हूँ।'

'यह सब कितने बजे की बात है?'

'जब मैं बिस्तर में लेटी तो ग्यारह बजने में पाँच मिनट बाकी थे, क्योंकि अपनी घड़ी को चाभी देने से पहले मैंने उसे देखा था।'

'क्या आपको जल्दी ही नींद आ गयी?'

'बहुत जल्दी नहीं। मेरा सिर पहले से ठीक हो गया था, लेकिन मैं कुछ देर तक जागती हुई लेटी रही।'

'क्या आपको नींद आने से पहले गाड़ी रुक गयी थी?'

'मेरा ऐसा ख़याल नहीं है। जहाँ तक मेरा ख़याल है हम ठीक उसी समय किसी स्टेशन पर रुके थे जब मेरी आँखें झपकने-झपकने को थीं।'

'वह विनकोव्की रहा होगा। अब आपका कूपे, मैडमोज़ेल, यह वाला है?' उन्होंने नक्शे पर इशारा किया।

'हाँ, यही है।'

'आपके पास ऊपर की बर्थ है या नीचे की?'

'नीचे की नम्बर 10।'

'और आप का कोई साथी भी था?'

'हाँ, एक जवान अंग्रेज़ महिला। बहुत अच्छी, बहुत मिलनसार। वह बगदाद से आ रही थी।'

'गाड़ी के विनकोव्की से चलने के बाद क्या वह कूपे के बाहर गयी थी?'

'नहीं, मुझे पक्का यक़ीन है, वह नहीं गयी।'

'अगर आप सो चुकी थीं तो इतने पक्के तौर पर कैसे कह सकती हैं?'

'मेरी नींद बहुत कच्ची है। मैं हल्की-सी आवाज़ पर जाग पड़ने की आदी हूँ। मुझे विश्वास है कि अगर वह ऊपर वाली बर्थ से नीचे उतरी होती तो मैं जग जाती।'

'क्या आप ख़ुद अपने कूपे के बाहर गयीं?'

'आज की सुबह तक नहीं।'

'क्या आपके पास लाल रंग का किमोनो है, मैडमोज़ेल?'

'नहीं तो। मेरे पास एक आरामदेह ऊनी ड्रेसिंग गाउन है, जेगर के कपड़े का।'

'हल्का बैंगनी लबादा जैसा पूरब में बिकता है।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। फिर उन्होंने दोस्ताना लहजे में कहा : 'आप यह सफ़र क्यों कर रही हैं? छुट्टियाँ मनाने के लिए?'

'हाँ, मैं छुट्टियों में घर जा रही हूँ, मगर पहले मैं लॉसान जा रही हूँ अपनी एक बहन के साथ हफ़्ता-दस दिन बिताने के लिए।'

'शायद आप इतनी मेहरबानी करेंगी कि अपनी बहन का नाम और पता लिख कर मुझे दे देंगी?'

'खुशी से।'

उसने वह काग़ज़ और पेन्सिल ली जो पॉयरो ने उसे दी और जैसा कहा गया था, नाम और पता लिख दिया।

'क्या आप कभी अमरीका में भी रही हैं, मैडमोज़ेल?'

'नहीं। एक बार बस जाते-जाते रह गयी। मुझे एक अपाहिज महिला के साथ जाना था, लेकिन आख़िरी वक़्त में वह रद्द हो गया। मुझे बहुत अफ़सोस हुआ। वे बहुत अच्छे लोग हैं, अमरीकी। वे स्कूल और हस्पताल कायम करने के लिए काफ़ी पैसे देते हैं। वे बहुत व्यावहारिक होते हैं।'

'क्या आपको आर्मस्ट्रॉन्ग अपहरण काण्ड के बारे में कुछ सुनने की याद है?'

'नहीं, क्या था वह?'

पॉयरो ने समझा कर बताया।

ग्रेटा ओह्लसन ग़ुस्से में आ गयी। उसकी भावनाओं में आये ज्वार के साथ उसका पीला जूड़ा भी थरथराने लगा।

'इस दुनिया में ऐसे बुरे लोग भी है! यह हमारे धर्म की परीक्षा लेता है। बेचारी माँ। मेरे दिल में उसके लिए दर्द उठता है।

भलमनसाहत से भरी स्वीडी महिला चली गयी—उसके सौम्य चेहरे पर लाली थी और आँखों में आँसू छलक आये थे।

पॉयरो काग़ज़ के एक सफहे पर लिखने में व्यस्त थे।

'यह क्या लिख रहे हो वहाँ, मेरे दोस्त?' मोसिए बोक ने पूछा।

'मेरी आदत है सुथरापन और तरतीब। मैं समय के हिसाब से घटनाओं की एक फ़ेहरिस्त बना रहा हूँ।'

उन्होंने लिखना ख़त्म करके काग़ज़ मोसिए बोक की तरफ़ बढ़ा दिया।

9.15 गाड़ी बेलग्रेड से रवाना होती है।

लगभग 9.40 निजी सेवक नींद की दवा रैचेट के पास रख कर उसे छोड़ आता है।

लगभग 10.00 मैक्वीन रैचेट के पास से आता है।

लगभग 10.40 ग्रेटा ओह्लसन रैचेट को देखती है (आख़िरी बार ज़िन्दा)।

नोट : वह जागा हुआ किताब पढ़ रहा था।

0.10 ट्रेन विनकोव्की से चलती है (विलम्ब से)।

0.30 गाड़ी बर्फ़ के तूफान में फँस जाती है।

0.37 रैचेट की घण्टी बजती है। कण्डक्टर जाता है। रैचेट कहता है 'माफ करना। गलती हो गयी।'

लगभग 1.17 श्रीमती हबर्ड सोचती है आदमी उसके कूपे में

है। कण्डक्टर को बुलाने के लिए घण्टी बजाती है।

मोसिए बोक ने समर्थन में सिर हिलाया।

'यह तो बहुत साफ़ है,' वे बोले।

'इसमें कोई ऐसी बात नहीं जो आपको ज़रा भी अजीब लगती हो?'

'नहीं, यह सब काफ़ी साफ़ और दुरुस्त जान पड़ता है। साफ़ लगता है कि जुर्म 1.15 पर हुआ। घड़ी का सबूत भी हमें यही बताता है और श्रीमती हबर्ड की कहानी भी इससे मेल खाती है। अपने मन की कहूँ, तो मैं हत्यारे की शिनाख़्त करने के लिए एक अटकल लगाऊँगा। मैं तो कहता हूँ, मेरे दोस्त, वह वही लम्बा-तड़ंगा इतालवी है। वह अमरीका का रहने वाला है—शिकागो का—और याद रखो इतालवी लोगों का हथियार चाकू होता है और वह एक बार नहीं, कई बार भोंकता है।'

'यह सच है।'

'बिना शक यही रहस्य का हल है। वह और यह रैचेट निस्सन्देह अपहरण के इस धन्धे में साथ-साथ थे। कसेटी इतालवी नाम है। किसी न किसी सूरत में रैचेट ने इसके साथ जिसे धोखा कहते हैं, वह किया। इतालवी उसे ढूँढ निकालता है, पहले चेतावनी के पत्र भेजता है और आख़िरकार बेरहमी से अपना बदला लेता है। सब कुछ इतना साफ़ है।'

पॉयरो ने शक से अपना सिर हिलाया।

'मुझे डर है कि यह मुश्किल से ही इतना सीधा-सरल कहा जा सकता है,' वे बुदबुदाये।

'मैं—मुझे विश्वास है कि यही सच है,' मोसिए बोक ने अपनी धारणा पर और भी मुग्ध होते हुए कहा।

'और उस निजी सेवक का क्या होगा जिसके दाँत में दर्द था

और जिसने कसम खायी कि इतालवी कभी कूपे के बाहर नहीं गया था।'

'वही मुश्किल है।'

पॉयरो ने शरारती अन्दाज़ में कहा :

'हाँ, खीझ पैदा करने वाली बात है वह। आपके अनुमान के लिए दुर्भाग्यपूर्ण और हमारे इतालवी दोस्त के लिए बेहद ख़ुशनसीबी कि रैचेट के निजी सेवक के दाँत में दर्द था।

'इसका भी समाधान निकल आयेगा,' मोसिए बोक ने भरपूर विश्वास से कहा।

पॉयरो ने फिर अपना सिर हिलाया।

'नहीं, वह उतना सीधा सरल नहीं है,' वे फिर बुदबुदाये।

अध्याय 6

रूसी राजकुमारी की गवाही

'आइए, सुनें इस बटन के बारे में पिएर मिशेल का क्या कहना है,' वे बोले।

कण्डक्टर को दोबारा बुलवाया गया। उसने सवालिया नज़रों से उनकी ओर देखा।

मोसिए बोक ने अपना गला साफ़ किया।

'मिशेल,' उन्होंने कहा, 'यह रहा तुम्हारी वर्दी का एक बटन। यह अमरीकी महिला के कूपे में पाया गया था। इसके बारे में तुम्हें अपने लिए क्या कहना है?'

कण्डक्टर का हाथ आप-से-आप अपनी वर्दी की तरफ़ चला गया।

'मेरा कोई बटन गुम नहीं हुआ है, मोसिए,' वह बोला। 'ज़रूर कोई गलती हुई है।'

'यह तो बड़ी अजीब बात है।'

'मैं इसके बारे में कोई जवाब नहीं दे सकता।'

कण्डक्टर चकित तो लगा, पर किसी भी नज़र से अपराधी या भरमाया हुआ नहीं जान पड़ा।

मोसिए बोक ने मानीखेज़ अन्दाज़ में कहा :

'जिस परिस्थिति में यह बटन पाया गया, उससे यह साफ़ था कि यह बटन उस आदमी ने गिराया होगा जो कल रात श्रीमती हबर्ड के कूपे में था जब उन्होंने घण्टी बजायी थी।'

'लेकिन मोसिए, वहाँ कोई नहीं था। महिला ने ज़रूर कल्पना की होगी।'

'उन्होंने कल्पना नहीं की थी मिशेल। मिस्टर रैचेट का हत्यारा उधर से गुज़रा और उसने यह बटन वहाँ गिरा दिया।'

जैसे ही मोसिए बोक के शब्दों की अहमियत उसके सामने साफ़ हुई, पिएर मिशेल तत्काल बेचैन और परेशान हो उठा।

'यह सच नहीं हैं, मोसिए, यह सच नहीं है!' वह चिल्लाया। 'आप मुझ पर उस अपराध का आरोप लगा रहे हैं। मुझ पर? मैं बेकसूर हूँ, बिलकुल बेकसूर हूँ। मैं ऐसे सज्जन की हत्या क्यों करना चाहूँगा जिसे मैं पहले कभी मिला नहीं?'

'जब श्रीमती हबर्ड की घण्टी बजी उस समय तुम कहाँ थे?'

'मैंने आपको बताया, मोसिए, अगले डिब्बे में अपने साथी से बातें का रहा था।'

'हम उसे बुलवायेंगे।'

'ज़रूर बुलवाइए, मोसिए, मैं बिनती करता हूँ, ज़रूर बुलवाइए।'

अगले डिब्बे के कण्डक्टर को बुलवाया गया। उसने फ़ौरन पिएर मिशेल की बातों की ताईद की। उसने यह भी कहा कि बुखारेस्ट जाने वाले डिब्बे का कण्डक्टर भी उस समय वहीं था। तीनों जने उस हालत के बारे में चर्चा कर रहे थे जो बर्फ़ ने पैदा कर दी थी। उन्होंने लगभग दसेक मिनट बात की होगी जब मिशेल को ऐसा लगा कि उसे घण्टी की आवाज़ सुनाई दी है। जैसे ही उसने दोनों डिब्बों के बीच का दरवाज़ा खोला था उन सभी ने उसे साफ़-साफ़ सुना था। बार-बार बजती हुई घण्टी की आवाज़। मिशेल उसके जवाब में भागता हुआ गया था।

'तो आप देख सकते हैं, मोसिए, कि मैं दोषी नहीं हूँ,' मिशेल चिन्ता भरे स्वर में चिल्लाया।

'और यह रेल कम्पनी के कण्डक्टर वाला बटन—इसके बारे में क्या सफ़ाई दोगे?

'मैं कोई सफ़ाई नहीं दे सकता, मोसिए। मेरे लिए भी रहस्य है। मेरे सभी बटन तो अपनी जगह हैं।'

बाकी दोनों कण्डक्टरों ने भी बताया कि उनका कोई बटन गुम नहीं हुआ था। यह भी कि वे किसी भी समय श्रीमती हबर्ड के कूपे में नहीं गये थे।

'अपने को शान्त करो, मिशेल,' मोसिए बोक ने कहा, 'और अपने दिमाग़ में उस पल का ख़याल करो जब तुम श्रीमती हबर्ड की घण्टी के जवाब में भाग कर गये थे। क्या तुम्हें गलियारे में कोई मिला था?'

'नहीं मोसिए।'

'क्या तुमने किसी को गलियारे में अपने से दूर दूसरी दिशा में जाते देखा था?'

'नहीं मोसिए।'

'बड़ा अजीब है,' मोसिए बोक बोले।

'इतना अजीब भी नहीं है,' पॉयरो ने कहा। 'सवाल समय का है। श्रीमती हबर्ड जाग कर पाती हैं कि उनके कूपे में कोई है। एक दो मिनट के लिए वे सुन्न लेटी रहती हैं, आँखें बन्द किये। शायद तभी वह आदमी खिसक कर गलियारे में चला गया। फिर वे घण्टी बजाना शुरू कर देती हैं। लेकिन कण्डक्टर फ़ौरन नहीं आता। उसे तीसरी या चौथी घनघनाहट ही सुनायी देती है। मैं तो ख़ुद यह कहूँगा कि काफ़ी समय था—'

'किस बात के लिए? किस बात के लिए मेरे भाई? याद रखो कि रेलगाड़ी के चारों तरफ़ बरफ़ के बड़े-बड़े अम्बार हैं।'

'हमारे रहस्यमय हत्यारे के सामने दो रास्ते खुले हैं,' पॉयरो ने धीरे-धीरे कहा। 'या तो वह किसी एक शौचालय में वापस जा सकता था या फिर किसी एक कूपे में गायब हो सकता था।'

'लेकिन वे सब तो भरे हुए हैं।'

'हाँ, है तो।'

'तुम्हारा मतलब है वह अपने कूपे में लौट सकता था?'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'यह सही बैठता है, सही बैठता है,' मोसिए बोक बुदबुदाये। 'कण्डक्टर की दस मिनट की नामौजूदगी में हत्यारा अपने कूपे से आता है, रैचेट के कूपे में जाता है, उसे मारता है, दरवाज़े में अन्दर से चिटखनी और ज़ंजीर लगा देता है, श्रीमती हबर्ड के कूपे के दरवाज़े से होकर बाहर निकलता है और जब तक कण्डक्टर आये वह सही सलामत लौटकर अपने कूपे में चला आता है।'

पॉयरो बुदबुदाये, 'यह इतना सीधा सरल नहीं है, मेरे दोस्त। हमारे मित्र, डॉक्टर साहब आपको यही बतायेंगे।'

मोसिए बोक ने एक इशारे से जाहिर किया कि तीनों कण्डक्टर

जा सकते हैं।

'हमें अब भी आठ मुसाफ़िरों से बात करनी है,' पॉयरो ने कहा। 'पाँच पहले दर्जे के मुसाफ़िर—राजकुमारी डेगोमिरॉफ, काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी, कर्नल आरबथनॉट और मिस्टर हार्डमैन। तीन दूसरे दर्जे के मुसाफ़िर—मिस डेबनेहेम, ऐन्टोनिया फॉस्कारेली और नौकरानी फाउलीन शिमट।'

'किसे देखोगे पहले—इतालवी को?'

'आप तो इतालवी के पीछे ही पड़ गये। नहीं, हम पेड़ की फुनगी से शुरू करेंगे। शायद राजकुमारी जी हमें अपने समय के कुछ पल देने की मेहरबानी करेंगी। यह सन्देशा उन्हें दे दो, मिशेल।'

'जी मोसिए,' मिशेल ने, जो उसी वक़्त डिब्बे के बाहर जा रहा था, कहा।

'उनसे कहा कि अगर वे यहाँ आने का कष्ट न करना चाहें तो हम उन्हीं के कूपे में आकर बात कर लेंगे,' मोसिए बोक ने पीछे से कहा।

लेकिन राजकुमारी ड्रैगोमिरॉफ ने यह रास्ता नामंजूर कर दिया। वे डाइनिंग-कार में प्रकट हुईं, अपने सिर को थोड़ा तिरछा किया और पॉयरो के सामने बैठ गयीं।

उनका छोटा-सा मेंढक सरीखा चेहरा पिछले दिन की बनिस्बत और भी पीला लग रहा था। वे यक़ीनन बदसूरत थीं लेकिन फिर भी मेंढक की तरह उनकी आँखें नगीनों की तरह चमकदार, काली और शाहाना थीं जिनके पीछे की छिपी ऊर्जा और मानसिक शक्ति का पता तत्काल चल जाता था।

उनकी आवाज़ गहरी, बहुत साफ़ और हलकी-सी खरखराहट से भरी थी। उन्होंने मोसिए बोक के लच्छेदार माफ़ीनामे की लफ़्फाजी को बीच ही में काट दिया।

'आपको माफ़ी माँगने की ज़रूरत नहीं, महाशय। मैं समझती हूँ कि एक हत्या हुई है और कुदरती बात है कि आप को सभी मुसाफ़िरों से पूछ-ताछ करनी है। जो भी मदद करना मेरी ताक़त में हुआ, मैं ज़रूर करूँगी।'

'आपकी बड़ी मेहरबानी है, मैडम,' पॉयरो ने कहा।

'कतई नहीं। यह फर्ज है। बताइए, आप क्या जानना चाहते हैं?'

'आपका पूरा नाम और पता, मैडम। शायद आप ख़ुद लिखना पसन्द करेंगी?'

पॉयरो ने काग़ज़ और पेन्सिल आगे बढ़ायी, लेकिन राजकुमारी ने उन्हें हाथ के इशारे से परे कर दिया।

'आप लिख लीजिए,' वे बोली, 'इसमें कोई मुश्किल नहीं है—नतालिया ड्रैगोमिरॉफ़, 17 क्लेबेर एवेन्यू, पैरिस।'

'आप कुस्तुन्तुनिया से वापस घर जा रही हैं, मैडम?'

'हाँ, मैं ऑस्ट्रियाई दूतावास में टिकी हुई थी। मेरी नौकरानी मेरे साथ है।'

क्या आप कल रात के खाने के बाद से अपनी आवा-जाही का एक संक्षिप्त ब्योरा मुझे देने की कृपा करेंगी?'

'ख़ुशी से। मैं डाइनिंग-कार ही में थी जब मैंने कण्डक्टर को हिदायत दी थी कि वह मेरा बिस्तर तैयार कर दे। खाने के बाद मैं फ़ौरन बिस्तर पर चली गयी। ग्यारह बजे तक मैं पढ़ती रही फिर मैंने बत्ती बुझा दी। मुझे जोड़ों के दर्द की वजह से, जिनकी मुझे तकलीफ़ है, सोने में दिक्कत हो रही थी। पौने एक बजे के करीब मैंने अपनी नौकरानी को बुलवाया। उसने मेरी मालिश की और ऊँचे स्वर में पढ़ती रही जब तक कि मुझे नींद नहीं आने लगी। मैं ठीक-ठीक नहीं बता सकती वह मेरे पास से कब गयी। हो सकता है आधे घण्टे बाद,

हो सकता है और बाद में।'

'उस समय रेलगाड़ी रुक गयी थी?'

'रेलगाड़ी रुक गयी थी।'

'आपने कुछ सुना तो नहीं—इस दौरान कुछ ग़ैरमामूली, मैडम?'

'मैंने कुछ भी ग़ैरमामूली नहीं सुना।'

'आपकी नौकरानी का क्या नाम है?'

'हिल्डेगार्ड श्मिट।'

'वह आपके साथ लम्बे समय से है?'

'पन्द्रह साल से।'

'आप उसे भरोसेमन्द मानती हैं?'

'बिलकुल। उसका परिवार जर्मनी में मेरे दिवंगत पति की एक रियासत का रहने वाला है।'

'आप अमरीका गयी हैं, मेरा ख़याल है, मैडम?'

विषय के इस अचानक परिवर्तन पर बूढ़ी राजकुमारी ने भँवे सिकोड़ीं।

'कई बार।'

'क्या किसी समय आर्मस्ट्रॉन्ग नामक परिवार से आपका कोई परिचय रहा—उस परिवार से जिसमें एक हादसा हुआ था?'

जवाब देते वक़्त बूढ़ी महिला की आवाज़ जज्बाती हो उठी : 'आप मेरे मित्रों की बात कर रहे हैं, मोसिए।'

'तो आप कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग को अच्छी तरह जानती थीं?'

'उनसे तो मेरा इतना परिचय नहीं था; लेकिन उनकी पत्नी सोनिया आर्मस्ट्रॉन्ग मेरी धर्म-पुत्री थी। उसकी माँ, अभिनेत्री लिण्डा आर्डेन से मेरा सहेलपना था। लिण्डा आर्डेन महान कलाकार थी, दुखभरी भूमिकाएँ निभाने वाली दुनिया की सबसे बड़ी अभिनेत्रियों

में से एक। लेडी मैक्बेथ की भूमिका में, माग्दा को किरदार में वह लाजवाब थी। मैं उसकी कला की प्रशंसक ही नहीं थी, बल्कि उसकी मित्र भी थी।'

'वे गुज़र गयी है?'

'नहीं, नहीं, ज़िन्दा है, लेकिन वह पूरी तरह अवकाश ले चुकी है। उसकी सेहत बहुत नाज़ुक है। ज़्यादातर वक़्त उसे सोफे पर लेटे रहना पड़ता है।'

'मेरे ख़याल में एक और बेटी भी थी?'

'हाँ, श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग से काफ़ी छोटी।'

'और वह जिन्दा है?'

'यक़ीनन।'

'वह कहाँ है?'

बूढ़ी महिला ने एक तीखी नज़र से पॉयरो को देखा।

'मुझे इन सवालों की वजह आपसे जाननी है, जनाब। इनका उस मामले से क्या ताल्लुक है जो अभी हमारे सामने है—रेलगाड़ी पर हुई इस हत्या से?'

'ताल्लुक यों है, मैडम, कि जिस आदमी की हत्या हुई है, वह श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की बच्ची के अपहरण और हत्या के लिए जिम्मेदार था।'

'ओह!'

सीधी भँवें सिकुड़ गयीं। राजकुमारी ट्रेगोमिरॉफ थोड़ा और तन गयीं।

'फिर तो मेरी नज़र में, यह हत्या तारीफ़ के क़ाबिल घटना है। आप मेरे इस थोड़े-से पक्षपात-भरे नजरिये को माफ़ करेंगे।'

'यह बिलकुल क़ुदरती है, मैडम। और अब अगर उस सवाल पर लौटें जिसका जवाब आपने नहीं दिया। लिण्डा आर्डेन की छोटी

बेटी, श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की बहन, कहाँ है?'

'मैं ईमानदारी से आपको नहीं बता सकती, मोसिए। नयी पीढ़ी से मेरा सम्पर्क टूट गया है। मेरा ख़याल है उसने कुछ साल पहले किसी अंग्रेज़ से शादी कर ली थी और इंग्लैण्ड चली गयी थी, लेकिन इस वक़्त मुझे उसका नाम याद नहीं आ रहा है।'

वे एक मिनट रुकी रही और फिर बोलीं : 'सज्जनों क्या आप मुझसे कुछ और पूछना चाहते हैं?'

'बस एक बात और, मैडम, किसी कदर एक निजी सवाल। आपके ड्रेसिंग गाउन का रंग।'

उन्होंने अपनी भँवें थोड़ा-सा चढ़ायीं।

'मैं यह मान कर चलती हूँ कि ऐसा सवाल पूछने का कोई कारण ज़रूर होगा आपके पास। मेरा ड्रेसिंग गाउन नीली साटिन का है।'

'और कुछ नहीं है, मैडम। मेरे सवालों का इतनी तत्परता से जवाब देने के लिए मैं आपका बहुत शुक्रगुज़ार हूँ, मैडम।'

उन्होंने ढेर सारी अँगूठियों से लैस अपने हाथ को हल्के से हिलाया।

फिर जैसे वे उठीं और दूसरे भी उनके साथ उठ खड़े हुए, वे रुक गयीं।

'आप मुझे माफ़ करेंगे, मोसिए,' वे बोलीं, 'लेकिन क्या मैं आपका नाम जान सकती हूँ? आपका चेहरा मुझे कुछ-कुछ पहचाना-सा लग रहा है।'

'मेरा नाम, मैडम, हरक्यूल पॉयरो है—आपकी सेवा में!'

वे एक मिनट ख़ामोश रहीं, फिर :

'हरक्यूल पॉयरो,' उन्होंने कहा। 'हाँ, अब मुझे याद आया। यही है नियति।'

वे मुड़ कर चल दीं, सीधी तनी हुई, अपनी हरकतों में थोड़े कड़ेपन के साथ।

'सचमुच शानदार महिला है,' मोसिए बोक ने कहा। 'तुम्हारा क्या ख़याल है इनके बारे में, दोस्त?'

लेकिन हरक्यूल पॉयरो ने महज़ सिर हिला दिया।

'मैं सोच रहा हूँ,' वे बोले, 'कि नियति से उनका क्या मतलब था।'

अध्याय 7

काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी की गवाही

इसके बाद काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी को बुलवाया गया। मगर काउण्ट अकेले ही डाइनिंग-कार में दाख़िल हुए।

इसमें कोई शक नहीं कि रू-ब-रू देखने पर वे एक सुदर्शन व्यक्ति थे। चौड़े कन्धे, पतली कमर और कम-से-कम छह फुट का कद। उन्होंने बेहतरीन सिला हुआ अंग्रेज़ी ट्वीड का लिबास पहन रखा था और अगर उनकी मूँछों की लम्बाई और गालों की हड्डी की रेखा में नामालूम-सा खम न होता तो उन्हें अंग्रेज़ ही समझ लिया जाता।

'तो सज्जनों,' वे बोले, 'बताइए, मैं क्या सेवा कर सकता हूँ आपकी?'

'आप यह तो समझ ही रहे हैं न, मोसिए,' पॉयरो ने कहा, 'कि जो घटित हुआ है, उसे नज़र में रखते हुए मुझे लाजिमी तौर पर सभी मुसाफ़िरों से कुछ ख़ास सवाल करने पड़ रहे हैं।'

'बिलकुल, बिलकुल,' काउण्ट ने इतमीनान से कहा। 'मैं

आपकी स्थिति बख़ूबी समझता हूँ। अलबत्ता, मुझे डर है कि मैं या मेरी बीवी आपकी कुछ ख़ास मदद नहीं कर पायेंगे। हम सोये हुए थे और हमने कुछ भी नहीं सुना।'

'क्या आपको मारे गये व्यक्ति का असली नाम मालूम है, मोसिए?'

'मेरे ख़याल में वही लम्बा-चौड़ा अमरीकी था—निहायत ही नागवार किस्म के चेहरे वाला। खाने के समय वह मेज़ पर बैठा रहता था।'

उन्होंने सिर की जुम्बिश से उस मेज़ की तरफ़ इशारा किया जिस पर रैचेट और मैक्वीन बैठे थे।

'हाँ, हाँ, मोसिए आप बिलकुल सही हैं। मेरा मतलब है क्या आपको उसके नाम के बारे में मालूम था?'

'नहीं।' पॉयरो के सवालों से काउण्ट बुरी तरी चकराये नज़र आ रहे थे।

'अगर आप उसका नाम जानना चाहें,' वे बोले, 'तो यक़ीनन वह उसके पासपोर्ट पर होगा ही।'

'उसके पासपोर्ट पर नाम है रैचेट,' पॉयरो ने कहा, 'लेकिन मोसिए, वह उसका असली नाम नहीं है। वह कसेटी है जो अमरीका में एक अपहरण के एक नामी काण्ड के लिए जिम्मेदार था।'

बोलते वक़्त वे काउण्ट के चेहरे को ग़ौर से देख रहे थे, लेकिन इस ख़बर से काउण्ट पर कोई ख़ास असर हुआ नहीं जान पड़ा। उन्होंने महज़ अपनी आँखें थोड़ा-सा खोलीं।

'आह!' वे बोले, 'इससे ज़रूर उस मामले पर रोशनी पड़ेगी। अद्भुत देश है अमरीका!'

'शायद आप वहाँ गये हैं, काउण्ट महाशय?'

'मैं साल भर वॉशिंग्टन में था।'

'शायद आप आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार को जानते रहे हों?'

'आर्मस्ट्रॉन्ग—आर्मस्ट्रॉन्ग—याद करना मुश्किल है—इतने सारे लोगों से मुलाकात होती रही।' वे कन्धे उचका कर मुस्करा दिये।

'लेकिन मौजूदा मामले की तरफ़ लौटें, सज्जनों,' उन्होंने कहा। 'आपकी मदद करने के लिए मैं और क्या कर सकता हूँ?'

'आप आराम करने के लिए कब गये, मोसिए?'

हरक्यूल पॉयरो ने अपने नक्शे पर एक चोर नज़र डाली। काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी अगल-बगल के कूपे नम्बर 12 और 13 में टिके हुए थे।

'हमने एक कूपे रात के लिए तभी तैयार कर लिया था जब हम डाइनिंग-कार में थे। वापस आने पर हम दूसरे में कुछ देर तक बैठे रहे।

'कौन-सा नम्बर था उसका?'

'नम्बर 13। हम कुछ देर साथ-साथ ताश खेलते रहे। लगभग ग्यारह बजे मेरी पत्नी सोने चली गयी। कण्डक्टर ने मेरा कूपे भी तैयार कर दिया और मैं भी सोने चला गया। सुबह तक मैं गहरी नींद सोता रहा।'

'क्या आपने गाड़ी रुकने पर ग़ौर किया?'

'मुझे तो सुबह होने पर ही इस बात का पता चला।'

'और आपकी पत्नी?'

काउण्ट मुस्कराये।

'मेरी पत्नी सफ़र करते समय हमेशा रात को सोने की दवा लेती है। उसने ट्रायोनल की अपनी ख़ुराक पी थी।'

वे रुके।

'मुझे अफ़सोस है, मैं किसी भी तरह आपकी मदद नहीं कर पा रहा हूँ।'

पॉयरो ने उन्हें एक काग़ज़ और कलम थमाया।

'शुक्रिया, काउण्ट महोदय। यह महज़ औपचारिकता है मगर क्या आप मुझे अपना नाम और पता लिख देंगे?'

काउण्ट ने धीरे-धीरे और सावधानी से लिखा।

'यह अच्छा ही है कि मैं इसे आपको लिख कर दे दूँ,' उन्होंने ख़ुशमिज़ाजी से कहा। 'मेरी रियासत का नाम लिखना उन लोगों के लिए थोड़ा मुश्किल है जो इस भाषा से परिचित नहीं हैं।'

उन्होंने काग़ज़ पॉयरो की तरफ़ बढ़ा दिया और उठे।

'मेरी बीवी के लिए यहाँ आना ग़ैरज़रूरी ही होगा,' उन्होंने कहा, 'वह आपको उससे ज़्यादा कुछ नहीं बता पायेगी जो मैंने बताया है।'

पॉयरो की आँखों में एक चमक आ गयी।

'बेशक, बेशक,' वे बोले। 'लेकिन फिर भी मेरा ख़याल है कि मैं मैडम काउण्टेस से दो-चार बातें ज़रूर करना चाहूँगा।'

'मैं आपको यक़ीन दिलाता हूँ यह बिलकुल ग़ैरज़रूरी है।'

उनकी आवाज़ में रोब-दाब की गूँज थी।

पॉयरो ने नरमी से उन्हें देखकर आँखें झपकायीं।

'वह महज़ औपचारिकता होगी,' उन्होंने कहा, 'लेकिन आप समझिए, यह मेरी रिपोर्ट के लिए ज़रूरी है।'

'जैसी आपकी मर्ज़ी।'

काउण्ट ने बेमन से रज़ामन्दी जाहिर की। फिर हल्के-से विदेशी अभिवादन के साथ वे डाइनिंग-कार से चले गये।

पॉयरो ने अपना हाथ एक पासपोर्ट की तरफ़ बढ़ाया। उसमें काउण्ट का नाम और खिताब दर्शाये गये थे। वे इससे आगे की जानकारी की तरफ़ मुसातिब हुए—पत्नी के साथ। नाम एलीना मारिया; विवाह-पूर्व कुल का नाम गोल्डेनबर्ग; उमर बीस वर्ष। उस पर किसी लापरवाह अधिकारी ने कुछ समय पहले कोई चिकना

धब्बा लगा दिया था।

'कूटनीतिक पासपोर्ट है,' मोसिए बोक ने कहा। 'हमें सावधान रहना चाहिए, मेरे दोस्त, कि हम नाराजगी का कोई कारण न दें। हत्या से इन लोगों का कोई सम्बन्ध नहीं हो सकता।'

'इतमीनान रखिए, भाई, मैं बहुत होशियारी से काम लूँगा। महज़ औपचारिकता है।'

उनकी आवाज़ अचानक मद्धम हो गयी जैसे ही उन्होंने काउण्टेस आन्द्रेन्यी को डाइनिंग-कार में दाख़िल होते देखा वे कुछ भयभीत-सी और बेहद आकर्षक लग रही थीं।

'आप मुझसे मिलना चाहते थे सज्जनों?'

'महज़ औपचारिकता, मैडम काउण्टेस।' पॉयरो अदब से उठे और झुक कर उन्होंने काउण्टेस के लिए अपने सामने की सीट पर बैठने का प्रबन्धक किया। 'सिर्फ़ आपसे यह पूछने के लिए कि आपने कल रात कुछ ऐसा देखा या सुना जो इस मामले पर रोशनी डाल सके?'

'कुछ भी नहीं, मोसिए। मैं सो रही थी।'

'आपने, मिसाल के लिए, अपने बगल के कूपे में चल रहा हँगामा नहीं सुना? उसमें जो अमरीकी महिला टिकी हुई हैं उन्हें तो घबराहट का काफ़ी दौरा-सा पड़ा और उन्होंने घण्टी बजा कर कण्डक्टर को भी बुलवाया था।'

'मैंने कुछ नहीं सुना, महाशय। बात यह है कि मैंने नींद की दवा ली हुई थी।'

'आह! मैं समझा। ख़ैर, मुझे आपको और रोकने की ज़रूरत नहीं।' फिर, जैसे ही वह तेज़ी से उठी, 'बस एक मिनट मैडम—ये ब्योरे—आपका शादी से पहले का नाम, उमर, आदि—ये सब सही हैं?'

'जी, बिलकुल सही हैं, मोसिए।'

'तब शायद आप इस काग़ज़ पर हस्ताक्षर कर देंगी।'

उन्होंने जल्दी से हस्ताक्षर किये, सुन्दर, तिरछी लिखावट थी। एलीना आन्द्रेन्यी।

'क्या आप अपने पति के साथ अमरीका गयी थीं, मैडम?'

'नहीं, मोसिए,' वे मुस्करायीं और हल्का-सा लाल हो गयीं। 'हम तब शादी शुदा नहीं थे, हमारी शादी को अभी साल भर ही हुआ है।'

'ओह, हाँ! शुक्रिया, मैडम। अच्छा, यह बताइए, क्या आपके पति तम्बाकू पीते हैं?'

'हाँ।'

'पाइप?'

'नहीं, सिगरेट और सिगार।'

'आह। शुक्रिया।'

वे रुकी रहीं, उनकी आँखें उत्सुकता से पॉयरो को देखती रहीं। सुन्दर आँखें थीं वे, गहरी और बादामों जैसी, घनी लम्बी बरौनियों वाली जो उनके गालों की मोहक रंगत की बुहारती-सी लगतीं। उनके होंट, विदेशी-चलन में, काफ़ी लाल, हल्के-से खुले थे। वे विदेशी और ख़ूबसूरत लगती थीं।

'आपने मुझसे यह क्यों पूछा?'

'मैडम,' पॉयरो ने हवा में हाथ लहराया, 'जासूसों को तरह-तरह के सवाल पूछने पड़ते हैं। मिसाल के लिए, क्या आप मुझे अपने ड्रेसिंग गाउन का रंग बताना चाहेंगी?'

वे पॉयरो को एकटक देखती रहीं। फिर हँस दीं।

'मक्के के रंग का है, शिफॉन का बना। क्या यह सचमुच ज़रूरी है?'

'बहुत ज़रूरी, मैडम।'

उन्होंने उत्सुकता से पूछा :

'तो आप सचमुच जासूस हैं?'

'आपकी सेवा में हाज़िर हूँ, मैडम।'

'मेरा ख़याल था कि रेलगाड़ी पर कोई जासूस नहीं था, जब वह यूगोस्लाविया से होकर गुजर रही थी—जब तक इटली न पहुँच जाती।'

'मैं यूगोस्लाविया का जासूस नहीं हूँ, मैडम। मैं अन्तर्राष्ट्रीय जासूस हूँ।'

'आप राष्ट्रों के संगठन से ताल्लुक रखते हैं?'

'मैं दुनिया से ताल्लुक रखता हूँ, मैडम,' पॉयरो ने नाटकीय अन्दाज़ में कहा। वे आगे कहते गये, 'मैं मुख्य रूप से लन्दन में काम करता हूँ। आप अंग्रेज़ी बोल लेती हैं?' पॉयरो ने फ्रान्सीसी से अंग्रेज़ी में पलटते हुए कहा।

'हाँ, तोड़ा-तोड़ा बोलती हूँ, हाँ।'

उनका लहजा बड़ा प्यारा था।

पॉयरो एक बार फिर झुके।

'हम अब आपको और नहीं रोकेंगे, मैडम। आपने देखा, यह इतना भयंकर नहीं था।'

वे मुस्करायीं, सिर को तिरछा किया और चली गयीं।

'ख़ूबसूरत महिला है,' मोसिए बोक ने प्रशंसा-भरे लहजे में कहा। उन्होंनें साँस भरी।

'ख़ैर, इससे हम ज़्यादा आगे नहीं बढ़े।'

'नहीं,' पॉयरो ने कहा। 'दो लोग जिन्होंने न कुछ देखा, न सुना।'

'क्या अब इतालवी को बुलवाया जाए?'

'पॉयरो ने क्षण भर जवाब नहीं दिया। वे एक हंगेरियाई कूटनीतिक पासपोर्ट पर चिकनाई के धब्बे को ग़ौर से देख रहे थे।

अध्याय 8

कर्नल आरबथनॉट की गवाही

पॉयरो हल्के-से चौंक कर होश में आये। मोसिए बोक की उत्सुक नज़रों से नज़रें मिलाते ही उनकी आँखों में थोड़ी-सी चमक कौंध गयी।

'आह! मेरे मित्र,' वे बोले, 'मैं अब जिसे वे कहते हैं ऊँची नाक वाला, वह बन गया हूँ। सो मेरे ख़याल में अव्वल दर्जे वालों को दूसरे दर्जे वालों से पहले मिलना चाहिए। अगला आदमी जिससे हम मिलेंगे, वे हैं ख़ुशशक्ल कर्नल आरबथनॉट।'

कर्नल की फ्रान्सीसी को बेहद टूटी-फूटी पाने पर पॉयरो ने अपनी सारी पूछ-ताछ अंग्रेज़ी ही में की।

आरबथनॉट का नाम, उमर, घर का पता और सही फौजी ओहदा—सब हासिल कर लेने के बाद पॉयरो ने बात आगे बढ़ायी :

'आप हिन्दुस्तान से जिसे छुट्टी कहते हैं और हम इजाज़त, उस पर वापस घर आये हैं?'

कर्नल आरबथनॉट ने, जिन्हें इसमें रत्ती भर दिलचस्पी नहीं थी कि विदेशियों का यह जत्था किसी चीज़ को क्या कहता था, असली अंग्रेज़ी अन्दाज़ में बेहद संक्षिप्त जवाब दिया :

'हाँ।'

'लेकिन आप जहाज़ से वापस नहीं आये?'

'नहीं।'

'क्यों'

'मैंने कुछ अपने कारणों से थल मार्ग से आने का फैसला किया।'

उनका लहजा और अन्दाज़ कुछ ऐसा था कि लो, दखलन्दाज़ी करने वाले बेवकूफ़ों, अब कर लो बात।

'आप हिन्दुस्तान से सीधे आ रहे हैं?'

कर्नल ने रुखे सूखे ढंग से जवाब दिया :

'मैं एक रात चैल्डीज़ के ऊर को देखने के लिए रुका था और तीन दिन बागदाद में उपसेनापति के साथ जो मेरे पुराने मित्र हैं।'

'आप तीन दिन बग़दाद में रुके। मेरी जानकारी में वे जवान अंग्रेज़ महिला मिस डेबनहैम भी बग़दाद से आ रही हैं। शायद आप वहाँ उनसे मिले?'

'नहीं, मैं सबसे पहले मिस डेबनहैम से तब मिला जब हम किर्कुक से निसिबिन तक एक रेल कम्पनी की एक ही गश्ती गाड़ी में आये थे।'

पॉयरो आगे को झुके और उनके लहजे में कुछ अधिक अनुरोध आ गया और उनका अन्दाज़ भी ज़रूरत से ज़्यादा विदेशियों सरीखा हो गया।

'मोसिए, मैं अब आपसे एक अनुरोध करने जा रहा हूँ। रेलगाड़ी पर आप और मिस डेबनहैम ही दो अंग्रेज़ हैं। यह ज़रूरी हो गया है कि मैं आप दोनों से एक-दूसरे के बारे में आपकी राय जान लूँ।'

'बहुत नावाजिब है,' कर्नल आरबथनॉट ने सर्द लहजे में कहा।

'ऐसा नहीं है। देखिए, यह अपराध, इसे बहुत करके एक औरत ने किया था। उस आदमी को बारह बार चाकू भोंका गया।

गाड़ी के गार्ड ने भी फ़ौरन कहा, ''औरत का काम है।'' तो फिर मेरा पहला फ़र्ज़ क्या है? इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे में सफ़र कर रही सब औरतों की जिसे अमरीकी कहते हैं, ''झाड़ा तलाशी लेना।'' लेकिन किसी अंग्रेज़ महिला के बारे में राय कायम करना मुश्किल है। वे बहुत संकोची होते हैं, अंग्रेज़ लोग। इसलिए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ, मोसिए, न्याय के हित में। कैसी हैं ये मिस डेबनहैम, एक व्यक्ति के तौर पर? आप उनके बारे में क्या जानते हैं?'

'मिस डेबनहैम,' कर्नल ने थोड़ी गर्मजोशी से कहा, 'एक भद्र महिला हैं।'

'आह!' पॉयरो ने हर लिहाज से यह प्रदर्शित करते हुए कहा कि उन्हें बहुत सन्तोष हुआ है। 'तो आपके ख़याल में इस अपराध से उनका कोई सम्बन्ध नहीं हो सकता?'

'यह ख़याल ही बेतुका है,' आरबथनॉट ने कहा। 'वह आदमी पूरी तरह अजनबी था—मिस डेबनहैम ने उसे पहले कभी देखा भी नहीं था।'

'क्या उन्होंने आपको ऐसा बताया?'

'बताया। उन्होंने फ़ौरन उस आदमी की किसी कदर नापसन्द चाल-ढाल और शक्ल पर टिप्पणी की थी। अगर सचमुच किसी औरत का हाथ है जैसा कि आपका ख़याल जान पड़ता है (मेरे हिसाब से बिना किसी सबूत के, महज़ फ़र्ज़ी तौर पर) तो मैं आपको इत्मीनान दिला सकता हूँ कि मिस डेबनहैम इस जुर्म से किसी तरह नहीं जोड़ी जा सकतीं।'

'आप इस मामले में बड़ा लगाव महसूस करते हैं,' पॉयरो ने मुस्कान के साथ कहा। कर्नल आरबथनॉट ने सर्द निगाहों का एक तीर उनकी तरफ़ फेंका।

'मुझे सचमुच पता नहीं आपका मतलब क्या है,' वे बोले।

ऐसा लगा कि उस निगाह से पॉयरो कुछ हतप्रभ हुए। उन्होंने नज़रें नीची कर लीं और अपने सामने रखे काग़ज़ों को उलटने पलटने लगे।

'यह सब तो चलते-चलाने की बात हैं,' वे बोले, 'आइए अब मतलब की बात करें और सच्चाई पर नज़र डालें। यह अपराध, हमें ऐसा मानने का कारण है, कल रात सवा एक बजे घटित हुआ। यह आवश्यक खाना-पूरी का हिस्सा है कि हम रेलगाड़ी पर हरेक से पूछें कि वह उस वक़्त क्या कर रहा था या कर रही थी।'

'ठीक ही है। सवा एक बजे, जहाँ तक मुझे याद है, मैं उस अमरीकी नौजवान से बात कर रहा था—मरे हुए आदमी के सेक्रेटरी से।'

'आह! क्या आप उसके कूपे में थे या वह आपके कूपे में?'

'मैं उसके कूपे में था।'

'हाँ।'

'क्या वह आपका मित्र या परिचित था?'

'नहीं इस सफ़र से पहले मैंने उसे कभी नहीं देखा था। कल हम यूँ ही बातें करने लगे और दोनों की दिलचस्पी जाग गयी वैसे मुझे अमरीकी पसन्द नहीं हैं—मेरे किसी काम नहीं आते—'

पॉयरो 'अंग्रेज़ों' के बारे में मैक्वीन की टिप्पणी को याद करके मुस्कराये।

'लेकिन मुझे यह नौजवान पसन्द आया। उसने हिन्दुस्तान की हालत के बारे में कुछ बेवकूफाना ख़याल कहीं से बटोर लिये हैं; अमरीकियों में यही सबसे बड़ी खराबी है—वे इतने भावुक और आदर्शवादी होते हैं। ख़ैर, मेरे पास उसे बताने के लिए जो था उसमें उसे दिलचस्पी थी। मुझे उस मुल्क का तीस साल का तजुरबा है। और वह मुझे जो कुछ अमरीका की आर्थिक स्थिति के बारे में बता

सकता था, उसमें मेरी दिलचस्पी थी। फिर हम सामान्य तौर पर विश्व की राजनीति पर चले आये। मैंने अपनी घड़ी देख कर जब यह पाया कि पौने दो बज गये थे तो मुझे बड़ी हैरत भी हुई थी।'

'यही वह समय था जब आपने यह बातचीत खत्म की?'

'हाँ।'

'फिर आपने क्या किया?'

'अपने कूपे में जाकर सो गया।'

'आपका बिस्तर तैयार था?'

'हाँ।'

'यही है वह कूपे—देखूँ तो—नम्बर 15—डाइनिंग कार की तरफ़ से आये तो आख़िर वाले से एक कूपे पहले वाला?'

'हाँ।'

'जब आप अपने कूपे में गये तो कण्डक्टर कहाँ था?'

'आख़िर में एक छोटी-सी मेज़ के सामने बैठा था। बल्कि, जैसे ही मैं अपने कूपे में गया, मैक्वीन ने उसे बुलाया।'

'उन्होंने उसे क्यों बुलाया?'

'उसका बिस्तर बिछाने के लिए, मेरे ख़याल से। उसका कूपे रात के लिए तैयार नहीं किया गया।'

'अब कर्नल आरबथनॉट, मैं चाहता हूँ, आप ध्यान से सोचें। जिस दौरान आप मैक्वीन से बात कर रहे थे, क्या कोई दरवाज़े के बाहर गलियारे में गुज़रा था?'

'काफ़ी सारे लोग, मेरे ख़याल में। मैं ध्यान नहीं दे रहा था।'

'आह! लेकिन मैं तो—यों कहिए कि आपकी बातचीत के आख़िरी डेढ़ घण्टे के बारे में पूछ रहा था। आप विनकोव्की पर तो प्लेटफार्म पर उतरे थे न?'

'हाँ, लेकिन बस मिनट भर के लिए। बर्फ़ीला तूफ़ान चल रहा

था। सर्दी भयंकर थी। आदमी अन्दर की गर्मी में आकर शुक्रगुजार महसूस करता था, हालाँकि उसूली तौर पर मेरे ख़याल में जिस तरह ये गाड़ियाँ ज़रूरत से ज़्यादा गर्म रखी जाती हैं, वह काबिले-ऐतराज़ है।'

मोसिए बोक ने लम्बी साँस ली।

'सब को ख़ुश रखना कितना मुश्किल है,' वे बोले। 'अंग्रेज़—वे सब कुछ खोल देते हैं—फिर दूसरे—वे आते हैं और सब कुछ बन्द कर देते हैं। बड़ा मुश्किल है।'

न पॉयरो ने और न ही कर्नल आरबाथनॉट ने उन्हें कोई तवज्जो दी।

अब मोसिए, पीछे झाँक कर देखिए,' पॉयरो ने हौसला बढ़ाने वाले अन्दाज़ में कहा 'बाहर सर्दी थी। आप गाड़ी में लौट आये हैं। आप फिर बैठ जाते हैं और आप धूम्रपान करते हैं—शायद सिगरेट, शायद पाइप—'

वे क्षणांश के लिए रुके।

'पाइप पीता हूँ मैं तो। मैक्वीन सिगरेट पीता है।'

'गाड़ी दोबारा चलती है। आप अपनी पाइप पीते हैं। आप यूरोप की—दुनिया की—हालत की चर्चा करते हैं। अब तक काफ़ी रात हो गयी है। ज़्यादातर लोग रात भर के लिए विदा हो चुके हैं। क्या कोई दरवाज़े के सामने से गुजरता है—सोचिए?'

आरबथनॉट ने याद करने की कोशिश में चेहरे को सिकोड़ा।

'कहना मुश्किल है,' उन्होंने कहा। 'बात यह है, उधर मैं कोई ध्यान नहीं दे रहा था।'

'लेकिन आपके पास फौजियों की ब्योरे दर्ज करने वाली ख़ूबी है। कहा जाय कि आप ध्यान दिये बिना ध्यान देते हैं।

कर्नल ने फिर सोचा, लेकिन सिर हिला दिया।

मुझे किसी के गुजरने की याद नहीं है।

'कह नहीं सकता। मुझे किसी के गुजरने की याद नहीं है। सिवा कण्डक्टर के। एक मिनट रुकिए—और शायद एक औरत भी, मेरे ख़याल में।

'आपने उसे देखा था? क्या वह उमरदार थी—जवान थी?'

'देखा नहीं उसे। उस तरफ़ नज़र नहीं थी। महज़ एक सरसराहट और इत्र की गन्ध।'

'इत्र? अच्छे क़िस्म का इत्र?'

'कुछ-कुछ फलों जैसा, अगर आप मेरा मतलब समझ पायें। मेरा मतलब है आप उसे सौ गज से सूँघ सकते हैं। लेकिन ध्यान रखिए,' कर्नल ने जल्दी से आगे कहा, 'यह शाम को कुछ पहले भी हुआ हो सकता है। आप समझे; जैसा आपने अभी कहा, यह उस तरह की चीज़ हैं जिस पर आप ध्यान न देते हुए ध्यान देते हैं। उस शाम किसी समय मैंने ख़ुद से कहा—''औरत-इत्र-काफ़ी डट कर लगाया हुआ।'' लेकिन यह कब की बात है, मुझे पक्का नहीं है, सिवा इसके कि—अरे हाँ, यह विनकोव्की के बाद ही की बात होगी।'

'क्यों?'

'क्योंकि मुझे नाक से साँस सुड़कने की याद है—समझे आप—ठीक उस समय जब मैं इस बारे में बात कर रहा था कि स्टालिन की पंचवर्षीय योजना कैसी बेकार साबित हो रही थी। मुझे पता है कि यह ख़याल—औरत—रूस में औरतों की स्थिति को मेरे दिमाग़ में ले आया था। और मुझे मालूम है कि रूस के बारे में हम तब तक नहीं पहुँचे थे जब तक हमारी बातचीत लगभग खत्म होने के करीब थी।'

'आप इससे ज़्यादा निश्चित तौर पर इसे नहीं बता सकते?'

'न—नहीं। यह ज़रूरी आख़िरी आधे घण्टे के दौरान किसी

समय हुआ होगा।'

'गाड़ी के रुकने के बाद?'

कर्नल ने सिर हिलाया।

'हाँ, मुझे करीब-करीब यक़ीन है, उसी समय की बात है।'

'ख़ैर, हम इससे आगे बढ़ेंगे। क्या आप कभी अमरीका गये हैं, कर्नल आरबथनॉट?'

'कभी नहीं। जाना भी नहीं चाहता।'

'क्या आप कभी एक कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग को जानते थे?'

'आर्मस्ट्रॉन्ग—आर्मस्ट्रॉन्ग—दो या तीन आर्मस्ट्रॉन्ग मेरे जानने वालों में रहे हैं। टॉमी आर्मस्ट्रॉन्ग था—साठवीं बटालियन में—उससे तो आपका मतलब नहीं? और सेल्बी आर्मस्ट्रॉन्ग—वह फ्रान्स में मारा गया था।'

'मेरा मतलब है वे कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग जिनकी अमरीकी पत्नी थी और जिनकी एकमात्र बेटी का अपहरण करके उसे मार दिया गया था।'

'हाँ, हाँ, मुझे उसके बारे में पढ़ना याद है—चौंका देने वाली घटना थी। मुझे नहीं लगता कि कभी उससे मेरी मुलाकात हुई थी, हालाँकि निश्चय ही मैं उसके बारे में जानता था। टोबी आर्मस्ट्रॉन्ग। अच्छा बन्दा था। सब पसन्द करते थे उसे। नाम कमाया था उसने। विक्टोरिया क्रॉस मिला था।'

'जो आदमी कल रात मारा गया वही कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग की बच्ची की हत्या के लिए ज़िम्मेदार था।'

आरबथनॉट का चेहरा किसी कदर संजीदा और सख़्त हो गया।

'तब मेरी राय में उस सूअर का जो हश्र हुआ, वह उसी के क़ाबिल था। हालाँकि मैं तो उसे सही ढंग से फाँसी पर लटकाया

जाना पसन्द करता—या वहाँ अमरीका में—बिजली से मौत की सज़ा देना।'

'तो दरअसल कर्नल आरबथनॉट आप निजी बदला चुकाने की बजाय कानून-व्यवस्था पसन्द करते हैं।'

'भई, यह तो हो नहीं सकता कि कॉर्सिकावासियों या माफ़िया की तरह पुश्तैनी लड़ाइयाँ और एक-दूसरे को चाकू भोंकने के मामले होते रहें; कर्नल बोले। 'आप जो भी कहें अदालती कार्रवाई सबसे अच्छा तरीका है।'

पॉयरो उनकी तरफ़ दो-एक मिनट तक सोचते हुए अन्दाज़ में देखते रहे।

'हाँ,' उन्होंने कहा। 'मुझे यक़ीन है यही आप का नजरिया होगा। ख़ैर, कर्नल आरबथनॉट, मेरे ख़याल में, मुझे आपसे और कुछ नहीं पूछना है। क्या आप ख़ुद कल रात के सिलसिले में ऐसा कुछ भी नहीं याद कर सकते जो आपको सन्दिग्ध लगी हो—या कहा जाये कि अब पीछे मुड़कर देखने पर लग रही हो?'

आरबथनॉट पल-दो पल सोचते रहे।

'नहीं,' उन्होंने कहा। 'कुछ भी नहीं। अगर—' वे हिचके।

'हाँ, हाँ, कहिए, कहिए।'

'ख़ैर, यह दरअसल कुछ नहीं है,' कर्नल ने धीरे-धीरे कहा। 'लेकिन आपने कुछ भी कहा था।'

'हाँ, हाँ, जारी रहिए।'

'और, यह कुछ ख़ास नहीं है। महज़ एक छोटा-सा ब्योरा। लेकिन जैसे ही मैं वापस अपने कूपे पर पहुँचा, मैंने ग़ौर किया कि मेरे कूपे के आगे वाले कूपे का दरवाज़ा—आख़िरी वाला, आप समझे—'

'हाँ, हाँ, नम्बर 16,'

'हाँ, तो उसका दरवाज़ा पूरी तरह बन्द नहीं था। और अन्दर जो बन्दा था उसने लुक-छिप कर देखने वाले अन्दाज़ में बाहर झाँका। फिर उसने जल्दी से दरवाज़ा बन्द कर लिया। बेशक, मुझे मालूम है, इसमें कोई ऐसी बात नहीं है—लेकिन वह मुझे कुछ अजीब-सा लगा। मेरा मतलब है अगर आप कुछ देखना चाहते हैं तो दरवाज़ा खोल कर सिर बाहर को निकालना आम बात है। लेकिन जिस गुपचुप तरीके से उसने यह किया, उसने मेरा ध्यान खींच लिया था।'

'अच्छा—,' पॉयरो ने सन्देह-भरे लहजे में कहा।

'मैंने आपसे कहा न, उसमें कोई ख़ास बात नहीं है,' आरबथनॉट ने माफ़ी-सी माँगते हुए कहा। 'लेकिन आप समझ ही सकते हैं—देर रात का समय—हर चीज़ बिलकुल शान्त—उस हरकत में कुछ रहस्यमय-सा था—जासूसी कहानी की तरह। वैसे, दरअसल, सब बकवास।'

वे उठे।

'ख़ैर, अगर अब आपको मेरी ज़रूरत नहीं—'

'शुक्रिया कर्नल आरबथनॉट, और कुछ नहीं है।'

कर्नल एक मिनट के लिए हिचके। 'विदेशियों' द्वारा की जाने वाली पूछ-ताछ को लेकर उनकी पहली-पहली नापसन्दगी गायब हो गयी थी।

'मिस डेबनहैम के बारे में,' उन्होंने अटपटे ढंग से कहा, 'आप मेरी बात पर यक़ीन करें कि वे सही हैं। वे पक्का साहब हैं।'

थोड़ा लाल होते हुए वे चले गये।

'यह बताइए,' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने उत्सुकता से पूछा, 'पक्का साहब का क्या मतलब है?'

'इसका मतलब है,' पॉयरो ने कहा, 'कि मिस डेबनहैम के पिता और भाई उसी तरह के स्कूल में थे जिसमें कर्नल आरबथनॉट

थे।'

'ओह!' निराश स्वर में डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'फिर इसका तो जुर्म से कुछ लेना-देना नहीं है।'

'बिलकुल,' पॉयरो ने कहा।

वे सोच में डूब गये, मेज़ पर उँगलियों से ठकठकाते हुए। फिर उन्होंने आँखें उठायीं।

'कर्नल आरबथनॉट पाइप पीते हैं,' उन्होंने कहा। 'मोसिए रैचेट के कूपे में मुझे एक पाइप साफ़ करने वाला मिला था। मोसिए रैचेट सिर्फ़ सिगार पीते थे।'

'आपका ख़याल है—?'

'अभी तक यही हैं जिन्होंने पाइप पीने की बात मानी है। और उन्हें कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग के बारे में मालूम था—शायद सचमुच परिचय भी था हालाँकि वे इसे स्वीकार नहीं कर रहे।'

'तो आपके ख़याल में यह सम्भव है कि—'

पॉयरो ने ज़ोर से सिर हिलाया।

'यह तो मामला है—यह असम्भव है—बिलकुल असम्भव है—कि एक इज़्ज़तदार, थोड़ा-सा बेवकूफ़, ईमानदार अंग्रेज़ किसी दुश्मन को बारह बार चाकू भोंके! क्या आपको यह महसूस नहीं होता मित्रों कि यह कितना असम्भव है?'

'मनोविज्ञान तो यही कहता है,' मोसिए बोक ने कहा।

'और हमें मनोविज्ञान का आदर करना चाहिए। इस जुर्म का एक हस्ताक्षर है और वह यक़ीनन कर्नल आरबथनॉट का हस्ताक्षर नहीं है। और अब हमारी अगली पूछ-ताछ।'

इस बार मोसिए बोक ने इतालवी का ज़िक्र नहीं किया। लेकिन उन्होंने उसके बारे में सोचा ज़रूर।

अध्याय 9

मिस्टर हार्डमैन की गवाही

पहले दर्जे के आख़िरी मुसाफ़िर जिनसे पूछ-ताछ हुई—मिस्टर हार्डमैन—वही लम्बे-चौड़े, भड़कीले अमरीकी थे जो इतालवी आदमी और रैचेट के निजी सेवक के साथ-साथ खाने की एक ही मेज़ पर बैठे थे।

उन्होंने किसी कदर चटक चारखाने का सूट और गुलाबी कमीज पहनी हुई थी और भड़कीला टाई-पिन लगाया हुआ था और डाइनिंग-कार में दाख़िल होते समय वे अपनी जबान से मुँह में किसी चीज़ के इधर-उधर ठेल रहे थे। उनका बड़ा-सा चेहरा माँसल था, नख-शिख मोटे और हाव-भाव में ख़ुशमिजाजी।

'गुड मॉर्निंग, जेन्टलमेन,' उन्होंने कहा। 'मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ?'

'आपने इस हत्या के बारे में सुन लिया है, मिस्टर—हार्डमैन?'

'बिलकुल।'

उन्होंने अपने मुँह में च्यूइंग गम को दक्षता से पपोला।

'हम लाजिमी तौर पर रेलगाड़ी के सभी मुसाफ़िरों से पूछ-ताछ कर रहे हैं।'

'मेरे हिसाब से सही है यह। ख़याल यही है कि इस काम को करने का सिर्फ़ यही तरीका है।'

पॉयरो ने अपने सामने रखे पासपोर्ट पर नज़र डाली।

'आप सायरस बेथमैन हार्डमैन हैं, अमरीकी नागरिक, उम्र इकतालीस साल, टाइपराइटर के रिबनों के घुमन्तू विक्रेता?'

'ठीक, यह मैं ही हूँ।'

'आप इस्तम्बूल से पैरिस जा रहे हैं?'

'हाँ।'

'कारण?'

'व्यापार।'

'क्या आप हमेशा पहले दर्जे में सफ़र करते हैं, मिस्टर हार्डमैन?'

'जी महाशय। कम्पनी मेरी यात्रा का खर्च उठाती है।'

उन्होंने एक आँख दबायी।

'अब, मिस्टर हार्डमैन, हम कल रात की घटनाओं पर आते हैं।'

अमरीकी ने सिर हिलाया।

'आप हमें इस मामले में क्या बता सकते हैं?'

'दरअसल कुछ भी नहीं।'

'आह, यह अफ़सोस की बात है। मिस्टर हार्डमैन, शायद आप हमें ठीक-ठीक यह बताने की कृपा करेंगे कि कल रात आपने क्या किया—रात के खाने के बाद से?'

पहली बार अमरीकी सज्जन अपने जवाब के साथ तैयार नहीं लगे। आख़िरकार उन्होंने कहा :

'माफ़ कीजिए, सज्जनों, मगर आप लोग दरअसल हैं कौन? मुझे बताइए तो ज़रा।'

'ये मोसिए बोक हैं, रेल कम्पनी के एक निदेशक। और ये डॉक्टर हैं जिन्होंने लाश की जाँच की।'

'और आप ख़ुद?'

'मैं हरक्यूलस पॉयरो हूँ। मुझे कम्पनी ने इस मामले की तफ़्तीश का काम सौंपा है।'

'मैंने आपके बारे में सुना है,' मिस्टर हार्डमैन ने कहा। वे एक या दो मिनट सोचते रहे। 'लगता है आपको सब कुछ साफ़-साफ़ बता

देना बेहतर होगा।'

'निश्चय ही आपके लिये यही उचित होगा कि आप जो कुछ जानते हों, वह सब कुछ हमें बता दें,' पॉयरो ने सूखे अन्दाज़ में कहा।

'आपने बहुत कुछ कह डाला होता अगर मुझे कुछ सचमुच पता होता लेकिन मुझे नहीं हैं। मुझे कुछ भी नहीं पता है—कुछ भी नहीं—ठीक जैसा मैंने कहा। लेकिन मुझे कुछ जानना चाहिए था। यही है जिसकी वहज से मेरा पारा ऊपर है। मुझे जानना चाहिए था।'

'ज़रा समझाकर बताइए, मिस्टर हार्डमैन।'

मिस्टर हार्डमैन ने साँस छोड़ी, च्यूइंग गम हटायी और जेब में हाथ डाला। उसी के साथ उनकी समूची चाल-ढाल बदल गयी लगी। वे किसी नाटक के पात्र कम और असली आदमी ज़्यादा नज़र आने लगे। उनकी नकनकाती आवाज़ भी बेहतर हो गयी।

'वह पासपोर्ट तो आँखों में थोड़ी धूल झोंकने के लिए है,' व बोले। 'असल में तो मैं यह हूँ।'

पॉयरो ने उस कार्ड को परखा जो उनके सामने फेंक दिया गया था। मोसिए बोक ने उनके कन्धे के ऊपर से झाँका।

मिस्टर सायरस बी॰ हार्डमैन
मैक्नील डिटेक्टिव एजेन्सी
न्यू यॉर्क

पॉयरो इस नाम से वाकिफ़ थे। वह न्यू यॉर्क की सबसे जानी मानी और बेहद प्रतिष्ठित निजी जासूसी एजेन्सियों में से एक थी।

'अब मिस्टर हार्डमैन,' पॉयरो बोले, 'हमें इस सबका मतलब भी समझाइए।'

'एकदम। चीज़ें इस तरह घटित हुईं। मैं दो चोरों का पीछा करता हुआ यूरोप आया था—इस मामले से बिलकुल अलग। पीछा इस्तम्बूल में ख़त्म हुआ। मैंने अपने मुखिया को तार भेजा और उससे

वापस लौटने की हिदायत पायी और मैं अपने प्यारे न्यू यॉर्क की तरफ़ मजे में जा रहा होता अगर मुझे यह न मिला होता।'

उन्होंने एक पत्र आगे खिसका दिया।

पत्र के ऊपर नाम-पता टोकाटलियन होटल का था।

प्रिय महोदय, मुझे बताया गया है कि आप मैक्नील डिटेक्टिव एजेन्सी के जासूस हैं।

कृपया आज दोपहर बाद चार बजे होटल में मेरे कमरे में आ जाइए।

पत्र पर हस्ताक्षर थे 'एस० ई० रैचेट।'

'तो फिर?'

'मैं बताये गये समय पर वहाँ गया और मिस्टर रैचेट ने मुझे हालत का जायजा दिया। उन्होंने मुझे दो पत्र भी दिखाये जो उन्हें मिले थे।'

'वे घबराये हुए थे?'

'दिखावा तो न घबराने का कर रहे थे, लेकिन वे हिले हुए ज़रूर थे। उन्होंने मेरे सामने एक प्रस्ताव रखा। मुझे उसी रेलगाड़ी पर जिस पर वे सवार थे पारिस तक सफ़र करना था और देखना था कि कोई उन्हें चलता न कर दे। ख़ैर, सज्जनों, मैंने उसी रेलगाड़ी पर सफ़र किया और मेरे बावजूद किसी ने उन्हें चलता कर दिया। मैं यक़ीनन इसे लेकर नाख़ुश हूँ। यह मेरे हक में नहीं जाता।'

'क्या उन्होंने आपको कोई इशारा किया था कि आप कैसा तरीका अपनायें?'

'बिलकुल। उन्होंने सब सोच-साचकर रखा था। यह उनका विचार था कि मैं उनके कूपे के बगल में सफ़र करूँ—ख़ैर, वह तो फ़ौरन टॉय-टॉय फ़िश हो गया। जो एकमात्र जगह मुझे मिली, वह 16 नम्बर की बर्थ थी और उसे भी हासिल करने में मुझे पापड़ बेलने

पड़े। मेरा ख़याल है कण्डक्टर उस कूपे को अपनी जेब में छुपाये रहता है। लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। जब मैं सब तरफ़ से हालत का जायज़ा लिया तो मुझे लगा कि नम्बर 16 भी निगरानी के लिए अच्छी जगह पर था। इस्तम्बूल वाली स्लीपिंग कार के आगे सिर्फ़ रात को बन्द कर दिया जाता था। कोई बदमाश सिर्फ़ प्लेटफार्म की तरफ़ खुलने वाले पिछले दरवाज़े से या फिर पीछे से गाड़ी के गलियारे के साथ-साथ ही आ सकता था। दोनों में से किसी भी हालत में उसे मेरे कूपे के सामने से गुजरना पड़ता।'

'मेरे ख़याल में आपको सम्भावित हमलावर की पहचान के बारे में तो कोई अनुमान रहा न होगा।'

'ख़ैर, मैं जानता था कि वह देखने में कैसा होगा। मिस्टर रैचेट ने उसकी शक्ल-सूरत के बारे में मुझे बताया था।'

'क्या?'

तीनों आदमी उत्सुकता से आगे को झुक गये।

हार्डमैन बताता रहा :

'छोटा-सा आदमी, साँवला, औरतों जैसी आवाज़ वाला—यही उस बूढ़े आदमी ने कहा था। यह भी कहा था कि उनके ख़याल में यह चलने के बाद पहली रात होगा। ज़्यादा सम्भावना दूसरी या तीसरी रात की थी।'

'उन्हें कुछ सुन-गुन थी,' मोसिए बोक ने कहा।

'निश्चय ही जितना उन्होंने अपने सेक्रेटरी को बताया था, उससे ज़्यादा वे जानते थे,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। 'क्या उन्होंने अपने इस दुश्मन के बारे में आपको कुछ बताया? क्या उन्होंने मिसाल के लिए यह बताया कि उनकी जान को ख़तरा क्यों था?'

'नहीं, उन्होंने इसके बारे में कुछ छिपा कर रखा हुआ था। सिर्फ़ इतना कहा कि यह बन्दा उनकी जान के पीछे पड़ा था और उसे

लेने का इरादा रखता था।'

'छोटा-सा आदमी, साँवला, औरतों जैसी आवाज़ वाला,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। फिर हार्डमैन पर एक तीखी निगाह टिकाते हुए वे बोले :

'आपको तो निश्चय ही पता था न कि वे कौन थे?'

'कौन जनाब?'

'रैचेट। आपने पहचाना उन्हें?'

'आपकी बात नहीं समझा मैं।'

'रैचेट कसेटी था, आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड वाला हत्यारा।'

मिस्टर हार्डमैन ने होंट गोल करके लम्बी सीटी बजायी।

'यह यक़ीनन हैरत की बात है!' वे बोले। 'जी हाँ, जनाब! नहीं, मैंने उन्हें नहीं पहचान। जब यह मामला उठा तो मैं बाहर था पश्चिम की ओर। मेरा ख़याल है मैंने अख़बारों में उनके फोटो देखे होंगे; लेकिन प्रेस-फोटोग्राफर की कारगुज़ारी के बाद मैं अपनी माँ को न पहचान पाता। ख़ैर, मुझे शक नहीं है कि कुछ लोगों ने कसेटी से हिसाब चुकाने की ठान रखी थी।'

'क्या आप आर्मस्ट्रॉन्ग मामले से जुड़े किसी को जानते हैं जो उस हुलिये से मेल खाता है—छोटा, साँवला, औरतों जैसी आवाज़?'

'कहना मुश्किल है। मामले से ताल्लुक रखने वाला तकरीबन हर आदमी मर चुका है।'

'वह लड़की थी जिसने खिड़की से छलाँग लगा दी थी, याद है?'

'बिलकुल। यह एक अच्छा नुक्ता है। वह कोई विदेशी थी किसी किस्म की। शायद उसके कोई इतालवी या ऐसे ही कुछ रिश्तेदार रहे हों। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि आर्मस्ट्रॉन्ग

काण्ड के अलावा भी मामले थे। कसेटी अपहरण का यह धन्धा कुछ समय से चलाता आ रहा था। आप सिर्फ़ एक ही मामले को लेकर नहीं चल सकते।'

'हाँ, मगर हमारे पास यह विश्वास करने का कारण है कि यह अपराध आर्मस्ट्रॉन्ग मामले से जुड़ा हुआ है।'

मिस्टर हार्डमैन ने सवालिया अन्दाज़ में आँख चढ़ाई। पॉयरो ने कोई जबाव नहीं दिया। अमरीकी ने सिर हिलाया।

'मुझे तो इस हुलिये का कोई बन्दा आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड के सिलसिले में याद नहीं आ रहा,' उन्होंने धीरे-धीरे कहा। 'लेकिन यक़ीनन मैं उसमें था नहीं और उसके बारे में ज़्यादा नहीं जानता।'

'ख़ैर, अपना बयान जारी रखिए, मिस्टर हार्डमैन।'

'बताने को बहुत थोड़ा है। मैंने अपनी नींद दिन में पूरी कर ली थी और रात को निगरानी में जगा रहा। पहली रात कुछ भी सन्दिग्ध नहीं घटा। पिछली रात भी वैसी ही थी, जहाँ तक मेरा सरोकार था। मैंने अपना दरवाज़ा उड़काया हुआ था और ताक लगायी हुई थी। कोई अजनबी नहीं गुज़रा।'

'आपको इसका पक्का यक़ीन है, मिस्टर हार्डमैन?'

'पूरा। कोई बाहर से उस गाड़ी पर नहीं चढ़ा और कोई पिछले डिब्बों से नहीं आया। इस पर मैं कसम खा सकता हूँ।'

'क्या आप अपनी जगह से कण्डक्टर को देख सकते थे?'

'बिलकुल वह उस छोटी-सी सीट पर ठीक मेरे दरवाज़े के पास बैठता है।'

'विनकोव्की पर गाड़ी के रुकने के बाद क्या वह उस सीट से उठकर गया था?'

'वह आख़िरी स्टेशन था न? हाँ, हाँ, वह दो घण्टियों के जवाब में उठकर गया था—यह गाड़ी के पूरी तरह रुकने के ठीक

बाद की बात है। फिर, उसके बाद, वह मेरे सामने से होकर पीछे वाले डिब्बे में गया—वहाँ पन्द्रह मिनट रहा। एक घण्टी पागलों की तरह बज रही थी और वह भागता हुआ आया। मैं बाहर गलियारे में निकल आया कि देखूँ माजरा क्या है। समझिए, थोड़ी-सी घबराहट भी लगी—लेकिन वह सिर्फ़ अमरीकी महिला थी। वह किसी चीज़ पर हाय-तौबा मचाये थी। मुझे हँसी आयी। फिर कण्डक्टर किसी और कूपे में गया और वापस आया और किसी के लिए मिनरल वॉटर ले गया। फिर वह अपनी सीट पर जम गया जब तक कि वह किसी का बिस्तर तैयार करने दूसरे छोर पर नहीं गया। उसके बाद मुझे नहीं लगता कि वह आज सुबह पाँच बजे तक वहाँ से हिला।'

'क्या उसने कभी झपकी ली?'

'यह मैं नहीं बता सकता। हो सकता है ली हो।'

पॉयरो ने सिर हिलाया। आप से आप उनके हाथों ने मेज़ पर रखे काग़ज़ों को सीधा किया। उन्होंने हार्डमैन का कार्ड एक बार फिर उठा लिया।

'कृपया इस पर दस्तखत कर दीजिए।'

हार्डमैन ने हस्ताक्षर कर दिये।

'ऐसा कोई तो होगा नहीं, मिस्टर हार्डमैन, जो आपकी पहचान की तसदीक कर सके?'

'इस गाड़ी पर? दरअसल, नहीं। अगर कर सकता है तो शायद वह नौजवान मैक्वीन कर सकता है। मैं उसे अच्छी तरह जानता हूँ—उसे न्यू यॉर्क में उसके पिता के दफ़्तर में देख चुका हूँ—लेकिन यह कहने का मतलब यह नहीं है कि वह मुझे ढेर सारे दूसरे जासूसों में से पहचान ही लेगा। नहीं, मिस्टर पॉयरो आपको रुक कर न्यू यॉर्क तार भेजना पड़ेगा जब बर्फ़ छूट देती है। लेकिन कोई बात नहीं। मैं बात नहीं खोलूँगा। ख़ैर, अब मैं चलूँगा, सज्जनों। आपसे मिलकर ख़ुशी

हुई मिस्टर पॉयरो।'

पॉयरो ने अपना सिगरेट केस बढ़ाया।

'लेकिन शायद आप पाइप पसन्द करते हैं?'

'न, मैं नहीं।'

हार्डमैन ने एक सिगरेट लिया, फिर तेज़ क़दमों से चले गये।

तीनों आदमियों ने एक-दूसरे की तरफ़ देखा।

'आपके ख़याल में ये असली हैं?' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने पूछा।

'हाँ, हाँ। मैं इस नमूने को जानता हूँ। इसके अलावा, यह ऐसी कहानी है जो बहुत जल्दी गलत साबित हो सकती है।'

'इन्होंने हमें एक बहुत ही दिलचस्प सबूत दिया है,' मोसिए बोक ने कहा।

'हाँ, सचमुच।'

'छोटा-सा आदमी, साँवला, ऊँची पतली आवाज़,' मोसिए बोक ने सोचते हुए कहा।

'ऐसा हुलिया रेलगाड़ी पर किसी का भी नहीं है,' पॉयरो ने कहा।

अध्याय 10

इतालवी का सबूत

'और अब हम,' पॉयरो ने आँख में शरारती चमक भर कर कहा, 'मोसिए बोक के दिल को ख़ुश करेंगे और उस इतालवी बन्दे को बुलायेंगे।'

ऐन्टोनियो फॉस्कारेली डाइनिंग कार में तेज़ी से, बिल्लियों की तरह पैर रखता आया। उसका चेहरा दमक रहा था। वह नमूना

इतालवी चेहरा था, खुला-खिला और साँवला।

वह बेहद हल्के लहजे के साथ अच्छी तरह फ्रान्सीसी बोल लेता था।

'आपका नाम ऐन्टोनियो फ़ॉस्कारेली है?'

'जी मोसिए।'

'मैं देख रहा हूँ कि आपने अमरीकी नागरिकता ले ली है?'

अमरीकी मुस्कराया।

'जी हाँ, मोसिए। मेरे कारोबार के लिए यही ठीक है।'

'आप फोर्ड मोटर कारों के एजेन्ट हैं?'

'जी हाँ, बात यह है कि—'

इसके बाद एक लम्बा-चौड़ा बयान आया जिसके आख़िर में अगर तीनों सुनने वालों को फॉस्कारेली के कारोबारी तरीकों, उसकी यात्राओं, उसकी आमदनी और अमरीका और अधिकतर यूरोपीय देशों के बारे में उसकी राय के सिलसिले में जानने से कुछ छूट गया हो तो वह किसी गिनती में नहीं था।

उसका भलमनसाहत भरा, बच्चों सरीखा चेहरा सन्तोष से दमक रहा जब एक आख़िरी प्रभावपूर्ण मुद्रा में वह रुका, उसने रूमाल निकाला और उससे अपना माथा पोंछा।

'तो देखा आपने,' वह बोला, 'मैं बड़ा धन्धा करता हूँ। ताज़ातरीन जानकारी है मेरे पास। मैं बेचने की हिकमतें समझता हूँ।'

'आप अमरीका में पिछले दस साल से हैं, आते और जाते हुए?'

'हाँ मोसिए। कितनी अच्छी तरह मुझे वह दिन याद है जब मैंने अमरीका जाने के लिए जहाज़ पकड़ा था—इतनी दूर! मेरी माँ, मेरी छोटी बहन—'

पॉयरो ने यादों के इस प्रवाह को बीच ही में काट दिया।

'अमरीका मैं रहने के दौरान क्या कभी आप दिवंगत व्यक्ति से मिले थे या उन्हें देखा था?'

'नहीं, मगर में इस किस्म के लोगों को जानता हूँ। बिलकुल।' उसने अर्थपूर्ण ढंग से चुटकी बजायी। 'बहुत इज़्जतदार, अच्छे लिबास पहनने वाले, मगर नीचे सब गलत। अपने अनुभव से मुझे कहना होता तो कहता कि वह एक बड़ा ठग था। मैं आपको अपनी राय दे रहा हूँ, जो भी इसका महत्व हो।'

'आप की राय बिलकुल सही है,' पॉयरो ने सूखे लहजे में कहा। 'रैचेट ही कसेटी था, वह अपहरण करने वाला।'

'क्या कहा था मैंने? मैं बहुत होशियार बनना सीख गया हूँ—चेहरे को पढ़ना। यह ज़रूरत है। सिर्फ़ अमरीका में वे आपको बेचने के सही तरीकों के बारे में सही ढंग सिखाते हैं।'

'आपको आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड की याद है?'

'पूरी तरह तो याद नहीं है। नाम, हाँ? एक नन्ही लड़की थी—बच्ची—नहीं क्या?'

'हाँ, बहुत दुखद मामला था।'

इतालवी पहला आदमी था जिसने इस ख़याल से सहमति जाहिर नहीं की।

'आह! ऐसी बातें हो जाती हैं,' उसने दार्शनिक अन्दाज़ में कहा, 'अमरीका जैसी महान सभ्यता में—'

पॉयरो ने उसे बीच ही में रोक दिया,

'क्या कभी आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार के भी किसी सदस्य से आपकी देखा-देखी हुई?'

'नहीं मेरे ख़याल में तो नहीं। कहना मुश्किल है। मैं आपको कुछ आँकड़े बताता हूँ। पिछले साल ही मेरी बिक्री—'

'मोसिए, मेहरबानी करके मतलब की बात पर टिके रहिए।'

इतालवी के हाथ माफ़ी माँगने की मुद्रा में फैल गये।

'हजार-हजार माफ़ियाँ,' मोसिए।'

'मेहरबानी करके कल रात खाने के बाद से अपनी सारी आवा-जाही के बारे में मुझे सही-सही बताइए।'

'ख़ुशी से। मैं यहाँ जितनी देर रुक सकूँ, रुकता हूँ। ज़्यादा दिलचस्प है। मैं अपनी मेज़ पर बैठे अमरीकी सज्जन से बात करता हूँ। वे टाइपराइटर के रिबन बेचते हैं। फिर मैं अपने कूपे में जाता हूँ। वह खाली है। वह बेकार-सा विलायती जो उस कूपे में मेरा साझीदार है अपने मालिक की सेवा में जुटा है। आख़िरकार वह वापस आता है—हमेशा की तरह चेहरा लटकाये। वह बात नहीं करता—बस, हाँ या न ही कहता हैं। आभागी जाति है—अंग्रेज़—हमदर्दी का नाम नहीं। वह कोने में बैठता है, एकदम अकड़ा हुआ, किताब पढ़ते हुए। फिर कण्डक्टर आकर हमारे लिए बिस्तर तैयार करता है।'

'नम्बर 4 और 5,' पॉयरो बुदबुदाये।

'सही—आख़िर का कूपे। मेरी ऊपर की बर्थ है। मैं वहाँ ऊपर चला जाता हूँ। तम्बाकू पीता और पढ़ता हूँ। मेरे ख़याल में, उस छोटे-से अंग्रेज़ को दाँत का दर्द है। वह एक छोटी-सी बोतल निकालता है जिसमें रखी चीज़ की तेज़ गन्ध है। वह बिस्तर पर लेट कर कराहता है। जल्दी ही मुझे नींद आ जाती है। जब-जब मेरी आँख खुलती है, मैं उसकी कराह सुनता हूँ।'

'क्या आपको पता कि वह रात की किसी समय कूपे के बाहर गया या नहीं?'

'मेरे ख़याल में नहीं। वह मुझे सुनाई दे जाता। गलियारे की रोशनी—आप-से-आप नींद खुल जाती है यह सोचकर कि किसी सरहद पर चुंगी वाले जाँच कर रहे हैं।'

'क्या उसने किसी भी वक़्त अपने मालिक की बात की?

उसके ख़िलाफ़ कोई भावना प्रकट की?'

'मैं आपको बताता हूँ वह बोला नहीं। उसमें हमदर्दी नहीं है, मछली है, ठण्डी।'

'आप तम्बाकू का सेवन करते हैं—पाइप, सिगरेट, सिगार?'

'सिर्फ़ सिगरेट।'

पॉयरो ने एक उसकी तरफ़ बढ़ाया जिसे उसने ले लिया।

'क्या आप कभी शिकागो में रहे हैं?' मोसिए बोक ने पूछा।

'हाँ, हाँ—बढ़िया शहर है—लेकिन मैं न्यू यॉर्क, वॉशिंग्टन, डिट्रॉयट सबसे अच्छी तरह जानता हूँ। आप अमरीका गये हैं? नहीं? आपको जाना चाहिए, वह—'

पॉयरो ने एक काग़ज़ उसकी तरफ़ बढ़ाया।

'कृपा करके इस पर हस्ताक्षर कर दीजिए और अपना स्थायी पता भी लिख दीजिए।'

इतालवी ने इठलाते अन्दाज़ में लिखा। फिर वह उठा—उसकी मुस्कान हमेशा की तरह मोहक थी।

'बस इतना ही? आपको मेरी और ज़रूरत नहीं? तो फिर नमस्कार सज्जनों। काश, हम इस बर्फ़ से निकल पाते। मुझे मिलान में किसी से मिलना है—' उसने अफ़सोस से सिर हिलाया। 'मैं सौदा खो दूँगा।'

वह चला गया।

पॉयरो ने अपने दोस्त की तरफ़ देखा।

'वह काफ़ी समय अमरीका में रहा है,' मोसिए बोक ने कहा, 'और वह इतालवी है और इतालवी लोग चाकू इस्तेमाल करते हैं! और वे बहुत झूठे होते हैं! मुझे इतालवी पसन्द नहीं है!'

'अब आप देख लें,' पॉयरो ने मुस्कराते हुए कहा। 'ख़ैर, हो सकता है, आप सही हों, लेकिन मैं आपका ध्यान दिलाऊँगा कि इस

आदमी के ख़िलाफ़ कोई सबूत नहीं है।'

'और मनोविज्ञान के बारे में क्या कहोगे? क्या इतालवी चाकू नहीं भौंकते?'

'यक़ीनन,' पॉयरो ने कहा। 'ख़ास तौर पर किसी झगड़े की गर्मा-गर्मी में। लेकिन यह-यह एक अलग किस्म का जुर्म है। मेरा एक छोटा-सा विचार है कि यह जुर्म बहुत सावधानी से योजना बनाकर अमल में लाया गया है। यह दूर-दृष्टि वाला, दिमाग़दार जुर्म है। यह—कैसे बताऊँ—यह कोई लातीनी अपराध नहीं है—जज़्बाती और आवेग-भरा। यह ऐसा अपराध है जो एक ठण्डे, होशियार, जाने-बूझे दिमाग़ वाला अपराध है—अंग्रेज़ी दिमाग़ से किया गया जुर्म है।'

उन्होंने आख़िरी दो पासपोर्ट उठाये।

'आइए,' वे बोले, 'अब हम मिस मेरी डेबनहैम से मिलें।'

अध्याय 11

मिस डेबनहैम की गवाही

जब मेरी डेबनहैम डाइनिंग-कार में दाख़िल हुई तो उसने उस अनुमान ही की पुष्टि की जो पॉयरो ने पहले से उसके बारे में बना रखा था।

वह सलेटी फ्रान्सीसी कमीज़ के साथ छोटे-से काले सूट को सलीके से पहने हुए थी और उसके काले बालों की लहरें सफ़ाई से जमी हुई थीं। उसका तौर-तरीका भी उसके बालों जैसा ही शान्त और तरतीब वाला था।

वह पॉयरो और मोसिए बोक के सामने बैठ गयी और सवालिया अन्दाज़ में उनकी तरफ़ देखने लगी।

'आपका नाम मेरी हर्मियोन डेबनहैम है और आपकी उमर

छब्बीस साल है?' पॉयरो ने शुरुआत की।

'जी।'

'अंग्रेज़?'

'जी।'

'क्या आप कृपा करके इस काग़ज़ पर अपना स्थायी पता लिख देंगी, मैडमोज़ेल?'

उसने फरमाइश पूरी कर दी। उसकी लिखावट साफ़ और सुस्पष्ट थी।

'और अब मैडमोज़ेल, आप हमें कल रात वाले मामले के बारे में क्या बता सकती हैं?'

'मुझे अफ़सोस है, मेरे पास बताने को कुछ नहीं है। मै सोने चली गयी थी और सोती रही।'

'क्या आप बहुत सन्तप्त हैं, मैडमोज़ेल कि इस गाड़ी पर एक अपराध किया गया है?'

साफ़ था कि इस सवाल की उसे उम्मीद नहीं थी। उसकी सलेटी आँखें थोड़ी-चौड़ी हो गयीं।

'मैं आपको पूरी तरह नहीं समझी।'

'यह एक बिलकुल सीधा सवाल था जो मैंने आपसे पूछा है, मैडमोज़ेल। मैं उसे दोहराता हूँ। क्या आप बहुत सन्तप्त हैं कि इस रेलगाड़ी पर एक अपराध घटित हो गया है?'

'मैंने इस नज़रिये से उसके बारे में नहीं सोचा है। नहीं, मैं कह सकती हूँ कि मैं बिलकुल सन्तप्त नहीं हूँ।'

'एक अपराध—आपके लिए यह रोज़मर्रा का मामला है क्यों?'

'कुदरती तौर पर ऐसा घटित होना नागवार बात है,' मेरी डेबनहैम ने धीरे से कहा।

'आप पूरी तरह से ऐंग्लो-सैक्सन हैं। मैडमोज़ेल। भावना से दूर।'

वह थोड़ा मुस्करायी।

'मुझे अफ़सोस है कि मैं अपनी सम्वेदनशीलता को साबित करने के लिए हाय-तौबा नहीं मचा सकती। आख़िरकार, लोग हर रोज मरते हैं।'

'मरते हैं, हाँ। लेकिन हत्या थोड़ा अधिक विरल है।'

'हाँ, निश्चय ही।'

'आप मरे हुए आदमी से परिचित नहीं थीं?'

'मैंने उसे पहली बार तब देखा जब मैं यहाँ डाइनिंग-कार में लंच कर रही थी।'

'और वे आपको कैसे लगे?'

'मैंने मुश्किल से ही उन पर ग़ौर किया।'

'वे आपको एक बुरे व्यक्ति के तौर पर महसूस नहीं हुए?' उसने अपने कन्धे थोड़ा उचका दिये।

'सचमुच, मैं बता नहीं सकती कि मैंने इसके बारे में सोचा भी था।'

पॉयरो ने तीखी निगाह उस पर डाली।

'आप, मेरे ख़याल में, उस तरीके के बारे में थोड़ी उपेक्षा का भाव रखती हैं, जिससे मैं अपनी पूछ-ताछ का काम करता हूँ,' पॉयरो ने आँखों में शरारती कौंध के साथ कहा। 'आपके ख़याल में, अंग्रेज़ी जाँच-पड़ताल इस तरह सम्पन्न की जाती। वहाँ हर चीज़ साफ़-सुथरी, कटी-छँटी होती—सारा मामला तथ्यों तक सीमित रहता—व्यवस्थित कार्य-व्यापार। लेकिन, मैडमोज़ेल, मेरा अपना अनोखा अन्दाज़ है। मैं पहले अपने गवाह को देखता हूँ, उसके चरित्र का लेखा-जोखा तैयार करता हूँ और उसी हिसाब से अपने सवालों

की रूप-रेखा तैयार करता हूँ। मिनट भर पहले मैं एक सज्जन से सवाल पूछ रहा होता हूँ जो मुझे हर विषय पर अपने ख़याल बताना चाहता है। ख़ैर, उसे मैं कड़ाई से सवाल के विषय पर टिकाये रहता हूँ। मैं चाहता हूँ वह हाँ या न में जवाब दे, यह या वह। और फिर आप आती हैं। मैं फ़ौरन देख लेता हूँ कि आप में तरतीब और बाकायदगी होगी। आप ख़ुद को उस मामले तक सीमित रखेंगी जो सामने है। आपके उत्तर संक्षिप्त और सटीक होंगे। और मैडमोज़ेल चूँकि इन्सानी फितरत में पेंचो-खम हैं, मैं आपसे बहुत अलग सवाल करता हूँ। मैं पूछता हूँ आप क्या महसूस करती हैं, क्या सोचती हैं। आपको यह तरीका पसन्द नहीं आता?'

'अगर आप मुझे ऐसा कहने के लिए माफ़ करें, यह किसी कदर समय को जाया करने जैसा लगता है। मुझे मिस्टर रैचेट का चेहरा पसन्द आया था या नहीं, इससे लगता नहीं कि यह जानने में कोई मदद मिलेगी उन्हें मारा किसने।'

'क्या आपको पता है मैडमोज़ेल कि रैचेट दरअसल कौन था?'

उसने हामी में सिर हिलाया,

'श्रीमती हबर्ड सबको बताती रही है।'

'और आप आर्मस्ट्रॉन्ग वाले मामले के बारे में क्या सोचती हैं?'

'वह बहुत अमानुषिक था,' युवती ने रूखायी से कहा।

पॉयरो ने सोचते हुए अन्दाज़ में कहा।

'आप बगदाद से सफ़र कर रही हैं, मेरे ख़याल में, मिस डेबनहैम?'

'हाँ।'

'लन्दन के लिए?'

'हाँ।'

'बगदाद में आप क्या करती रही हैं?'

'मैं दो बच्चों के गवर्नेस का काम कर रही थी।'

'छुट्टियों के बाद क्या आप अपनी नौकरी पर लौट रही हैं?'

'पक्का नहीं है।'

'ऐसा क्यों?'

'बगदाद हलचल से कुछ दूर-सा है। मेरा ख़याल है कि मैं लन्दन में कोई काम पसन्द करूँगी, अगर कोई उपयुक्त काम मुझे मिल जाये।'

'अच्छा-अच्छा। मैंने सोचा शायद आप शादी करने की सोच रही हों।'

मिस डेबनहैम ने जवाब नहीं दिया। उन्होंने आँखें उठा कर पॉयरो को सीधे, एकटक देखा। निगाह साफ़-साफ़ कह रही थी, 'आप अशिष्ट हैं।'

'उस महिला के बारे में आपकी राय क्या है जो आपके कूपे में आपके साथ हैं—मिस ओह्लसन?'

'वे एक भली, सीधी-सादी महिला जान पड़ती हैं।'

'उनके ड्रेसिंग-गाउन का रंग क्या है?'

मेरी डेबनहैम ने उन्हें घूरा।

'एक किस्म का भूरा रंग है—खासिल ऊनी।'

'आह! उम्मीद हैं, मैं बिना किसी किस्म से आपको नाराज़ किये, यह बता सकता हूँ कि अलेप्पो से इस्तम्बूल के समय आपके ड्रेसिंग गाउन पर भी मेरा ध्यान गया था—हल्का बैंगनी था मेरे ख़याल में।'

'जी हाँ। ऐसा ही है।'

'क्या आपके पास और कोई ड्रेसिंग गाउन भी है, मैडमोज़ेल?

मिसाल के लिए, एक लाल ड्रेसिंग गाउन?'

'नहीं, वह मेरा नहीं है।'

पॉयरो आगे को झुके। वे चूहे पर झपटती बिल्ली की तरह थे।

'किसका है फिर?'

युवती अचानक चौंक कर थोड़ा-सा पीछे को हुई, 'मुझे नहीं मालूम। क्या मतलब है आपका?'

'आप यह नहीं कहती, 'नहीं, मेरे पास ऐसा कुछ नहीं है।' आप कहती हैं, 'वह मेरा नहीं है'—मतलब कि ऐसा गाउन सचमुच किसी और के पास है।'

उसने सिर हिलाया।

'इस रेलगाड़ी पर किसी और का?'

'हाँ।'

'किसका है वह?'

'मैंने आपको अभी बताया। मैं नहीं जानती। मैं आज सुबह लगभग पाँच बजे इस एहसास के साथ जगी कि रेलगाड़ी काफ़ी समय से रुकी खड़ी थी। मैंने दरवाज़ा खोला और गलियारे में झाँका, यह सोच कर कि शायद हम किसी स्टेशन पर थे। मैंने किसी को लाल किमोनो में गलियारे ही में कुछ आगे को देखा।'

'और आपको यह नहीं पता कि वह कौन था? क्या वह गोरी थी या साँवली या खिचड़ी बालों वाली?'

'कह नहीं सकती। उसने टोपी पहन रखी थी और मैंने उसके सिर का पिछला हिस्सा ही देखा था।'

'और कद-काठी में?'

'लम्बी-सी और छरहरी, मेरे अन्दाज़ से, लेकिन कहना मुश्किल है। किमोनो पर ड्रैगन कढ़े हुए थे।'

'हाँ, हाँ, सही है, ड्रैगन।'

पॉयरो मिनट भर ख़ामोश रहे। उन्होंने ख़ुद से बुदबुदा कर कहा :

'समझ नहीं पा रहा, समझ नहीं पा रहा। इसमें से किसी चीज़ का कोई मतलब नहीं निकल रहा।'

फिर नज़रें ऊपर करते हुए वे बोले :

'मुझे अब आपको और रोके रखने की ज़रूरत नहीं, मैडमोज़ेल।'

'ओह!' वह कुछ चकित-सी लगी, लेकिन फ़ौरन उठी। दरवाज़े में अलबत्ता वह थोड़ा ठिठकी, फिर वापस आयी।

'स्वीडी महिला—मिस ओह्लसन है न?—कुछ चिन्तित-सी लगती है। उसका कहना है कि आपने उससे कहा वही इस आदमी को ज़िन्दा देखने वालो में आख़िरी थीं। मेरा ख़याल है वह इसी वजह से सोचती है कि आप उस पर शक करते हैं। क्या मैं उससे कह सकती हूँ कि उसे गलती लगी है? सचमुच, आप समझिए, वह उस तरह की औरत है जो एक मक्खी भी नहीं मारेगी।'

बोलते हुए वह थोड़ा मुस्करायी।

'जब वह श्रीमती हबर्ड से ऐस्पिरिन लेने गयी तो क्या बजा था?'

'साढ़े दस से कुछ ऊपर।'

'वह बाहर रहीं—कितनी देर?'

'लगभग पाँच मिनट।'

'क्या वह फिर रात को किसी समय कूपे से बाहर गयी?'

'नहीं।'

पॉयरो डॉक्टर की तरफ़ मुड़े।

'क्या रैचिट को उतना पहले मारा गया होगा?'

डॉक्टर ने अपना सिर हिला दिया।

'फिर मेरा ख़याल है आप अपनी दोस्त को इतमीनान दिला सकती हैं, मैडमोज़ेल।'

'शुक्रिया।' वह अचानक उन्हें देख कर मुस्करायी, ऐसी मुस्कान जो हमदर्दी को न्योता दे रही थी। 'वह भेड़ की तरह है, समझे आप। वह फिक्र करके मिमियाने लगती है।'

वह मुड़ी और बाहर चली गयी।

अध्याय 12

जर्मन नौकरानी की गवाही

मोसिए बोक अपने दोस्त की तरफ़ अजीब निगाहों से देख रहे थे।

'मैं पूरी तरह समझ नहीं पाता, मेरे मित्र। क्या करने की कोशिश कर रहे थे—तुम?'

'मैं एक नुक्स खोज रहा था, मित्र।'

'नुक्स?'

'हाँ, एक युवती के आत्म-विश्वास में एक दरार। मैं उसकी शान्त दृढ़ता को हिलाना चाहता था। क्या मैं सफल हुआ? मुझे नहीं मालूम लेकिन यह मैं जानता हूँ—उसे उम्मीद नहीं थी कि मैं मामले को इस तरह हाथ में लूँगा जैसे मैंने लिया।'

'तुम्हें उस पर शक है,' मोसिए बोक ने धीरे-धीरे कहा। 'मगर क्यों? वह तो बहुत प्यारी और आकर्षक लड़की जान पड़ती है—दुनिया में वह आख़िरी लड़की होगी जो इस तरह के अपरध में लिप्त होगी।'

'मैं सहमत हूँ,' कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'वह ठण्डी है। उसमें भावनाओं की कमी है। वह किसी आदमी को चाकू नहीं भोंकेगी;

वह उसे अदालत में खींच ले जायेगी।'

पॉयरो ने साँस छोड़ी। 'आप दोनों को अपने इस ख़याल से मुक्त हो जाना चाहिए कि यह कोई बिना सोचा-समझा और अचानक किया गया अपराध है। जहाँ तक इस की बात है कि मैं मिस डेबनहैम पर क्यों शक करता हूँ, दो कारण हैं। एक, उस बात की वजह से जो उड़ते-उड़ते मेरे कान में पड़ी और जिसे आप दोनों अभी तक नहीं जानते।'

उन्होंने दोनों को उस अजीबोगरीब बातचीत के बारे में बताया जो उन्होंने अलेप्पो से इस्तम्बूल का सफ़र करते समय सुनी थी।

'यह तो सचमुच अजीब है,' पॉयरो के खत्म कर लेने के बाद मोसिए बोक ने कहा।

'इसे कुछ समझने की ज़रूरत है। अगर इसका मतलब वह है जो तुम्हारे शक के मुताबिक इसका मतलब है, तब वे दोनों इसमें साथ-साथ लिप्त हैं—यह लड़की और वह अकड़ू अंग्रेज़।'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'और यही है जिसकी तरफ़ तथ्य कोई इशारा नहीं करते,' वे बोले। 'देखो, अगर वे दोनों इसमें साथ-साथ हों तो हमें किस चीज़ की उम्मीद होनी चाहिए—कि वे दोनों एक-दूसरे के बारे में यह बहाना जुटा कर पेश करेंगे। कि वह कहीं और था या थी। ठीक है न? पर ऐसा नहीं होता। मिस डेबनहैम के आने-जाने की तसदीक स्वीडी महिला करती है जिसे वह पहले कभी नहीं मिली और कर्नल आरबथनॉट की तसदीक रैचेट का सेक्रेटरी मैक्वीन करता है। नहीं, इस पहेली का वह हल बहुत आसान है।'

तुमने कहा कि उस पर शक करने का एक और भी कारण तुम्हारे पास है,' मोसिए बोक ने उन्हें याद कराया।

पॉयरो मुस्कराये।

'आह! लेकिन वह सिर्फ़ मनोवैज्ञानिक है। मैंने ख़ुद से पूछा, क्या यह सम्भव है कि मिस डेबनहैम ने इस अपराध की योजना बनायी हो? इस सारे व्यापार के पीछे, मुझे यक़ीन है, एक ठण्डा, होशियार, चतुर दिमाग़ है। मिस डेबनहैम उस हुलिये पर खरी उतरती है।'

मोसिए बोक ने सिर हिलाया।

'मेरा ख़याल हे तुम गलत हो, मेरे दोस्त। मैं उस अंग्रेज़ युवती को अपराधी के तौर पर नहीं देख पाता।'

'ख़ैर,' पॉयरो ने आख़िरी पासपोर्ट उठाते हुए कहा, 'अब हमारी फेहिस्त का आख़िरी नाम। हिल्डेगार्ड शिमट। जर्मन नौकरानी।'

रेल परिचायक के बुलावे पर हिल्डेगार्ड शिमट डाइनिंग-कार में आयी और अदब के साथ खड़ी हो कर इन्तज़ार करने लगी।

पॉयरो ने उसे बैठने का इशारा किया।

उसने ऐसा ही किया, अपने हाथ बाँध कर शान्ति से उनके प्रश्नों का इन्तज़ार करते हुए। वह कुल मिला कर एक शान्त औरत जान पड़ती थी—इज़्ज़तदार—शायद बहुत अक्लमन्द नहीं।

हिल्डेगार्ड के साथ पॉयरो के तरीके मेरी डेबनहैम के साथ अपनाये गये तरीकों से बिलकुल उलट थे।

वे बहुत भलमनसाहत और नरमी से पेश आ रहे थे, उस औरत को इतमीनान दिलाते हुए। फिर उससे नाम और पता लिखवाने के बाद उन्होंने मुलायमियत से सवाल करने शुरू किये।

बातचीत जर्मन भाषा में की गयी।

'जितना ज़्यादा-से-ज़्यादा हमें कल रात के बारे में पता चल सके, हम जानना चाहते हैं,' वे बोले। 'हम जानते हैं कि अपराध पर तुम हमें बहुत ज़्यादा जानकारी नहीं दे सकती, लेकिन हो सकता है, तुमने कुछ ऐसा देखा या सुना हो जो तुम्हारे लिए भले ही कोई

मतलब न रखता हो, पर हमारे लिऐ बड़े काम का हो सकता हो। तुम समझ गयीं?'

ऐसा नहीं लगा कि वह समझी। उत्तर देते समय उसका चौड़ा, ममता-भरा चेहरा शान्त मूढ़ता में जमा रहा :

'मैं कुछ नहीं जानती मोसिए।'

'ख़ैर, मिसाल के लिए, तुम जानती हो कि तुम्हारी मालकिन ने कल रात तुम्हें बुलवाया था?'

'वह, हाँ।'

'क्या तुम्हें समय याद है?'

'नहीं मोसिए। बात यह है कि मैं सोयी हुई थी जब रेल परिचारक ने आकर मुझे बताया।'

'हाँ, हाँ। क्या इस तरह तुम्हें बुलवाना आम बात थी?'

'गैर मामूली नहीं था मोसिए। उस भली महिला को अक्सर रात के समय देख-भाल की ज़रूरत पड़ती थी। उन्हें ठीक से नींद नहीं आती थी।'

'ठीक, तो तुम्हें बुलावा आया और तुम उठीं। फिर तुमने ड्रेसिंग गाउन पहना?'

'नहीं मोसिए, मैंने कुछ कपड़े पहने। मैं ड्रेसिंग गाउन पहन कर रानी साहिबा के पास नहीं जाना चाहूँगी।'

ख़ैर, इसके बावजूद वह अच्छा-सा ड्रेसिंग गाउन है न—लाल रंग का, क्यों?'

'वह गहरे नीले रंग का फलालैन का ड्रेसिंग गाउन है, मोसिए।'

'आह! कहती रहो। मेरी तरफ़ से छोटी-सी चुहल है, बस। तो तुम रानी साहिबा के पास गयीं। और वहाँ जाकर तुमने किया क्या?'

मैंने उनकी मालिश की, मोसिए और फिर मैंने उन्हें पढ़कर सुनाया। मैं अच्छी तरह पढ़कर सुना नहीं पाती, लेकिन रानी साहिबा

कहती हैं कि यह ठीक ही है। उन्हें बेहतर नींद आ जाती है। जब उन्हें नींद आने लगी, मोसिए, तब उन्होंने मुझे जाने के लिए कहा, सो मैंने किताब बन्द की और अपने कूपे में वापस आ गयी।'

'क्या तुम्हें मालूम है उस समय कितना बजा था?'

'नहीं मोसिए।'

'ख़ैर, रानी साहिबा के साथ तुम कितनी देर रहीं?'

'लगभग आधा घण्टा, मोसिए।'

'ठीक, आगे बताओ।'

'पहले मैंने रानी साहिबा को अपने कूपे से एक और कम्बल ला कर दिया। गर्मी के इन्तज़ाम के बावजूद बहुत सर्दी थी। मैंने उन्हें कम्बल ओढ़ाया और उन्होंने मुझे गुड नाइट कहा। मैंने उन्हें थोड़ा-सा मिनरल वॉटर दिया। फिर मैंने बत्ती बन्द कर दी और चली आयी।'

'और फिर?'

'और कुछ नहीं है, मोसिए, मैं अपने कूपे में आ कर सो गयी।'

'तुम्हें गलियारे में और कोई नहीं मिला?'

'नहीं मोसिए।'

'तुमने मिसाल के लिए, किसी महिला को लाल किमोनो में तो नहीं देखा, जिस पर ड्रैगन बने हुए थे?'

उनकी मुलायम आँखें पॉयरो की तरफ़ उठीं।

'नहीं, वाकई, मोसिए। कोई भी वहाँ बाहर नहीं था सिवा कण्डक्टर के। सब सो रहे थे।'

'लेकिन तुमने कण्डक्टर को तो देखा था?'

'जी मोसिए।'

'वह क्या कर रहा था?'

'वह एक कूपे से बाहर आ रहा था।'

'क्या?' मोसिए बोक आगे को झुके। 'किस कूपे से?'

हिल्डेगार्ड श्मिट फिर डरी हुई लगी और पॉयरो ने अपने मित्र पर एक शिकायत-भरी नज़र डाली।

'कुदरती तौर पर कण्डक्टर को अक्सर रात के समय घण्टी बजने पर जाना पड़ता है,' वे बोले। 'क्या तुम्हें याद है, कौन-सा कूपे था?'

'वह डिब्बे के लगभग बीचों-बीच था, मोसिए। रानी साहिबा के कूपे से दो या तीन दरवाज़े आगे।'

'आह, हमें बताओ ठीक-ठीक यह कहाँ था और क्या हुआ?'

'वह लगभग मुझसे टकरा गया था, मोसिए। यह तब की बात है जब मैं अपने कूपे से कम्बल लेकर रानी साहिबा के पास जा रही थी।'

'ओह, वह एक कूपे से बाहर आया और लगभग आपसे टकरा गया? किस दिशा में जा रहा था वह?'

'मेरी तरफ़ मोसिए। उसने माफ़ी माँगी ओर गलियारे में डाइनिंग कार की तरफ़ आगे बढ़ गया। एक घण्टी बजने लगी, लेकिन मेरे ख़याल में उसने उसका जवाब नहीं दिया।'

वह रुकी और बोली :

'मैं समझ नहीं पाती। कैसे हुआ कि—'

पॉयरो ने तसल्ली बख्श लहजे में बात की।

'वक़्त-वक़्त की बात है,' उन्होंने कहा। 'तब रोज के नियम का मामला है। लगता है इस बेचारे कण्डक्टर पर काफ़ी भाग-दौड़ रही है—पहले तुम्हें जगाना फिर घण्टियों का जवाब देना।'

'यह वही कण्डक्टर नहीं था जिसने मुझे जगाया था, मोसिए यह कोई दूसरा था।'

'आह, कोई दूसरा! क्या तुमने उसे पहले देखा था?'

'नहीं मोसिए।'

'आह! तुम्हारे ख़याल में अगर तुम उसे देखो तो क्या उसे पहचान लोगी?'

'मैं ऐसा ही सोचती हूँ, मोसिए।'

पॉयरो ने मोसिए बोक के कान में बुदबुदा कर कुछ कहा। वे उठे और कोई आदेश देने के लिए दरवाज़े तक गये।

पॉयरो ने अपने सवाल उसी इत्मीनान-भरे दोस्ताना लहजे में जारी रखे।

'क्या तुम कभी अमरीका गयी हो, फ्राउ शिमट।'

'कभी नहीं मोसिए। वह ज़रूर उम्दा देश होगा।'

'शायद तुमने सुना है कि यह जो आदमी मारा गया है, वह दरअसल कौन था—कि वह एक छोटी-सी बच्ची की मौत के लिए जिम्मेदार था?'

'हाँ, मैने सुना है, मोसिए। बहुत बुरा काम था—शैतानी। परमात्मा को चाहिए कि ऐसे काम न होने दे। जर्मनी में हम लोग इतने बुरे नहीं हैं।'

औरत की आँखों में आँसू छलक आये थे। उसके अन्दर की माँ जाग गयी थी।

'वह सचमुच राक्षसी काम था,' पॉयरो ने गम्भीर स्वर में कहा।

उन्होंने सूती कपड़े का टुकड़ा अपनी जेब से खींचा और उसे थमाया।

'क्या यह तुम्हारा रूमाल है, फ्राउ शिमट?'

पल भर की ख़ामोशी छा गयी जिस बीच वह उस कपड़े को परखती रही। मिनट भर बाद उसने नज़र उठायी। उसके चेहरे पर हल्की-सी लाली थी।

'नहीं मोसिए! यह मेरा नहीं है।'

'इस पर तुमने देखा, एच अक्षर कढ़ा है। इसलिए मैंने सोचा

तुम्हारा है।'

'मोसिए, यह किसी ऊँची महिला का रूमाल है। बहुत महँगा रूमाल। हाथ की कढ़ाई वाला, मैं तो कहूँगी कि पैरिस से लिया गया है।'

'यह तुम्हारा नहीं है और तुम नहीं जानतीं कि यह किसका है?'

'मैं? नहीं, नहीं, मोसिए।'

तीनों सुनने वालों में से सिर्फ़ पॉयरो ने उसके स्वर की हलकी-सी झिझक के मतलब पर ग़ौर किया था।

मोसिए बोक ने उनके कान में कुछ कहा। पॉयरो ने सिर हिलाया और उस औरत से बोले :

'स्लीपिंग कार के तीनों कण्डक्टर अन्दर आ रहे हैं। क्या तुम उन्हें देख कर बताओगी कि इनमें से किसे तुमने देखा था जब तुम कम्बल ले कर रानी साहिबा की तरफ़ जा रही थीं?'

तीनों आदमी अन्दर आये। पिएर मिशेल, एथेन्स-पैरिस डिब्बे का बड़ा, सुनहरे बालों वाला कण्डक्टर और बुखारेस्ट वाले डिब्बे का भारी-भरकम कण्डक्टर।

हिल्डेगार्ड शिमट ने उनकी तरफ़ देखा और फ़ौरन अपना सिर हिला दिया।

'नहीं मोसिए, वह बोली।' 'इनमें से कोई भी वह आदमी नहीं है जिसे मैंने कल रात देखा।'

'लेकिन रेलगाड़ी पर यही तीन कण्डक्टर हैं। तुमसे भूल हुई होगी।'

'मुझे पक्का विश्वास है, मोसिए, ये सभी लम्बे, बड़े आदमी हैं। जिस आदमी को मैंने देखा था, वह छोटा और साँवला था। उसकी छोटी-सी मूँछ थी। जब उसने ''माफ कीजिए'' कहा था तो उसकी

आवाज़ औरत की जैसी कमजोर थी। सच, मुझे वह अच्छी तरह याद है, मोसिए।'

अध्याय 13

मुसाफ़िरों की गवाही का सार

औरतों की-सी आवाज़ वाला 'छोटा-सा साँवला आदमी,' मोसिए बोक ने कहा।

तीनों कण्डक्टर और हिल्डेगार्ड शिमट वापस भेजी जा चुकी थी।

'लेकिन मुझे इस सब का कुछ सिर-पैर नहीं समझ आ रहा—रत्ती भर नहीं। यह दुश्मन जिसका रैचेट ने ज़िक्र किया—वह फिर इसी गाड़ी पर था आख़िरकार? लेकिन अब वह कहाँ है? हवा में कैसे गायब हो गया होगा? मेरा सिर तो चकरा रहा है। कुछ कहो, मेरे दोस्त, मेरी बिनती है तुमसे। दिखाओ मुझे कि असम्भव कैसे सम्भव हो सकता है!'

'यह अच्छा फ़िकरा है,' पॉयरो ने कहा। 'असम्भव तो हुआ नहीं होगा, इसलिए असम्भव ही सम्भव हो सकता है भले ही नज़र जो भी आ रहा हो।'

'तुम मुझे जल्दी से समझा कर बताओ कि कल रात रेलगाड़ी पर दरअसल हुआ क्या।'

'मैं जादूगर नहीं हूँ, मित्र। मैं, तुम्हारी तरह, बहुत चकराया हुआ आदमी हूँ। यह मामला बड़े अजीब ढंग से आगे बढ़ रहा है।'

'बढ़ तो बिलकुल नहीं रहा है। वहीं का वहीं खड़ा है।'

पॉयरो ने सिर हिलाया।

'नहीं, यह सच नहीं है। हम पहले से आगे बढ़े हैं। हमें कुछ बातें मालूम हैं। हमने मुसाफ़िरों की गवाहियाँ सुन ली हैं।

'और उससे हमें क्या पता चला? कुछ भी नहीं।'

'मैं ऐसा नहीं कहूँगा, दोस्त।'

'मैं बढ़ा-चढ़ा कर कह रहा हूँ, शायद। वह अमरीकी हार्डमैन और यह जर्मन नौकरानी—हाँ, इन्होंने हमारी जानकारी में कुछ जोड़ा है। कहने का मतलब उन्होंने मामले को जितना वह था, उससे ज़्यादा अबूझ बना दिया है।'

'नहीं, नहीं, नहीं,' पॉयरो ने तसल्ली देते हुए कहा।

मोसिए बोक उनकी तरफ़ मुखातिब हुए।

'तब बोलो, हम भी हरक्यूल पॉयरो की ज्ञान भरी बातें सुनें।'

'क्या मैंने आपको नहीं बताया था कि मैं भी, आप ही की तरह, बहुत चकराया हुआ आदमी हूँ? लेकिन कम-से-कम हम अपनी समस्या का समाना कर सकते हैं। जो भी जानकारी हमारे पास है, उसे हम कायदे और तरतीब से सजा सकते हैं।'

'जारी रहिए, मोसिए,' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा।

पॉयरो ने गला साफ़ किया और ब्लॉटिंग पेपर के एक टुकड़े की शिकन दूर की।

'आइए इस मामले पर, जहाँ यह इस समय खड़ा है, एक नज़र डालें। पहली बात—कुछ तथ्य ऐसे हैं जिन पर बहस नहीं हो सकती। इस आदमी रैचेट या कसेटी—को बारह बार चाकू भोंका गया और वह कल रात मर गया। यह है पहला सच।'

'मान लिया—हमने मान लिया, मेरे मित्र,' मोसिए बोक ने हल्के-से व्यंग्य से कहा।

हरक्यूल पॉयरो विचलित नहीं हुए। उन्होंने शान्त भाव से बात जारी रखी।

'मैं नज़र आने वाली कुछ अजीब-सी बातों को छोड़कर आगे बढ़ूँगा जिन पर डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन और मैं पहले ही चर्चा कर चुके हैं। जल्दी ही मैं उनका ज़िक्र करूँगा। मेरे दिमाग़ में अगला महत्वपूर्ण तथ्य है जुर्म का समय।'

'यह भी, तो उन थोड़ी-सी बातों में है जो हम जानते हैं,' मोसिए बोक ने कहा। 'जुर्म आज भोर से पहले रात के सवा एक बजे हुआ। हर चीज़ इसी तरफ़ इशारा कर रही है।'

'हर चीज़ नहीं। आप बढ़ा-चढ़ा कर बता रहे हैं। अलबत्ता, इस नजरिये के समर्थन में काफ़ी कुछ सबूत हैं।'

'मुझे ख़ुशी है कि तुम कम-से-कम यह तो स्वीकार करते हो।'

टोका-टाकी से अविचलित पॉयरो आगे बोलते गये।

'हमारे सामने तीन सम्भावनाएँ हैं :

'एक : कि जुर्म, जैसा आप कह रहे हैं, सवा एक बजे हुआ। इसका समर्थन वह जर्मन औरत हिल्डेगार्ड शिमट करती है। यह डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन के सबूत से मेल खाता है।

'सम्भावना दो : जुर्म और बाद में किया और घड़ी के सबूत में जान-बूझ कर हेरा-फेरी की गयी।'

'सम्भावाना तीन : जुर्म पहले किया गया और सबूत में ऊपर वाले कारण ही हेरा-फेरी की गयी।

'अब अगर हम पहली सम्भावना को मानें कि यही बहुत करके घटित हुई होगी और जिसके समर्थन में सबसे अधिक सबूत हैं तो हमें उससे निकल कर आने वाले किन्हीं तथ्यों को भी स्वीकार करना होगा। पहली बात तो यही है कि अगर जुर्म सवा एक बजे किया गया था तो हत्यारा गाड़ी छोड़ कर नहीं गया हो सकता और तब सवाल उठता है : कहाँ है वह? और कौन है वह?'

'शुरू करने के तौर पर आइए सबूत को सावधानी से जाँचें।

हमें इस आदमी—औरतों जैसी आवाज़ वाले छोटे-से साँवले आदमी के अस्तित्व का पता हार्डमैन से चलता है। वह कहता है कि रैचेट ने उसे इस आदमी के बारे में बताया था और इस आदमी की ताक में रहने के लिए भाड़े पर रखा था। इसके समर्थन में कोई सबूत नहीं है—हमारे पास बस हार्डमैन का दिया गया बयान है। इस सवाल को भी जाँचिए : क्या हार्डमैन वही आदमी है जो वह होने का दिखावा कर रहा है—न्यू यॉर्क की एक डिटेक्टिव एजेन्सी में काम करने वाला जासूस?

'मेरे दिमाग़ को इस मामले की जो सबसे दिलचस्प बात लगती है वह यह है कि हमारे पास वैसी एक भी सुविधा नहीं है जो पुलिस के पास होती है। हम इनमें से किसी भी व्यक्ति की असलियत की तफ़तीश नहीं कर सकते। हमें पूरी तरह नतीजे निकालने पर निर्भर करना होगा। यह, मेरी नज़र में, मामले को कहीं ज़्यादा दिलचस्प बना देता है। कोई खानापूरी वाला काम नहीं। मामला अक्ल का है। मैं ख़ुद से पूछता हूँ, 'क्या हम हार्डमैन के बारे में उसके अपने बयान को स्वीकार कर सकते हैं?' मैं अपने आप फैसला करता हूँ और जवाब देता हूँ, ''हाँ।'' मेरी तो यही राय है कि हम हार्डमैन के बारे में उसके अपने बयान को स्वीकार कर सकते हैं।'

'आप सहज ज्ञान पर भरोसा करते हैं—जिसे अमरीकी खुटका कहते हैं?' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा।

'बिलकुल नहीं। मैं सम्भावनाओं पर विचार करता हूँ। हार्डमैन जाली पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है—वह उसे फ़ौरन शक का निशाना बना देगा। जो पहला काम पुलिस इस मौके पर पहुँचते ही करेगी, वह हार्डमैन को हिरासत में लेकर न्यू यॉर्क तार भेजना होगा कि अपने बारे में उसका बयान सही है या नहीं। बहुत से यात्रियों के सिलसिले में उनकी असलियत का पता लगाना कठिन होगा; बहुत-से मामलों

में इसकी कोशिश ही नहीं की जायेगी, ख़ास तौर पर जब उनके साथ कोई शक-शुबहे वाला मामला जुड़ा ही नहीं होगा। लेकिन हार्डमैन के मामले में यह साफ़ है। या तो वह वही आदमी है जो वह होने का दावा कर रहा है या नहीं है। इसलिए मैं कह रहा हूँ कि सब कुछ सही साबित होगा।'

'आप उसे शक से बरी कर रहे हैं?'

'बिलकुल नहीं। आप मुझे गलत समझे। मेरी जितनी जानकारी है उसके हिसाब से किसी भी अमरीकी जासूस के पास रैचेट की हत्या करने के अपने कारण हो सकते हैं। नहीं, जो मैं कह रहा हूँ कि हम हार्डमैन के बारे में उसके अपने बयान को स्वीकार कर सकते हैं। तब यह कहानी जो वह बताता है कि रैचेट ने उससे सम्पर्क करके उसे भाड़े पर रखा, नामुमकिन नहीं है, और हालाँकि बिलकुल निश्चित तौर पर नहीं, मगर बहुत करके सही है। अगर हम उसे सच्ची मानने जा रहे हैं तो हमें देखना होगा कि क्या उसकी कोई तसदीक भी हो रही है। हमें वह एक बिलकुल ही नामुमकिन जगह पर मिलती है—हिल्डेगार्ड शिमट की गवाही में। जिस आदमी को उसने कण्डक्टर की वर्दी में देखा, उसका जो हुलिया उसने बताया वह बिलकुल मेल खाता है। क्या इन दो कहानियों की और भी तसदीक है? हाँ, है। वह बटन है जो श्रीमती हबर्ड को अपने कूपे में मिला। और एक और तसदीकी बयान है जिस पर आपने शायद ग़ौर न किया हो।'

'वह क्या है?'

'यह तथ्य कि कर्नल आरबथनॉट और हेक्टर मैक्वीन, दोनों ने ज़िक्र किया है कि कण्डक्टर उनके कूपे के सामने से गुज़रा था। उन्होंने इस तथ्य को कोई महत्व नहीं दिया लेकिन सज्जनो, पिएर मिशेल ने दावा किया है कि उसने कुछ निश्चित अवसरों को छोड़कर अपनी सीट नहीं छोड़ी, जिनमें से कोई भी अवसर उसे डिब्बे के दूसरे

छोर पर उस कूपे को पार करते हुए नहीं ले जाने वाला था जिसमें आरबथनॉट और मैक्वीन बैठा हुआ था।

'लिहाज़ा यह कहानी, कण्डक्टर की वर्दी में औरतों जैसी आवाज़ वाले छोटे से साँवले आदमी की कहानी—सीधे-सीधे या परोक्ष रूप से—चार गवाहों के बयान पर टिकी है।'

'एक छोटा-सा नुक्ता,' डॉक्टर कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'हिल्डेगार्ड शिमट की कहानी सच है तो यह कैसे हुआ कि असली कण्डक्टर ने इस बात का ज़िक्र नहीं किया कि जब वह श्रीमती हबर्ड के बुलावे पर आया था तब उसने हिल्डेगार्ड को देखा था।'

'यह तो साफ़ है मेरे ख़याल से। जब वह श्रीमती हबर्ड के बुलावे पर आया, नौकरानी अपनी मालकिन के पास थी। जब वह आख़िरकार अपने कूपे में वापस गयी तो कण्डक्टर श्रीमती हबर्ड के पास कूपे के भीतर था।'

मोसिए बोक बड़ी कठिनाई से उनके खत्म कर लेने का इन्तज़ार कर रहे थे।

'हाँ, हाँ, हाँ, मेरे दोस्त,' वे अधीरता से पॉयरो को मुखातिब करके बोले।

'लेकिन तुम्हारी सतर्कता, एक-एक क़दम आगे बढ़ने के तुम्हारे कायदे की तारीफ़ करते हुए भी, मैं कहता हूँ तुमने अभी तक मतलब की बात को छुआ तक नहीं है। हम सब सहमत हैं कि इस आदमी का वजूद है। सवाल यह है—वह गया कहाँ?'

पॉयरो ने झिड़कने के अन्दाज़ में सिर हिलाया।

'आप गलती कर रहे हैं। घोड़े को गाड़ी की बजाय पिछाड़ी बाँध रहे हैं। इससे पहले कि मैं ख़ुद से पूछूँ, 'यह आदमी कहाँ गायब हो गया?' मैं ख़ुद से पूछता हूँ, 'क्या ऐसा आदमी सचमुच था भी?' क्योंकि, देखें आप, अगर यह आदमी बनावटी था—कल्पना की

उपज था—तो उसे गायब करवाना कितना ज़्यादा आसान हो जाता है। इसलिए मैं सबसे पहले यह तय करने की कोशिश करता हूँ कि क्या सचमुच हाड़-माँस का ऐसा आदमी था भी।'

'और अब यह तय कर लेने के बाद कि वह है—बताओ—कहाँ है वह अब?'

'इसके दो ही जवाब हैं, मेरे मित्र। या तो वह रेलगाड़ी पर ऐसी किसी असाधारण सूझ-बूझ वाली जगह छिपा हुआ है जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते या फिर वह, जैसा कोई कहे, दो लोग हैं। यानी वह ख़ुद—जिस आदमी से मिस्टर रैचेट को डर था—और रेलगाड़ी का कोई मुसाफ़िर इतनी अच्छी तरह भेष बदले कि मिस्टर रैचेट उसे पहचान नहीं पायें।'

'हाँ, यह तो एक ख़याल है,' मोसिए बोक ने कहा, उनका चेहरा आलोकित हो उठा। लेकिन उस पर फिर से बादल छा गये। 'लेकिन एक एतराज है—'

पॉयरो ने उनके मुँह की बात छीन ली।

'आदमी का कद। क्या आप यही कहने वाले थे? मिस्टर रैचेट के निजी सेवक को छोड़ कर बाकी सभी मुसाफ़िर बड़े डील-डौल के लोग हैं—इतालवी, कर्नल आरबथनॉट, हेक्टर मैक्वीन, काउण्ट आन्द्रेन्यी। ख़ैर, इससे हमारे पास निजी सेवक बचता है—कोई बहुत सम्भावित अनुमान नहीं। लेकिन एक और सम्भावना है। याद कीजिए 'औरतों जैसी' आवाज़। यह हमारे सामने कई विकल्प पेश करता है। वह आदमी औरत का भेस बनाये है या इसके विपरीत वह सचमुच औरत हो सकती है। मर्दों का लिबास पहने लम्बी औरत भी छोटी लगेगी।'

'लेकिन निश्चय ही रैचेट को पता रहा होगा—'

'शायद वह जानता था भी। शायद पहले भी इस औरत ने

अपने मकसद को बेहतर तौर पर पूरा करने के लिए मर्दों का लिबास पहन कर उसकी जान लेने की कोशिश की थी। हो सकता है रैचेट ने भाँप लिया हो कि वह फिर यही चाल चलेगी, इसलिए हार्डमैन से मर्द की ताक में रहने को कहता है, लेकिन वह औरतों जैसी आवाज़ का बहरहाल ज़िक्र करता है।'

'यह एक सम्भावना है,' मोसिए बोक बोले लेकिन—'

'सुनिए, मित्रवर, मेरा ख़याल है अब मुझे आपको उन असंगतियों के बारे में बता देना चाहिए जिन पर डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन का ध्यान गया था।'

उन्होंने विस्तार से उन नतीजों का ज़िक्र किया जिन तक वे और डॉक्टर मरे हुए आदमी के ज़ख़्मों की प्रकृति के आधार पर पहुँचे थे। मोसिए बोक ने कराह कर फिर से अपना सिर हाथों में जकड़ लिया।

'मुझे मालूम है, मुझे ठीक-ठीक मालूम हे आप कैसा महसूस कर रहे हैं,' पॉयरो ने हमदर्दी से कहा। 'सिर चकरघिन्नी खा रहा है, है न?'

'यह सारा क़िस्सा कपोल कल्पना है,' मोसिए बोक चिल्लाये।

'ठीक! यह बेतुका है—असम्भव है—हो नहीं सकता। ऐसा ही मैंने भी कहा है। फिर भी, मेरे दोस्त, है तो यही। हम तथ्यों से नहीं भाग सकते।'

'यह पागलपन है।'

'है न? यह ऐसा पागलपन है कि कभी-कभी मुझ पर यह अहसास हावी हो जाता है कि दरअसल यह बहुत सीधा-सरल होगा—लेकिन यह तो मेरे नन्हे विचारों में से एक ही है—'

'दो हत्यारे,' मोसिए बोक कराहे। 'और ओरिएण्ट एक्सप्रेस पर।' इस ख़याल ही से वे रुआँसे हो उठे।

'और अब आइए इस कपोल कल्पना को और भी अद्भुत बना दें,' पॉयरो चहक कर बोले। 'पिछली रात रेलगाड़ी पर दो रहस्यमय अजनबी हैं। एक तो वह कण्डक्टर है जिसका हुलिया वैसा ही है जैसा मिस्टर हार्डमैन ने हमें बताया और जिसे हिल्डेगार्ड शिमट, कर्नल आरबथनॉट और मैक्वीन ने देखा। एक औरत भी है—लाल किमोनो में—लम्बी, छरहरी औरत—जिसे पिएर मिशेल, मिस डेबनहैम, मोसिए मैक्वीन और मैंने देखा—और जिसकी गन्ध, मैं कह सकता हूँ, कर्नल आरबथनॉट को भी आयी। कौन थी वह? गाड़ी पर किसी ने और नहीं कहा है कि उसके पास लाल किमोनो है। वह भी गायब हो गयी है। क्या वह और नकली कण्डक्टर एक थे? या वह कोई अलग ही शख्सियत भी? कहाँ है वे, ये दोनों? और लगे हाथ, कहाँ है कण्डक्टर की वर्दी, लाल किमोनो?'

'आह! यह तो कुछ निश्चित और ठोस-सा है,' मोसिए बोक आतुरता से उछल कर खड़े हो गये।

'हमें सभी मुसाफ़िरों के सामान की जाँच करनी चाहिए। हाँ, यह होगा कुछ।'

पॉयरो भी उठे।

'मैं एक भविष्यवाणी करूँगा,' वे बोले।

'तुम्हें पता है वे कहाँ हैं?'

'एक नन्हा-सा विचार है।'

'कहाँ, बताओ तो?'

'आपको लाल किमोनो मर्दों में से किसी एक के सामान में मिलेगा और कण्डक्टर की वर्दी हिल्डेगार्ड शिमट के सामान में।'

'हिल्डेगार्ड शिमट? तुम्हारा ख़याल है—'

'वह नहीं जो आप सोच रहे हैं। मैं इसे यों कहूँगा। अगर हिल्डेगार्ड दोषी है तो सम्भव है वर्दी उसके सामान में मिले—लेकिन

अगर वह निर्दोष है तो निश्चय ही वह वहाँ मिलेगी।'

लेकिन मोसिए बोक ने बात शुरू की, फिर रुक गये।

'यह आवाज़ कैसी है जो इस तरफ़ आ रही है?' वे चिल्लाये।

'लगता है कोई रेल इंजन चला आ रहा है।'

आवाज़ नज़दीक आयी। उसमें तीखी चीखें और किसी औरत की आवाज़ में प्रतिवाद के स्वर थे। डाइनिंग कार के अन्त में जो दरवाज़ा था वह भड़ाक से खुला। श्रीमती हबर्ड झपाटे से अन्दर आयीं।

'कितना भयानक है,' वे चिल्लायीं। 'बहुत भयानक है। मेरे नहाने वाले झोले में। नहाने वाले झोले में। बड़ा सा छुरा—ख़ून में सना।'

और अचानक आगे को लड़खड़ाते हुए वे बेहोश हो कर मोसिए बोक के कन्धे पर जा गिरीं।

अध्याय 14

हथियार की गवाही

बहादुरी से ज़्यादा और दम के बल पर, मोसिए बोक ने बेहोश होती महिला का सिर मेज़ पर टिकाते हुए लिटा दिया। डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने रेस्तराँ के एक सेवक को आवाज़ दी जो भागता हुआ आया।

'इनका सिर ऐसे रखो,' डॉक्टर ने कहा। 'अगर इन्हें होश आ जाये तो इन्हें थोड़ी सी ब्राण्डी देना। समझे?'

फिर वे बाकी दोनों के पीछे लपक लिये। उनकी दिलचस्पी पूरी तरह जुर्म में थी—बेहोश होती अधेड़ महिला में उन्हें रत्ती भर दिलचस्पी नहीं थी।

सम्भव है कि श्रीमती हबर्ड इन तरीकों से कुछ जल्दी ही होश में आ गयीं, जितना कि वे वैसे न आ पातीं। कुछ मिनट बाद वे उठ कर रेस्तराँ के सेवक के द्वारा पेश किये गये गिलास से ब्राण्डी की चुस्कियाँ लेते हुए एक बार फिर बातें करने लगी थीं।

'मैं बता नहीं सकती कितना भयानक था। मुझे नहीं लगता कि इस रेलगाड़ी पर कोई मेरी भावनाओं को समझ सकता है। बचपन से ही मैं बहोत, बहोत जज़्बाती रही हूँ। ख़ून को महज़ देखना ही—उफ़—अरे, उसके बारे में सोचते ही अब भी जाने दिल को क्या होने लगता है।'

सेवक ने दोबारा गिलास पेश किया।

'एक और ले लीजिए, मैडम।'

'तुम्हारे ख़याल में यह ठीक होगा? मैंने तो ज़िन्दगी भर शराब को हाथ नहीं लगाया। मेरा पूरा परिवार इस सबसे दूर रहा है। फिर भी, चूँकि यह तो दवा के तौर पर ली जा रही है—'

उन्होंने एक बार फिर चुस्की भरी।

इस बीच पॉयरो और मोसिए बोक और उनके ठीक पीछे-पीछे डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन डाइनिंग-कार से निकल कर इस्तम्बूल वाले डिब्बे के गलियारे के साथ-साथ श्रीमती हबर्ड के कूपे की ओर तेज़ी से बढ़ गये थे। दरवाज़े के बाहर ऐसा लगता था कि गाड़ी का हर मुसाफ़िर आकर इकट्ठा हो गया है। कण्डक्टर चेहरे पर परेशानी का भाव लिये उन्हें पीछे रख रहा था।

'मेहरबानी करके यहाँ भीड़ न लगाइए,' उसने कहा और अपनी बात को कई भाषाओं में दोहराया।

'ज़रा मुझे निकल जाने दीजिए,' मोसिए बोक ने कहा।

अपने भारी-भरकम शरीर को रुकावट पैदा करने वाले मुसाफ़िरों की भीड़ में से खींच कर निकालते हुए वे कूपे के अन्दर

दाख़िल हुए,' पॉयरो उनके ठीक पीछे-पीछे थे।

'मुझे ख़ुशी है कि आप आ गये हैं, मोसिए,' कण्डक्टर ने राहत की साँस लेते हुए कहा। हर कोई अन्दर आने की कोशिश करता रहा है। और उन्हें अमरीकी महिला—ऐसी चीख-पुकार उन्होंने मचायी—ईश्वर बचाये। मुझे तो लगा उनकी भी हत्या हो गयी है। मैं भागता आया और वे वहाँ खड़ी, किसी पागल औरत की तरह चीख रही थीं। और चिल्लायीं कि उन्हें आपको यहाँ लाना था और वे चल दी थीं, अपनी आवाज़ की पूरी बुलन्दी से चीखती हुईं और हर किसी को, जिसके कूपे के आगे से वे गुजरीं, यह बताती हुईं कि क्या हुआ था।'

उसने आगे हाथ की एक हरकत के साथ आगे कहा :

'वह अन्दर है वहाँ। मैंने उसे छुआ नहीं है।'

अगले कूपे में खुलने वाले दरवाज़े के हैण्डल से रबड़ का एक बड़ा-सा चारखाने का नहाने का झोला लटका हुआ था। उसके नीचे फर्श पर, ठीक वहीं जहाँ वह श्रीमती हबर्ड के हाथ से गिर गयी थी, सीधे फल वाली एक कटार पड़ी हुई थी—सस्ते क़िस्म की, पूर्वी कटार की नकल, नक्काशीदार मूठ और नुकीले फल वाली। फल पर कुछ दाग थे जो जंग जैसे लगते थे।

पॉयरो ने नजाकत से उसे उठाया।

'हाँ,' वे बुदबुदाये। 'इसमें कोई भूल नहीं है। यह हमारा खोया हुआ हथियार ही है। क्या ख़याल है डॉक्टर?'

डॉक्टर ने भी उसे परखा।

'बहुत सावधानी बरतने की ज़रूरत नहीं,' पॉयरो बोले। 'उस पर श्रीमती हबर्ड के अलावा और किसी की उँगलियों के निशान नहीं होंगे।

कॉन्स्टैन्टाइन की जाँच-परख में समय नहीं लगा।

'यही हथियार है,' उसने कहा। 'उनमें से कोई भी घाव इससे हो सकता था।'

'मेरा अनुरोध है, मित्र, ऐसा मत कहो।'

डॉक्टर चकित जान पड़ा।

'पहले ही हम पर संयोगों का भारी बोझ है। दो लोग मिस्टर रैचेट को कल रात चाकू भोंकने का फैसला करते हैं। यह कुछ ज़्यादा ही अच्छा है कि दोनों एक ही हथियार चुनते हैं।

'उस सिलसिले में संयोग शायद उतना बड़ा नहीं जान पड़ता,' डॉक्टर ने कहा। 'ऐसी हज़ारों नकली पुरबिया कटारें कुस्तुन्तुनिया के बाज़ारों में बिकने के लिए भेज दी जाती हैं।'

'इससे मुझे थोड़ी-सी तसल्ली मिली हैं, मगर थोड़ी ही,' पॉयरो ने कहा। उन्होंने अपने सामने के दरवाज़े को कुछ सोचते हुए देखा, फिर नहाने के झोले को उठाकर उससे अलग किया और हत्थे को आजमाया। दरवाज़ा टस-से-मस नहीं हुआ। हत्थे से लगभग एक फुट ऊपर दरवाज़े की चिटखनी भी, पॉयरो ने चिटखनी नीचे की और फिर कोशिश की, लेकिन तब भी दरवाज़ा बन्द का बन्द रहा।

'हमने इसे दूसरी तरफ़ से चिटखनी लगाकर बन्द किया था, याद है,' डॉक्टर ने कहा।

'सही है,' पॉयरो ने खोये-खोये अन्दाज़ में कहा। वे किसी और बात के बारे में सोचते जान पड़ते थे। उनकी भवों में लकीरें थीं, मानो वे चकराये हुए-से हों।

'यह तो ठीक बैठता है न?' मोसिए बोक ने कहा। 'वह आदमी इस कूपे से होकर गुजरता है। जैसे ही वह बीच का दरवाज़ा अपने पीछे बन्द करता है, उसका हाथ झोले को छू जाता है। उसके दिमाग़ में एक ख़याल कौंधता है और वह जल्दी से ख़ून सना छूरा इसके अन्दर सरका देता है। फिर बिलकुल बेख़बर कि उसने श्रीमती हबर्ड

को जगा दिया है, वह दूसरे दरवाज़े से गलियारे में निकल जाता है।'

'जैसा आप कहें,' पॉयरो बुदबदाये। 'ऐसा ही हुआ होगा।'

लेकिन वह चकराया हुआ भाव उनके चेहरे से गया नहीं।

'पर बात क्या है?' मोसिए बोक ने पूछा। 'कुछ है, है न, जो तुम्हें सन्तुष्ट नहीं कर रहा है?'

पॉयरो ने एक तेज़ निगाह उनकी ओर डाली।

'वही बात आपको नहीं सूझ रही? नहीं, जाहिर है नहीं। ख़ैर, छोटी-सी बात है।'

कण्डक्टर ने कूपे में झाँका।

'अमरीकी महिला वापस आ रही है।'

डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन के चेहरे पर अपराध भाव झलक रहा था। उन्होंने, ऐसा वे महसूस कर रहे थे, श्रीमती हबर्ड के साथ लापरवाही बरती थी। लेकिन उनके पास डॉक्टर से करने को कोई शिकायत नहीं थी। उनकी सारी ऊर्जा एक और ही मामले में लगी हुई थी।

'मैं एक बात सीधे-सीधे कह रही हूँ,' उन्होंने दरवाज़े पर पहुँचते ही हाँफते हुए कहा। 'मैं इस कूपे में अब और नहीं रहने जा रही। अरे, अगर आप मुझे एक लाख रुपये भी दे तो भी मैं इसमें सफ़र नहीं करने वाली।'

'लेकिन मैडम—'

'मैं जानती हूँ आप क्या कहने जा रहे हैं और मैं आपको यहीं, इसी दम बता रही हूँ कि मैं ऐसा कुछ नहीं करने वाली। अरे मैं सारी रात गलियारे में बैठे-बैठे काट दूँगी।'

वे रोने लगीं।

'अरे, अगर मेरी बेटी को पता भर चल जाए—अगर वह मुझे इस हालत में देख भर लेती, अरे—'

पॉयरो ने दृढ़ता से उन्हें टोका।

'आपको गलतफ़हमी है, मैडम। आपकी फ़रमाइश बिलकुल वाजिब है। आपका सामान फ़ौरन दूसरे कूपे में रख दिया जायेगा।'

श्रीमती हबर्ड ने अपना रूमाल नीचे कर लिया।

'ऐसा? आह, मुझे तो इतने भर से अच्छा महसूस होने लगा। लेकिन गाड़ी तो यक़ीनन पूरी भरी हुई है, अलबत्ता, अगर कोई सज्जन—'

मोसिए बोक अब बोले।

'आपका सामान इस डिब्बे से ही बाहर ले जाया जायेगा। आपको अगले डिब्बे में, जो बेलग्रेड से गाड़ी में जुड़ा है, एक कूपे मिलेगा।'

'अरे यह तो बहुत बढ़िया है। मैं उन औरतों में नहीं हूँ जो ज़रा-ज़रा-सी बात पर घबरा जाती हैं, लेकिन एक मरे हुए आदमी के बगल वाले कूपे में सोना—' उन्होंने झुरझुरी ली। 'मैं तो पगला जाऊँगी।'

'मिशेल,' मोसिए बोक ने आवाज़ दी। 'इस सब सामान को हटा कर एथेन्स से पैरिस जाने वाले डिब्बे में किसी खाली कूपे में रख दो।'

'जी मोसिए—इसी जैसा जो है—नम्बर 3?'

'नहीं,' इससे पहले कि उनके मित्र जवाब दे पाते, पॉयरो ने कहा 'मेरे ख़याल में बेहतर होगा कि मैडम को बिलकुल अलग नम्बर का कूपे दिय जाये। मिसाल के लिए नम्बर 12।'

'बहुत अच्छा मोसिए, मोसिए।'

कण्डक्टर ने सामान उठाया। श्रीमती हबर्ड कृतज्ञता से पॉयरो की तरफ़ मुड़ीं।

'आपकी बहोत मेहरबानी है। यक़ीन मानिए, मैं बहोत आभारी हूँ।'

'इसका ज़िक्र भी मत कीजिए, मैडम। हम आपके साथ आयेंगे

और यह पक्का करेंगे कि आपको वहाँ आराम से बैठा दिया गया है।'

तीनों आदमी श्रीमती हबर्ड के साथ उनकी नयी रिहाइश में पहुँचे। श्रीमती हबर्ड ने ख़ुशी से अपने चारों तरफ़ देखा।

'यह ठीक है।'

'ठीक लगा आपको, मैडम? देखिए, यह ठीक वैसा ही कूपे है, जैसा आप छोड़कर आयी हैं।'

'सही कहा—पर इसका मुँह दूसरी तरफ़ है। मगर इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता, क्योंकि ये गाड़ियाँ पहले एक तरफ़ जाती हैं, फिर दूसरी तरफ़। मैंने अपनी बेटी से कहा, "मैं ऐसा डिब्बा चाहती हूँ जिसका मुँह इंजन की तरफ़ हो," और वह बोली, 'अरे, ममा, यह तो तुम्हारे लिए अच्छा होगा क्योंकि अगर तुम एक दिशा में जाते हुए सोओगी, तब जब तुम जागोगी गाड़ी दूसरी तरफ़ जा रही होगी।' और यह बिलकुल सच था जो उसने कहा। अरे, कल हम एक तरफ़ से बेलग्रेड में दाख़िल हुए थे और दूसरी तरफ़ से निकले थे।'

'बहरहाल, मैडम, अब आप काफ़ी ख़ुश और सन्तुष्ट हैं न?'

'ख़ैर, ऐसा तो मैं नहीं कहूँगी। यहाँ हम बर्फ़ में फँसे हुए हैं और कोई इस बारे में कुछ नहीं कर रहा है और मेरा जहाज़ परसों रवाना हो रहा है।'

'मैडम,' मोसिए बोक ने कहा, 'हम सब इस मामले में साथ-साथ फँसे हैं—हम में से हरेक।'

'ख़ैर, यह सही है,' श्रीमती हबर्ड ने स्वीकार किया। 'लेकिन और किसी के कूपे से होकर आधी रात को कोई हत्यारा नहीं निकलता।'

'जो बात मुझे अब भी हैरान कर रही है, मैडम,' पॉयरो ने कहा, 'वह यह कि वह आदमी आपके कूपे में कैसे दाख़िल हुआ अगर बीच के दरवाज़े की चिटखनी लगी हुई थी, जैसा आपने

बताया। आपको यक़ीन है, चिटखनी लगी थी?'

'अरे, उस स्वीडी महिला ने मेरे सामने उसे परखा था।'

'उस छोटे-से दृश्य को एक बार फिर देखें। आप बिस्तर पर लेटी हुई थीं—ऐसे—और आप ख़ुद नहीं देख सकती थीं, आप कहती हैं?'

'नहीं, उस नहाने वाले झोले की वजह से। लो, मुझे एक नया झोला लेना पड़ेगा। इसे देखकर तो मेरा दिल ख़राब होने लगता है।'

पॉयरो ने झोला उठाया और उसे दूसरे कूपे में खुलने वाले दरवाज़े के हत्थे पर टाँग दिया।'

'बिलकुल—मैं देख रहा हूँ,' वे बोले। 'चिटखनी हत्थे के ठीक नीचे है—झोला उसे ढक लेता है। आप जहाँ लेटी थीं, वहाँ से उसे नहीं देख सकती थीं कि चिटखनी लगी है या नहीं।'

'अरे, यही तो मैं आपको बताती रही हूँ।'

'और स्वीडी महिला मिस ओह्लसन, ऐसे खड़ी हुईं, आपके और दरवाज़े के बीच। उन्होंने उसे अजमाया और आपसे कहा कि चिटखनी लगी है।'

'हाँ, ऐसा ही हुआ।'

'तो भी मैडम, हो सकता है, उनसे भूल हुई हो। आप समझीं मैं क्या कह रहा हूँ।' पॉयरो समझाने के लिए व्यग्र जान पड़े। 'चिटखनी तो ज़रा-सा धातु का बाहर को निकला टुकड़ा है—ऐसे। दायीं ओर मुड़ा हो तो दरवाज़ा बन्द है, सीधा छोड़ दिया जाय तो खुला है। सम्भव है, उन्होंने सिर्फ़ दरवाज़े को धकेला हो और चूँकि वह दूसरी तरफ़ से बन्द था, उन्होंने मान लिया हो कि आप की तरफ़ से भी चिटखनी लगी है।'

'ख़ैर, तब तो मैं कहूँगी कि यह उसकी बेवक़ूफ़ी थी।'

'मैडम जो सबसे भले और नरम दिल होते हैं, वे हमेशा सबसे

अक्लमन्द नहीं होते।'

'यह तो ख़ैर देखा गया है।'

'अच्छा, यह बताइए मैडम, क्या आप इधर आते हुए स्मर्ता भी गयी थीं?'

'नहीं, मैं जहाज़ पर सीधे इस्तम्बूल आयी और मेरी बेटी के एक मित्र—मिस्टर जॉनसन (बेहद प्यारे आदमी; आप को उनसे मिलवाने में मुझे बड़ी ख़ुशी होती)—मुझे वहाँ मिले और उन्होंने मुझे पूरा इस्तम्बूल घुमाया जो मुझे बड़ा निराशाजनक शहर लगा—सब जगह टूटता गिरता। और रही बात उन मस्जिदों की और जूतों के ऊपर वे ढीली-ढाली चीज़ें चढ़ाने की—कहाँ थी मैं?'

'आप बता रही थीं कि मिस्टर जॉनसन आपसे मिले।'

'हाँ, हाँ, वही, और उन्होंने मुझे स्मर्ता के लिए एक फ्रान्सीसी डाक ले जाने वाली नाव पर सवार करा दिया और उधर घाट पर मेरी बेटी के पति इन्तज़ार कर रहे थे। क्या कहेंगे वे जब इस सबके बारे में सुनेंगे! मेरी बेटी ने कहा था कि यह सबसे सीधा, आसान सुरक्षित तरीका होगा। ''आप बस अपने कूपे में बैठी रहिए,'' उसने कहा था, ''और आप पारिस पहुँच जाइए और वहाँ अमेरिकन एक्सप्रेस आपको मिल जायेगी।'' और लो, अब मैं अपने जहाज का टिकट रद्द कराने के सिलसिले में क्या करूँ? यह तो बहुत भयानक है—'

श्रीमती हबर्ड ने एक बार फिर आँसुओं में फूट पड़ने की निशानियाँ जाहिर कीं।

पॉयरो ने जो इस बीच थोड़ा कसमसा रहे थे, इस मौके को थाम लिया।

'आपको सदमा पहुँचा है, मैडम। डाइनिंग-कार के आदमी को हिदायत दी जायेगी कि वह आपको थोड़ी-सी चाय और बिस्कुट दे जाय।'

'मेरे ख़याल में मैं चाय की उतनी शौकीन नहीं हूँ,' श्रीमती हबर्ड ने रुआँसी आवाज़ में कहा, 'वह तो अंग्रेज़ों की आदत ज़्यादा है।'

'तब कॉफ़ी पीजिए मैडम। आपको कुछ ऐसा चाहिए जो ताक़त दे।'

'उस ब्राण्डी ने मेरे सिर को कैसा अजीब-सा कर दिया है। मेरा ख़याल है थोड़ी-सी कॉफ़ी मैं ज़रूर पसन्द करूँगी।'

'बढ़िया। आपको अपना जोश तरोताजा कर लेना चाहिए।'

'लो, कैसी आजीब-सी बात की आपने।'

'लेकिन पहले मैडम, थोड़ी-सी खानापूरी। आप की इजाजत से मैं आपके सामान की जाँच करना चाहूँगा।'

'काहे के लिए।'

'हम सभी मुसाफ़िरों के सामान की पड़ताल शुरू करने वाले हैं। मैं आपको एक नापसन्दीदी अनुभव की याद नहीं दिलाना चाहता, पर आपका झोला—याद कीजिए।'

'हे भगवान! हाँ, हाँ, ठीक है। मैं और इस तरह के चौंकाने वाले मामलों को नहीं देखना चाहती।'

तलाशी जल्दी खत्म हो गयी। श्रीमती हबर्ड बहुत थोड़े से सामान के साथ सफ़र कर रही थीं—हैड का डिब्बा, सस्ता-सा सूटकेस और एक ठुँसा हुआ सफरी बैग। तीनों में जो सामान था वह सीधा-सादा था और उसकी जाँच में कुछ मिनटों से ज़्यादा वक़्त न लगता, अगर श्रीमती हबर्ड ने यह हठ करके विलम्ब न कराया होता कि उनकी बेटी की तस्वीरों को मुनासिब तवज्जो दी जाय, साथ ही दो किसी कदर बदसूरत बच्चों को भी—'मेरी बेटी के बच्चे। हैं न होशियार?'

अध्याय 15

मुसाफ़िरों के सामान की गवाही

बहुत सारे असत्य बोलने और श्रीमती हबर्ड को यह सूचित करने के बाद कि वे फ़ौरन आदेश देंगे कि उन्हें कॉफ़ी लाकर दी जाये, पॉयरो अपने दो मित्रों के साथ वहाँ से मुक्त होकर चलने के क़ाबिल हुए।

'ख़ैर, हमने एक शुरुआत की और कहीं पहुँच नहीं पाये है,' मोसिए बोक ने टिप्पणी की। 'अब हमारी अगली मंज़िल कौन-सी होगी?'

'मेरे ख़याल में सबसे सीधा और आसान रास्ता यही होगा कि रेलगाड़ी में डिब्बा-दर-डिब्बा बढ़ें। इसका मतलब है कि हम नम्बर 16—भले मिस्टर हार्डमैन से शुरू करें।'

मिस्टर हार्डमैन ने, जो सिगार पी रहे थे, गर्मजोशी से उनका स्वागत किया।

'चले आइए, सज्जनों—यानी अगर यह किसी तरह मुमकिन हो इस कूपे में किसी पार्टी के लिए जगह कुछ तंग-सी है।'

मोसिए बोक ने उन्हें अपने आने का मकसद बताया और उस लम्बे चौड़े डिटेक्टिव ने समझदारी से सिर हिलाया।

'यह बिलकुल मुनासिब है। सच कहूँ तो मैं लगातार यह सोचता रहता कि आप लोगों ने और पहले इस काम को क्यों नहीं किया। बहरहाल, ये रहीं मेरी चाभियाँ और अगर आप मेरी जेबों की भी तलाशी लेना चाहें तो आप ख़ुशी से ऐसा कर सकते हैं। क्या मैं अपने बैग वग़ैरा उतार दूँ?'

'यह सब कण्डक्टर कर लेगा। मिशेल!'

मिस्टर हार्डमैन के दोनों बैग की तलाशी जल्दी से ले ली गयी और सिवा इसके कि उनमें लाल परी की बहुत-सी बोतलें निकली,

और कुछ ख़ास नहीं था। मिस्टर हार्डमैन ने आँख मारी।

'सीमा पर अक्सर वे आपके सामान की तलाशी नहीं लेते—ख़ास तौर पर अगर आप कण्डक्टर को पटा लें। मैंने पहले ही तुर्की नोटों की एक गड्डी थमा दी थी और तब से अब तक कोई समस्या नहीं हुई है।'

'और पैरिस में?'

मिस्टर हार्डमैन ने फिर आँख मारी।

'जब तक हम पैरिस पहुँचेंगे,' वे बोले, 'इस दारू में से जो कुछ बचेगा, वह एक बोलत में आ जायेगा जिस पर शैम्पू लिखा होगा।'

'आप नशाबन्दी में विश्वास करने वालों में नहीं हैं, मिस्टर हार्डमैन, मोसिए बोक मुस्कराते हुए बोले।

'ख़ैर, मैं यही कह सकता हूँ कि नशाबन्दी के कानून से मुझे कभी बहुत परेशानी नहीं हुई।'

'आह!' मोसिए बोक ने कहा। 'जिसे आप स्पीक-इज़ी कहते हैं, गुमटियों में दारू की दुकानें।' उन्होंने स्पीक-इज़ी शब्द को सावधानी से कहा, उसका स्वाद लेते हुए।

'आपके अमरीकी शब्द कितने अजीब हैं, कितने अर्थपूर्ण,' वे बोले।

'मैं, मैं तो अमरीका जाना बहुत पसन्द करूँगा,' पॉयरो ने कहा।

'वहाँ आप छलाँगें लगाने के कुछ तरीके सीख जायेंगे,' हार्डमैन ने कहा। 'यूरोप को जगाये जाने की ज़रूरत है। यह अभी आधी नींद में है।'

'यह सच है कि अमरीका प्रगति का देश है,' पॉयरो ने सहमति प्रकट की। 'ऐसा बहुत कुछ है जिसके लिए मैं अमरीकियों को

पसन्द करता हूँ। बस—शायद मैं पुराने ख़यालों का हूँ—लेकिन मुझे अमरीकी महिलाएँ अपने देश की महिलाओं से कम आकर्षक लगती हैं। फ्रान्सीसी या बेल्जियम की लड़की—चुलबुली, दिलकश—मेरे ख़याल में उसका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।'

हार्डमैन मिनट भर के लिए बर्फ़ की तरफ़ देखने के लिए मुड़े।

'शायद आप ठीक कह रहे हैं, मिस्टर पॉयरो,' वे बोले। 'लेकिन मेरे ख़याल में हर आदमी को अपने देश की लड़कियाँ ही सबसे अच्छी लगती हैं।'

उन्होंने आँखें झपकीं मानो बर्फ़ की चौंधियाहट से वे दर्द करने लगी थीं।

'चौंधिया देने वाला नजारा है न?' उन्होंने टिप्पणी की। बहरहाल सज्जनों, यह मामला मेरे दिमाग़ पर चढ़ गया है। हत्या और बर्फ़ और बाकी सब कुछ और कुछ भी नहीं रहा। बस, बैठे रहो और समय काटते रहो। मैं तो किसी चीज़ या किसी आदमी की खोज-बीन में अपना समय लगाना चाहूँगा।'

'धक्का-मुक्की करके आगे बढ़ने का असली पश्चिमी जज्बा, है न?' पॉयरो ने मुस्कराते हुए कहा।

कण्डक्टर ने बैग वापस रख दिये और वे अगले कूपे की तरफ़ बढ़ गये। कर्नल आरबथनॉट एक कोने में बैठे पाइप पीते हुए कोई पत्रिका पढ़ रहे थे।

पॉयरो ने अपने आने की वजह बतायी। कर्नल ने कोई एतराज़ नहीं किया। उनके पास दो भारी सूटकेस थे।

'मेरा बाकी सामान समुद्री जहाज से जा चुका है,' उन्होंने सफ़ाई दी।

ज़्यादातर फौजियों की तरह कर्नल का सामान करीने से रखा गया था। उनके सामान की तलाशी में कुछ मिनट से अधिक नहीं

लगा। पॉयरो को पाइप साफ़ करने वालों का एक पैकेट नज़र आया।

'आप हमेशा इसी क़िस्म के इस्तेमाल करते हैं?' उन्होंने पूछा।

'आम तौर पर। अगर मुझे मिल जाये तो।'

'आह!' पॉयरो ने समझदारी से सिर हिलाया।

ये पाइप साफ़ करने वाले ठीक वैसे ही थे जैसा मृत व्यक्ति के कूपे के फ़र्श पर मिला था।

जब वे दोबारा गलियारे में बाहर निकल आये तो डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने इसका ज़िक्र भी किया।

'बहरहाल,' पॉयरो बुदबुदाये, 'मुझे विश्वास ही नहीं हो रहा। यह स्वभाव से मेल नहीं खाता और जब आप यह कह दें तो आपने सब कुछ कह दिया।'

अगले कूपे का दरवाज़ा बन्द था। इसमें रानी ड्रैगोमिरॉफ़ टिकी हुई थीं। उन्होंने दरवाज़े पर दस्तक दी और रानी साहिबा की भारी आवाज़ सुनायी दी, 'आइए।'

मोसिए बोक ने ही बात छेड़ी। अपने आने का कारण बताते हुए वे बहुत अदब और तहज़ीब से पेश आये।

रानी साहिबा उन्हें ख़ामोशी से सुनती रहीं, उनका छोटा-सा मेढक जैसा चेहरा काफ़ी हद तक भावहीन था।

'अगर यह ज़रूरी है, सज्जनों,' मोसिए बोक के ख़त्म कर लेने पर वे बोलीं, 'तो फिर इसमें बहस का कोई सवाल नहीं। मेरी नौकरानी के पास चाभियाँ हैं। वह आपकी मदद कर देगी।'

'क्या आपकी चाभियाँ हमेशा आपकी नौकरानी के पास रहती हैं, मैडम?' पॉयरो ने पूछा।

'बिलकुल, मोसिए।'

'और अगर रात के दौरान किसी सरहद पर चुंगी अधिकारी किसी सामान को खुलवाना चाहें तो

'इसकी सम्भावना बहुत कम है। लेकिन ऐसी हालत में कण्डक्टर उसे बुला जायेगा।'

'तब आप पूरी तरह उस पर विश्वास करती हैं, मैडम?'

'मैं यह आपको पहले ही बता चुकी हूँ,' रानी साहिबा ने आहिस्ता से कहा। 'मैं उन लोगों को अपनी सेवा में नहीं रखती जिनका भरोसा न कर सकूँ।'

'जी,' पॉयरो ने सोचते हुए कहा। 'भरोसा इन दिनों सचमुच कुछ चीज़ है। शायद आजकल किसी घरेलू औरत को, जिस पर आदमी भरोसा कर सके, रखना किसी तड़क-भड़क वाली, मिसाल के लिए चुस्तचालाक पैरिस की रहने वाली, नौकरानी की बनिस्बत बेहतर है।

उन्होंने रानी साहिबा की काली, सूझ-बूझ वाली आँखों को धीरे-धीरे घूम कर अपने चेहरे पर आ टिकते देखा।

'आप वाकई क्या कहना चाहते हैं, मोसिए पॉयरो?'

'कुछ भी नहीं, मैडम। मैं? कुछ भी नहीं।'

'मगर हाँ। आप सोचते हैं कि अपने प्रसाधनों के लिए मुझे कोई चुस्त-दुरुस्त फ्रान्सीसी औरत रखनी चाहिए, नहीं?'

'शायद आम तौर पर ऐसा ही होता, मैडम।'

उन्होंने अपना सिर हिलाया।

'शिमट भक्तिभाव से मेरा ख़याल रखती है।' उनकी आवाज़ शब्दों पर टिकी रही। 'भक्तिभाव से—बेशकीमती है यह।'

जर्मन नौकरानी चाभियों के साथ आ गयी थी। रानी साहिबा ने उसी की भाषा में उससे बात की, उसे सामान को खोलकर उन सज्जनों को तलाशी लेने में मदद करने की हिदायत देते हुए। वे ख़ुद गलियारे में बर्फ़ को देखती खड़ी रहीं और पॉयरो मोसिए बोक के जिम्मे तलाशी का काम छोड़ कर रानी साहिबा के पास बने रहे।

उन्होंने पॉयरो को एक गम्भीर मुस्कराहट के साथ देखा।

'क्यों मोसिए, आप नहीं देखना चाहते कि मेरे सामान में क्या कुछ है?'

उन्होंने सिर हिला दिया।

'मैडम, यह सिर्फ़ खानापूरी है, बस।'

'आपको इतना यक़ीन है?'

'आपके मामले में हाँ।'

'तिस पर भी मैं सोनिया आर्मस्ट्रॉन्ग को जानती थी, उसे प्यार करती थी। क्या ख़याल है तब आपका? कि मैं कसेटी जैसे जानवर को मार कर अपने हाथों को गन्दा करूँगी? ख़ैर, शायद आप सही हैं।'

वे दो-एक मिनट चुप रहीं फिर बोलीं :

'ऐसे आदमी के साथ आपको पता है मैं क्या किया जाना पसन्द करती? मैं अपने नौकरों को बुलाकर कहती, ''इस आदमी को कोड़े मार कर खत्म कर दो और फिर कचरे के ढेर पर फेंक दो।'' जब मैं छोटी थी तो मामले इसी तरह निपटाये जाते थे, मोसिए।'

तब भी पॉयरो कुछ नहीं बोले, बस ध्यान से सुनते रहे।

रानी साहिबा ने अचानक तीखेपन से पॉयरो की तरफ़ देखा।

'आप कुछ कह नहीं रहे, मोसिए पॉयरो। मैं तो यही सोच रही हूँ कि आप किस उधेड़-बुन में हैं?'

'मैं सोच रहा हूँ मैडम कि आपकी बाँह से ज़्यादा ताक़त आपकी इच्छा शक्ति में है।'

रानी साहिबा ने काली आस्तीनों से ढँकी अपनी पतली-पतली बाँहों को देखा जिनके आख़िर में पंजों सरीखे पीले हाथ थे जिनकी उँगलियों में अँगूठियाँ थीं।

'सच है,' उन्होंने कहा। 'मेरे पास इनमें कोई ताक़त नहीं—ज़रा भी नहीं। मैं नहीं जानती कि मुझे इस पर अफ़सोस है या ख़ुशी।'

फिर वे सहसा अपने कूपे की तरफ़ मुड़ी, जहाँ नौकरानी सामान को फिर से सँजोकर रखने में जुटी हुई थी।

रानी साहिबा ने मोसिए बोक के खेद प्रकट करने को बीच ही में काट दिया।

'आपको माफ़ी माँगने की कोई ज़रूरत नहीं, मोसिए,' वे बोलीं। 'एक हत्या की गयी है। कुछ क़दम उठाये जाने हैं। बस, इतना-सा मामला है।'

'आपकी बड़ी मेहरबानी, मैडम!'

वे जाने लगे तो उन्होंने सिर एक तरफ़ को झुका लिया।

अगले दोनों कूपों के दरवाज़े बन्द थे। मोसिए बोक ने रुक कर सिर खुजाया।

'मर गये!' वे बोले। 'यह थोड़ा अटपटा साबित होगा। ये कूटनीतिक पासपोर्ट हैं। उनका सामान जाँच से बरी है।'

'चुंगी की जाँच से, ठीक है। लेकिन हत्या का मामला अलग है।'

'मैं जानता हूँ। तो भी—हम कोई उलझन नहीं चाहते।'

'अपने को बेचैन मत करो। काउण्ट और काउण्टेस समझदारी से काम लेंगे। देखो रानी ड्रैगोमिरॉफ ने कैसे रजामन्दी से सामान की तलाशी दी।'

'वे तो सचमुच शानदार महिला हैं। इन दोनों की भी वही हैसियत है, लेकिन काउण्ट ने मुझ पर कुछ ऐसा असर डाला था कि वे कुछ लड़ाकू स्वभाव के हैं। जब तुमने उनकी पत्नी से पूछ-ताछ करने की बात कही थी तो वे ख़ुश नहीं हुए थे। और यह उन्हें और भी ज़्यादा खिझा देगा। फ़र्ज़ करो—अ—हम उन्हें छोड़ ही दें। आख़िरकार उनका इस मामले से क्या लेना-देना होगा। मैं अपने लिए फालतू मुसीबत क्यों खड़ी करूँ?'

'मैं आपसे सहमत नहीं हूँ,' पॉयरो ने कहा। 'मुझे पूरा यक़ीन है कि काउण्ट आन्द्रेन्यी समझ से काम लेंगे। किसी भी हाल में आइए, हम कोशिश तो करें।'

और मोसिए बोक के जवाब देने से पहले, पॉयरो ने नं० 13 नम्बर के कूपे पर ज़ोर से दस्तक दी। अन्दर से एक आवाज़ सुनायी दी, 'आइए।'

काउण्ट दरवाज़े के नजदीक एक कोने में बैठे अख़बार पढ़ रहे थे। काउण्टेस दूसरे छोड़ पर खिड़की के पास सिमटी हुई थीं। उनके सिर के पीछे एक तकिया था और लगता कि वे नींद से जगी थीं।

'माफ कीजिए, काउण्ट,' पॉयरो ने बात शुरू की। 'इस दखलन्दाज़ी को ध्यान में न लाइएगा। बात यह है कि हम रेलगाड़ी में सभी मुसाफ़िरों के सामान की जाँच कर रहे हैं। ज़्यादातर मामलों में महज़ खानापूरी। लेकिन इसे करना ज़रूरी है। मोसिए बोक का कहना है कि चूँकि आपके पास कूटनीतिक पासपोर्ट है इसलिए आप बेखटके इस जाँच से मुक्त रहने का दावा कर सकते हैं।'

काउण्ट ने पल भर विचार किया,

'शुक्रिया,' उन्होंने कहा। 'लेकिन मैं नहीं चाहता कि मेरे सिलसिले में किसी अपवाद का सहारा लिया जाय। मैं पसन्द करूँगा कि दूसरे मुसाफ़िरों की तरह मेरे सामान की भी जाँच की जाय।'

वे अपनी पत्नी की तरफ़ मुड़े।

'उम्मीद है तुम्हें कोई एतराज नहीं है, एलीना?'

'बिलकुल नहीं,' काउण्टेस ने हिचके बिना कहा।

इसके बाद तेज़ी से और सरसरी तौर पर जाँच पूरी की गयी लगता था पॉयरो इस बीच छोटे-छोटे जुमले कहते हुए शर्मिन्दगी के एहसास को ढँकने की कोशिश कर रहे थे, मसलन।

'यह देखिए, मैडम, आपके सूटकेस पर यह लेबल बिलकुल

भीग गया है,' नीले चमड़े का एक सूटकेस उठा कर नीचे रखते हुए उन्होंने कहा जिस पर एक मुकुट और कुछ अक्षर अंकित थे।

काउण्टेस ने इस जुमले का कोई जवाब नहीं दिया। वे इस सब कार्रवाई से ऊबी नज़र आती हुईं अपने कोने में सिमट कर बैठी रहीं। खिड़की के बाहर खोये-खोये अन्दाज़ में देखती रहीं जिस बीच लोग बगल के कूपे में उनके सामान की तलाशी लेते रहे।

पॉयरो ने अपनी जाँच वॉश-बेसिन के ऊपर की छोटी-सी अलमारी को खोल कर उसमें रखे सामान पर जल्दी से नज़र डालते हुए पूरी की—स्पंज, चेहरे की क्रीम पाउडर और एक छोटी-सी शीशी जिस पर चिपके लेबल पर 'ट्रायोनल' छपा था।

फिर एक-दूसरे से कुछ शिष्टता-भरे वाक्य कहते हुए जाँच दल आगे बढ़ गया।

इसके बाद श्रीमती हबर्ड का कूपे, मृत व्यक्ति का कूपे और पॉयरो का कूपे था।

उनकी फेहरिस्त में अब दूसरे दर्जे के कूपे थे। पहले वाले नम्बर 10 और 11 में मेरी डेबनहैम थी जो किताब पढ़ रही थी और ग्रेटा ओह्लसन जो गहरी नींद में थी, पर उनके आते ही चौंक कर जाग गयी।

पॉयरो ने अपना नुस्खा दोहराया। स्वीडी महिला बेचैन लगी, मेरी डेबनहैम शान्त उदासीनता से भरी।

पॉयरो ने स्वीडी महिला को सम्बोधित किया।

'अगर आप इजाजत दें मैडम तो हम आपका सामान पहले जाँच लें और फिर शायद आप जा कर यह देखने की कृपा करें कि अमरीकी महिला का क्या हाल है। हम उन्हें अगले डिब्बे के एक कूपे में ले गये हैं, लेकिन वे अब भी अपनी खोज के बारे में काफ़ी परेशान हैं। मैंने उनके लिए कॉफ़ी ले जाने का आदेश दिया है, लेकिन मेरे ख़याल से वे उन लोगों में से हैं जिनकी सबसे पहली ज़रूरत किसी

से बात करने की है।'

भली स्वीडी महिला ने फ़ौरन हमदर्दी जाहिर की। वे फ़ौरन जायेंगी यक़ीनन इस तरह चाकू का मिलना उनके लिए काफ़ी बड़ा धक्का रहा होगा और पहले ही बेचारी महिला इस सफ़र से और अपनी बेटी को पीछे छोड़ आने के कारण परेशान थीं। हाँ—वे यक़ीनन फ़ौरन उनके पास जायेंगी—उनके सूटकेस में ताला नहीं लगा था—और वे अपने साथ बेहोशी दूर करने वाली दवा भी ले जायेंगी।

वे झटपट चल दीं। उनके सामान की तलाशी जल्दी ही पूरी कर ली गयी। वह भी बहुत थोड़ा-सा। साफ़ था कि उन्होंने प्रकट ही अपने टोपियों वाले डिब्बे से हटायी गयी तारों पर ग़ौर नहीं किया था।

मिस डेबनहैम ने अपनी किताब नीचे रख दी थी। वह पॉयरो को देख रही थी। जब उन्होंने उससे पूछा तो उसने अपनी चाभियाँ पॉयरो को थमा दीं। फिर जब पॉयरो ने एक सूटकेस उतार कर खोला, उसने पूछा :

'आपने उसे भेज क्यों दिया, मोसिए पॉयरो?'

'मैंने, मैडमोज़ेल? अरे, इसलिए कि वे अमरीकी महिला की देख-भाल कर सकें।'

'उम्दा बहाना है—मगर हर हाल में बहाना ही है।'

'मैं आपको समझ नहीं पा रहा, मैडमोज़ेल।'

'मेरा ख़याल है आप मुझे बहुत अच्छी तरह समझ रहे हैं।' वह मुस्करायी।

'आप मुझसे अकेले में बात करना चाहते थे। यही बात थी न?'

'आप मेरे मुँह में अपने शब्द रख रही हैं, मैडमोज़ेल।''

'और आपके दिमाग़ में अपने विचार? नहीं, मेरा ऐसा ख़याल

नहीं है। विचार तो पहले ही से वहाँ हैं। सही कह रही हूँ न?'

'मैडमोज़ेल, हमारे यहाँ एक कहावत है—'

'माफ़ी माँगने का मतलब है अपराध स्वीकार करना—यही कहने जा रहे थे आप? मेरी आँखें भी हैं और सहज बुद्धि भी, इतना तो आप को भी मानना चाहिए। किसी वजह से आपके दिमाग़ में यह बात घर कर गयी है कि में इस ग़लीज़ मामले के बारे में कुछ जानती हूँ—उस आदमी की हत्या के बारे में जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा।'

'आप इन बातों की कल्पना कर रही है, मैडमोज़ेल।'

'नहीं, मैं बिलकुल कल्पना नहीं कर रही। लेकिन मुझे लगता है कि सच न कहने पर बहुत समय जाया हो जाता है—सीधे-सीधे बातों को कहने की बजाय फालतू की बातों में सिर खपाने से।'

'और आप समय का नष्ट होना पसन्द नहीं करतीं। नहीं, आप सीधे मतलब की बात पर आना पसन्द करती हैं। आपको सीधा तरीका पसन्द है। ठीक है, मैं आपको वहीं दूँगा सीधा तरीका। मैं आपसे कुछ शब्दों का मतलब पूछूँगा जो सीरिया से आते समय सफ़र के दौरान मेरे कानों में पड़े थे। मैं कोन्या स्टेशन पर वह करने उतरा था जिसे अंग्रेज़ 'टाँगें सीधी करना' कहते हैं। आपकी आवाज़ और कर्नल की भी, रात को चीरकर मुझ तक आयी। आपने उनसे कहा, ''अभी नहीं, अभी नहीं। जब वह सब गुजर जाय। जब वह हमारे पीछे छूट जाये।'' इन शब्दों से आपका क्या मतलब था, मैडमोज़ेल?'

मेरी डेबनहैम ने बहुत आहिस्ता से कहा :

'क्या आपका ख़याल है मेरा मतलब हत्या से था?'

'पूछ तो मैं आप से रहा हूँ, मैडमोज़ेल।'

मेरी ने लम्बी साँस भरी—एकाध मिनट विचारों में खोयी रही। फिर मानो ख़ुद को जगाते हुए उसने कहा :

'उन शब्दों का एक मतलब था, मोसिए, लेकिन ऐसा नहीं जो मैं आपको बता सकूँ। मैं आपसे सिर्फ़ बड़ी गम्भीरता से यह वचन दे सकती हूँ कि मैंने इस आदमी रैचेट को ट्रेन पर देखने से पहले कभी नहीं देखा था।'

'और—आप उन शब्दों की सफ़ाई देने से इनकार करती हैं?'

'हाँ—अगर आप इसे ऐसे ही कहना-समझना चाहें—मैं इनकार करती हूँ। उनका सम्बन्ध एक काम से था जिसे करने का जिम्मा मैंने लिया था।'

'एक काम जो अब पूरा हो चुका है?'

'क्या मतलब है आपका?'

'वह पूरा हो गया है, है न?'

'आप ऐसा क्यों सोचते हैं?'

'सुनिए, मैडमोज़ेल। मैं आपको एक और घटना की याद कराता हूँ। जिस रोज हमें इस्तम्बूल पहुँचना था रेलगाड़ी में देर हो गयी थी। आप बहुत बेचैन हो गयी थीं। आप जो इतनी शान्त और नियन्त्रित रहती हैं। आप काबू खो बैठी थीं।'

'मैं नहीं चाहती थी कि अगली रेलगाड़ी छूट जाये।'

'ऐसा आपने कहा, मैडमोज़ेल। लेकिन ओरिएण्ट एक्सप्रेस तो इस्तम्बूल से हफ़्ते के हर रोज छूटती है। अगर आप गाड़ी पकड़ने से रह भी जातीं तो मामला सिर्फ़ चौबीस घण्टे की देरी का होता।'

मिस डेबनहैम ने पहली बार आपा खोने की निशानी जाहिर की।

'लगता है आप इस बात को समझ नहीं पा रहे कि लन्दन में किसी आदमी के दोस्त उसका इन्तज़ार कर रहे हो सकते हैं और एक दिन की देर बहुत सारे बन्दोबस्त को उलट-पलट कर परेशानियाँ पैदा कर सकती है।'

'आह, तो मामला यह है? आपके मित्र आपके आने का इन्तज़ार कर रहे हैं? आप उनके लिए असुविधा नहीं पैदा करना चाहतीं।'

'कुदरती बात है।'

'और फिर भी—बड़ी अजीब बात है—'

'क्या अजीब है?'

'इस रेलगाड़ी में फिर हमारे सामने विलम्ब की स्थिति है। और इस बार अधिक गम्भीर विलम्ब की हालत है, क्योंकि इस बार आपके सामने यह सम्भावना भी नहीं है कि आप अपने मित्रों को तार भेज सकें या उनसे बात करने के लिए लॉन्ग—लॉन्ग—'

'लॉन्ग डिस्टेन्स? आपका मतलब टेलीफ़ोन से है।'

'हाँ, हाँ, वही जिसे आप इंग्लैण्ड में सूटकेस कॉल कहते हैं।'

'ट्रंक कॉल,' मेरी ने उन्हें सही किया। 'हाँ, जैसा कि आप कह रहे हैं, टेलीफ़ोन या तार से कोई सन्देशा न भेज पाना बहुत खिझाने वाला है।'

'और तब भी मैडमोज़ेल, इस बार आपका रवैया बिलकुल दूसरा है। अब आप वह पहले जैसी अधीरता नहीं जाहिर कर रहीं। आपका रवैया शान्त और दार्शनिक जैसा है।'

मेरी डेबनहैम का चेहरा लाल हो गया और उसने अपना होंट दाँतों में कस कर दबा लिया। मुस्कराहट उसके चेहरे से गायब हो चुकी थी।

'आपने जवाब नहीं दिया, मैडमोज़ेल?'

'माफ कीजिए। मुझे नहीं मालूम था कि जवाब देने को कुछ था भी या नहीं।'

'आपके रवैये में आये परिवर्तन के बारे में मैडमोज़ेल।'

'क्या आपको नहीं लगता कि आप राई का पहाड़ बना रहे हैं,

मोसिए पॉयरो?' पॉयरो ने अपने हाथ लाचारी की मुद्रा में फैला दिये।

'यह शायद हम जासूसों का दोष है। हम उम्मीद करने लगते हैं कि व्यवहार हमेशा एक-सा होगा। हम मिजाज के उतार-चढ़ाव को खाते में नहीं लेते।'

मेरी डेबनहैम ने कोई जवाब नहीं दिया।

'आप कर्नल आरबथनॉट से अचछी तरह परिचित हैं, मैडमोज़ेल?'

उन्हें लगा कि विषय के बदलने से मेरी को राहत महसूस हुई।

'मैं उनसे इस सफ़र के दौरान पहली बार मिली हूँ।'

'क्या आपको लगता है कि शायद वे इस आदमी रैचेट को पहले से जानते रहे हों?'

उसने अपना सिर फैसलाकुन अन्दाज़ में हिलाया।

'मुझे पूरा यक़ीन है, वे नहीं जानते रहे होंगे।'

'ऐसा यक़ीन आपको कैसे है?'

'जिस तरह उन्होंने बात की, उससे।'

'और फिर भी, मैडमोज़ेल, हमें मृत व्यक्ति के कूपे के फ़र्श पर एक पाइप साफ़ करने वाला मिला। और गाड़ी पर कर्नल आरबथनॉट ही ऐसे अकेले आदमी हैं जो पाइप पीते हैं?'

पॉयरो ने ग़ौर से उसे देखा, लेकिन उसने न आश्चर्य प्रकट किया, न कोई भाव। उसने बस इतना कहा :

'बकवास। यह बिलकुल बेतुका है। कर्नल आरबथनॉट किसी अपराध से सम्बद्ध होने वाले दुनिया के आख़िरी आदमी होंगे—ख़ास तौर पर ऐसे नाटकीय किस्म के अपराध से।'

यह बात इस हद तक ऐसी थी जिसमें ख़ुद पॉयरो का विश्वास था कि उन्होंने ख़ुद को मेरी डेबनहैम की बात से सहमत होने के कगार पर पाया। लेकिन इसके बदले उन्होंने कहा :

'मुझे आपको याद दिलाना होगा कि आप उनसे बहुत अच्छी परीचित नहीं हैं, मैडमोज़ेल।'

उसने कन्धे उचका दिये।

'मैं इस तरह के लोगों को अच्छी तरह जानती हूँ।'

पॉयरो ने बड़ी नरमी से कहा :

'आप अब भी मुझे उन शब्दों का मतलब बताने से इनकार करती हैं—''जब वह सब हमारे पीछे छूट गया हो''?'

मेरी ने ठण्डे लहजे में कहा, 'मुझे और कुछ नहीं कहना है।'

'कोई बात नहीं,' हरक्यूल पॉयरो ने कहा, 'मैं पता लगा लूँगा।'

वे झुके और दरवाज़े को अपने पीछे बन्द करते हुए कूपे के बाहर आ गये।

'क्या यह अक्लमन्दी थी, मेरे दोस्त?' मोसिए बोक ने पूछा।' तुमने उसको ख़बरदार कर दिया है—और उसके जरिये तुमने कर्नल को भी ख़बरदार कर दिया है।'

'प्यारे मित्र, अगर आपको खरगोश पकड़ना हो तो आप उसके बिल में एक नेवला डाल दें और अगर खरगोश वहाँ है तो वह भागता है। मैंने बस इतना ही किया है।'

वे हिल्डेगार्ड शिमट के कूपे में दाख़िल हुए।

हिल्डेगार्ड तैयार खड़ी थी, उसके चेहरे पर आदर था, लेकिन कोई भावना नहीं थी।

पॉयरो ने सीट पर रखे छोटे सूटकेस के सामान को जाँचा। फिर उन्होंने कण्डक्टर को टाँड़ से बड़ा वाला सूटकेस उतारने का इशारा किया।

'चाभियाँ?' वे बोले।

'ताला नहीं लगा है, मोसिए।'

पॉयरो ने कुण्डे खोले और ढक्कन उठाया।

'आह!' उन्होंने कहा और मोसिए बोक की तरफ़ मुड़े, 'आपको याद है मैंने क्या कहा था? पल भर इधर नज़र डालिए।'

सूटकेस के भीतर ऊपर जल्दी से गोल-मोल की गयी कण्डक्टर की एक भूरी वर्दी थी।

उस जर्मन औरत की कठोरता में अचानक एक तब्दीली दिखायी दी।

'आह।' वह चिल्लायी। 'यह मेरी नहीं है। मैंने इसे वहाँ नहीं रखा। इस्तम्बूल से चलने के बाद से मैंने वह सूटकेस नहीं खोला। सचमुच, सचमुच यही सच है।'

वह बिनती करती निगाहों से उनके चेहरों को एक-एक करके देखने लगी।

पॉयरो ने नरमी से उसकी बाँह पकड़ी और उसे तसल्ली दी।

'नहीं, नहीं, सब ठीक है। हमें तुम पर विश्वास है। परेशान मत हो। मुझे पूरा विश्वास है कि तुमने वह वर्दी वहाँ नहीं छिपाई जिस तरह से मुझे पूरा विश्वास है कि तुम एक अच्छी रसोइया हो। देखो, तुम अच्छी खाना बनाने वाली हो न?'

भौंचक्की, वह औरत अपनी परेशानी के बावजूद मुस्करायी।

'जी हाँ, सचमुच। मेरी सभी मालकिनों ने ऐसा कहा है। मैं—' वह रुक गयी, मुँह बायें, फिर से डरी-डरी दिखती हुई।

'नहीं, नहीं,' पॉयरो ने कहा। 'मैं तुम्हें विश्वास दिलाता हूँ, सब ठीक है। देखो, में तुम्हें बताऊँगा यह कैसे हुआ। यह आदमी, जिस आदमी को तुमने कण्डक्टर की वर्दी में देखा था, मृत आदमी के कूपे से निकलता है। वह तुमसे टकरा जाता है। यह उसकी बदकिस्मती है। उसे उम्मीद थी कि कोई उसे नहीं देखेगा। अब आगे वह क्या करे? उसे इस वर्दी से छुटकारा पाना है। अब यह सुरक्षा नहीं, ख़तरा है।'

उनकी नज़र मोसिए बोक और डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन पर गयी जो ध्यान से सुन रहे थे।

'बाहर बर्फ़ है, समझीं। बर्फ़ जो उसकी सारी योजनाओं को ध्वस्त कर देती है। कहाँ छुपाये वह इन कपड़ों को? सारे कूपे भरे हुए हैं। नहीं, वह एक कूपे के सामने से गुजरता है जिसका दरवाज़ा खुला है और अन्दर कोई नहीं। यह उसी औरत का होगा जिससे वह अभी-अभी टकराया था। वह अन्दर घुसता है, वर्दी उतार कर जल्दी से टाँड़ पर रखे एक सूटकेस में ठूँस देता है। इससे पहले कि वह खोजी जाये कुछ समय बीत गया होगा।'

'और फिर?' मोसिए बोक ने कहा।

'इस पर हमें चर्चा करनी होगी,' पॉयरो ने चेतावनी-भरी निगाह के साथ कहा।

उन्होंने वर्दी उठा कर दिखायी एक बटन—ऊपर से तीसरा वाला—गायब था। पॉयरो ने अपना हाथ वर्दी की जेब में सरकाया और कण्डक्टरों वाली एक चाभी निकाली जो कूपे के दरवाज़ों को खोलने के काम आती थी।

'यह रहा उस सवाल का जवाब कि हमारा बन्दा कैसे बन्द दरवाज़ों से होकर गुजर जाता था,' मोसिए बोक ने कहा। 'श्रीमती हबर्ड से किये गये तुम्हारे सवाल गैरज़रूरी थे। ताला लगा हो या नहीं, वह आदमी बीच के दरवाज़ों से होकर आसानी से आ-जा सकता था। आख़िरकार, अगर रेल कम्पनी की वर्दी है तो रेल कम्पनी की चाभी क्यों नहीं?'

'हाँ, सचमुच, क्यों नहीं,' पॉयरो ने कहा।

'हमें दरअसल यह पता चल सकता था। तुम्हें याद है कि मिशेल ने कहा था कि जब वह श्रीमती हबर्ड के बुलाने पर उनके पास आया तो गलियारे में जाने वाला श्रीमती हबर्ड के कूपे का दरवाज़ा

बन्द था।'

'ऐसा ही था, मोसिए,' कण्डक्टर ने कहा। 'इसीलिए मैंने सोचा था कि वे ज़रूर सपना देख रही होंगी।'

'मगर अब आसान है,' मोसिए बोक ने आगे कहा। 'निस्सन्देह उसका इरादा बीच के दरवाज़े को भी ताला मारने का था, लेकिन शायद उसने बिस्तर से कुछ हरकत की आवाज़ सुनी और चौंक गया।'

'अब हमें,' पॉयरो ने कहा, 'बस लाल किमोनो ढूँढना है।'

'सही। और ये दोनों आख़िरी कूपे ऐसे हैं जिनमें मर्द सफ़र कर रहे हैं।'

'हम तलाशी तो हर हाल में लेंगे।'

'ओह, बिलकुल। इसके अलावा मुझे याद है जो तुमने कहा था।'

हेक्टर मैक्वीन ने ख़ुशी से तलाशी के लिए रजामन्दी दे दी।

'मैं तो चाहता हूँ कि जितनी जल्दी आप यह कर सकें उतना अच्छा है,' उसने अफ़सोस भरी मुस्कराहट के साथ कहा। 'मुझे लगता है कि मैं यक़ीनन इस रेलगाड़ी पर सबसे सन्दिग्ध आदमी हूँ। बस, अगर आप एक वसीयत खोज लें जिसमें वह बुढ़ऊ मुझे अपनी सारी दौलत दे गया हो तो कोई कसर बाकी न रहेगी।'

मोसिए बोक ने उस पर एक सन्देह-भरी नज़र डाली।

'मेरी मज़ाक करने की आदत है,' मैक्वीन ने जल्दी से कहा। 'उसने मुरे लिए कुछ भी न छोड़ा होता, सच में। मैं बस उसके काम आता था—भाषाएँ, वगैरा, वगैरा। अगर आप अमरीकी ज़ुबान के सिवा कुछ नहीं बोलते तो आपका चूना लगने की काफ़ी सम्भावना रहती है। मैं भी कोई बोलियों का जानकर नहीं लेकिन मुझे फ्रान्सीसी, जर्मन और इतावली में थोड़ा बहुत बाज़ार करना और होटल वालों

से निपटना आता है।'

उसकी आवाज़ आम तौर से थोड़ा अधिक ऊँची थी, हालाँकि अपनी रज़ामन्दी के बावजूद वह तलाशी के सिलसिले में थोड़ा बेचैन-सा था।

पॉयरो बाहर आये।

'कुछ नहीं,' वे बोले। 'वसीयत तो दूर, फँसाने वाला कोई दाँव भी नहीं।'

मैक्वीन ने साँस छोड़ी।

'ख़ैर, मेरे दिमाग़ का बोझ दूर हुआ,' उसने ख़ुशमिजाजी से कहा।

वे आख़िरी कूपे की ओर बढ़े। लम्बे-चौड़े इतालवी और निजी सेवक के सामान की जाँच से भी कोई नतीजा नहीं निकला।

तीनों लोग डिब्बे के आख़िर में एक-दूसरे को देखते खड़े थे।

'अब आगे क्या?' मोसिए बोक ने पूछा।

'हम वापस डाइनिंग-कार में जायेंगे,' पॉयरो ने कहा। 'जो कुछ हम जान सकते हैं वह हमें मालूम है। हमारे पास मुसाफ़िरों की गवाहियाँ हैं, उनके सामान के सबूत हैं और अपनी आँखों की गवाही है। अब हम और किसी मदद की उम्मीद नहीं कर सकते। अब हमारा काम है अपने दिमाग़ों को इस्तेमाल करना।'

पॉयरो ने अपने सिगरेट केस के लिए जेब टटोली, वह खाली था।

'मैं पलभर में आपके पास आ जाऊँगा,' उन्होंने कहा। 'मुझे सिगरेट चाहिए। यह बहुत मुश्किल, बहुत अजीब मामला है। लाल किमोनो किसने पहना था? अब कहाँ है? काश, मुझे पता होता। इस मामले में कुछ है—कोई तत्व—जो मेरी पकड़ में नहीं आ रहा। वह मुश्किल है क्योंकि उसे मुश्किल बनाया गया है। लेकिन हम इस पर

चर्चा करेंगे। मुझे एक मिनट की माफ़ी दीजिए।'

वे जल्दी-जल्दी अपने कूपे की तरफ़ वापस गये। वे जानते थे कि उनके सिगरेट एक बैग में रखे हुए थे।

उन्होंने उसे उतारा और उसके खटके को दबा कर उसे खोला।

बैग के ऊपर सलीके से तह किया हुआ बारीक कपड़े का एक लाल रेशमी किमोनो था जिस पर ड्रैगन कढ़े हुए थे।

'अच्छा,' वे बुदबुदाये। 'यह मामला है। चुनौती! ठीक है। मैं स्वीकार करता हूँ।'

तीसरा भाग

मोसिए पॉयरो बैठ कर विचार करते हैं

अध्याय 1

उनमें से कौन?

जब मोसिए पॉयरो डाइनिंग-कार में दाख़िल हुए तो मोसिए बोक और डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन आपस में बातें कर रहे थे। मोसिए बोक बुझे-बुझे-से नज़र आ रहे थे।

'लो, आ गये।' पॉयरो को देख कर वे बोले।

फिर अपने मित्र के बैठते ही उन्होंने कहा :

'अगर तुम इस मामले को हल कर दो, प्यारे मित्र, तो मैं वाकई चमत्कारों में विश्वास करने लगूँगा।'

'आपको परेशान कर रहा है, यह मामला?'

'कुदरती बात है कि परेशान कर रहा है। मैं इसका कुछ सिर-पैर नहीं समझ पा रहा।'

'मैं सहमत हूँ,' डॉक्टर ने कहा और पॉयरो की तरफ़ उत्सुकता से देखा।

'सच कहूँ,' वह बोला, 'मैं देख नहीं पा रहा कि आगे आप क्या करेंगे?'

'नहीं?' पॉयरो ने सोचते हुए कहा।

उन्होंने अपना सिगरेट केस निकाला और अपने नन्हें सिगरेटों में से एक सुलगाया। उनकी आँखें खोयी-खोयी-सी थीं।

'मेरे लिए यही बात इस मामले को दिलचस्प बनाती है,' पॉयरो ने कहा। 'हम कार्रवाई के सभी आम कायदों से कटे हुए हैं।

क्या ये लोग, जिनकी गवाहियाँ हमने सुनी हैं, सच बोल रहे हैं या झूठ? हमारे पास जानने का कोई साधन नहीं है, सिवा उसके जो हम ख़ुद बनाकर तैयार कर सकें। यह कसरत है, हाँ, दिमाग़ की।'

'यह सब तो बहुत ठीक है,' मोसिए बोक ने कहा। 'लेकिन आपके पास आगे बढ़ने के लिए है क्या?'

'मैंने अभी-अभी आपको बताया। हमारे पास मुसाफ़िरों की गवाहियाँ हैं और अपनी आँखों की भी।'

'अच्छी गवाही है—मुसाफ़िरों की! उससे हमें कुछ भी तो नहीं पता चला।'

पॉयरो ने अपना सिर हिलाया।

'मैं सहमत नहीं हूँ, मित्र। मुसाफ़िरों की गवाहियों ने हमें कई दिलचस्प नुक्ते मुहैया कराये।'

'वाकई,' मोसिए बोक ने आगे कहा। 'मुझे तो नज़र नहीं आये।'

'इसलिए कि आपने सुना नहीं।'

'अच्छा, तो बताओ ज़रा—मुझसे क्या छूटा?'

'मैं सिर्फ़ एक मिसाल दूँगा—सबसे पहली गवाही जो हमने सुनी—युवक मैक्वीन की—उसने मेरे विचार से एक बहुत महत्वपूर्ण जुमला कहा।'

'पत्रों के बारे में?'

'नहीं, पत्रों के बारे में नहीं। जहाँ तक मुझे याद पड़ता है उसके शब्द थे : 'हम इधर-उधर घूमते रहे। मिस्टर रैचेट दुनिया देखना चाहते थे। उन्हें भाषाएँ न जानने की वजह से रुकावट महसूस होती थी। मैं सेक्रेटरी से ज़्यादा हरकारे का काम करता था।'

उन्होंने डॉक्टर के चेहरे से नज़र मोसिए बोक के चेहरे की तरफ़ घुमायी।

'क्या हुआ? आप अब भी नहीं देख पा रहे हैं? यह तो माफ़ नहीं किया जा सकता—क्योंकि आपको अभी एक और मौका मिला था जब उसने कहा, ''अगर आप अमरीकी ज़बान नहीं बोलते तो आपको चूना लगने की काफ़ी सम्भावना रहती है''।'

'तुम्हारा मतलब है—?' मोसिए बोक अब भी चकराये लगे।

'आह, लगता है आपको चम्मच से हलवा खिलाना पड़ेगा। ख़ैर, सुनिए। मिस्टर रैचेट रत्ती भर फ्रान्सीसी भाषा नहीं बोलते थे। तो भी जब कण्डक्टर कल रात उनके घण्टी बजाने पर आया, तो अन्दर से फ्रान्सीसी भाषा में उससे कहा गया था कि गलती हुई थी और उसकी ज़रूरत नहीं थी। उससे भी ज़्यादा, वह एक पूरी तरह मुहावरेदार वाक्य था जो बोला गया था, ऐसा नहीं जो फ्रान्सीसी के कुछ ही शब्द जानने वाला बोलता। ''फ़िक्र मत करो। मेरी भूल थी''।'

'सही है,' कॉन्स्टैन्टाइन ने उत्तेजित स्वर में कहा। 'हमें इसे देखना चाहिए था! मुझे याद है जब आपने ये शब्द हमारे सामने दोहराये थे तो उन पर ज़ोर भी दिया था। अब मैं पिचकी हुई घड़ी के सबूत को मानने में आपकी झिझक समझ सकता हूँ। एक बजने में तेईस मिनट तक रैचेट मर भी चुका था।'

'और यह हत्यारा था जो बोल रहा था!' मोसिए बोक ने ज़ोर देकर कहा।

पॉयरो ने बरजते हुए अन्दाज़ में हाथ उठाया।

'हमें इतनी जल्दी छलाँग नहीं लगानी चाहिए। और जितना हम वाकई जानते हैं उससे अधिक अनुमान नहीं लगाना चाहिए। यह कहना ज़्यादा ठीक है कि उस समय जब एक बजने में तेईस मिनट बाकी थे, कोई और व्यक्ति रैचेट के कूपे में था और वह या तो फ्रान्सीसी था, या फ्रान्सीसी भाषा बख़ूबी बोल सकता था।'

'तुम बहुत सतर्क हो मेरे, दोस्त।'

'एक-एक क़दम बढ़ना ही उचित है। हमारे पास कोई सच्चा सबूत नहीं कि रैचेट उस समय मर चुका था।'

'वह चीख जिसने तुम्हें जगा दिया?'

'हाँ, यह सच है।'

'एक तरीके से,' मोसिए बोक ने सोचते हुए कहा, 'यह खोज चीज़ों पर ज़्यादा असर नहीं डालती। तुमने किसी को बगल के कूपे में चलते-फिरते सुना। यह जो भी था, रैचेट नहीं था, बल्कि दूसरा आदमी था। निस्सन्देह वह अपने हाथों का ख़ून धो रहा होगा, जुर्म के बाद साफ़-सफ़ाई कर रहा होगा, उस फँसाने वाले ख़त को जला रहा होगा। फिर वह इन्तज़ार करता है कि सब कुछ शान्त हो जाये और जब वह सोचता है कि सब ठीक है, रास्ता साफ़ है, वह रैचेट के दरवाज़े को अन्दर से बन्द करके ज़ंजीर लगाता है, श्रीमती हबर्ड के कूपे में जाने वाला बीच का दरवाज़ा चाभी से खोलता है और उस रास्ते से निकल भागता है। सच तो यह है कि यह ठीक वैसे ही है जैसे हमने सोचा था—फ़र्क बस इतना है कि रैचेट तकरीबन आधा घण्टा पहले मारा गया, और घड़ी में सुई को बढ़ा कर सवा एक पर कर दिया गया, जिससे बहाना बना दिया जाये।'

'इतना मशहूर बहाना नही,' पॉयरो बोले। 'घड़ी की सुइयाँ 1.15 बता रही थीं—वह समय जब अन्दर घुसने वाला वाकई उस जगह से चला जहाँ जुर्म हुआ था।'

'सही,' मोसिए बोक ने कुछ भ्रमित-सा होकर कहा। 'तब यह घड़ी तुम्हें क्या बताती है?'

'अगर सुइयाँ बदली गयी हैं—मैं कहता हूँ अगर—तब जो समय बताने के लिए उनमें हेरा-फेरी की गयी होगी, उसकी ज़रूर कोई अहमियत होगी। स्वाभाविक प्रतिक्रिया यही होगी कि जिसके पास

बताये गये समय यानी 1.15 पर कहीं और होने का पक्का सबूत हो, उस पर सन्देह किया जाये।'

'हाँ, हाँ,' डॉक्टर ने कहा। 'इस तरह सोचना सही है।'

'हमें थोड़ा-सा ध्यान उस समय पर भी देना चाहिए जब घुस आनेवाला कूपे के अन्दर घुसा। उसे ऐसा करने का मौका कब मिला? जब तक हम असली कण्डक्टर की मिली-भगत न मानें, तब तक एक ही समय था जब वह ऐसा कर सकता था—यानी उस दौरान जब गाड़ी विनकोव्की पर रुकी हुई थी। गाड़ी के विनकोव्की से चलने के बाद कण्डक्टर गलियारे की तरफ़ मुँह किये बैठा रहा था और जहाँ कोई मुसाफ़िर किसी कण्डक्टर की तरफ़ ध्यान भी न देता, असली कण्डक्टर ही वह अकेला व्यक्ति होता, जो नकली कण्डक्टर को पहचान लेता। लेकिन विनकोव्की पर गाड़ी के ठहरने के दौरान कण्डक्टर बाहर प्लेटफार्म पर है, रास्ता साफ़ है।'

और पहले वाले तर्क के मुताबिक, वह मुसाफ़िरों में से एक ही हो सकता है,' मोसिए बोक ने कहा। 'हम वहाँ आ गये जहाँ हम थे। मुसाफ़िरों में से कौन?'

पॉयरो मुस्करा दिये।

'मैंने एक सूची बनायी है,' वे बोले। 'अगर आप उसे देखना पसन्द करें, तो शायद वह आपकी याददाश्त को ताज़ा कर देगी।'

डॉक्टर और मोसिए बोक ने मिलकर सूची पर नज़रें गढ़ा दीं। वह साफ़-सुथरी लिखावट में करीने से उस क्रम से तैयार की गयी थी जिसमें मुसाफ़िरों से पूछ-ताछ की गयी थी।

हेक्टर मैक्वीन—अमरीकी नागरिक। बर्थ नं 6। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व—सम्भावित रूप से मृत व्यक्ति के साथ सम्बन्धों के कारण?

अन्यत्र उपस्थिति—आधी रात से 2 बजे तक (आधी रात से

1.30 तक कर्नल आरबथनॉट द्वारा प्रमाणित और 1.15 से 2 बजे तक कण्डक्टर द्वारा प्रमाणित।)

खिलाफ़ सबूत : कोई नहीं।

सन्दिग्ध परिस्थिति : कोई नहीं।

कण्डक्टर—पिएर मिशेल—फ्रान्सीसी नागरिक

प्रेरक तत्व : कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (हरक्यूल पॉयरो द्वारा 12.37 पर उसी समय देखा गया जिस समय रैचेट के कूपे के अन्दर से आवाज़ सुनायी दी। 1 से 1.16 तक अन्य दो कण्डक्टरों द्वारा प्रमाणित।)

खिलाफ़ सबूत : कोई नहीं।

सन्दिग्ध परिस्थिति : पायी गयी कण्डक्टर वाली वर्दी इसके पक्ष में एक बिन्दु है क्योंकि लगता है उसके पीछे इस पर सन्देह पैदा करने का इरादा था।)

एडवर्ड मास्टरमैन—अंग्रेज़ नागरिक। बर्थ नं॰ 4। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व : सम्भावित रूप से मृत व्यक्ति के साथ, जिसका यह निजी सेवक था, सम्बन्धों के कारण।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (अन्तोनियो फॉस्कारेली द्वारा प्रमाणित)

ख़िलाफ़ सबूत या संदिग्ध परिस्थिति : कोई नहीं। सिवा इसके कि कद-काठी के हिसाब से नकली कण्डक्टर की वर्दी इसी को पूरी आ सकती थी। दूसरी तरफ़, यह सम्भव नहीं है कि यह फ्रान्सीसी भाषा बख़ूबी बोल सकता है।

श्रीमती हबर्ड—अमरीकी नागरिक। बर्थ नं॰ 3। पहला दर्जा।

प्रेरक तत्व : कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (कोई नहीं)

ख़िलाफ़ सबूत या सन्दिग्ध परिस्थिति : इनके कूपे में आदमी की उपस्थिति की कहानी हार्डमैन की और शिमट नामक महिला की गवाही से प्रमाणित होती है।

ग्रेटा ओह्लसन—स्वीडी नागरिक। बर्थ नं० 10। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व—कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति—आधी रात से 2 बजे तक (मेरी डेबनहैम द्वारा प्रमाणित) नोट : रैचेट को जीवित देखने वालों में आख़िरी।

रानी ड्रैगोमिरॉफ़—फ्रान्सीसी नागरिकता प्राप्त। बर्थ नं० 14। फर्स्ट क्लास।

प्रेरक तत्व—आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से अन्तरंग परिचय। सोनिया आर्मस्ट्रॉन्ग की धर्म माता।

अन्यत्र उपस्थिति—आधी रात से 2 बजे तक (कण्डक्टर और नौकरानी द्वारा प्रमाणित।)

ख़िलाफ़ सबूत या सन्दिग्ध परिस्थिति : कोई नहीं।

काउण्ट आन्द्रेन्यी—हंगेरियन नागरिक। कूटनीतिक पासपोर्ट। बर्थ नं० 13। पहला दर्जा।

प्रेरक तत्व—कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (कण्डक्टर द्वारा प्रमाणित—1 से 1.15 की अवधि को छोड़कर।)

काउण्टेस आन्द्रेन्यी—ऊपर की तरफ़। बर्थ नं० 12।

प्रेरक तत्व—कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक। ट्रायोनल खा कर सोयी थीं। (पति द्वारा प्रमाणित। उनकी अलमारी में ट्रायोनल की शीशी।)

कर्नल आरबथनॉट—अंग्रेज़ नागरिकता। बर्थ नं० 15। फर्स्ट क्लास।

प्रेरक तत्व : कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक। 1.30 बजे तक मैक्वीन से बातचीत।

उसके बाद अपने कूपे में गये और बाहर नहीं आये। (मैक्वीन और कण्डक्टर द्वारा प्रभावित।)

ख़िलाफ़ सबूत या सन्दिग्ध परिस्थिति : पाइप साफ़ करने वाला।

सायरस हार्डमैन—अमरीकी नागरिक। बर्थ नं० 16। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व : जानकारी में कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक। कूपे नहीं छोड़ा। (मैक्वीन और कण्डक्टर द्वारा प्रमाणित।)

ख़िलाफ़ सबूत या सन्दिग्ध परिस्थिति : कोई नहीं।

अन्तोनियो फॉस्कारेली—अमरीकी नागरिक। (जन्म से इतालवी)। बर्थ नं० 5। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व : जानकारी में कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (एडवर्ड मास्टरमैन द्वारा प्रमाणित।)

खिलाफ सबूत तथा सन्दिग्ध परिस्थिति : कोई नहीं, सिवा इसके कि जो हथियार इस्तेमाल किया गया वह इसकी फ़ितरत और मिज़ाज के अनुकूल बैठता है। (मोसिए बोक के अनुसार।)

मेरी डेबनहैम—अंग्रेज़ नागरिक। बर्थ नं० 11। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व : कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (ग्रेटा ओह्लसन द्वारा प्रमाणित।)

ख़िलाफ़ सबूत या सन्दिग्ध परिस्थिति : और इसकी सफ़ाई

देने से इनकार।

हिल्डेगार्ड शिमट—जर्मन नागरिक। बर्थ नं॰ 11। दूसरा दर्जा।

प्रेरक तत्व : कोई नहीं।

अन्यत्र उपस्थिति : आधी रात से 2 बजे तक (कण्डक्टर तथा इसकी मालकिन द्वारा प्रमाणित) सोने गयी। लगभग 12.38 पर कण्डक्टर द्वारा जगायी गयी और अपनी मालकिन के पास गयी।)

नोट : मुसाफ़िरों की गवाही की तसदीक कण्डक्टर के बयान से होती है कि आधी रात से 1 बजे तक (जब वह ख़ुद अगले डिब्बे में गया) और 1.15 से 2 बजे तक कोई मिस्टर रैचेट के कूपे में दाख़िल नहीं हुआ, न उससे बाहर निकला।

'यह काग़ज़, आप समझ ही गये होंगे,' पॉयरो ने कहा, 'महज़ उस गवाही का सार-संक्षेप है जिसे सुविधा के लिए इस तरह व्यवस्थित कर दिया गया है।'

मुँह-सा बनाते हुए मोसिए बोक ने उसे पॉयरो को लौटा दिया।

'इससे कुछ पता नहीं चलता,' वे बोले।

'शायद आपको यह काग़ज़ अपनी रुचि के अधिक अनुकूल जान पड़े,' हल्की-सी मुस्कराहट के साथ यह कहते हुए पॉयरो ने उन्हें काग़ज़ का एक और पन्ना थमा दिया।

अध्याय 2

दस सवाल

काग़ज़ पर लिखा था :

बातें जिन्हें समझाये जाने की ज़रूरत है।

1. रूमाल जिस पर 'एच' कढ़ा है। किसका है?

2. पाइप साफ़ करने वाला। क्या उसे कर्नल आरबथनॉट ने गिराया? या किसी और ने?

3. लाल किमोनो किसने पहना हुआ था?

4. कण्डक्टर की वर्दी में भेष बना कर घूमने वाला आदमी या औरत कौन थी?

5. जेब घड़ी की सुइयाँ 1.15 पर क्यों रुकी हैं?

6. क्या हत्या उस समय हुई?

7. क्या इससे पहले हुई?

8. क्या इसके बाद हुई?

9. क्या हम पक्के तौर पर कह सकते हैं कि रैचेट को एक से अधिक लोगों ने चाकू भोंका?

10. रैचेट के ज़ख़्मों की और क्या सफ़ाई दी जा सकती है?

'ख़ैर, देखें हम क्या कर सकते हैं,' अपनी अक्ल को दी गयी इस चुनौती पर थोड़ा खिल कर मोसिए बोक ने कहा। 'रूमाल को लीजिए, मिसाल के लिए। हर हाल में व्यवस्थित और सिलसिलेवार ढंग से काम करें।'

'बिलकुल,' पॉयरो ने अपने सिर को सन्तुष्ट भाव से हिलाते हुए कहा।

मोसिए बोक ने किसी कदर समझने वाली शैली में बात को आगे बढ़ाया।

'यह अक्षर ''एच'' तीन लोगों से जुड़ता है—श्रीमती हबर्ड, मिस डेबनहैम जिसका बीच वाला नाम है हरमियोन और नौकरानी हिल्डेगार्ड शिमट!'

'आह! और इन तीनों में से?'

'कहना मुश्किल है। लेकिन मेरा सवाल है, मैं मिस डेबनहैम का नाम लेना चाहूँगा। कौन जाने, उन्हें उनके पहले नहीं, बल्कि

दूसरे नाम से ही बुलाया जाता हो। इसके अलावा पहले ही उनके साथ कुछ सन्देह का मामला है। वह बात जो तुम्हारे कान में पड़ी थी, दोस्त, यक़ीनन थोड़ी अजीब-सी थी और उसकी सफ़ाई देने में उसका इनकार भी ऐसा ही है।'

'जहाँ तक मेरी बात है, मैं तो अमरीकी महिला का नाम लूँगा,' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा, 'यह बहुत महँगा रूमाल है और अमरीकी लोग, जैसा कि सारी दुनिया जानती है, परवाह नहीं करते कि वे कितना भुगतान कर रहे हैं।'

'तो आप दोनों ने नौकरानी को अलग कर दिया?' पॉयरो ने पूछा।

'हाँ। जैसा कि ख़ुद उसने कहा कि यह किसी ऊँचे तबके के व्यक्ति का है।'

'और दूसरा सवाल—पाइप साफ़ करने वाला? क्या कर्नल आरबथनॉट ने उसे गिराया या किसी और ने?

'यह ज़्यादा मुश्किल है। अंग्रेज़ चाकू का इस्तेमाल नहीं करते। वहाँ आप सही हैं। मेरा तो इस ख़याल की तरफ़ झुकाव है कि किसी और ने उसे वहाँ गिराया—और ऐसा उसने उस लम्बी टाँगों वाले अंग्रेज़ को फँसाने के लिए किया।'

'जैसा आपने कहा, मोसिए पॉयरो,' डॉक्टर ने टीप लगायी, 'दो नं० का सुराग बहुत ज़्यादा लापरवाही है। मैं मोसिए बोक से सहमत हूँ। रूमाल असली भूल थी—इसलिए कोई नहीं मानेगा कि यह उसका है। पाइप क्लीनर नकली सुराग है। इस धारणा की ताईद इस बात से होती है कि कर्नल आरबथनॉट कोई घबराहट या झेंप नहीं दिखाते और खुले तौर पर पाइप पीना और ऐसा साफ़ करने वाला इस्तेमाल करना स्वीकार करते हैं।'

'आप अच्छी तरह तर्क कर लेते हैं,' पॉयरो ने कहा।

'तीसरा सवाल—किसने पहना लाल किमोनो?' मोसिए बोक आगे कहते गये। 'उसके बारे में यह मैं स्वीकार करूँगा कि मुझे कोई अन्दाज़ा नहीं है। क्या आपका कोई ख़याल है इस पर डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन?'

'कोई नहीं।'

'फिर हम यहाँ ख़ुद को पराजित मान लेते हैं। अगले सवाल में ज़रूर कुछ सम्भावनाएँ हैं। किस आदमी या औरत ने कण्डक्टर का भेस बना रखा था? ख़ैर, हम निश्चित तौर पर कह सकते हैं कि कई लोग ऐसा नहीं कर सकते थे। हार्डमैन, कर्नल आरबथनॉट, फॉस्कारेली, काउण्ट अन्द्रेन्यी और हेक्टर मैक्वीन—सभी बहुत लम्बे हैं। श्रीमती हबर्ड, हिल्डेगार्ड शिमट और ग्रेटा ओह्लसन बहुत चौड़ी-चकली हैं। बचता है निजी सेवक, मिस डेबनहैम, रानी ड्रैगोमिरॉफ और काउण्टेस आन्द्रेन्यी—और इनमें से किसी की समभावना नहीं जान पड़ती। ग्रेटा ओह्लसन एक मामले में और अन्तोनियो फॉस्कारेली दूसरे मामले में कसम खाते हैं कि मिस डेबनहैम और निजी सेवक अपने-अपने कूपे से नहीं निकले। हिल्डेगार्ड ने रानी साहिबा के बारे में कहाँ है कि वे अपने कूपे में रहीं और काउण्ट ने हमें बताया है कि उनकी पत्नी नींद की दवा लेकर सोयी थीं। इसलिए यह असम्भव लगता है कि कोई भी हो सकता है—जो बेतुकी बात है।''

'जैसा कि हमारे पुराने मित्र गणितज्ञ युक्लिड का कहना है,' पॉयरो बुदबुदाये।

'उन्हीं चार में से होगा,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'अगर कोई बाहर का नहीं है जिसने अपने छिपने के लिए कोई जगह खोज ली है—और वह, हम सहमत थे, असम्भव था।'

मोसिए बोक सूची के अगले सवाल पर पहुँच गये थे।

'नम्बर 5—टूटी हुई घड़ी की सुइयाँ 1.15 क्यों बजा रही हैं?

इसके दो जवाब मुझे नज़र आते हैं। या तो ऐसा हत्यारे ने किया था ताकि वह साबित कर सके कि उस समय वह कहीं और था और बाद में वह जब उसने कूपे से बाहर निकलने की सोची तो उसे बाहर लोगों के चलने-फिरने की आवाज़ों ने ऐसा करने से रोक दिया या फिर—रुको—मुझे एक ख़याल आ रहा है—'

बाकी दोनों अदब से इन्तज़ार करते रहे। उस बीच मोसिए बोक दिमाग़ी कशमकश में उलझे रहे।

'हाँ, आ गया,' आख़िरकार उन्होंने कहा, 'यह कण्डक्टर के भेस वाला हत्यारा नहीं था जिसने घड़ी के साथ छेड़खानी की थी! यह आदमी वह था जिसे हमने दूसरा हत्यारा कहा है—बँयहत्था व्यक्ति—दूसरे शब्दों में लाल किमोनो वाली औरत। वह बाद में आती है और घड़ी की सुइयाँ पीछे कर देती है ताकि दूसरी जगह अपनी मौजूदगी का सबूत बना दे।'

'वाह,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'बहुत अच्छी तरह सोचा गया है—इसे।'

'तो हुआ यह,' पॉयरो ने कहा, 'उसने उसे अँधेरे में चाकू भोंका, यह न जानते हुए कि वह पहले ही मर चुका था, लेकिन किसी तरीके से गुन्ताड़ा भिड़ाया कि उसके नाइट सूट की जेब में घड़ी थी, उसे बाहर निकाला, बिना देखे सुइयाँ पीछे कीं और उस पर चोट करके जिस तरह पिचकाना ज़रूरी था, उस तरह पिचका दिया।'

मोसिए बोक ने ठण्डी निगाहों से पॉयरो को देखा।

'क्या तुम्हारे पास सुझाने के लिए इससे बेहतर कुछ है?' उन्होंने पूछा।

'इस वक़्त—नहीं,' पॉयरो ने स्वीकार किया।

'तो भी,' उन्होंने बात जारी रखी, 'मुझे लगता है आप दोनों में से किसी ने भी उस घड़ी से जुड़े सबसे दिलचस्प नुक्ते पर ध्यान

नहीं दिया है।'

'क्या सवाल नम्बर 6 उससे सम्बन्धित है?' डॉक्टर ने पूछा। 'उस सवाल का—क्या हत्या उस समय—1.15 पर—हुई थी, मेरा जवाब है, ''नहीं''।'

'मैं सहमत हूँ,' मोसिए बोक ने कहा। 'अगला सवाल है—''क्या पहले हुई थी?'' मेरा जवाब है हाँ। आप का भी यही है, डॉक्टर?'

डॉक्टर ने हामी में सिर हिलाया।

'हाँ, लेकिन इस सवाल का—''क्या बाद में हुई थी?''—जवाब भी हाँ में दिया जा सकता है। मैं आपके विचार से सहमत हूँ मोसिए बोक और ऐसा ही मोसिए पॉयरो का हाल है, हालाँकि वे ख़ुद अभी अपनी पक्की राय जाहिर नहीं करना चाहते। पहला हत्यारा 1.15 से पहले आया, दूसरा हत्यारा 1.15 के बाद आया। और रहा सवाल बँयहत्थे होने का, क्या हमें यह जानने के लिए क़दम नहीं उठाने चाहिए कि मुसाफ़िरों में से कौन-कौन बँयहत्थे हैं?'

'मैंने इस बात को पूरी तरह नज़रन्दाज़ नहीं किया है,' पॉयरो ने कहा। 'आपने शायद ग़ौर किया हो कि मैंने हर मुसाफ़िर को या तो हस्ताक्षर करने के लिए कहा था या पता लिखने के लिए। इससे पूरा नतीजा नहीं निकल सकता क्योंकि कुछ लोग कुछ काम दायें हाथ से करते हैं और कुछ काम बायें से। कुछ लोग लिखते दायें हाथ से हैं, मगर गोल्फ बायें हाथ से खेलते हैं। फिर भी इसमें कुछ तत्व तो है। हर व्यक्ति ने, जिससे पूछ-ताछ की गयी कलम को दायें हाथ में लिया—सिवा रानी ड्रैगोमिरॉफ़ के जिन्होंने लिखने से मना कर दिया।'

'रानी ड्रैगोमिरॉफ़ तो असम्भव हैं,' मोसिए बोक ने कहा।

'मुझे शक है कि उनमें उस ख़ास किस्म के बायें हाथ वाले वार को करने की ताक़त होगी,' डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने सन्देह-भरे स्वर

में कहा। 'उस ख़ास ज़ख्म में काफ़ी ताक़त लगी होगी।'

फिर औरत के लिहाज से ज़्यादा ताक़त?'

'नहीं, ऐसा तो मैं नहीं कहूँगा। लेकिन जितनी ताक़त किसी बुज़ुर्ग महिला में होती है, उससे ज़्यादा और रानी ड्रगोमिरॉफ की काठी काफ़ी दुबली पतली है।'

'यह शरीर पर मन और दिमाग़ के हावी होने की भी बात हो सकती है,' पॉयरो ने कहा। 'रानी ड्रगोमिरॉफ का व्यक्तित्व बहुत शानदार और इच्छा-शक्ति असीम है। लेकिन अभी इसे एक तरफ़ रहने दें।'

'सवाल नम्बर 9 और 10। क्या हम पक्के तौर पर कह सकते हैं कि रैचेट को एक से अधिक लोगों ने चाकू भोंका होगा और इसके अलावा ज़ख़्मों के बारे में और क्या सफ़ाई दी जा सकती हैं? मेरी राय में, डॉक्टरी नज़रिये से, उन ज़ख्मों की और कोई वजह नहीं बतायी जा सकती। यह सुझाना कि एक आदमी ने पहले हल्के से वार किया, फिर ज़ोर से, पहले दायें हाथ से, फिर बायें हाथ से और शायद आधे घण्टे के अन्तराल के बाद मुर्दा शरीर पर ताज़ा वार किये—इसका कोई मतलब नहीं निकलता।'

'जैसा कि आपने ख़ुद कहा है, इसे और किस तरह समझा-समझाया जा सकता है?'

पॉयरो ने आँखें नाक की सीध में गढ़ा दीं।

'यहीं मैं ख़ुद से पूछता हूँ,' उन्होंने कहा। 'यही मैंने ख़ुद से पूछना बन्द नहीं किया है।'

वे अपने आसन पर पीछे को झुक गये।

'अब से यह सब यहाँ है,' उन्होंने अपने माथे को ठकठकाया। 'हमने सब कुछ छान फटक लिया है। तथ्य सब हमारे सामने हैं—तरतीब और करीने से सजे हुए। मुसाफ़िर यहाँ बैठे अपनी गवाही देते

रहे हैं। जो कुछ हम जान सकते हैं, हमें मालूम है—बाहर से—'

वे लगाव के साथ मोसिए बोक को देखकर मुस्कराये।

'वह हमारे बीच एक छोटा-सा मज़ाक रहा है न—यह आराम से बैठकर सोचना कि सच क्या है? ख़ैर, मैं अब अपने विचारों को व्यवहार में उतारने जा रहा हूँ—यहाँ, आपकी आँखों के सामने। आप दोनों को भी यही करना चाहिए। आइए हम अपनी आँखें बन्द कर लें और सोचें—'

'उन मुसाफ़िरों में से एक या अधिक लोगों ने रैचेट को मारा। उनमें से कौन?'

अध्याय 3

कुछ संकेत

लगभग पन्द्रह मिनट तक कोई नहीं बोला।

मोसिए बोक और डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने शुरुआत पॉयरो की हिदायतों पर अमल करने से की थी। उन्होंने परस्पर विरोधी ब्योरों की एक भूल-भुलैया के बीच से एक साफ़ और बेमिसाल हल को देखने का प्रयास किया।

मोसिए बोक के विचारों का सिलसिला कुछ इस तरह चला :

'निश्चय ही मुझे सोचना चाहिए। लेकिन जहाँ तक इसकी बात है, मैं पहले ही सोच चुका हूँ—ज़ाहिर तौर पर पॉयरो को लगता है कि इस अंग्रेज़ लड़की का मामले से ताल्लुक है। मैं इस एहसास से मुक्त नहीं हो पा रहा कि यह बहुत करके नामुमकिन है।—अंग्रेज़ बेहद ठण्डे होते हैं—शायद इसलिए कि उन के जिस्म सुन्दर नहीं होते—लेकिन बात यह नहीं है। लगता है कि उस इतालवी ने हत्या नहीं

की होगी, अफ़सोस। मेरे ख़याल में वह अंग्रेज़ निजी सेवक झूठ नहीं
बोल रहा। जब वह कह रहा है कि दूसरा आदमी कूपे के बाहर नहीं
गया? लेकिन क्यों बोलेगा? अंग्रेज़ों को रिश्वत देना आसान नहीं
आसानी से खुलते नहीं। पूरा मामला बहुत अफ़सोसनाक है। मुझे तो है, वे
यही ख़याल आता है कि जाने कब हम इससे मुक्त होंगे।

बर्फ़ हटाने के लिए कुछ-न-कुछ कोशिश तो हो रही होगी। इन
देशों में ये लोग इतना धीरे काम करते हैं—घण्टों बीत जाते हैं और
तब किसी को कुछ करने की सुध आती है। और इन देशों की पुलिस,
उससे निपटना तो और भी कठिन है—अहंकार से फूली हुई, बात-
बात पर बुरा मानने वाली, अपनी प्रतिष्ठा के बारे में सचेत। वे तो इसे
बड़ा मामला बना देंगे। ऐसा हमेशा नहीं होता कि ऐसा मौका उनके
हाथ लगे। सारे अख़बारों में ख़बर छपेगी—'

और वहाँ से मोसिए बोक के ख़याल पिटे-पिटाये रास्ते पर
चल निकले जिस पर वे पहले भी सैकड़ों बार जा चुके थे।

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन के विचारों का क्रम यों था :

'यह वाकई अजीब है—यह छोटा-सा आदमी? ज्ञानी है? या
सनकी? क्या यह इस रहस्य को हल कर लेगा? असम्भव। मैं तो इससे
बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं देखता। सब कितना चकराने
वाला है—हर कोई झूठ बोल रहा है, शायद—लेकिन तब भी इससे
हमें कोई मदद नहीं मिलती। अगर सब झूठ बोल रहे हैं तब भी उतनी
ही उलझन बनी रहती है जितनी तब अगर सब सच बोल रहे हों। उन
ज़ख़्मों का मामला भी अजीब है। मैं समझ नहीं पाता—इसे समझना
आसान होता अगर उसे गोली मारी गयी होती—आख़िरकार,
बन्दूकची का मतलब यही तो होगा कि वे बन्दूक दागते हैं। अजीब
देश है—अमरीका। मैं वहाँ जाना पसन्द करूँगा। कितना प्रगतिशील
है। जब मैं घर पहुँचूँ तो मुझे डिमिट्रियस ज़ागोन से मिलना चाहिए—

वह अमरीका हो आया है, उसके पास सब आधुनिक विचार हैं—जाने जिया इस वक़्त क्या कर रही होगी। अगर मेरी पत्नी को कभी पता चल गया—'

इसके बाद उनके ख़याल बिलकुल निजी मामलों की तरफ़ चले गये।

हरक्यूल पॉयरो हिले-डुले बगैर बिलकुल निश्चल बैठे रहे।

कोई सोचता कि वे सो रहे थे।

और फिर, पन्द्रह मिनट की पूरी निश्चलता के बाद, उनकी भवें धीरे-धीरे उनके माथे पर ऊपर को सरकने लगीं। हलकी-सी साँस उनके होंटों से निकली। वे आहिस्ता से बुदबुदाये :

'मगर, आख़िरकार, क्यों नहीं? और अगर ऐसा हो तो—ऐसा हो तो—सब कुछ साफ़ हो जायेगा।'

उनकी आँखें खुलीं। वे बिल्ली की आँखों की तरह हरी थीं। उन्होंने नरमी से कहा :

'ठीक है। मैंने सोच लिया है। और आप सब?'

अपने-अपने ख़यालों में डूबे दोनों आदमी ज़ोर से चौंक उठे।

'मैंने भी सोचा है,' मोसिए बोक ने हल्के-से अपराध भाव से कहा। 'लेकिन मैं किसी नतीजे पर नहीं पहुँचा। जुर्म की तफ़तीश तुम्हारा हुनर है, मेरा नहीं, दोस्त।'

'मैंने भी ख़ूब गहराई से विचार किया है,' डॉक्टर ने अपने ख़यालों को किन्हीं सेक्स सम्बन्धी ब्योरों से वापस खींचते हुए बिना लाल हुए कहा। 'मैंने कई सम्भावित अनुमानों के बारे में सोचा है, लेकिन एक ने भी मुझे सन्तुष्ट नहीं किया।'

पॉयरो ने ख़ुशमिज़ाजी से सिर हिलाया। उनके सिर की हरकत यह कहती जान पड़ी :

'बिलकुल ठीक। यही कहना सही है। आपने मुझे वह लुक्मा

दे दिया है जिसकी मुझे उम्मीद थी।'

वे बिलकुल तन कर बैठ गये, छाती बाहर को फुलायी, मूँछों को सहलाया और किसी सार्वजनिक सभा को सम्बोधित करने के अभ्यस्त वक्ता की तरह बोले।

'दोस्तो, मैंने अपने दिमाग़ में सारे तथ्यों को दोबारा परखा है और मुसाफ़िरों की गवाही पर भी ख़ुद विचार किया है—इस नतीजे पर पहुँचते हुए। मैं, थोड़ा-थोड़ा धुँधला ही सही एक ऐसा ख़ाका देख पा रहा हूँ, जो उन सारे तथ्यों को—जिन्हें और जिस रूप में हम उन्हें जानते हैं—अपने में समा लेना। यह एक बहुत अजीब-सी व्याख्या है और मैं अभी तक पक्के तौर पर नहीं कह सकता कि यही सही है। पक्के तौर पर जानने के लिए मुझे कुछ प्रयोग करने होंगे। सबसे पहले तो मैं कुछ बातों का ज़िक्र करना चाहता हूँ जो मुझे संकेत सूचक लगती हैं। आइए उस जुमले से शुरू करें जो मोसिए बोक ने ठीक इसी जगह पर मुझसे उस समय कहा था जब हम रेलगाड़ी में अपना पहला लंच ले रहे थे। उन्होंने इस बात की तरफ़ ध्यान दिलाया था कि हम हर वर्ग, उमर, राष्ट्रीयताओं के लोगों के बीच थे। यह बात साल के इस मौसम में कुछ अनोखी-सी है।

मिसाल के लिए, एथेन्स से पैरिस ओर बुखारेस्ट से पैरिस वाले डिब्बे लगभग खाली हैं। उस मुसाफ़िर को भी याद कीजिए जो आया ही नहीं। यह बात मेरे ख़याल से महत्वपूर्ण है। फिर कुछ छोटी-छोटी बातें हैं जो मुझे संकेत सूचक लगती हैं—मिसाल के लिए, श्रीमती हबर्ड के नहाने वाले झोले की स्थिति, श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की माँ का नाम, मिस्टर हार्डमैन के जासूसी के तरीके, मिस्टर मैक्वीन का यह सुझाना कि रैचेट ने ख़ुद वह पत्र नष्ट कर दिया था जिसका झुलसा हुआ टुकड़ा हमें मिला था, रानी ड्रैगोमिरॉफ़ का पहला नाम और एक हंगेरियाई पासपोर्ट पर चिकनाई का निशान।'

दोनों व्यक्ति उन्हें एकटक देख रहे थे।

'क्या ये आपको भी कुछ सुझाते हैं—ये बिन्दु?'

'कुछ भी नहीं,' मोसिए बोक ने साफ़-साफ़ कहा।

'और आप डॉक्टर?'

'आप क्या कह रहे हैं, यह बिलकुल मेरे पल्ले नहीं पड़ रहा।'

मोसिए बोक, इस बीच, उस एक ठोस बिन्दु को पकड़कर, जिसका ज़िक्र उनके मित्र ने किया था, पासपोर्ट के अम्बार में छँटाई कर रहे थे। एक हुंकार के साथ उन्होंने काउण्ट और काउण्टेस के पासपोर्ट उठाये और उन्हें खोला।

'क्या इसकी तरफ़ तुम्हारा इशारा है? इस गन्दे-से निशान की तरफ़?'

'हाँ, यह काफ़ी ताज़ा चिकनाई का धब्बा है। आपने देखा, वह कहाँ है?'

'काउण्ट की पत्नी के ब्योरे के शुरू में—सही कहें तो उनके पहले नाम के शुरू में। लेकिन मैं मानता हूँ कि मैं अब भी मामला नहीं समझा।'

'मैं इस पर एक और ही नुक्ते से देखना शुरू करूँगा। आइए, जुर्म के मौके पर पाये गये रूमाल की तरफ़ लौटें। जैसा कि हमने कुछ ही देर पहले कहा—'एच' अक्षर से तीन लोगों का सम्बन्ध है। श्रीमती हबर्ड, मिस डेबनहैम और नौकरानी हिल्डेगार्ड शिमट। अब इस रूमाल को दूसरे दृष्टिकोण से देखें। यह, मित्रों, एक बेहद महँगा रूमाल है—ऐयाशी की चीज़, हाथ से बना, पैरिस में इस पर कढ़ाई हुई है। अक्षर को छोड़ दें तो मुसाफ़िरों में से कौन ऐसा है जिसके पास ऐसा रूमाल हो सकता है? श्रीमती हबर्ड नहीं जो बहुत क़ाबिल महिला हैं और कपड़े-लत्ते में फ़िज़ूलखर्ची और शान-शौकत का कोई दिखावा नहीं करतीं। मिस डेबनहैम भी नहीं; उस वर्ग की अंग्रेज़

महिलाओं के पास ख़ूबसूरत-सा, लिनन का रूमाल होता है, उम्दा मलमल का महँगा सूती रूमाल नहीं जिसकी कीमत दो सौ फ्रैंक हो। और नौकरानी का तो सवाल ही नहीं है। लेकिन गाड़ी में दो औरतें ऐसी हैं जिनके पास ऐसे रूमाल के होने की सम्भावना हो सकती है। आइए देखें कि हम उन्हें किसी तरह इस अक्षर 'एच' से जोड़ सकते हैं या नहीं। जिन दो महिलाओं की तरफ़ मेरा इशारा है, वे हैं रानी ड्रेगोमिरॉफ—'

'जिनका पहला नाम नतालिया है,' मोसिए बोक ने कुछ व्यंग्य से कहा।

'यही तो। और उनका पहला नाम, जैसा कि मैंने अभी कहा, निश्चित रूप से संकेत-सूचक है। दूसरी महिला हैं काउण्टेस आन्द्रेन्यी। और तत्काल हमें कुछ सूझता है—'

'तुम्हें! तुम्हें!'

'ठीक है, मुझे। पासपोर्ट पर उनका पहला नाम चिकनाई के धब्बे से अपना मूल रूप खो बैठा है। कोई कहेगा, मामूली संयोग या दुर्घटना है। लेकिन उस पहले नाम पर ग़ौर करो—एलेना। फ़र्ज़ करो वह एलेना की जगह हेलेना होता। वह बड़ा 'एच' बदल कर बड़ा 'ई' बनाया जा सकता था और फिर उसे बढ़ाकर बड़ी आसानी से उसके अगले अक्षर से मिलाया जा सकता था—और फिर चिकनाई का एक धब्बा उस पर गिरा के तब्दीली को ढँका जा सकता था।'

'हेलेना,' मोसिए बोक ने उत्तेजित स्वर में कहा। 'सचमुच ग़ौर करने लायक विचार है।'

'निश्चय ही यह एक विचार है! मैं अपने विचार को पक्का करने के लिए किसी भी सबूत की तलाश करता हूँ, चाहे वह कितना छोटा क्यों न हो—और वह मुझे मिल जाता है। काउण्टेस के सामान पर जो पर्ची चिपकी है, वह थोड़ी नम है। वह पर्ची संयोग से सूटकेस

के ऊपर नाम के पहले अक्षर पर चिपकी है। वह पर्ची गीली करके उतारी गयी है और फिर दूसरी जगह चिपकायी गयी है।'

'तुम मुझे कायल करने लगे हो,' मोसिए बोक ने कहा। 'मगर काउण्टेस आन्द्रेन्यी। निश्चित रूप से वे—'

'और अब मेरे मित्र, आपको पलट कर इस मामले के एक और बिन्दु से देखना चाहिए। इस हत्या को किस रूप में सबके सामने जाहिर करने का इरादा था? यह मत भूलिए कि बर्फ़बारी ने हत्यारे की सभी मूल योजनाओं को तबाह कर दिया है। पल भर के लिए कल्पना कीजिए कि बर्फ़ है ही नहीं, कि गाड़ी अपने सामान्य ढंग से बढ़ती रहती। तब क्या हुआ होता? हमारे ख़याल में बहुत सम्भावना है कि हत्या हर हाल में आज सुबह-सवेरे इतालवी सीमा पर उजागर होती। वही गवाही इतालवी पुलिस को दी जाती। मिस्टर मैक्वीन धमकी-भरे पत्र दिखाते। मिस्टर हार्डमैन अपना किस्सा सुनाते, श्रीमती हबर्ड यह बताने के लिए आतुर रहतीं कि कैसे रात को एक आदमी उनके कूपे से होकर गुज़रा था, बटन पाया जाता। मेरा ख़याल है सिर्फ़ दो बातें अलग होतीं। वह आदमी श्रीमती हबर्ड के कूपे से एक बजे से ठीक पहले गुज़रा होता—और कण्डक्टर की वर्दी किसी शौचालय में उतार कर फेंकी हुई बरामद होती।'

'तुम्हारा मतलब है?'

'मेरा मतलब है कि हत्या की योजना कुछ इस तरह बनायी गयी थी कि वह किसी बाहरी आदमी का काम लगे। यह मान लिया जाता कि हत्यारा गाड़ी से ब्रोड स्टेशन पर फरार हो गया, जहाँ गाड़ी के पहुँचने का समय रात के एक बजे से दो मिनट पहले है। कोई-न-कोई गलियारे में शायद एक अजीब से कण्डक्टर के पास से ज़रूर गुज़रा होता। वर्दी ऐसी नुमायाँ जगह रख दी जाती जिससे यह साफ़ जाहिर हो जाय कि चाल कैसे चली गयी थी। मुसाफ़िरों में से किसी

की तरफ़ भी सन्देह की सुई इशारा न करती। यह, मेरे दोस्तों, वह शक्ल है जिसमें इस पूरे मामले को दुनिया के सामने पेश करने का इरादा था। लेकिन गाड़ी के साथ जो हादसा हुआ उसने सब कुछ बदल दिया। निस्सन्देह यही कारण है हमारे पास कि वह आदमी अपने शिकार के साथ कूपे में इतनी देर क्यों रहा। वह गाड़ी के आगे चलने का इन्तज़ार कर रहा था। लेकिन आख़िरकार उसे एहसास हो गया कि गाड़ी आगे नहीं जायेगी। अब अलग योजनाओं की ज़रूरत पड़ेगी। अब हत्यारे के गाड़ी पर ही होने का पता चलेगा।'

'हाँ, हाँ,' अधीरता से मोसिए बोक ने कहा, 'यह सब तो मैं देख रहा हूँ। लेकिन रूमाल का इससे क्या मतलब?'

'मैं थोड़ा घुमावदार रास्ते से उसी तरफ़ आ रहा हूँ। शुरू ही में आपको यह समझ लेना चाहिए कि वे धमकी वाले ख़तों का मकसद आँख में धूल झोंकना था। वे लापरवाही से लिखी गयी किसी अमरीकी अपराध कथा से पूरमपूर उठाये गये हो सकते थे। वे असली नहीं हैं। वे सीधे-सीधे पुलिस के सामने पेश करने के लिए हैं। हमें जो बात ख़ुद से पूछनी चाहिए, वह यह कि ''क्या उन्होंने रैचेट को भी धोखा दिया?'' साफ़ तौर पर देखें तो जवाब है, ''नहीं'' हार्डमैन को रैचेट ने जो हिदायतें दीं, वे एक निश्चत ''निजी'' दुश्मन की तरफ़ इशारा करती हैं जिसकी असलियत का पता रैचेट को अच्छी तरह था। यानी अगर हम हार्डमैन की कहानी को सच मानें तो। लेकिन रैचेट को एक पत्र यक़ीनन बड़ी अलग क़िस्म का मिला था—वह जिसमें आर्मस्ट्रॉन्ग की बच्ची का ज़िक्र था और जिसका जला हुआ टुकड़ा हमें उसके कूपे में मिला। अगर रैचेट को पहले आभास न हुआ होता तो यह ख़त इस बात को पक्का करने के लिए भेजा गया था कि वह अपनी जान को लेकर दी गयी धमकियों के कारण को जान जाये। उस पत्र के पाये जाने का कोई इरादा नहीं था, जैसा कि मैं लगातार

कहता रहा हूँ। हत्यारे का पहला काम उसे नष्ट कर देना था। इस प्रकार यह उसकी योजनाओं में आयी दूसरी गड़बड़ी थी। पहली थी बर्फ़, दूसरी थी उस टुकड़े को हमारे द्वारा बचा कर फिर से पढ़ लिया जाना। उस पत्र या पर्ची को इतनी सावधानी से नष्ट करने का एक ही मतलब हो सकता है। गाड़ी पर ऐसा कोई व्यक्ति ज़रूर होना चाहिए जिसका आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से इतना अन्तरंग सम्बन्ध हो कि उस पत्र के पाये जाने पर वह तत्काल सन्देह के घेरे में आ जायेगा। अब हम उन दूसरे दो सुरागों पर आते हैं जो हमें मिले हैं। मैं पाइप साफ़ करने वाले की बात नहीं करता। हम पहले ही उसके बारे में काफ़ी कुछ कह चुके हैं। आइए रूमाल पर नज़र डालें। अपने सबसे सरल रूप में वह ऐसा सुराग है जो सीधे-सीधे उसे कटघरे में खड़ा कर देता है जिसका नाम 'एच' से शुरू होता है और वह अजाने में वहाँ गिर गया था।'

'यही तो,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा, 'उसे पता चल जाता है कि उसने रूमाल गिरा दिया है और फ़ौरन अपने पहले नाम को छिपाने के लिए क़दम उठाती है।'

'कितनी तेज़ी से आप भागते हैं। जितना समय नतीजे पर पहुँचने के लिए मैं ख़ुद को देता हूँ, उससे कहीं जल्दी आप वहाँ पहुँच जाते हैं।'

'क्या कोई और विकल्प है?'

'निश्चय ही है। मिसाल के लिए, फ़र्ज़ कीजिए कि आपने कोई अपराध किया है और उसका सन्देह किसी और पर डालना चाहते हैं। ख़ैर, गाड़ी पर एक व्यक्ति है जिसका रिश्ता आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से बहुत घनिष्ट है—एक औरत! फ़र्ज़ कीजिए, तब, कि आप वहाँ एक रूमाल छोड़ जाते हैं जो उस औरत का है। उससे पूछ-ताछ होगी, आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से उसके सम्बन्ध सामने लाये जायेंगे—और देखिए। प्रेरक तत्व और एक फँसाने वाला सबूत।'

'लेकिन ऐसे मामले में,' डॉक्टर ने एतराज किया, 'जिस व्यक्ति की तरफ़ इशारा है, वह अपनी असलियत को छिपाने के लिए क़दम नहीं उठायेगी।'

'आह, सचमुच? आप ऐसा ही सोचते हैं? पुलिस की अदालत की यही राय है। लेकिन मैं इन्सानी फ़ितरत को जानता हूँ और आपको बताता हूँ कि अचानक हत्या के आरोप में कटघरे में खड़े कर दिये जाने की सम्भावना का सामना करते ही, निर्दोष व्यक्ति भी होश खो बैठेगा और बेहद बेतुके काम करेगा। नहीं, नहीं, चिकनाई का धब्बा और लेबल का बदला जाना दोष साबित नहीं करता—यह सिर्फ़ इतना साबित करता है कि किसी कारण से काउण्टेस आन्द्रेन्यी अपनी असलियत छिपाने के लिए बेताब हैं।'

'आपके ख़याल में आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से उनका क्या सम्बन्ध हो सकता है? वे कभी अमरीका में नहीं रहीं, जैसा कि वे कहती हैं।'

'बिलकुल, और वे टूटी-फूटी अंग्रेज़ी बोलती हैं और उनका नाक-नक्शा बहुत विदेशी है जिसे वे और भी बढ़ा देती हैं। लेकिन यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि वे कौन हैं। मैंने अभी श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की माँ का नाम लिया। वह लिण्डा आर्डेन था और वे बहुत मशहूर अभिनेत्री थीं—और बातों के अलावा शेक्सपियर के नाटकों में काम करने वाली अभिनेत्री। शेक्सपियर के नाटक 'ऐज़ यू लाइक इट' का ख़याल कीजिए—आर्डेन का वन और रोज़ालिण्ड। वहीं से उनकी अभिनेत्री के रूप में अपना नाम सूझा। लिण्डा आर्डेन—वह नाम, जिससे वे दुनिया भर में जानी जाती थीं, उनका असली नाम नहीं था। वह गोल्डनबर्ग रहा हो सकता है—काफ़ी मुश्किल है उनकी नसों में कुछ मध्य यूरोपीय ख़ून हो—शायद यहूदी पुट भी हो। बहुत-सी कौमें अपनी जगह छोड़ कर अमरीका पहुँच जाती हैं। मैं आपके सामने यह सुझा रहा हूँ कि श्रीमती

आर्मस्ट्रॉन्ग की छोटी बहन, जो उस हादसे के समय ख़ुद बच्ची ही रही होगी, हेलेना गोल्डनबर्ग थी, लिण्डा आर्डेन की छोटी बेटी और उसने काउण्ट आन्द्रेन्यी से उस समय शादी की जब वे वॉशिंग्टन में राजदूत थे।'

'लेकिन रानी डैगोमिरॉफ तो कहती हैं कि उसने एक अंग्रेज़ से शादी की।'

'जिसका नाम उन्हें याद नहीं है! मैं आपसे पूछता हूँ, दोस्तों, क्या यह मुमकिन है? रानी ड्रैगोमिरॉफ लिण्डा आर्डेन से वैसा ही प्यार करती थीं जैसा शानदार महिलाएँ शानदार कलाकारों से करती हैं। वे उनकी एक बेटी की धर्ममाता थीं। क्या वे इतनी जल्दी दूसरी बेटी के शादी-शुदा नाम को भूल जायेंगी? यह सम्भव नहीं है। नहीं, हम आराम से कह सकते हैं कि रानी ड्रैगोमिरॉफ झूठ बोल रही थीं। वे जानती थीं हेलेना गाड़ी पर सवार है, उन्होंने उसे देखा था। जैसे ही उन्होंने सुना कि रैचेट कौन था, उन्हें आभास हो गया कि हेलेना पर शक किया जायेगा और इसलिए जब हम उनसे बहन के बारे में सवाल करते हैं, वे तुरन्त झूठ बोल देती हैं—गोल-मोल जवाब देती हैं, याद नहीं कर पातीं, लेकिन उनके 'ख़याल में हेलेना ने किसी अंग्रेज़ से शादी कर ली थी।'—ऐसी राय जो सच से जितना सम्भव हो सके, दूर है।'

रेस्तराँ के कर्मचारियों में से एक दूसरे छोर वाले दरवाज़े से अन्दर आया और उनके नज़दीक बढ़ा। उसने मोसिए बोक को सम्बोधित किया।

'मोसिए, भोजन कुछ देर से तैयार है, क्या उसे परोसा जाये?' मोसिए बोक ने पॉयरो की तरफ़ देखा। उन्होंने सिर हिला कर हामी भरी।

'हाँ, हाँ, बिलकुल। परोसो खाना।'

कर्मचारी दूसरे छोर से गायब हो गया। उसकी घण्टी की आवाज़ के साथ उसकी पुकारती आवाज़ भी सुनायी दी :

'भोजन तैयार है। भोजन के लिए आयें। पहली घण्टी। भोजन परोसा जा रहा है।'

अध्याय 4

हंगेरियाई पासपोर्ट पर चिकनाई का धब्बा

पॉयरो, मोसिए बोक और डॉक्टर एक ही मेज़ पर बैठे।

डाइनिंग-कार में इकट्ठा होने वाला समूह बहुत शान्त और दबा-दबा-सा था। वे बहुत कम बातें कर रहे थे। यहाँ तक कि बातूनी श्रीमती हबर्ड भी अस्वाभाविक रूप से ख़ामोश थीं। बैठते समय वे बुदबुदायीं :

'मुझे खाने का बहुत मन नहीं कर रहा,' और फिर उन्होंने वे सभी चीज़ें लीं जो उनके सामने पेश की गयीं। स्वीडी महिला उन्हें लगातार बढ़ावा देती रही मानो श्रीमती हबर्ड ख़ास तौर पर उनके संरक्षण हों।

खाना परोसे जाने से पहले पॉयरो ने मुख्य कर्मचारी को पकड़कर उससे बुदबुदा कर कुछ कहा था। कॉन्स्टैन्टाइन को अच्छा-ख़ासा अन्दाज़ा था कि हिदायतें क्या रही होंगी क्योंकि उसने ग़ौर किया कि काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी को हमेशा सबसे आख़िर में परोसा जाता और खाना ख़त्म होने पर उनके खाने का हिसाब करने में भी देर लगी। इस तरह हुआ यह कि अन्त में काउण्ट और काउण्टेस ही डाइनिंग-कार में बचे रह गये।

जब अन्त में वे उठे और दरवाज़े की तरफ़ बढ़े तो पॉयरो

उछल कर उनके पीछे-पीछे गये। 'माफ़ कीजिए, मैडम, आपका रूमाल गिर गया है।'

पॉयरो ने उनकी तरफ़ वही कढ़ा हुआ चौकोर टुकड़ा बढ़ा रखा था।'

काउण्टेस ने उसे लिया, उस पर नज़र डाली और फिर वापस उन्हें दे दिया।

'आपको गलती लगी है, मोसिए, यह मेरा रूमाल नहीं है।'

'आपका रूमाल नहीं है? आपको यक़ीन है?'

'बिलकुल, मोसिए।'

'फिर भी, मैडम, आपके नाम का पहला अक्षर इस पर कढ़ा है। एच।'

काउण्ट अचानक हरकत में आये। पॉयरो ने उन्हें नज़रन्दाज कर दिया। उनकी आँखें काउण्टेस के चेहरे पर टिकी थीं।

पॉयरो को एकटक देखते हुए काउण्टेस ने जवाब दिया।

'मैं समझी नहीं मोसिए, मेरे नाम के पहले अक्षर ई॰ ए॰ हैं।'

'मेरे ख़याल से नहीं। आपका नाम एलेना नहीं, हेलेना है। हेलेना गोल्डनबर्ग, लिण्डा आर्डेन की छोटी बेटी, श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की बहन।'

मिनट-दो मिनट के लिए एकदम ख़ामोशी छायी रही। काउण्ट ओर काउण्टेस, दोनों के चेहरे फ़क् पड़ गये थे। पॉयरो ने पहले से नरम स्वर में कहा :

'इनकार करना बेकार है। यही सच है, है न?'

काउण्ट ग़ुस्से में फट पड़े :

'मैं पूछता हूँ, मोसिए, किस हक से आप—'

काउण्टेस ने उन्हें टोक दिया, अपना छोटा-सा हाथ उनके होंटों पर रखते हुए।

'नहीं, रुडॉल्फ़ मुझे बात करने दो। जो ये सज्जन कह रहे हैं, उससे इनकार करना बेकार है। बेहतर होगा, हम बैठ कर इस मसले को सुलझा लें।'

उनकी आवाज़ बदल गयी थी। उसमें अब भी लहजे की दक्षिणी नरमी थी, लेकिन सहसा वह पहले से ज़्यादा स्पष्ट और तीखी हो गयी थी। पहली बार निश्चित रूप से वह एक अमरीकी स्वर था।

काउण्ट चुप हो गये। उन्होंने काउण्टेस के हाथ के इशारे पर अमल किया और दोनों पॉयरो के सामने बैठ गये।

'आपका कहना, मोसिए बिलकुल सही है,' काउण्टेस ने कहा। 'मैं हेलेना गोल्डनबर्ग ही हूँ, श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की छोटी बहन।'

'आपने यह बात मुझे सुबह नहीं बतायी, काउण्टेस।'

'नहीं।'

'सच तो यह है कि आपने और आपके पति ने जो कुछ मुझे बताया, वह झूठों का पुलिन्दा था।'

'मोसिए,' काउण्ट ग़ुस्से में चिल्लाये।

'नाराज़ मत हो, रुडॉल्फ़। मोसिए पॉयरो सच को थोड़ा कड़ाई से कहते हैं, लेकिन जो वे कहते हैं, उससे इनकार करना मुमकिन नहीं।'

'मुझे ख़ुशी है कि आप सच को इतने खुलेपन से स्वीकार कर रही हैं, मैडम। क्या अब आप हमें बतायेंगी कि ऐसा करने का आपके पास क्या कारण था और अपने पासपोर्ट पर अपना पहला नाम बदलने का भी।'

'वह पूरी तरह मेरा काम था,' काउण्ट ने टोका।

हेलेना ने आहिस्ता से कहा

'मोसिए पॉयरो, आप यक़ीनन मेरे कारण का—हमारे कारण

का—अन्दाज़ा लगा सकते हैं। यह आदमी जो मारा गया, वही आदमी है जिसने मेरी नन्हीं भांजी को मारा, मेरी बहन को मारा, मेरे बहनोई का दिल तोड़ दिया। वे तीन लोग जिन्हें मैं सबसे ज़्यादा प्यार करती थी और जिनसे मेरा घर बना था—मेरी दुनिया बनी थी।'

उनकी आवाज़ में आवेग-भरी खनक थी। वह उस औरत की सच्ची बेटी थी, जिसके भाव-भरे अभिनय ने बड़े-बड़े दर्शक समुदायों की आँखें गीली कर दी थीं।

वे पहले से ख़ामोश स्वर में बोलती रहीं।

'गाड़ी पर जितने भी लोग हैं, उनमें से शायद मैं ही अकेली हूँ जिसके पास उसकी हत्या करने का सबसे बड़ा कारण था।'

'और आपने उसे नहीं मारा, मैडम?'

'मैं कसम खाकर आपसे कहती हूँ, मोसिए पॉयरो और मेरे पति जानते हैं और कसम भी खायेंगे—कि चाहे जितना मुझे उसे मारने का लालच रहा हो, मैंने उस आदमी के ख़िलाफ़ हाथ नहीं उठाया।'

मैं भी, सज्जनों,' काउण्ट ने कहा। मैं आपको वचन देता हूँ कि कल रात हेलेना अपने कूपे से बाहर नहीं गयी। उसने नींद की दवा ली, जैसा कि मैंने कहा। वह पूरी तरह और एकदम निर्दोष है।'

पॉयरो ने एक-एक करके उनके चेहरों पर नज़र डाली।

'मेरा गम्भीरता से दिया गया वचन है,' काउण्ट ने दोहराया।

पॉयरो ने हल्के से सिर हिलाया।

'और तब भी आपने पासपोर्ट पर नाम बदलने का जिम्मा अपने ऊपर लिया?'

'मोसिए पॉयरो,' काउण्ट ने तहे-दिल से और भाव-भरे स्वर में कहा। 'मेरी स्थिति पर विचार कीजिए। क्या आपके ख़याल में मैं यह बरदाश्त कर पाऊँगा कि मेरी बीवी एक घटिया-से पुलिस के मामले

में घसीटी जाये। वह निर्दोष थी, मैं जानता था, लेकिन जो उसने कहा वह सच है—आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से अपने सम्बन्ध के कारण उस पर फ़ौरन शक जाता। उससे पूछ-ताछ होती, गिरफ़्तारी भी, शायद। चूँकि एक दुर्योग ने हमें उसी गाड़ी का मुसाफ़िर बना दिया था, जिस पर यह आदमी रैचेट सफ़र कर रहा था, इसलिए मेरी नज़र में बस एक ही तरीका था। मैं मानता हूँ, मोसिए, कि मैंने आपसे झूठ बोला—सिवा एक बात के। मेरी बीवी कल रात कूपे को छोड़कर कहीं नहीं गयी।

वे इतनी सच्चाई से बोल रहे थे कि उस पर अविश्वास करना मुश्किल था।

'मैं यह नहीं कह रहा कि मैं आप पर अविश्वास करता हूँ, मोसिए,' पॉयरो ने आहिस्ता से कहा। 'मै जानता हूँ आपका परिवार बहुत अभिमानी और पुराना है। एक नागवार-से पुलिस केस में आपकी पत्नी का घसीटा जाना आपके लिए सचमुच बहुत कड़वा साबित होगा। लेकिन फिर आप मृत व्यक्ति के कूपे में अपनी पत्नी के रूमल की मौजूदगी की क्या सफ़ाई दे सकते हैं?'

'वह रूमाल मेरा नहीं है, मोसिए,' काउण्टेस ने कहा।

'उस कढ़े हुए 'एच' के बावजूद?'

'हाँ, उस पहले अक्षर के बावजूद। मेरे पास ऐसे ही रूमाल हैं ज़रूर पर एक भी नहीं जो हू-ब-हू ऐसा हो। मैं जानती हूँ कि मैं आपको विश्वास दिलाने की आशा नहीं कर सकती, लेकिन मैं आपको भरोसा दिलाती हूँ, ऐसा ही है। वह रूमाल मेरा नहीं है।'

'हो सकता है इसे किसी ने आपको फँसाने के लिए वहाँ रख दिया हो?'

'आप मुझे यह स्वीकार करने के लिए उकसा रहे हैं कि आख़िरकार यह मेरा ही है? लेकिन सचमुच, मोसिए पॉयरो, यह मेरा नहीं है।'

वह पूरी निष्कपटता से बोल रही थी।

'तब फिर, अगर यह रूमाल आपका नहीं था, आपने पासपोर्ट में अपना नाम क्यों बदला?'

इसका जवाब काउण्ट ने दिया।

'क्योंकि हमने सुना कि एक रूमाल पाया गया है जिस पर एच अक्षर कढ़ा है। हमने पूछ-ताछ के लिए आने से पहले इस मामले पर चर्चा की थी। मैंने हेलेना का ध्यान दिलाया कि अगर यह देखा गया कि उसका नाम एच अक्षर से शुरू होता है तो फ़ौरन उससे कहीं अधिक कड़ी पूछ-ताछ की जायेगी। और मामला इतना सरल था— हेलेना को एलेना में आसानी से बदल दिया गया।'

'आप में, काउण्ट महोदय, बहुत अच्छे अपराधी की सम्भावनाएँ हैं,' पॉयरो ने सूखे अन्दाज़ में कहा। 'बहुत-सी स्वाभाविक सूझ-बूझ और न्याय को भटकाने के लिए प्रकट रूप से पश्चाताप रहित संकल्प।'

'अरे, नहीं, नहीं,' काउण्टेस आगे को झुकीं। मोसिए पॉयरो, उन्होंने आपको समझा दिया है कि वह सब कैसे हुआ।' वे फ्रान्सीसी से अंग्रेज़ी पर उतर आयीं। 'मैं डर गयी थी—एकदम ख़ौफ़ज़दा थी, आप समझे। वह सब इतना ख़राब रहा था—वह समय—और फिर उस सब का दोबारा उखाड़ा जाना। और शक का निशाना बनना, जेल में फेंक दिया जाना। मैं डर से सुन्न हो गयी थीं, मोसिए पॉयरो। क्या आप वह सब समझ नहीं सकते?'

उनकी आवाज़ बहुत प्यारी थी—गहरी—भारी—बिनती करती हुई, अभिनेत्री लिण्डा आर्डेन की बेटी की आवाज़।

पॉयरो ने गम्भीरता से उसकी तरफ़ देखा।

'अगर मुझे आप पर विश्वास करना है, मैडम—और मैं यह नहीं कहता कि मैं आप पर विश्वास नहीं करूँगा—तब आपको मेरी

मदद करनी होगी।

'हाँ। इस हत्या का कारण बीते हुए समय में छिपा है—उस हादसे में जिसमें आपका घर तोड़ दिया और आपकी हरी-भरी ज़िन्दगी में उदासी भर दी। मुझे अपने अतीत में ले चलिए, मैडम, ताकि मैं वहाँ उस कड़ी को खोज सकूँ जो इस सारे मामले की गुत्थी खोल सके।'

'वहाँ आपको बताने के लिए क्या हो सकता है? वे सब मर चुके हैं—सब—रॉबर्ट, सोनिया—प्यारी नन्हीं डेजी। वह इतनी प्यारी थी—इतनी ख़ुश—इतने सुन्दर घूँघर थे उसके। हम सब उसके पीछे पागल थे।'

'एक और भी शिकार थी, मैडम। कहा जाय, सीधा नहीं, बल्कि परोक्ष शिकार।'

'बेचारी सुज़ैन? हाँ, उसे तो मैं भूल ही गयी थी। पुलिस ने उससे पूछ-ताछ की थी। उन्हें विश्वास था कि उसका उस घटना से कोई ताल्लुक था। शायद उसका था—लेकिन था भी तो अजाने में। उसने मेरा ख़याल है फालतू में गप-शप की थी, डेजी को बाहर ले जाये जाने के समय के बारे में जानकारी देते हुए। बेचारी बहुत परेशान हो गयी थी—उसे लगा था कि वह जिम्मेदार ठहरायी जा रही थी।' उन्होंने झुरझुरी ली। 'वह खिड़की से कूद गयी। ओह। भयानक था।'

उन्होंने अपनी हथेलियों में चेहरा छिपा लिया।

'वह कहाँ की रहने वाली थी?'

'वह फ्रान्सीसी थी।'

'उसका आख़िरी नाम क्या था?'

'बेतुकी-सी बात है, पर मैं याद नहीं कर पा रही—हम सब उसे सुज़ैन कहते थे। सुन्दर, हँसमुख लड़की थी। वह डेजी पर जान छिड़कती थी।'

'वह डेजी की सेविका थी न?'

'हाँ।'

'नर्स कौन थी?'

'वह हस्पताल की प्रशिक्षित नर्स थी। नाम था स्टेंगलबर्ग। उसे भी डेजी से बहुत लगाव था—और मेरी बहन से भी।'

'अब मैडम, मैं चाहता हूँ कि मेरे अगले सवाल का जवाब देने से पहले अच्छी तरह सोचिएगा। जब से आप इस रेलगाड़ी पर सफ़र कर रही हैं, क्या आपने किसी को देखा है जिसे आप पहचानती हैं?'

उन्होंने एकटक पॉयरो को देखा।

'मैंने? नहीं, किसी को नहीं।'

'रानी ड्रैगोमिरॉफ के बारे में क्या ख़याल है?'

'ओह, उनको? उन्हें जानती हूँ, निश्चय ही। मैंने सोचा आपका मतलब है कोई-कोई जो—उस जमाने का हो।'

'यही मतलब था मेरा मैडम। अब ध्यान से सोचिए। कुछ बरस गुजर गये हैं। हो सकता है उस व्यक्ति ने अपना हुलिया बदल लिया हो।'

हेलेना ने गहराई से विचार किया। फिर वे बोलीं :

'नहीं—मुझे यक़ीन है—कोई नहीं हैं।'

'आप ख़ुद—उस समय आप एक छोटी-सी लड़की थीं—क्या आपकी देख-भाल करने वाला आपकी पढ़ाई-लिखाई की निगरानी करने वाला कोई नहीं था?'

'अरे हाँ, एक डायन थी—एक तरह से मेरी गवर्नेस और सोनिया की सेक्रेटरी, एक साथ दोनों ही। वह अंग्रेज़ थी या कहा जाये स्कॉट थी—बड़ी-सी लाल बालों वाली औरत।'

'उसका नाम क्या था?'

'मिस फ्रीबॉडी।'

'जवान या बूढ़ी?'

'मुझे तो वह बेहद बूढ़ी लगती थी। मेरा ख़याल है वह चालीस से ऊपर की नहीं रही होगी। सुज़ैन अलबत्ता मेरे कपड़े-लत्ते सँभालती थी और मेरा छोटा-मोटा काम किया करती थी।'

'और घर में रहने वाले नहीं थे?'

'सिर्फ़ नौकर-चाकर।'

'और आपको विश्वास है—काफ़ी हद तक, मैडम—कि आप रेलगाड़ी में किसी को नहीं पहचानतीं?'

काउण्टेस ने ज़ोर देकर जवाब दिया।

'किसी को नहीं, मोसिए। किसी को नहीं।'

अध्याय 5

रानी ड्रैगोमिरॉफ का पहला नाम

जब काउण्ट और काउण्टेस चले गये, तब पॉयरो ने बाकी दोनों पर नज़र डाली।

'देखा आपने,' वे बोले,' 'हम आगे बढ़ रहे हैं।'

'शानदार काम,' मोसिए बोक ने मिलनसार लहजे में कहा। 'मैं कभी सपने में भी काउण्ट और काउण्टेस आन्द्रेन्यी पर शक करने की नहीं सोच सकता था। मुझे मानना पड़ेगा कि मैंने उन्हें काफ़ी हद तक अक्षम समझा था। मेरे ख़याल में कोई शक नहीं है कि काउण्टेस ने ही अपराध किया? बहुत दुखद है। तो भी वे इन्हें फाँसी की सजा नहीं देंगे। परिस्थितियाँ ऐसी हैं कि सजा कम होगी। कुछ बरसों की कैद—बस, और कुछ नहीं।'

'दरअसल, आपको इनके दोषी होने का काफ़ी यक़ीन है।'

'मेरे प्यारे दोस्त, निश्चय ही इसमें कोई शक नहीं है? मैंने तो सोचा था कि तुम्हारा तसल्ली-भरा लहजा महज़ चीज़ों को तब तक शान्त किये रखने के लिए है जब तक कि हमें बर्फ़ से बाहर नहीं निकाल लिया जाता और पुलिस मामले को हाथ में नहीं ले लेती।'

'आपको काउण्ट के जोरदार दावे में—उनके वचन में—यकीन नहीं है कि उनकी पत्नी निर्दोष हैं?'

'मेरे दोस्त—स्वाभाविक रूप से—वो और कह भी क्या सकते हैं? वे अपनी पत्नी को बहुत चाहते हैं। उन्हें बचाना चाहते हैं। वे अपना झूठ बड़ी अच्छी तरह बोलते हैं—काफ़ी कुछ शानदार सामन्ती लहजे में, लेकिन वह झूठ के अलावा और क्या हो सकता है?'

'ख़ैर, पता है, मुझे जाने क्यों यह बेहद अजीबो-ग़रीब ख़याल आया कि वह सच हो सकता है?'

'नहीं, नहीं। रूमाल को याद करो। रूमाल ने मामले पर मुहर लगा दी है।'

'ओह! मुझे रूमाल के बारे में बहुत यक़ीन नहीं है। आपको याद है, मैंने हमेशा आपसे कहा कि रूमाल की मिलकियत की दो सम्भावनाएँ हो सकती हैं।'

'तो भी—'

मोसिए बोक ने बात बीच ही में रोक दी। डिब्बे के आख़िरी छोर का दरवाज़ा खोल कर रानी ड्रैगोमिरॉफ डाइनिंग-कार में दाख़िल हुई थीं। वे सीधे उनके पास आयीं और तीनों पुरुष उठ कर खड़े हो गये।

दूसरों को नज़रन्दाज करते हुए उन्होंने पॉयरो से बात की।

'मोसिए, मेरा ख़याल है,' वे बोलीं, 'कि आपके पास मेरा एक रूमाल है।'

पॉयरो ने विजयी भाव से बाकी दोनों की तरफ़ देखा।

'क्या यह है, मैडम?'

उन्होंने मलमल का वह छोटा चौकोर टुकड़ा निकाला।

'हाँ, यही है। इसके कोने पर मेरे नाम का पहला अक्षर कढ़ा है।'

'लेकिन रानी साहिबा, यह तो एच अक्षर है,' मोसिए बोक ने कहा। 'आपका पहला नाम तो माफ कीजिए, नतालिया है।'

रानी साहिबा ने उन्हें ठण्डी निगाह से घूरा।

'यह सही है, मोसिए मेरे रूमालों पर हमेशा रूसी वर्णमाला के अक्षर कढ़े रहते हैं। रूसी में एन को एच की तरह लिखा जाता है।'

मोसिए बोक को जैसे धक्का-सा लगा। इस अदम्य बूढ़ी महिला में कुछ ऐसा था जो उनके भीतर घबराहट और बेचैनी पैदा करता था।

'आपने हमें सुबह पूछ-ताछ के वक़्त यह नहीं बताया कि यह रूमाल आपका है मैडम?'

'आपने मुझसे पूछा नहीं,' रानी साहिबा ने रुखाई से कहा।

'मेहरबानी करके बैठिए, मैडम,' पॉयरो ने कहा। वे बैठ गयीं।

'आपको इसका कोई लम्बा-चौड़ा मामला बनाने की ज़रूरत नहीं सज्जनों। आपका अगला सवाल होगा कि—मेरा रूमाल एक मारे गये आदमी के शरीर के पास कैसे पड़ा मिला? मेरा जवाब है कि मुझे रत्ती भर अन्दाज़ा नहीं है।'

'आपको सचमुच कोई अन्दाज़ा नहीं है?'

'न, कोई नहीं।'

'आप मुझे माफ़ करेंगी, मैडम, पर हम आपके जवाबों की सच्चाई पर किस हद तक भरोसा कर सकते हैं?'

पॉयरो ने बहुत आहिस्ता से ये शब्द कहे। रानी ड्रैगोमिरॉफ ने

उपेक्षा से जवाब दिया।

'मेरे ख़याल में आपका मतलब है इसलिए कि मैंने आपको नहीं बताया हेलेना आन्द्रेन्यी ही श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की बहन है?'

'सच तो यह है कि आपने इस मामले में जानबूझकर हमसे झूठ बोला।'

'बिलकुल। मैं दोबारा भी ऐसा ही करूँगी। उसकी माँ मेरी सहेली थी। मैं वफादारी में विश्वास करती हूँ, सज्जनों—अपने दोस्तों, अपने परिवार और अपनी जाति के तईं।'

'आप इन्साफ़ के मकसद को पूरा करने में जी जान लगाने में विश्वास नहीं करतीं?'

'इस मामले में मेरे ख़याल में इन्साफ़—कड़ा इन्साफ़—किया गया है।'

पॉयरो आगे को झुके।

'आप मेरी कठिनाई देख रही हैं, मैडम। रूमाल के इस मामले में भी क्या मैं आप पर विश्वास करूँ? या आप अपनी सहेली की बेटी को बचा रही हैं?'

'आह! मैं आपका मतलब समझ रही हूँ।' उनके चेहरे पर एक संजीदा मुस्कान आ गयी। 'ख़ैर, सज्जनों, मेरा यह बयान आसानी से साबित हो सकता है। मैं आपको पैरिस के उन लोगों का पता दे दूँगी जो मेरे रूमाल बनाते हैं। आपको उन्हें यह रूमाल दिखा देना है जिसकी तसदीक करनी है और वे आपको बता देंगे कि यह मेरे आदेश पर साल भर पहले बनाया गया था। रूमाल मेरा है, सज्जनों।' वे उठीं।

'क्या आपको मुझसे कुछ और पूछना है?'

'मैडम, आपकी नौकरानी ने क्या यह रूमाल पहचाना था, जब हमने सुबह इसे उसको दिखाया था?'

'उसने ज़रूर पहचाना होगा। उसने देखा था और कुछ कहा नहीं। ओह, ख़ैर, इससे पता चलता है कि वह भी वफादारी निभा सकती है।'

अपने सिर को हल्के से झुकाते हुए वे डाइनिंग-कार से चली गयीं।

'तो यह बात थी,' पॉयरो आहिस्ता से बुदबुदाये। 'जब मैंने नौकरानी से पूछा था कि क्या उसे मालूम था यह रूमाल किसका है तो मैंने थोड़ी-सी हिचकिचाहट पर ग़ौर किया था। वह तय नहीं कर पा रही थी कि यह माने या न माने कि रूमाल उसकी मालकिन का है। लेकिन यह बात मेरे अजीब-से केन्द्रीय विचार से कैसे मेल खाती है? हाँ, ऐसा हो भी सकता है।'

'आह!' मोसिए बोक ने अपने ख़ास मुद्रा के साथ कहा, 'वे भयंकर महिला हैं!'

'क्या ये रैचेट की हत्या कर सकती थीं?' पॉयरो ने डॉक्टर से पूछा। उसने सिर हिला दिया।

'वे वार—जो बहुत बल लगा कर किये गये हैं, जिन्होंने मांस को चीर दिया है—ऐसे कमजोर शरीर वाला कोई कभी ऐसे वार नहीं कर सकता।'

'लेकिन जो हल्के वार हैं, वे?'

'हाँ, हल्के वाले कर सकता है।'

'मैं आज सुबह की उस घटना के बारे में सोच रहा हूँ,' पॉयरो ने कहा, 'जब मैंने उनसे कहा कि ताक़त उनकी बाँहों से ज़्यादा उनकी इच्छा-शक्ति में थी। वह बात एक चाल की तरह मैंने कही थी। मैं देखना चाहता था कि वे अपने दायें हाथ पर नज़र डालतीं हैं या बायें हाथ पर। उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया। उन्होंने दोनों को देखा। लेकिन एक अजीब-सा जवाब दिया ''नहीं, इनमें कोई ताक़त नहीं। मैं नहीं

जानती कि मुझे इस पर अफ़सोस है या ख़ुशी'' विचित्र टिप्पणी थी। यह अपराध के बारे में मेरी धारणा को पुष्ट करती है।'

'इसने बयँहत्थेपन के बारे में जो नुक्ता था उसे हल नहीं किया।'

'नहीं। अच्छा, क्या आपने ग़ौर किया कि काउण्ट आन्द्रेन्यी अपना रूमाल कोट के सामने की दायें हाथ वाली जेब में रखते हैं?'

मोसिए बोक ने अपना सिर हिलाया। उनका दिमाग़ फिर पिछले आधे घण्टे के अद्भुत उद्घाटनों की तरफ़ चला गया। वे बुदबुदाये :

'झूठ—और फिर झूठ—मैं हैरान हूँ, आज सुबह से कितने झूठ हमें सुनने पड़े हैं।'

'अभी और हैं जिन्हें हमें उजागर करना है,' मोसिए पॉयरो ने ख़ुशदिली से कहा।

'तुम ऐसा सोचते हो?'

'अगर ऐसा न हो तो मुझे बहुत निराशा होगी।'

'ऐसी धोखेबाज़ी भयानक है,' मोसिए बोक ने कहा। 'लेकिन तुम्हें तो इससे ख़ुशी होती है।' उन्होंने शिकायती लहजे में कहा।

'इससे फ़ायदा यह है,' पॉयरो ने कहा। 'अगर आप ऐसे आदमी का सामना करें जिसने सच के साथ झूठ बोला हो, तो वह आम तौर पर इसे मान लेता है—अक्सर चकित हो जाने की वजह से। ज़रूरत सिर्फ़ इसी की होती है कि आप अपना असर दिखाने के लिए सही अनुमान लगायें। इस मामले से निपटने का यही एक उपाय है। मैं हर मुसाफ़िर को बारी-बारी से चुनता हूँ, उनकी गवाही पर विचार करता हूँ और ख़ुद से कहता हूँ, ''अगर फलाना झूठ बोल रहा है तो किस बात पर झूठ बोल रहा है और इस झूठ का कारण क्या है?'' और मैं जवाब देता हूँ—अगर वह झूठ बोल रहा है—अगर, ध्यान रखिए—तो वह ऐसे कारण और ऐसी बात पर हो सकता है। हमने

इसको काउण्टेस आन्द्रेन्यी के मामले में सफलता से आजमाया। अब हम इसी तरीके को दूसरे कई लोगों पर आजमाने की कोशिश करेंगे।'

'और फ़र्ज़ करो मेरे दोस्त, तुम्हारा अनुमान गलत हो तो?'

'तब कम-से-कम एक व्यक्ति तो शक के दायरे से बिलकुल बाहर हो जायेगा।'

'आह, एक-एक करके अलग करना?'

'बिलकुल।'

'और अब हम किससे रू-ब-रू होंगे?'

'हम उस पक्के साहब कर्नल आरबथनॉट से रू-ब-रू होने जा रहे हैं।'

अध्याय 6

कर्नल आरबथनॉट से दूसरी पूछ-ताछ

दूसरी बार पूछ-ताछ के लिए डाइनिंग-कार में तलब किये जाने पर कर्नल आरबथनॉट साफ़ तौर पर खीझे और चिढ़े लग रहे थे। उनके चेहरे से सख़्त नागवारी टपक रही थी जब उन्होंने बैठते हुए कहा :

'फरमाइए।'

'आपको दूसरी बार कष्ट देने के लिए मैं आपसे माफ़ी चाहता हूँ,' पॉयरो ने कहा, 'लेकिन अब भी कुछ जानकारी है जो मेरे ख़याल में आप हमें दे सकते हैं।'

'ऐसा? मुझे तो बिलकुल नहीं लगता।'

'पहली बात तो यह कि आप यह पाइप साफ़ करने वाला देख रहे हैं?'

'हाँ।'

'क्या यह आपके वालों में से है?'

'पता नहीं। मैं उन पर कोई निशान तो लगाता नहीं।'

'क्या आपको पता है कर्नल आरबथनॉट कि इस्तम्बूल-कैले कोच में सिर्फ़ आप ही हैं जो पाइप पीते हैं?'

'उस हालत में शायद यह मेरा ही है।'

'क्या आपको पता है यह मिला कहाँ?'

'नहीं, रत्ती भर भी नहीं।'

'यह मारे गये आदमी की लाश के पास मिला था।'

कर्नल आरबथनॉट ने भवें चढ़ायीं।

'क्या आप बता सकते हैं, कर्नल आरबथनॉट, कि यह वहाँ कैसे पहुँचा होगा?'

'अगर आपका मतलब है कि क्या मैंने इसे वहाँ गिरा दिया, तो नहीं, मैंने नहीं गिराया।'

'क्या आप किसी भी समय रैचेट के कूपे में गये थे?'

'मैंने उस आदमी से बात तक नहीं की।'

'आपने उससे कभी बात नहीं की और आपने उसे मारा नहीं?'

कर्नल ने व्यंग्य से फिर भवें चढ़ायी।

'अगर मैंने मारा होता तो मैं इस बात से आपको तो आगाह करने वाला था नहीं। वैसे, सच यह है कि मैंने उस बन्दे की हत्या नहीं की।'

'ख़ैर,' पॉयरो बुदबुदाये। 'इसका कोई महत्व नहीं।'

'माफ़ कीजिए, क्या कहा आपने?'

'मैंने कहा कि इसका कोई महत्व नहीं।'

'ओह!' ऐसा लगा कि कर्नल आरबथनॉट को धक्का-सा लगा। उन्होंने बेचैनी से पॉयरो को देखा।

'क्योंकि, आप देखें, पॉयरो ने बात जारी रखी, 'पाइप साफ़ करने वाले का कोई महत्व नहीं। मैं ख़ुद उसके वहाँ होने के ग्यारह और उम्दा कारण सोच सकता हूँ।'

कर्नल आरबथनॉट उन्हें एकटक देखते रहे।

'मैं आपसे एक बिलकुल अलग कारण से मुलाकात करना चाहता था,' पॉयरो कहते चले गये। 'हो सकता है मिस डेबनहैम ने आपको बताया हो कि कोन्या स्टेशन पर आपसे कहे गये कुछ शब्द मेरे कान में पड़े थे।'

आरबथनॉट ने जवाब नहीं दिया।

'उन्होंने कहा था ''अभी नहीं। जब सब बीत जाये। जब वह हमारे पीछे छूट जाये।'' क्या आपको पता है कि उन शब्दों में किस चीज़ का हवाला था?'

'मुझे अफ़सोस है, मिस्टर पॉयरो, लेकिन मैं उस सवाल का जवाब नहीं दे सकूँगा।'

'क्यों भला?'

कर्नल ने थोड़े अक्खड़पन से कहा :

'मेरा सुझाव है कि आपको ख़ुद मिस डेबनहैम से इन शब्दों का मतलब पूछें।'

'मैंने पूछा है।'

'और उन्होंने आपको बताने से इनकार किया!'

'हाँ।'

'तब मेरा ख़याल है कि यह बिलकुल साफ़ होगा—आपके सामने कि मेरे होंट सिले हैं।'

'आप एक महिला का राज नहीं खोलेंगे?'

'आप चाहें तो ऐसा ही समझ लें।'

'मिस डेबनहैम ने मुझे बताया था कि उन शब्दों का ताल्लुक

उनके अपने निजी मामले से था।'

'फिर आप उन्हीं की बात क्यों स्वीकार नहीं कर लेते?'

'क्योंकि, कर्नल आरबथनॉट, मिस डेबनहैम जिसे हम कहें बहुत ही सन्दिग्ध व्यक्ति हैं।'

'बकवास!' कर्नल ने थोड़ी गरमी से कहा।

'बकवास नहीं है।'

'उनके ख़िलाफ़ आपके पास कुछ नहीं है।'

'यह तथ्य नहीं कि मिस डेबनहैम नन्हीं डेजी आर्मस्ट्रॉन्ग के अपहरण के समय आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार में सहयोगी गवर्नेस का काम कर रही थीं?'

एक मिनट तक घनघोर चुप्पी छायी रही।

पॉयरो ने धीरे से अपना सिर हिलाया।

'देखा आपने,' उन्होंने कहा, 'जितना आपका अनुमान है, उससे ज़्यादा हम जानते हैं। अगर मिस डेबनहैम बेकसूर हैं तो उन्होंने यह बात क्यों छिपायी? उन्होंने मुझसे यह क्यों कहा कि वे कभी अमरीका नहीं गयीं?'

कर्नल ने खँखार कर गला साफ़ किया।

'कहीं आप कोई गलती तो नहीं कर रहे?'

'मैं कोई गलती नहीं कर रहा। मिस डेबनहैम ने मुझसे झूठ क्यों बोला?'

कर्नल आरबथनॉट ने कन्धे उचका दिये।

'बेहतर हो यह आप उन्हीं से पूछें। मैं अब भी सोचता हूँ कि आप गलत हैं।'

पॉयरो ने आवाज़ ऊँची की और पुकारा। डाइनिंग-कार के दूसरे छोर से एक कर्मचारी भागता हुआ आया।

'जाओ और नं० 11 में जो अंग्रेज़ महिला हैं, उनसे पूछो कि

क्या वे यहाँ आने का कष्ट करेंगी।'

'बहुत अच्छा, मोसिए।'

आदमी चला गया। चारों आदमी ख़ामोश बैठे रहे। कर्नल आरबथनॉट का चेहरा ऐसा लग रहा था जैसे लकड़ी पर नक्काशी की गयी हो, वह कड़ा और भावहीन था।

आदमी लौट आया।

'शुक्रिया।'

मिनट-दो मिनट बाद मेरी डेबनहैम डाइनिंग-कार में दाख़िल हुई।

अध्याय 7

मेरी डेबनहैम का असली परिचय

उसने हैट नहीं पहन रखा था। उसका सिर पीछे को तना हुआ था, मानो चुनौती में। उसके चेहरे से पीछे को खींच गये बाल और नथुने की गोलाई, हलचल भरे समुद्र की लहरों को चीर कर बढ़ते किसी जहाज़ के सामने वाले सिरे पर लगी प्रतिमा की याद दिलाती थी। उस पल वह सुन्दर लग रही थी।

मिनट भर के लिए उसकी आँखें आरबथनॉट की तरफ़ गयीं—बस मिनट भर के लिए। उसने पॉयरो से कहा :

'आप मुझसे मिलना चाहते थे?'

'मैं आप से पूछना चाहता था मैडमोज़ेल कि आपने आज सुबह हमसे झूठ क्यों बोला?'

'आपसे झूठ बोला? मुझे पता नहीं आप कहना क्या चाहते हैं।'

'आपने यह तथ्य छिपाया कि आर्मस्ट्रॉन्ग वाले हादसे के समय दरअसल आप उनके मकान में रह रही थीं। आपने तो मुझसे कहा था कि आप कभी अमरीका नहीं गयीं।'

उन्होंने देखा कि वह पल भर चिंहुकी फिर उसने ख़ुद पर काबू पा लिया।

'हाँ,' वह बोली, 'यह सच है।'

'नहीं, मैडमोज़ेल, यह झूठ था।'

'आपने मुझे गलत समझा। मेरा मतलब था कि यह सच है कि मैंने आपसे झूठ बोला।'

'ओह, तो आप इसे स्वीकार करती हैं?'

उसके होंट मुस्कराहट में तिरछे हो गये।

'यक़ीनन। चूँकि आपने मुझे पकड़ लिया है।'

'कम-से-कम आप स्पष्टवादी तो हैं, मैडमोज़ेल।'

'इसके अलावा मेरे पास और कोई चारा भी तो नहीं है।'

'ख़ैर, निश्चय ही यह सच है। और अब, मैडमोज़ेल, क्या मैं आपसे इस सब हीले-हवाले की वजह पूछ सकता हूँ?'

'मुझे तो लगता था कि कारण आपकी आँखों के सामने कूदकर आ गया होगा।'

'मेरी आँखों के सामने तो कूदकर नहीं आया, मैडमोज़ेल।'

उसने थोड़े-से कड़ेपन के पुट वाली शान्त, एक रस आवाज़ में कहा :

'मुझे अपनी आजीविका भी जुटानी है।'

'आपका मतलब है—?'

उसने अपनी नज़रें उठायीं और उन्हें सीधे टकटकी लगा कर देखा।

'आप एक अच्छी नौकरी को हासिल करने और उस पर

बने रहने के संघर्ष के बारे में कितना जानते हैं, मोसिए पॉयरो?' क्या आपको लगता है कि जिस लड़की को हत्या के मामले में हिरासत में लिया गया हो, जिसका नाम और शायद फ़ोटो अंग्रेज़ी के अख़बारों में छपा हो—क्या आप सोचते हें कि कोई अच्छी, आम, मध्यमवर्गीय अंग्रेज़ महिला उस लड़की को अपनी बेटियों की गवर्नेस के रूप में काम पर रखना चाहेगी?'

'मैं नहीं देख पाता कि इसमें क्या दिक्कत है—अगर आप पर कोई दोष न आये।'

'दोष—दोष की बात नहीं हैं—बात प्रचार की है! अब तक, मोसिए पॉयरो, मैं जीवन में सफल रही हूँ। मुझे अच्छी तनख़्वाह वाली सुखद नौकरियाँ मिली हैं। मैं जिस स्थिति पर पहुँची हूँ उसे मैं ज़ोख़िम में नहीं डालना चाहती थी जब इससे कोई भलाई नहीं होने वाली थी।'

'मैं यह कहना चाहूँगा, मैडमोज़ेल, कि इसका सही निर्णायक आप नहीं, मैं होता।'

उसने अपने कन्धे उचका दिये।

'मिसाल के लिए शिनाख़्त के सिलसिले में आप मेरी सहायता कर सकती थीं।'

'क्या मतलब है आपका?'

'क्या यह सम्भव है, मैडमोज़ेल, कि आपने काउण्टेस आन्द्रेन्यी के रूप में श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की छोटी बहन को नहीं पहचाना जिसे आपने न्यू यॉर्क में पढ़ाया था?'

'काउण्टेस आन्द्रेन्यी? नहीं।' उसने अपना सिर हिलाया। 'यह आपको अजीब और असाधारण लगे, लेकिन मैंने उसे नहीं पहचाना। वह उस समय, जब मैंने उसे देखा था, बड़ी नहीं हुई थी। यह तीन साल से भी पहले की बात है। यह सही है कि काउण्टेस मुझे किसी की याद

दिलाती थीं—यह बात मुझे चकराती थी। लेकिन वे इतनी विदेशी लगती थीं—मैंने उन्हें उस छोटी-सी अमरीकी स्कूली लड़की से जोड़ कर नहीं देखा। यह सही है कि डाइनिंग-कार में आते समय मैंने उन पर सिर्फ़ सरसरी नज़र डाली थी। मैंने उनके चेहरे की बजाय उनके कपड़ों पर ज़्यादा ग़ौर किया,' वह हल्के-से मुस्करायी—'औरतें करती हैं। और फिर—ख़ैर, मेरी अपनी उलझनें भी थीं।'

'आप मुझे अपना राज़ नहीं बतायेंगी, मैडमोज़ेल?'

पॉयरो की आवाज़ बहुत नरम और राजी करने वाली थी।

उसने धीमे स्वर में कहा : 'मैं नहीं बता सकती, नहीं बता सकती।'

और अचानक बिना चेतावनी के वह फूट पड़ी, अपनी फैली हुई बाँहों पर अपना चेहरा टिकाते हुए और इस तरह रोते हुए मानो उसका दिल टूट जायेगा।

कर्नल उछल कर खड़े हुए और बेढंगेपन से उसके पास खड़े हो गये।

'मैं—देखो ज़रा—'

वे रुके और मुड़कर पॉयरो की तरफ़ देखकर उन्होंने त्योरियाँ चढ़ा लीं।

'मैं तुम्हारे बदन की एक-एक हड्डी तोड़ दूँगा, समझे, गन्दे घटिया आदमी,' वे बोले।

'मोसिए,' मोसिए बोक ने एतराज़ जाहिर किया।

आरबथनॉट युवती की तरफ़ मुड़ चुके थे।

'मेरी—भगवान के लिए—'

वह उछल कर उठी।

'कुछ नहीं हुआ। मैं ठीक हूँ। आपको अब मेरी और कोई ज़रूरत तो नहीं है न, मिस्टर पॉयरो? अगर हो तो आपको आकर मुझे

खोजना पड़ेगा ओह, मै कैसी बेवकूफ़ी कर रही हूँ—कैसी बेवकूफ़ी!'

वह डाइनिंग-कार से तेज़-तेज़ निकल गयी। उसके पीछे-पीछे जाने से पहले, आरबथनॉट एक बार फिर पॉयरो की तरफ़ मुड़े।

'मिस डेबनहैम का इस मामले से कुछ लेना-देना नहीं है—कुछ भी, सुना आपने? और अगर उन्हें तंग और परेशान किया गया तो मैं आपसे निपटूँगा।'

वे क़दम बढ़ाते हुए बाहर चले गये।

'मुझे एक क्रोधित अंग्रेज़ को देखना अच्छा लगता है,' पॉयरो ने कहा। 'वे बड़े दिलचस्प होते हैं। जितना अधिक भावना में वे बहते हैं, उतना ही कम उनका अपनी बोली पर काबू रह जाता है।'

लेकिन मोसिए बोक को अंग्रेज़ मर्दों की भावुक प्रतिक्रियाओं में दिलचस्पी नहीं थी। वे अपने मित्र के प्रति प्रशंसा से अभिभूत थे।

'मेरे दोस्त, तुम वाकई अद्भुत हो,' वे उत्तेजित स्वर में बोले। 'एक और चमत्कारी अनुमान। लाजवाब!'

'विश्वास करने लायक़ नहीं है कि आप इन बातों को सोच कैसे लेते हैं,' डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने तारीफ़ में कहा।

'ओह, इस बार मैं कोई श्रेय नहीं लूँगा। यह कोई अटकल नहीं थी। काउण्टेस आन्द्रेन्यी ने यों समझिए कि मुझे लगभग बता दिया था।'

'कैसे भला?'

'आपको याद होगा मैंने उन्हें उनकी गवर्नेस या साथी के बारे में पूछा था? मैंने अपने मन में तय कर लिया था कि अगर मेरी डेबनहैम का ताल्लुक इस मामले से होगा, तो वह ऐसी ही किसी हैसियत में उस घर से जुड़ी रही होगी।'

'हाँ, लेकिन काउण्टेस आन्द्रेन्यी ने बिलकुल अलग महिला का वर्णन किया था।'

'बिलकुल। लाल बालों वाली लम्बी, अधेड़ औरत— दरअसल, हर लिहाज से मिस डेबनहैम के एकदम उलट, इतनी कि उल्लेखनीय बन जाये। लेकिन उन्हें जल्दी से एक नाम के बारे में सोचना था और यहाँ अचेतन रूप से विचारों के जुड़ाव ने उनका भेद खोल दिया। उन्होंने मिस फ्रीबॉडी कहा था, याद है?'

'हाँ, हाँ!'

'ठीक। आप को शायद पता न हो, लेकिन लन्दन में एक दुकान है, जिसे अभी हाल तक डेबनहैम और फ्रीबॉडी कहते थे। जिस समय काउण्टेस के दिमाग़ में यह नाम डेबनहैम चक्कर काट रहा था, उन्होंने जल्दी से एक और नाम के लिए दिमाग़ दौड़ाया और पहला नाम जो उन्हें सूझा वह फ्रीबॉडी था। कुदरती तौर पर मैं फ़ौरन भाँप गया।'

'यह एक और झूठ है। उन्होंने ऐसा क्यों किया?'

'शायद और वफादारी की वजह से। इससे मामला थोड़ा और कठिन हो गया है।'

'हे भगवान,' मोसिए बोक ने झल्ला कर कहा। 'मगर क्या इस रेलगाड़ी पर सवार हर कोई झूठ बोलता है?'

'यही हमें अभी पता चलने वाला है,' पॉयरो ने कहा।

अध्याय 8

और आश्चर्यजनक उद्घाटन

'अब मुझे किसी बात पर हैरत नहीं होगी,' मोसिए बोक ने कहा। 'किसी बात पर नहीं। भले ही गाड़ी पर हर आदमी आर्मस्ट्रॉन्ग के घर में रहता रहा हो, मैं हैरत जाहिर नहीं करूँगा।'

'यह एक बहुत गहरा जुमला है,' पॉयरो ने कहा। 'क्या आप देखना चाहेंगे कि आपका पसन्दीदा सन्दिग्ध—वह इतालवी—अपने बारे में क्या कहता है?'

'तुम अपना एक और मशहूर अन्दाज़ा लगाने जा रहे हो?'

'एकदम!'

'यह सचमुच एक असाधारण मामला है,' कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा।

'नहीं, यह बिलकुल स्वाभाविक है।'

मोसिए बोक ने मजाकिया नाउम्मीदी में अपनी बाँहें ऊपर उछालीं,

'अगर इसे तुम स्वाभाविक कहते हो, प्यारे, तो—'

उनके शब्द जवाब दे गये।

इस बीच पॉयरो ने डाइनिंग-कार के सेवक को आदेश दिया था कि वह अन्तोनियो फॉस्कारेली को बुला लाये।'

अन्दर आते समय उस लम्बे-चौड़े इतालवी की आँखों में सतर्क भाव था। वह घिरे हुए जानवर की तरह अगल-बगल घबरायी हुई निगाहें डाल रहा था।

'क्या चाहिए आपको?' उसने कहा। 'मेरे पास आपको बताने के लिए कुछ नहीं है—कुछ नहीं, सुनते हैं आप? ईश्वर के लिए—' उसने मेज़ पर हाथ मारा।

'हाँ, आपके पास हमें बताने के लिए कुछ और भी है,' पॉयरो दृढ़ता से कहा, 'सच्चाई।'

'सच्चाई?' उसने पॉयरो की तरफ़ एक बेचैन निगाह डाली। उसकी चाल-ढाल और रवैये से भरोसे और ख़ुशमिज़ाजी की सारी निशानियाँ गायब हो चुकी थीं।

'हाँ, हाँ, वही। हो सकता है वह मुझे पहले ही मालूम हो।

लेकिन यह आपके पक्ष में जायेगा अगर वह हमें आपसे पता चले और वह भी ख़ुद-ब-ख़ुद।'

'आप अमरीकी पुलिस की तरह बात करते हैं। ''खोल कर बताओ''—यही कहते हैं वे—''खोल कर बताओ''।'

'अच्छा! तो आपको न्यू यॉर्क पुलिस का तर्जुबा है?'

'नहीं, नहीं, कभी-नहीं। वे मेरे ख़िलाफ़ कुछ नहीं साबित कर सके—लेकिन ऐसा कोशिश की कमी से नहीं हुआ था।'

पॉयरो ने आहिस्ता से कहा :

'यह आर्मस्ट्रॉन्ग वाले मामले में हुआ था न? आप कार के ड्राइवर थे?'

उनकी आँखें इतालवी की आँखों से मिलीं। उस लम्बे-चौड़े आदमी की सारी अकड़-फूँ गायब हो गयी थी। वह उस गुब्बारे की तरह था जिसमें सुई चुभा दी गयी हो।

'जब आप जानते ही हैं—तो मुझसे क्यों पूछते हैं?'

'आपने आज सुबह झूठ क्यों बोला?'

'कारोबारी कारणों से। इसके अलावा मुझे युगोस्लाव पुलिस पर भरोसा नहीं है। वे इतालवी लोगों से नफ़रत करते हैं, वे मेरे साथ न्याय न करते।'

'शायद वे आपके साथ न्याय ही करते।'

'नहीं, नहीं, मेरा कल रात के मामले में कोई हाथ नहीं था। मैं अपने कूपे के बाहर ही नहीं आया था। वह लम्बे चेहरे वाला अंग्रेज़—वह आपको बता देगा। मैं नहीं था जिसने इस सुअर-रैचेट—का ख़ून किया। आप मेरे ख़िलाफ़ कुछ भी साबित नहीं कर सकते।'

पॉयरो एक काग़ज़ पर कुछ लिख रहे थे। उन्होंने ऊपर देखा और आहिस्ता से कहा :

'बहुत अच्छा। आप जा सकते हैं।'

फॉस्कारेली बेचैनी से मँडराता रहा।

'आप समझ रहे हैं न कि मैं नहीं था—मेरा इससे कुछ लेना-देना नहीं हो सकता?'

'मैंने कहा आप जा सकते हैं।'

'यह साज़िश है। आप मुझे फाँसना चाहते हैं। उस सुअर जैसे आदमी के लिए जिसे फाँसी पर लटकाना चाहिए था। नहीं लटकाया गया यह बहुत ख़राब बात थी। अगर मैं होता—अगर मैं गिरफ़्तार किया गया होता—'

'लेकिन आप तो थे नहीं। उस बच्ची के अपहरण से आपका तो कुछ लेना देना नहीं था।'

'क्या कह रहे हैं आप? अरे, वह नन्ही—वह तो घर भर की दुलारी थी। वह मुझे टोनियो बुलाती थी। और वह कार में बैठकर स्टीयरिंग पकड़ने का दिखावा करती थी। सारा घर उसकी पूजा करता था। यहाँ तक कि पुलिस ने भी इस बात को समझा था। आह, वह सुन्दर नन्ही गुड़िया।'

उसकी आवाज़ मुलायम हो गयी थी। आँखों में आँसू आ गये थे। फिर वह सहसा अपनी एड़ियों पर घूमा और तेज़ी से डाइनिंग-कार के बाहर चला गया।

'पिएत्रो!' पॉयरो ने आवाज़ दी।

डाइनिंग-कार कर्मचारी दौड़ा आया।

'नम्बर 10—स्वीडी महिला।'

'जी मोसिए!'

'एक और?' मोसिए बोक चिल्लाये। 'आह, नहीं—यह सम्भव नहीं है। मैं तुम्हें कहता हूँ यह सम्भव नहीं है।'

'हमें जानना ही है, मित्र। अगर अन्त में यह पता चले कि गाड़ी पर सवार हर मुसाफ़िर के पास रैचेट की हत्या करने का कारण था तो

भी हमें जानना है। एक बार हमें पता चल जाये तो हम हमेशा के लिए यह तय कर सकते हैं कि दोष कहाँ है, दोषी कौन है।'

'मेरा तो सिर चकरा रहा है,' मोसिए बोक कराहे।

कर्मचारी ग्रेटा ओह्लसन को नरमी से ले आया। वह बुरी तरह रो रही थी।

वह पॉयरो के सामने वाली सीट पर ढह गयी और एक बड़े-से रूमाल में मुँह छिपा कर लगातार रोती रही।

'अब, परेशान मत होइए, मैडमोज़ेल। ख़ुद को सँभालिए।' पॉयरो ने उसका कन्धा थपथपाया। 'बस दो सच्ची बातें, इतना काफ़ी है। आप ही वह नर्स थीं जो डेज़ी आर्मस्ट्रॉन्ग की देख-भाल करती थी?'

'सही है—यह सही है,' दुखी औरत रोते हुए बोली। 'हाय, नन्ही-सी फरिश्ता थी वह—कितनी प्यारी, भरोसा करने वाली फरिश्ता। प्यार और दया के सिवा तो वह कुछ जानती ही नहीं थी—और उसे वह बदमाश आदमी ले गया—बेरहमी से—और उसकी बेचारी माँ—और वह दूसरा नन्हा जो जीने के लिए बचा ही नहीं—आप समझ नहीं सकते—जान नहीं सकते—अगर आप वहाँ मेरी तरह होते—अगर आपने वह सारा हादसा देखा होता—मुझे आपको अपने बारे में सच्ची बात आज सुबह ही बता देनी चाहिए थी। लेकिन मैं डर गयी थी—डर गयी थी। मुझे इतनी ख़ुशी हुई कि वह शैतान मर गया था—अब छोटे बच्चों को तकलीफ़ नहीं पहुँचा सकेगा, मार नहीं सकेगा। आह! मैं बोल नहीं पा रही—क्या कहूँ—'

वह पहले से भी ज़्यादा फूट-फूट कर रोने लगी।

पॉयरो ने नरमी से उसके कन्धे को थपथपाना जारी रखा।

'बस—बस—मैं समझता हूँ—सब कुछ समझता हूँ—सब कुछ। मैं आपसे अब कोई सवाल नहीं पूछूँगा। यह काफ़ी है कि जो

सच मुझे मालूम था, वह आपने मान लिया है। मैं समझता हूँ।'

अब तक सुबकियों की वजह से बोलने में असमर्थ, ग्रेटा ओह्लसन उठी और अन्धों की तरह टटोलती हुई दरवाज़े की तरफ़ बढ़ी। जैसे ही वह वहाँ पहुँची वह अन्दर आ रहे आदमी से टकरा गयी।

यह आदमी रैचेट का निजी सेवक मास्टरमैन था।

वह सीधा पॉयरो के पास आया और अपनी शान्त, स्वाभाविक भावहीन आवाज़ में बोला।

'उम्मीद हैं, मैं हस्तक्षेप नहीं कर रहा, सर। मैंने सोचा यही सबसे अच्छा रहेगा अगर मैं फ़ौरन आकर आपसे सच्ची बात बता दूँ। मैं युद्ध में कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग का बैटमैन था, सर और बाद में न्यूयॉर्क में उनका निजी सेवक था। मैंने यह बात सुबह आपसे छिपायी थी। यह मेरी गलती थी और मैंने सोचा कि मैं आकर आपको सच-सच बता दूँ। लेकिन मुझे उम्मीद है आप टोनियो पर शक नहीं कर रहे होंगे। बेचारा टोनियो तो मच्छर को नहीं मार सकता। और मैं कसम खा कर कह सकता हूँ कि वह कल सारी रात कूपे के बाहर नहीं गया। लिहाजा आप देख ही सकते हैं, सर, कि उसने यह नहीं किया होगा। टोनियो भले ही विदेशी हो, लेकिन वह बहुत ही भला आदमी है—उन बुरे मार-काट वाले इतालवियों जैसा नहीं है जिनके बारे में हम पढ़ते हैं।'

वह रुक गया।

पॉयरो एकटक उसे देखते रहे।

'बस यही तुम्हें कहना है?'

'बस, यही, सर!'

वह रुका और फिर चूँकि पॉयरो ने कुछ नहीं कहा, उसने माफ़ी माँगने के अन्दाज़ में सिर थोड़ा झुकाया और पल भर की

हिचकिचाहट के बाद डाइनिंग-कार से वैसे ही शान्त, शिष्ट भाव से चला गया जैसे वह आया था।

डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा, 'अब तक पढ़ी किसी भी अपराध कथा से ज़्यादा असम्भव जान पड़ता है।'

'मैं सहमत हूँ,' मोसिए बोक ने कहा। 'उस डिब्बे के बारह मुसाफ़िरों में से नौ का सम्बन्ध उस आर्मस्ट्रॉन्ग मामले से साबित हो चुका है। अब क्या, मैं पूछता हूँ? या क्या मुझे पूछना चाहिए, अब कौन?'

'मैं आपके सवाल का जवाब लगभग दे सकता हूँ,' पॉयरो ने कहा। 'लीजिए, हमारे अमरीकी जासूस महोदय चले आ रहे हैं। मिस्टर हार्डमैन।'

'क्या वे भी कुछ कबूल करने आ रहे हैं?'

इससे पहले कि पॉयरो जवाब दे पाते मिस्टर हार्डमैन उनकी मेज़ तक पहुँच गये थे। उन्होंने एक सतर्क निगाह उन सब पर डाली और बैठते हुए बोले :

'इस गाड़ी में दरअसल हो क्या रहा है? मुझे तो यह पागलखाने जैसी लग रही है।' पॉयरो ने चुहल की।

'क्या आपको पक्का यक़ीन है, मिस्टर हार्डमैन कि ख़ुद आप कर्नल आर्मस्ट्रॉन्ग के माली नहीं थे?'

'उनके यहाँ बगीचा नहीं था,' मिस्टर हार्डमैन ने व्यंग को समझे बिना सपाट ढंग से कहा।

'या बटलर रहे हों?'

'वैसी जगहों के लिए बाँका मिज़ाज नहीं है मेरा। नहीं, आर्मस्ट्रॉन्ग के घर से मेरा कोई ताल्लुक नहीं था—लेकिन मुझे अब विश्वास हो चला है कि इस गाड़ी पर सिर्फ़ मैं ही ऐसा आदमी हूँ जिसका नहीं था! है न हैरत की बात? मैंने यही कहा—है न हैरत

की बात?'

'हाँ, थोड़ी-सी हैरत की बात तो यक़ीनन है,' पॉयरो ने आहिस्ता से कहा।

'बड़ा दिलचस्प है,' मोसिए बोक फट पड़े।

'क्या आपके पास इस अपराध के बारे में कुछ अपने विचार हैं, मिस्टर हार्डमैन?' पॉयरो ने पूछा।

'नहीं जनाब। मेरी समझ से तो परे हैं यह। इस गुत्थी को कैसे सुलझाऊँ समझ नहीं पा रहा। वे सब-के-सब तो इसमें शामिल होंगे नहीं; लेकिन दोषी कौन है, यह मेरी अक्ल के परे है। मैं तो यही जानना चाहता हूँ कि आपने कैसे यह सब बूझ लिया?'

'मैंने बस अनुमान भिड़ाया।'

'तब, विश्वास कीजिए, आप बहुत चतुर अटकलबाज़ हैं। हाँ, मैं दुनिया को बताऊँगा कि आप चतुर अटकलबाज़ हैं।'

मिस्टर हार्डमैन ने पीछे को टेक लगायी और पॉयरो को प्रशंसा-भरी नज़रों से देखा।

'माफ़ कीजिए,' वे बोले, 'लेकिन आपको देख कर कोई इस पर यक़ीन नहीं करेगा। मैं आपको सलाम करता हूँ। हाँ, सलाम करता हूँ।'

'आप ज़रूरत से ज़्यादा मेहरबान हैं, मिस्टर हार्डमैन।'

'बिलकुल नहीं। मैंने जो महसूस किया, वही कहा।'

'इस सबके बावजूद,' पॉयरो ने कहा, 'मसला अभी हल नहीं हुआ है। क्या हम अधिकारपूर्वक कह सकते हैं कि मिस्टर रैचेट का ख़ून किसने किया?'

'मुझे तो बाहर ही रखिए,' मिस्टर हार्डमैन ने कहा। 'मैं कुछ भी नहीं कह रहा। मैं तो बस कुदरती तारीफ़ से भरा हुआ हूँ। उन दोनों के बारे में क्या ख़याल है, जिनके बारे में आपने अभी तक अटकल

नहीं लगायी है? बुजुर्ग अमरीकी महिला और वह नौकरानी? मेरा ख़याल है हम मान सकते हैं कि रेलगाड़ी पर वही दो हैं जो बिलकुल निर्दोष हैं?'

'अगर हम,' पॉयरो ने मुस्कराते हुए कहा, 'उन्हें अपने छोटे से संग्रह में शामिल न कर सकें—मिसाल के लिए—आर्मस्ट्रॉन्ग के घर की देख-भाल करने वाली महिला और खाना बनाने वाली के तौर पर।'

'ख़ैर, अब दुनिया की कोई भी चीज़ मुझे हैरत में नहीं डाल सकती,' मिस्टर हार्डमैन ने हथियार डालते हुए कहा। 'पागलखाना—यह मामला यही है—पागलखाना!'

'आह, मेरे भाई, यह सचमुच संयोग को कुछ ज़्यादा ही खींचना होगा,' मोसिए बोक ने कहा। 'वे सब इसमें शामिल नहीं हो सकते।'

पॉयरो ने उनकी तरफ़ देखा,

'आप समझ नहीं रहे हैं,' वे बोले। 'बिलकुल समझ नहीं रहे। मुझे बताइए, क्या आप जानते हैं रैचेट का ख़ून किसने किया?'

'तुम जानते हो?' मोसिए बोक ने पलट कर कहा।

पॉयरो ने सिर हिला कर हामी भरी।

'हाँ, बिलकुल,' उन्होंने कहा। 'मुझे कुछ समय से यह मालूम रहा है। यह इतना साफ़ है कि मुझे हैरत है आप सबने भी इसे नहीं देखा।' उन्होंने हार्डमैन की तरफ़ देखा, 'और आप?'

जासूस ने सिर हिला दिया। उसने उत्सुकता से पॉयरो की तरफ़ देखा।

'मैं नहीं जानता,' हार्डमैन ने कहा, 'मुझे बिलकुल नहीं मालूम कौन था इनमें से?'

पॉयरो एक मिनट ख़ामोश रहे। फिर उन्होंने कहा :

'मिस्टर हार्डमैन, थोड़ी तकलीफ़ उठा कर सबको यहाँ इकट्ठा कीजिए। इस मामले के दो मुमकिन हल हैं। मैं दोनों-के-दोनों आप सबके सामने रखना चाहता हूँ।'

अध्याय 9

पॉयरो दो हल पेश करते हैं

सारे मुसाफ़िर भीड़ की शक्ल में डाइनिंग-कार के भीतर आते गये और चारों तरफ़ की मेज़ों पर जम कर बैठ गये। उन सभी के चेहरों पर लगभग एक जैसा भाव था—उत्सुकता के साथ मिली हुई शंका का। स्वीडी महिला अब भी रो रही थी और श्रीमती हबर्ड उसे दिलासा दे रही थीं।

'अपने को अब सँभालो, हाँ, सब कुछ बिलकुल ठीक हो जायेगा। अपने ऊपर काबू रखे रहो। अगर हममें से कोई दुष्ट हत्यारा है तो हम जानते हैं वह तुम नहीं हो। अरे, ऐसा सोचने वाला पागल ही होगा। तुम यहीं बैठो और मैं तुम्हारे पास रहूँगी; और तुम बिलकुल फिकर मत करो।'

पॉयरो के उठकर खड़े होने पर उनकी आवाज़ मद्धिम होती हुई रुक गयी।

कण्डक्टर दरवाज़े पर मँडरा रहा था।

'मैं यहाँ रहूँ, मोसिए?'

'निश्चय ही मिशेल।'

पॉयरो ने अपना गला साफ़ किया।

'देवियों और सज्जनों, मैं अंग्रेज़ी में बोलूँगा, क्योंकि मेरे ख़याल में आप सभी को कमोबेश वह भाषा आती है। हम यहाँ

सैम्युअल एडवर्ड रैचेट उर्फ़ कसेटी की मौत की तफ़तीश करने के लिए इकट्ठा हुए हैं। जुर्म के दो मुमकिन हल हैं। मैं दोनों आपके सामने रख दूँगा और मैं मोसिए बोक और डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन को, जो यहाँ मौजूद हैं, यह फैसला करने के लिए कहूँगा कि कौन-सा हल सही है।

'अब आप सब इस मामले के ब्योरों से वाकिफ़ हैं। आज सुबह मिस्टर रैचेट चाकू भोंक कर मार दिये गये पाये गये। आख़िरी बार उनके ज़िन्दा होने की जानकारी कल रात 12.37 की है, जब उन्होंने कण्डक्टर से दरवाज़े की उस तरफ़ से बात की थी। उनके नाइट सूट में पायी गयी एक जेब घड़ी बुरी तरह पिचकी हुई थी और सवा एक बजे बन्द हो गयी थी। डॉ॰ कॉन्स्टैन्टाइन ने, पायी जाने पर लाश की परीक्षा करने के बाद मौत का समय रात के बारह से लेकर दो बजे तक का ठहराया। आधी रात को आधे घण्टे बाद, जैसा कि आप सब जानते हैं, रेलगाड़ी बर्फ़ के अम्बार में फँस गयी। उस समय के बाद किसी के लिए भी गाड़ी को छोड़ कर जाना सम्भव नहीं था।

'मिस्टर हार्डमैन ने, जो न्यू यॉर्क की एक जासूसी एजेन्सी के सदस्य हैं' (कई सिर मिस्टर हार्डमैन को देखने के लिए घूमे) 'जो गवाही दी है, उसके मुताबिक कोई बिना दिखे उनके कूपे (एक सिरे पर नम्बर 16) के सामने से गुजर नहीं सकता था। इसलिए मजबूरन हम इस नतीजे पर पहुँचते हैं कि हत्यारा एक ख़ास डिब्बे—इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे—ही में पाया जा सकता है।

'यह, मैं कहूँगा, कि हमारी धारणा थी।'

'वह कैसे?' चौंक कर मोसिए बोक के मुँह से निकला।

'लेकिन मैं आपके सामने एक और धारणा भी पेश करूँगा। वह बहुत सीधी-सादी है। मिस्टर रैचेट का कोई ख़ास दुश्मन था जिससे उन्हें डर था। उन्होंने मिस्टर हार्डमैन को इस दुश्मन का हुलिया बताया और यह भी कहा कि उनकी जान लेने की कोशिश, अगर

होती है, तो बहुत करके इस्तम्बूल से चलने के बाद दूसरी रात को होगी।

'अब मैं आपको बता दूँ, देवियों और सज्जनों कि मिस्टर रैचेट ने जितना बताया, उससे कहीं अधिक वे जानते थे। दुश्मन, जैसा मिस्टर रैचेट को आशंका थी, बेलग्रेड या शायद विनकोव्की में गाड़ी पर सवार हुआ, उस दरवाज़े से जो कर्नल आरबथनॉट और मिस्टर मैक्वीन ने, वो उसी समय प्लेटफार्म पर उतरे थे, खुला छोड़ दिया था। उसे कण्डक्टर की वर्दी मुहैया करायी गयी, जो उसने अपने कपड़ों पर पहन ली, और एक चाभी भी दी गयी जिससे वह मिस्टर रैचेट के कूपे में दाख़िल हो सका, इसके बावजूद कि उसका दरवाज़ा बन्द था। मिस्टर रैचेट नींद की दवाई के असर में थे। इस आदमी ने उन्हें बहुत खूँखार ढंग से चाकू भोंका और श्रीमती हबर्ड के कूपे में खुलने वाले बीच के दरवाज़े से होता हुआ कूपे के बाहर चला आया—'

'ऐसा ही हुआ,' श्रीमती हबर्ड ने सिर हिलाते हुए कहा।

उसने जो छुरा इस्तेमाल किया था, वह चलते-चलते श्रीमती हबर्ड के नहाने के झोले में ठूँस दिया। अजाने ही उसकी वर्दी का एक बटन गिर गया। फिर वह कूपे से बाहर और गलियारे के साथ-साथ सरक गया। उसने जल्दी से वर्दी एक खाली कूपे में रखे सूटकेस में ठूँस दी और कुछ मिनट बाद गाड़ी के चलने के ठीक पहले वह उससे उतर गया। एक बार फिर उसने जाने के लिए वही दरवाज़ा इस्तेमाल किया जिससे वह आया था—डाइनिंग-कार के पास वाला।'

हरेक ने ज़ोर से साँस छोड़ी।

'और उस घड़ी के बारे में क्या ख़याल है?' मिस्टर हार्डमैन ने पूछा।

'वही इस सबका हल किया है। मिस्टर रैचेट ने अपनी घड़ी को एक घण्टा पीछे करने में कोताही की थी, जैसा कि उन्हें त्ज़ारीब्रोड

में करना चाहिए था। उनकी घड़ी तब भी पूर्वी यूरोप का समय बता रही थी जो मध्य यूरोपीय समय से एक घण्टा आगे होता है। उस समय जब मिस्टर रैचेट को छुरा मारा गया, तब सवा बारह बजे थे—सवा एक नहीं।'

'लेकिन ये तो बिलकुल बेतुका हल है,' मोसिए बोक चिल्लाये। 'वह आवाज़ जो कूपे के अन्दर से एक बजने में तेईस मिनट पर आयी, उसका क्या होगा। या तो वह रैचेट की आवाज़ थी—या हत्यारे की।'

'ज़रूरी नहीं है। वह—ख़ैर—किसी तीसरे व्यक्ति की हो सकती थी। कोई जो रैचेट से बात करने गया था और जिसने रैचेट को मरा पाया था। उसने कण्डक्टर को बुलाने के लिए घण्टी बजायी, लेकिन फिर जैसा आप कहते हैं, उसकी फूँक सरक गयी—उसे डर लगा कि कहीं रैचेट की हत्या का इल्ज़ाम उस पर न आ जाये सो उसने रैचेट बन कर कण्डक्टर से बात की।'

'हाँ, यह सम्भव है,' मोसिए बोक ने हिचकिचाते हुए स्वीकार किया।

पॉयरो ने श्रीमती हबर्ड की तरफ़ देखा।

'हाँ, मैडम, आप कुछ कहने जा रही थीं—?'

'अरे, मुझे ख़ुद नहीं पता मैं क्या कहने वाली थी। क्या आपका ख़याल है मैं भी अपनी घड़ी को एक घण्टा पीछे करना भूल गयी?'

'नहीं मैडम। मेरा ख़याल है आपने उस आदमी को गुजरते सुना—लेकिन अचेतन में; बाद में आपको बुरा सपना आया कि आपके कूपे में कोई आदमी था और चौंक कर जागते हुए आपने कण्डक्टर को बुलाने के लिए घण्टी बजायी।'

'ख़ैर, मेरे ख़याल में यह सम्भव है,' श्रीमती हबर्ड ने स्वीकार किया।

रानी ड्रैगोमिरॉफ पॉयरो की तरफ़ बड़ी सीधी नज़र से देख रही थीं।

'मेरी नौकरानी की गवाही के बारे में आपकी क्या सफ़ाई है, मोसिए।'

'बहुत सरल, मैडम। आपकी नौकरानी को मैंने जो रूमाल दिखाया, वह उसने पहचान लिया कि आपका था। उसने कुछ बेढंगेपन से आपको बचाने की कोशिश की। उसका उस आदमी से आमना-सामना हुआ था—मगर पहले विनकोव्की स्टेशन पर खड़ी थी। उसने उसे बाद में देखने का दिखावा किया था तो इस भ्रम में कि वह आप के पक्ष में एक ठोस सबूत जुटा रही थी।'

रानी साहिबा ने अपना सिर झुका लिया।

'आपने हर चीज़ सोच रखी है, मोसिए। मैं—मैं आपकी तारीफ़ करती हूँ।' ख़ामोशी छा गयी।

फिर अचानक जब डॉ० कॉन्स्टैन्टाइन ने मेज़ पर ज़ोर से मुट्ठी पटकी तो सभी चौंक उठे।

'मगर नहीं,' वे बोले, 'नही, नहीं, और फिर नहीं। यह हल टिक नहीं पायेगा। दसियों छोटे-छोटे ब्योरों में वह कमजोर है। जुर्म ऐसे नहीं हुआ था—मोसिए पॉयरो को यह बात बख़ूबी पता होगी।'

पॉयरो ने उत्सुकता-भरी नज़र डॉक्टर पर डाली।

'मैं देख रहा हूँ,' वे बोले, 'कि मुझे आपको अपना दूसरा हल भी बताना होगा। लेकिन इसे बहुत जल्दी ख़ारिज मत कीजिए। हो सकता है, बाद में आप इस पर राजी हो जायें।' वे मुड़कर दूसरों के रू-ब-रू हो गये।

'जुर्म का एक और मुमकिन हल है। उस तक मैं इस तरह पहुँचा।

'जब मैं सारी गवाहियाँ सुन चुका तो मैंने पीठ पीछे टिकायी,

आँखें बन्द कीं और सोचने लगा। कुछ बातें ख़ुद-ब-ख़ुद मेरे सामने उभर आयीं जो ध्यान दिये जाने के क़ाबिल थीं। मैंने बिन्दुओं को अपने दोनों साथियों के सामने रखा। कुछ मैं पहले ही जाहिर कर चुका हूँ—जैसे एक पासपोर्ट पर चिकनाई का धब्बा, आदि। मैं बचे हुए बिन्दुओं का जायजा लूँगा। पहला और सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु एक जुमला है जो इस्तम्बूल से चलने के बाद पहले दिन मोसिए बोक ने लंच के समय डाइनिंग-कार में मुझसे कहा था—इस बात पर कि जो लोग इकट्ठा थे वे इसलिए इतने दिलचस्प थे क्योंकि वे इतने भिन्न थे—सभी तबकों और कौमों की नुमायन्दगी कर रहे थे।

'मैं उनसे सहमत हुआ था, लेकिन जब यह विशेष ब्योरा मेरे दिमाग़ में आया तो मैंने कल्पना करने की कोशिश की कि क्या किन्हीं और स्थितियों में ऐसी संगत के कभी इकट्ठा होने की सम्भावना थी। और जो उत्तर मेरे दिमाग़ में कौंधा वह था—सिर्फ़ अमरीका में। अमरीका में एक घर हो सकता था जहाँ इतनी ही अलग-अलग कौमों के लोग इकट्ठा हों—एक इतालवी ड्राइवर, अंग्रेज़ गवर्नेस, स्वीडी नर्स, फ्रान्सीसी नौकरानी, वगैरा-वगैरा। इसने मुझे "बूझने" की अपनी योजना की ओर प्रेरित किया—यानी हर व्यक्ति को आर्मस्ट्रॉन्ग वाले मामले में एक भूमिका देना, काफ़ी कुछ वैसे ही है जैसे कोई निर्देशक नाटक में पात्रों को तय करता है। ख़ैर, इससे मुझे एक बेहद दिलचस्प और सन्तोषजनक नतीजा हासिल हुआ।

'मैंने अपने दिमाग़ में हर व्यक्ति की गवाही को अलग-अलग परखा था। जिसके कुछ अजीब नतीजे सामने आये थे। सबसे पहले मिस्टर मैक्वीन की गवाही को लीजिए। उनसे मेरी पहली मुलाकात बहुत तसल्लीबख़्श थी। लेकिन दूसरी मुलाकात में उन्होंने एक अजीब जुमला कहा। मैंने उन्हें एक पर्ची मिलने की बात बतायी थी जिसमें आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड का जिक्र था। उन्होंने कहा, "मगर निश्चय

ही—'' और फिर रुक गये, फिर आगे बोले, 'मेरा मतलब था—यह तो उस बुढ़ऊ की बड़ी लापरवाही थी।'

'अब, मुझे एहसास था कि उन्होंने यह बात नहीं कहनी चाही थी। फ़र्ज़ कीजिए वे वो कहना चाहते थे वह था, ''मगर निश्चय ही वह तो जला दिया गया था।'' जिस हालात में मिस्टर मैक्वीन को उस पर्ची ओर उसके नष्ट होने के बारे में मालूम था।—दूसरे शब्दों में वे या तो हत्यारे थे या हत्यारे के साथ। बहुत ठीक।

'फिर निजी सेवक। उसने कहा कि रेल से यात्रा करने के दौरान उसके मालिक को नींद की दवा लेने की आदत थी। यह सच हो सकता था, लेकिन क्या रैचेट ने कल रात उसकी खुराक ली होगी? उनके तकिये के नीचे रखी पिस्तौल ने इस बयान को गलत साबित कर दिया। जो भी नींद की दवा उन्हें दी गयी थी, वह उनके अजाने ही दी गयी होगी। किसके द्वारा? ज़ाहिर है, मैक्वीन या निजी सेवक द्वारा।

'अब हम मिस्टर हार्डमैन की गवाही पर आते हैं। उन्होंने अपने बारे में जो कुछ भी बताया उसपर मैंने विश्वास किया लेकिन जब रैचेट की रक्षा करने के लिए सचमुच लागू किये गये तरीकों की बात उठी जिन पर उन्होंने अमल किया था तो उनकी कहानी कमोबेश बेतुकी-सी थी। रैचेट की रक्षा करने का अकेला असरदार तरीका उनके कूपे में रात बिताना था या ऐसी जगह जहाँ से उनका दरवाज़ा हमेशा दिखता रहे। उनकी गवाही ने जो एकमात्र बात साबित की, वह यह कि गाड़ी के और किसी हिस्से में सफ़र कर रहा मुसाफ़िर किसी भी हालत में रैचेट की हत्या नहीं कर सकता था। इसने इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे के चारों तरफ़ एक घेरा बना दिया। यह मुझे एक अजीब और न समझ में आने वाली बात थी और मैंने इसे सोचने के लिए एक तरफ़ रख दिया।

'आप सबने अब तक उन थोड़े से शब्दों के बारे में सुन

लिया होगा जो मिस डेबनहैम ने कर्नल आरबथनॉट से कहे थे और अचानक मेरे कान में पड़ गये थे। मुझे जो दिलचस्प बात लगी, वह यह कि कर्नल ने उन्हें मेरी कहा था और उनके साथ साफ़-साफ़ उनकी अन्तरंगता थी। लेकिन फ़र्ज़ तो यही किया-कराया जा रहा था कि कर्नल उनसे कुछ ही दिन पहले मिले थे—और मैं कर्नल की क़िस्म के अंग्रेज़ों को जानता हूँ। अगर वे पहली बार नज़र ही में किसी लड़की से प्रेम करने लगे होते तो भी वे धीरे-धीरे आगे बढ़ते और वह भी अदब-कायदे के साथ—हड़बड़ाहट में नहीं। इसलिए मैंने नतीजा निकाला कि कर्नल आरबथनॉट और मिस डेबनहैम दरअसल अच्छी तरह परिचित थे और किन्हीं कारणों से अपरिचित होने का दिखावा कर रहे थे। एक और छोटा-सा ब्योरा था टेलीफ़ोन कॉल के लिए ''लॉन्ग डिस्टेन्स'' शब्द के साथ मिस डेबनहैम का सहज परिचय। लेकिन मिस डेबनहैम ने तो मुझे बताया था कि वे कभी अमरीका नहीं गयी थीं।

'एक और गवाह पर आयें। श्रीमती हबर्ड ने मुझसे कहा था कि बिस्तर में लेटे-लेटे वे देख नहीं पाती थीं कि बीच के दरवाज़े की चिटखनी लगी थी या नहीं और इसलिए मिस ओह्लसन से उन्होंने यह जाँच लेने के लिए कहा था। अब, अगर वे कूपे 12,4,2 या कोई ऐसे ही नम्बर के कूपे में होतीं तो उनकी बात ठीक होती—जहाँ चिटखनी दरवाज़े के हत्थे के ठीक नीचे है, लेकिन विषम संख्या वाले कूपे में—जैसे नम्बर 3 में—चिटखनी हैण्डल से काफ़ी ऊपर है और इसलिए नहाने के झोले से ढँकी नहीं जा सकती। मुझे लाचार हो कर इस नतीजे पर पहुँचना पड़ा कि श्रीमती हबर्ड ऐसा मनगढ़न्त प्रसंग बता रही थीं जो कभी घटित ही नहीं हुआ था।

'और यहीं मुझे दो-एक शब्द समय के बारे में कहने दीजिए। मेरे हिसाब से पिचकी हुई घड़ी के बारे में सबसे दिलचस्प ब्योरा था

उसके बरामद होने की जगह—रैचेट के नाइट सूट की जेब, जो घड़ी रखने की बेहद बेसुविधाजनक और नामुमकिन-सी जगह है, ख़ास तौर पर जब बिस्तर के सिरहाने घड़ी टांगने की एक ''खूँटी'' भी लगी हुई है। मुझे पक्का यकीन हो गया कि घड़ी जान-बूझकर नाइट सूट की जेब में रखी गयी थी और समय नकली था। इसका मतलब था कि जुर्म सवा एक बजे नहीं हुआ था।

'क्या वह पहले हुआ था? सही कहें तो एक बजने में तेईस मिनट पर? मेरे मित्र मोसिए बोक ने इसके पक्ष में तर्क देते हुए उस ऊँची चीख का हवाला दिया है जिसने मुझे नींद से जगा दिया था। लेकिन अगर रैचेट को नींद की तेज़ दवा दी गयी थी तो वह चीख नहीं सकता था। अगर वह चीखने के क़ाबिल होता तो वह अपने को बचाने के लिए किसी-न-किसी किस्म का संघर्ष करने के क़ाबिल भी होता और ऐसे किसी संघर्ष का नामो-निशान नहीं था।

'मुझे याद आया कि मैक्वीन ने एक नहीं बल्कि दो बार (और दूसरी बार बड़े खुले तौर पर) इस तरफ़ ध्यान दिलाया था कि रैचेट ज़रा भी फ्रान्सीसी नहीं बोल सकता था। मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि एक बजने में तेईस मिनट पर होने वाली सारी कारगुजारी एक ड्रामा था जो मेरे लिए खेला गया था। घड़ी वाले मामले की असलियत तक कोई भी पहुँच सकता था—जासूसी कहनियों में यह आम जुगत है। उन्होंने मान लिया था कि में उसके झाँसे में नहीं आऊँगा और ख़ुद अपनी चतुराई पर गर्व करता हुआ मैं यह मान लूँगा कि चूँकि रैचेट फ्रान्सीसी नहीं जानता था इसलिए जो आवाज़ मैंने एक बजने में तेईस मिनट पर सुनी वह रैचेट की नहीं हो सकती थी, इसलिए रैचेट तब तक मर चुका था। लेकिन मुझे विश्वास है कि एक बजने में तेईस मिनट पर रैचेट नींद की दवा की बेहोशी में पड़ा हुआ था।

'लेकिन यह जुगत सफल रही। मैंने अपना दरवाज़ा खोल कर

बाहर झाँका है। मैंने दरअसल वह फ्रान्सीसी वाक्य सुना है। अगर मैं इतना मूढ़ हूँ कि उस जुमले की अहमियत नहीं समझ पा रहा तो वह मेरे ध्यान में लायी जानी चाहिए। अगर ज़रूरी हुआ तो मैक्वीन पूरी तरह सामने आ सकते हैं, कह सकते हैं, माफ कीजिए, मोसिए पॉयरो, वे मिस्टर रैचेट नहीं थे जो बोल रहे थे। वे फ्रान्सीसी जानते ही नहीं थे।''

'सो, जुर्म का असली वक़्त क्या था? और किसने मिस्टर रैचेट को मारा?'

'मेरी राय में और यह सिर्फ़ राय ही है, मिस्टर रैचेट का ख़ून दो बजे के काफ़ी करीब किसी समय हुआ, वह आख़िरी सम्भावित सीमा जिसका ज़िक्र डॉक्टर ने किया।

'रही बात, इसकी कि ख़ून किसने किया—'

मोसिए पॉयरो रुके, अपने श्रोताओं की तरफ़ देखते हुए। वे ध्यान की कमी की कोई शिकायत नहीं कर सकते थे। ख़ामोशी इतनी थी कि सुई का गिरना भी सुनायी दे जाय।

वे धीरे-धीरे आगे कहते गये :

'मुझे जो बात विलक्षण लगी वह यह कि गाड़ी पर मौजूद किसी एक व्यक्ति के ख़िलाफ़ दोष साबित करने में असाधारण कठिनाई सामने थी और इस अजीब संयोग ने भी मेरा ध्यान खींचा कि हर मामले में व्यक्ति के अन्यत्र उपस्थित होने की गवाही ऐसे व्यक्ति से आ रही थी जिसे ''नामुमकिन'' कहा जा सकता था। इस तरह मिस्टर मैक्वीन और कर्नल आरबथनॉट ने एक-दूसरे के लिए गवाही दी—दो लोग जिनके बीच यह सम्भावना बेहद कम थी कि पहले से एक-दूसरे को जानते रहे होंगे। यही अंग्रेज़ निजी सेवक और इतालवी, स्वीडी महिला और अंग्रेज़ युवती के सिलसिले में हुआ। मैंने ख़ुद से कहा, ''यह तो बड़ा अनोखा मामला है—वे सब-के-सब

तो इससे जुड़े नहीं हो सकते!''

'और तब सज्जनों, मुझे रोशनी दिखायी दी। वे सब-के-सब इसमें लिप्त थे। यह संयोग कि अर्मास्ट्रॉन्ग काण्ड से जुड़े इतने सारे लोग उसी रेलगाड़ी से सफ़र कर रहे थे, असम्भव था। यह इत्तफ़ाक नहीं, बल्कि योजना थी। मुझे जूरी द्वारा सुनवायी के बारे में कर्नल आरबथनॉट का एक जुमला याद आया। जूरी में बारह लोग होते हैं—बारह मुसाफ़िर थे—रैचेट को बारह बार चाकू भोंका गया था। और वह बात जो मुझे बराबर परेशान करती रही थी—इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे में सफ़र कर रही गैर-मामूली किस्म की भीड़ के बारे में—वह भी साल के ऐसे समय जब सैलानी धन्धा ठण्डा हो—मुझे समझ में आ गयी।

'रैचेट अमरीका में न्याय से बच निकला था। उसके अपराध के बारे में दो राय नहीं थी। मैंने बारह लोगों की ख़ुद-ब-ख़ुद गठित जूरी की कल्पना की जिन्होंने उसे मौत की सजा दी थी और जिन्हें परिस्थितियों के दबाव से ख़ुद जल्लाद भी बनना पड़ा था। और यह मानते ही सारा मामला अपनी साफ-चमकती शक्ल में सज गया।

'मैंने इसको एक निर्दोष बुनावट के रूप में देखा जिसमें हर व्यक्ति अपनी दी गयी भूमिका निभा रहा था। तरतीब ऐसी बिठायी गयी थी कि अगर किसी एक व्यक्ति पर शक पैदा हो तो दूसरों में से किसी एक या अधिक की गवाही शक साफ़ कर दे और मामले को उलझा दे। हार्डमैन की गवाही ज़रूरी थी अगर किसी बाहरी आदमी पर जुर्म का शक से और वह अपने कहीं और होने का सफ़ाई न दे पाये। इस्तम्बूल डिब्बे के मुसाफ़िर किसी ख़तरे में नहीं थे। उनकी गवाही का हर छोटे-से-छोटा ब्योरा पहले ही से तय कर लिया गया था। सारा मामला बड़ी होशियारी से तैयार की गयी पहेली जैसा था, जिसमें हर नयी जानकारी जो सामने आती वह समूचे मामले के हल

को और भी मुश्किल बना देती। जैसा कि मेरे मित्र मोसिए बोक ने कहा, मामला कल्पना के परे असम्भव लगता था। यही वह असर था जिसे पैदा करने की कोशिश की गयी थी।

'क्या यह हल सारे रहस्य को खोल देता? हाँ, ऐसा ही था। ज़ख़्मों की फितरत—हर ज़ख़्म एक अलग व्यक्ति की देन। धमकी के बनावटी पत्र—बनावटी क्योंकि वे नकली थे, महज़ सबूत के तौर पर पेश किये जाने के लिए। (निस्सन्देह, असली चिट्ठियाँ भी थीं जिनमें रैचेट को उसके अंजाम की चेतावनी दी गयी, जिन्हें मैक्वीन ने नष्ट कर दिया था और उनकी जगह ये दूसरी चिट्ठियाँ रख दी थीं।)

फिर रैचेट द्वारा बुलाये जाने से जुड़ी हार्डमैन की कहानी—सिर से पैर तक यक़ीनन झूठ—उस काल्पनिक ''औरतों जैसी आवाज़ वाले छोटे कद के साँवले से आदमी'' का हुलिया—बहुत सुविधाजनक क्योंकि उसकी ख़ूबी यह थी कि वह किसी भी असली कण्डक्टर पर लागू नहीं होता था और मर्द या औरत पर बराबर से लागू हो सकता था।

'चाकू भोंकने का विचार पहली नज़र में अजीब जान पड़ता है, लेकिन दोबारा सोचने पर और कोई चीज़ हालात से इतना मेल नहीं खा सकती थी। छुरा ऐसा हथियार था जिसे कोई भी इस्तेमाल कर सकता—कमजोर या दुर्बल—और वह कोई आवाज़ नहीं करता था। मेरा ख़याल है, हालाँकि मैं गलत भी हो सकता हूँ कि हर व्यक्ति बारी-बारी से रैचेट के अँधेरे कूपे में श्रीमती हबर्ड के कूपे से दाख़िल हुआ और उसने वार किया। वे ख़ुद कभी नहीं जान सकते थे कि कौन-से वार ने उसकी जान ली।

'आख़िरी चिट्ठी जो रैचेट को शायद अपने तकिये पर मिली थी सावधानी से जला दी गयी थी। आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड की तरफ़ इशारा करने वाले किसी सुराग के न होने पर गाड़ी के मुसाफिरों

पर शक करने का कोई कारण भी न होता। उसे एक बाहरी काम मान लिया जाता और ''औरतों जैसी आवाज़ वाले उस छोटे कद के साँवले आदमी'' के मत्थे मढ़ दिया जाता। जो एक या अधिक मुसाफ़िरों द्वारा सचमुच ब्रोड पर गाड़ी से उतरता देखा गया होता।

'मुझे यह नहीं मालूम है कि जब षड्यन्त्रकारियों को पता चला कि गाड़ी के बर्फ़ में फँस जाने के हादसे की वजह से उनकी योजना का वह हिस्सा असम्भव था, तब सही-सही क्या हुआ। मेरा ख़याल है जल्दी-जल्दी राय-मश्विरा हुआ और फिर उन्होंने उसी पर अमल करने का फैसला किया। यह सच था कि अब सभी मुसाफ़िरों पर शक होना लाजिमी था, लेकिन वह सम्भावना तो पहले ही देख कर उसका प्रबन्ध किया जा चुका था। जो अतिरिक्त काम करना था वह मामले को और भी उलझा देना था। दो तथाकथित ''सुराग'' भी मृत व्यक्ति को कूपे में गिरा दिये गये थे—एक कर्नल आरबथनॉट को फँसाने वाला (जिनके पास साफ-सुथरेपन का सबसे तगड़ा सबूत था और आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से जिनका सम्बन्ध साबित होना शायद सबसे कठिन था) और दूसरा सुराग, वह रूमाल, जिससे रानी ड्रैगोमिरॉफ फँस सकती थीं, मगर जो अपनी सामाजिक हैसियत, अपनी ख़ास तौर पर कमजोर काठी और उनकी नौकरानी और कण्डक्टर की गवाही के बल पर लगभग अजेय स्थिति में थीं। मामले को और उलझाने के लिए एक नकली सुराग—लाल किमोनो में रहस्यमयी महिला—भी पैदा किया गया और मुझे इस महिला के वजूद का गवाह बनाया गया। मेरे दरवाज़े पर जोरदार धमाका होता है, मैं उठकर बाहर झाँकता हूँ—और दूर उस लाल किमोनो को गायब होते देखता हूँ। कुछ ध्यान से चुने गये लोग—कण्डक्टर, मिस डेबनहैम और मैक्वीन—भी उसे देखने की बात कहेंगे। जिस व्यक्ति ने वह लाल किमोनो मेरे सूटकेस के ऊपर उस समय रखा जब मैं

डाइनिंग-कार में लोगों से पूछ-ताछ कर रहा था, उसमें मेरे ख़याल से मज़ाक करने की बहुत ख़ूबी रही होगी। वह लिबास कहाँ से आया यह मुझे पता नहीं। मेरा शक है कि वह काउण्टेस आन्द्रेन्यी का है, चूँकि उनके सामान में सिर्फ़ शिफॉन का एक ढीला गाउन है जो ड्रेसिंग गाउन की बजाय शाम की चाय के वक़्त पहना जाने वाला गाउन जान पड़ता है।

'जब मिस्टर मैक्वीन को पहले-पहल पता चला कि वह चिट्ठी जो इतनी सावधानी से जला दी गयी थी, दरअसल जलने से बच गयी थी और आर्मस्ट्रॉन्ग ही वह शब्द था जो जलने से बच गया था, तब उन्होंने यह ख़बर तत्काल सबको दे दी होगी। यही वह पल था जब काउण्टेस आन्द्रेन्यी की स्थिति पर ज़ोख़िम आ गया और उनके पति ने उनके पासपोर्ट में हेरा-फेरी का फैसला किया। यह उनकी दूसरी बदकिस्मती थी।

'उन्होंने मिलकर तय किया कि वे आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से किसी भी ताल्लुक से इनकार करेंगे। उन्हें पता था कि मेरे पास तत्काल सच तक पहुँचने का कोई रास्ता नहीं था और उन्हें विश्वास नहीं था कि अगर मेरा शक किसी एक व्यक्ति पर न गया तो मैं इस मामले की तह में जाने की कोशिश करूँगा।

'अब एक और ब्योरा था जिस पर विचार करना था। यह मानते हुए कि जुर्म के बारे में मेरा अन्दाज़ा सही था और मुझे विश्वास है कि वह सही होना ही चाहिए तब प्रकट रूप से ख़ुद कण्डक्टर को भी इस योजना में शामिल होना चाहिए था। लेकिन अगर ऐसा था तो हमारे पास बारह नहीं, तेरह लोग हो जाते। ''इतने सारे लोगों में से एक दोषी है'' के आम फार्मूले की जगह मेरे सामने समस्या यह थी कि इन तेरह लोगों में से एक और सिर्फ़ एक निर्दोष था। वह व्यक्ति कौन था?

'मैं एक बड़े अजीब नतीजे पर पहुँचा कि जिस आदमी ने अपराध में कोई हिस्सा नहीं लिया था उसी ने बहुत करके उसमें हिस्सा लिया होगा। मैं काउण्टेस आन्द्रेन्यी की बात कर रहा हूँ। मुझपर उनके पति की सच्चाई का प्रभाव पड़ा था जब उन्होंने कसम खाकर अपना वचन दिया था कि उनकी पत्नी उस रात अपने कूपे के बाहर नहीं गयी थीं। मैंने फैसला किया कि काउण्ट आन्द्रेन्यी से कहा जाय कि अपनी पत्नी की जगह लें।

'अगर ऐसा था तो पिएर मिशेल यक़ीनन उन बारह में था। लेकिन उसके शामिल होने की बात कैसे समझ में आती? वह एक भला आदमी था जो बहुत बरसों से कम्पनी की नौकरी में था—ऐसा आदमी नहीं जिसे किसी जुर्म में सहयोग के लिए रिश्वत दी जा सके। तब पिएर मिशेल ज़रूर आर्मस्ट्रॉन्ग काण्ड से जुड़ा रहा होगा। लेकिन वह नामुमकिन-सी बात लगती है। फिर मुझे याद आया कि नर्सरी की वह नौकरानी जिसने खिड़की से कूद कर जाने दे दी थी, वह फ्रान्सीसी थी। फ़र्ज़ करें कि वह बदकिस्मत लड़की पिएर मिशेल की बेटी थी। उससे सब कुछ साफ़ हो जाता—जुर्म को अंजाम देने के लिए जगह का चुनाव भी साफ़ हो जाता। क्या और भी कुछ लोग थे जिनकी इस नाटक में भूमिका साफ़ नहीं थी? कर्नल आरबथनॉट को मैंने आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार का एक मित्र माना था। वे शायद युद्ध में साथ-साथ रहे थे। नौकरानी हिल्डेगार्ड शिमट—मैं अर्मास्ट्रॉन्ग के घर में उसकी जगह का भी अन्दाज़ा लगा सकता था। हो सकता है मैं ज़रूरत से ज़्यादा लालची हूँ लेकिन में अच्छी रसाई बनाने को सहज ज्ञान से भाँप लेता हूँ। मैंने उसके लिए एक फन्दा तैयार किया—वह उस में फँस गयी। मैंने कहा कि वह अच्छी खाना पकाने वाली थी। उसने जवाब दिया, ''जी, सचमुच, मेरी सारी मालकिनों ने ऐसा कहा है।'' लेकिन अगर आप नौकरानी के तौर पर रखी गयी हैं तो आपके

मालिकों को शायद ही यह जानने का मौका मिले कि आप अच्छा खाना बनाती हैं या नहीं।

फिर हार्डमैन का मामला था। वह निश्चय ही आर्मस्ट्रॉन्ग परिवार से समबद्ध नहीं था। मैं सिर्फ़ यही कल्पना कर सकता था कि आकर्षण की बात की थी—और एक बार फिर मुझे वह प्रतिक्रिया मिली जिसकी मुझे तलाश थी। अचानक उसकी आँखें गीली हो गयीं, जिनके बारे में उसने दिखावा किया कि वे बर्फ़ से चुँधिया गयी थीं।

अब बचीं श्रीमती हबर्ड। अब, मुझे कहना होगा, श्रीमती हबर्ड ने इस नाटक में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। रैचेट के बगल वाले कूपे में होने के कारण किसी और की बनिस्बत उन पर शक की सबसे ज़्यादा गुंजाइश थी। जैसा कि मामला था, उनके पास दूसरी जगह होने का ऐसा कोई सबूत नहीं था जिसकी आड़ वे ले पातीं। जो भूमिका उन्होंने अदा की—बिलकुल कुदरती, थोड़ी-सी हस्यास्पद, अमरीकी प्यार करने वाली माँ की—उसके लिए एक कलाकार की ज़रूरत थी। लेकिन ऐसी एक कलाकार आर्मस्टॉन्ग परिवार के साथ जुड़ी हुई थी—श्रीमती आर्मस्ट्रॉन्ग की माँ—अभिनेत्री लिण्डा आर्डेन—'

वे रुक गये।

फिर, एक मुलायम, अलसायी, सपनीली आवाज़ में, जो उस आवाज़ से बिलकुल अलग थी जिसे सफ़र के दौरान अब तक श्रीमती हबर्ड इस्तेमाल करती आयी थीं, उन्होंने कहा : 'मुझे हमेशा कॉमेडी वाली भूमिकाएँ पसन्द थीं।'

वे उसी सपने-सरीखी आवाज़ में कहती गयीं : 'नहाने वाले झोले के बारे में वह भूल बेवकूफ़ाना थी। इससे यही पता चलता है कि आपको पहले अच्छी तरह अभ्यास कर लेना चाहिए। हमने

जाते समय इसे आजमाया था—मैं तब सम संख्या वाले कूपे में थी और तब, मेरा ख़याल है, मैंने चिटखनी के दूसरी जगह होने के बारे में सोचा नहीं था।

वे अपनी जगह पर थोड़ा-सा हिलीं, आसन बदला और पॉयरो को सीधी निगाहों से देखा : 'आपको इस सबके बारे में पूरा पता है, मोसिए पॉयरो। आप एक अद्भुत आदमी हैं। लेकिन आप भी पूरी तरह कल्पना नहीं कर सकते कि वह कैसा था—न्यू यॉर्क का वह भयानक दिन। मैं तो बस दुख से पागल ही हो गयी थी—नौकरों का भी यही हाल था—और कर्नल आरबथनॉट भी वहाँ थे, वे जॉन आर्मस्ट्रॉन्ग के दोस्त थे।'

'उसने युद्ध में मेरी जान बचायी थी,' आरबथनॉट ने कहा।

'हमने उसी समय यह तय किया था—शायद हम पागल थे—मैं नहीं जानती—कि मौत की वह सज़ा जिससे कसेटी बच आया था, उसे दी जानी थी। हम बारह थे—या ग्यारह—सुज़ैन के पिता तो फ्रान्स में थे। पहले हमने सोचा कि पर्चियाँ निकाल लें कि कौन यह काम करेगा, लेकिन अन्त में हम इस तरीके पर राज़ी हो गये। इसे सुझाया था ड्राइवर अन्तोनियो ने। मेरी ने बाकी सारे ब्योरे आगे चलकर हेक्टर मैक्वीन से मिल कर तय किये। वह हमेशा सोनिया—मेरी बेटी—को बहुत मानता रहा था और उसी ने हमें समझाया था कि कसेटी के पैसों ने उसे छुड़ाने में कैसी मदद की थी।

'हमारी योजना की चूलें बैठाने में बहुत वक़्त लगा। हमें पहले तो रैचेट को खोज निकालना था। अन्त में हार्डमैन ने इस पहलू का ज़िम्मा लिया। फिर हमें मास्टरमैन और मैक्वीन—या कम-से-कम इनमें से एक को उसके कर्मचारी बनवाना था। ख़ैर, वह भी हमने कर लिया। फिर हमने सुज़ैन के पिता से बात की। कर्नल आरबथनॉट शिद्दत से चाहते थे कि हम बारह हों। उन्हें लगता था यह हमें ज़्यादा

सही और उचित बना देगा। उन्हें छुरे का विचार बहुत पसन्द नहीं था, लेकिन उन्होंने माना कि इससे हमारी ज़्यादातर मुश्किलें हल हो जाती थीं। ख़ैर, सुज़ैन के पिता राज़ी हो गये। सुज़ैन उनकी इकलौती सन्तान थी। हमें हेक्टर से पता चल गया कि रैचेट पूरब से देर-सबेर ओरिएण्ट एक्सप्रेस से लौटेगा। उस गाड़ी पर पिएर मिशेल का काम करना ऐसा अच्छा मौका था कि उसे गँवाया नहीं जा सकता था। इसके अलावा यह किसी बाहरी आदमी को न फँसाने का भी एक अच्छा उपाय था।

'तब मेरी बेटी के पति को निश्चय ही बताना था, और उन्होंने उसके साथ गाड़ी पर सफ़र करने पर ज़ोर दिया। हेक्टर ने ऐसा हिसाब बैठाया कि रैचेट उसी दिन सफ़र करे। जिस रोज मिशेल की ड्यूटी लगी हो। हमने इस्तम्बूल से कैले जाने वाले डिब्बे के हर कूपे को आरक्षित कराने का फैसला किया था, लेकिन दुर्भाग्य से एक कूपे हमें नहीं मिल पाया। वह बहुत पहले ही से कम्पनी के एक निदेशक के लिए आरक्षित था। मिस्टर हैरिस तो, यक़ीनन, कपोल-कल्पना थी। लेकिन हेक्टर के कूपे में किसी अजनबी का होना अटपटा साबित होता। और फिर, एकदम आख़िरी वक़्त पर आप आ गये—'

वे रुकीं।

'ख़ैर,' वे बोलीं। 'आपको अब सब कुछ मालूम है, मिस्टर पॉयरो। क्या करेंगे आप इसके बारे में? अगर इस सब को सामने आना ही है तो क्या आप सारा दोष मेरे—और सिर्फ़ मेरे मत्थे ही नहीं मढ़ सकते? मैंने खुशी से उस आदमी को बारह बार छुरा भोंका होता। सिर्फ़ इतनी बात नहीं थी कि वह मेरी बेटी और उसकी बच्ची की मौत के लिए ज़िम्मेदार था, और उस दूसरे बच्चे की भी जो इस समय ज़िन्दा और खुश खेल रहा होता। बात इससे भी ज़्यादा थी। डेजी से पहले दूसरे बच्चे भी रहे थे—भविष्य में और भी होते। समाज ने उसे दोषी करार दिया था, हम सिर्फ़ सजा को लागू कर रहे थे।

लेकिन इन सब दूसरों को इसमें लपेटने की कोई ज़रूरत नहीं। ये सारे भले, वफ़ादार लोग—और बेचारा मिशेल—और मेरी और कर्नल आरबथनॉट—वे एक-दूसरे को प्यार करते हैं—'

उस भीड़ भरे स्थान में गूँजती हुई उनकी आवाज़ में अद्भुत कशिश थी—उस गहरी, भाव-भरी, दिल मसोसने वाली आवाज़ में—जिसने न्यू यॉर्क के जाने कितने दर्शकों को रोमांचित किया था।

पॉयरो ने अपने मित्र की ओर देखा।

'आप कम्पनी के डायरेक्टर हैं, मोसिए बोक,' वे बोले, 'क्या कहना है आपका?'

मोसिए बोक ने खँखार कर अपना गला साफ़ किया।

'मेरी राय में, मोसिए पॉयरो,' उन्होंने कहा, 'आपने जो पहला हल पेश किया था, वही सही था, निश्चय ही। मेरा सुझाव है कि वही हल हम यूगोस्लाव पुलिस के सामने पेश करें, जब वे आते हैं। क्या ख़याल है, डॉक्टर, आप सहमत हैं?'

'हाँ, बिलकुल, मैं राजी हूँ,' डॉक्टर कॉन्स्टैन्टाइन ने कहा। 'जहाँ तक डॉक्टरी सबूतों की बात है—मेरा ख़याल है—अ-अ—मैंने एक या दो ऐसे सुझाव दिये हो सकते हैं जो दूर की कौड़ी जान पड़ें।'

'इन हालात में,' पॉयरो ने कहा, 'अपना हल आपके सामने पेश करने के बाद मैं बाइज़्ज़त इस मामले से विदा लेता हूँ—'